



“अनुपम पर्यापर्यटकीय गन्तव्यः समृद्ध खुम्बुको लक्ष्य”

"Eco-Touristic Destination Supremacy: Khumbu Towards Prosperity"

# प्रथम आवधिक योजना

(आर्थिक वर्ष २०८०/८१ – २०८४/८५)

खुम्बु पासाङल्हामु गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
चौरीखर्क, सोलुखुम्बु, कोशी प्रदेश, नेपाल

२०८०

## विषय सूची

परिच्छेद एक: परिचय .....	1
१.१ पृष्ठभूमि .....	1
१.२ आवधिक योजना तर्जुमाको उद्देश्य .....	1
१.३ कानूनी तथा नीतिगत व्यवस्था .....	2
१.४ आवधिक योजना तर्जुमा तथा प्रक्रिया .....	2
१.४.१ आवधिक योजना तर्जुमा अभिमुखीकरण तथा तयारी कार्यशाला .....	2
१.४.२ वस्तुस्थिति विवरण तथा आधार अवस्था सूचना अद्यावधीकरण .....	3
१.४.३ वस्तुस्थिति विश्लेषण तथा योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी .....	3
१.४.४ वडास्तरीय, विषयगत तथा लक्षित समूह परामर्श .....	3
१.४.५ स्रोत साधनको अनुमान तथा प्रक्षेपण .....	3
१.४.६ योजना दस्तावेज तयारी .....	3
१.४.७ योजना प्रमाणीकरण कार्यशाला तथा अन्तिम दस्तावेज तयारी .....	3
परिच्छेद दुई: विगतको उपलब्धि समीक्षा .....	5
२.१ आर्थिक क्षेत्र .....	5
२.१.१ पर्यटन तथा संस्कृति .....	5
२.१.२ कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाइ .....	5
२.१.३ पशुपंक्षी सेवा .....	5
२.१.४ उद्यम, व्यापार तथा व्यावसाय .....	5
२.१.५ भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा .....	6
२.१.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिब निवारण .....	6
२.२ सामाजिक क्षेत्र .....	6
२.२.१ स्वास्थ्य .....	6
२.२.२ शिक्षा .....	6
२.२.३ खानेपानी तथा सरसफाई .....	6
२.२.४ महिला बालबालिका तथा समाजिक समावेशीकरण .....	6
२.२.५ युवा तथा खेलकुद .....	7
२.२.६ सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण .....	7
२.३ पूर्वाधार क्षेत्र .....	7
२.३.१ भवन, आवास, बस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण .....	7
२.३.२ सडक, पुल तथा यातयात .....	7
२.३.३ जलश्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ ऊर्जा .....	7
२.३.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि .....	8
२.४ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम व्यवस्थापन क्षेत्र .....	8
२.४.१ वन, हरियाली तथा भू संरक्षण .....	8
२.४.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन .....	8
२.४.३ विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता .....	8

२.५ संस्थागत सुशासन तथा सेवा प्रवाह क्षेत्र .....	8
२.५.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन .....	8
२.५.२ संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह .....	9
२.५.३ राजस्व तथा श्रोत परिचालन .....	9
२.५.४ तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन .....	9
<b>परिच्छेद तीन: विकासको सोच तथा योजनाको प्रारूप .....</b>	<b>10</b>
<b>३.१ विकासको समष्टिगत समस्या तथा चुनौती र संभावना तथा अवसर .....</b>	<b>10</b>
३.१.१ समष्टिगत समस्या तथा चुनौती .....	10
३.१.२ समष्टिगत संभावना तथा अवसर .....	10
<b>३.२ समष्टिगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता .....</b>	<b>11</b>
३.२.१ समष्टिगत सोच .....	11
३.२.२ समष्टिगत लक्ष्य .....	11
३.२.३ समष्टिगत उद्देश्य .....	11
३.२.४ समष्टिगत रणनीति .....	11
३.२.५ विकासका प्रमुख संवाहक तथा समष्टिगत प्राथमिकता .....	13
<b>३.३ परिमाणात्मक लक्ष्य .....</b>	<b>13</b>
<b>३.४ गौरवका आयोजना तथा कार्यक्रम .....</b>	<b>14</b>
<b>परिच्छेद चार: आर्थिक क्षेत्र .....</b>	<b>16</b>
<b>४.१ पर्यटन तथा संस्कृति .....</b>	<b>16</b>
४.१.१ विद्यमान अवस्था .....	16
४.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	16
४.१.३ संभावना र अवसर .....	16
४.१.४ सोच .....	17
४.१.५ लक्ष्य .....	17
४.१.६ उद्देश्य .....	17
४.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	17
४.१.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	18
४.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	19
४.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	20
<b>४.२ कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई .....</b>	<b>20</b>
४.२.१ विद्यमान अवस्था .....	20
४.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	20
४.२.३ संभावना तथा अवसर .....	21
४.२.४ सोच .....	21
४.२.५ लक्ष्य .....	21
४.२.६ उद्देश्य .....	21
४.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	21
४.२.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	23

४.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	23
४.२.१० जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	23
<b>४.३ पशुपंक्षी विकास .....</b>	<b>24</b>
४.३.१ विद्यमान अवस्था .....	24
४.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	24
४.३.३ संभावना तथा अवसर .....	24
४.३.४ सोच .....	24
४.३.५ लक्ष्य .....	24
४.३.६ उद्देश्य .....	24
४.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	24
४.३.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	26
४.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	26
४.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	26
<b>४.४ उद्योग, व्यापार व्यवसाय .....</b>	<b>26</b>
४.४.१ विद्यमान अवस्था .....	26
४.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	27
४.४.३ संभावना तथा अवसर .....	27
४.४.४ सोच .....	27
४.४.५ लक्ष्य .....	27
४.४.६ उद्देश्य .....	27
४.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	27
४.४.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	29
४.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	29
४.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	29
<b>४.५ भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था .....</b>	<b>29</b>
४.५.१ विद्यमान अवस्था .....	29
४.५.२ समस्या तथा चुनौती .....	30
४.५.३ संभावना तथा अवसर .....	30
४.५.४ सोच .....	30
४.५.५ लक्ष्य .....	30
४.५.६ उद्देश्य .....	30
४.५.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	30
४.५.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	31
४.५.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	32
४.५.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	32
<b>४.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण .....</b>	<b>32</b>
४.६.१ विद्यमान अवस्था .....	32
४.६.२ समस्या तथा चुनौती .....	32

४.६.३ संभावना तथा अवसर .....	32
४.६.४ सोच .....	33
४.६.५ लक्ष्य .....	33
४.६.६ उद्देश्य .....	33
४.६.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	33
४.६.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	34
४.६.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	34
४.६.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	34
<b>परिच्छेद पाँच: सामाजिक विकास क्षेत्र .....</b>	<b>35</b>
<b>५.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण .....</b>	<b>35</b>
५.१.१ विद्यमान अवस्था .....	35
५.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	35
५.१.३ संभावना तथा अवसर .....	35
५.१.४ सोच .....	35
५.१.५ लक्ष्य .....	35
५.१.६ उद्देश्य .....	35
५.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	36
५.१.८ नतिजा खाका .....	36
५.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	37
५.१.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	37
<b>५.२ शिक्षा, कला, भाषा र साहित्य .....</b>	<b>37</b>
५.२.१ विद्यमान अवस्था .....	37
५.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	38
५.२.३ संभावना तथा अवसर .....	38
५.२.४ सोच .....	38
५.२.५ लक्ष्य .....	38
५.२.६ उद्देश्य .....	38
५.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	38
५.२.८ नतिजा खाका .....	39
५.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	40
५.२.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	40
<b>५.३ खानेपानी सरसफाई .....</b>	<b>40</b>
५.३.१ विद्यमान अवस्था .....	40
५.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	40
५.३.३ संभावना तथा अवसर .....	41
५.३.४ सोच .....	41
५.३.५ लक्ष्य .....	41
५.३.६ उद्देश्य .....	41

५.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	41
५.३.८ नतिजा खाका .....	42
५.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	42
५.३.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	43
<b>५.४ महिला बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण .....</b>	<b>43</b>
५.४.१ विद्यमान अवस्था .....	43
५.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	43
५.४.३ सम्भावना तथा अवसर .....	43
५.४.४ सोच .....	43
५.४.५ लक्ष्य .....	44
५.४.६ उद्देश्य .....	44
५.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	44
५.४.८ नतिजा खाका .....	44
५.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	45
५.४.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	45
<b>५.५ युवा तथा खेलकुद .....</b>	<b>45</b>
५.५.१ विद्यमान अवस्था .....	45
५.५.२ समस्या तथा चुनौती .....	46
५.५.३ सम्भावना तथा अवसर .....	46
५.५.४ सोच .....	46
५.५.५ लक्ष्य .....	46
५.५.६ उद्देश्य .....	46
५.५.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	46
५.५.८ नतिजा खाका .....	47
५.५.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	47
५.५.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	47
<b>५.६ सामाजिक सुरक्षा र पञ्जीकरण .....</b>	<b>48</b>
५.६.१ विद्यमान अवस्था .....	48
५.६.२ समस्या तथा चुनौती .....	48
५.६.३ सम्भावना तथा अवसर .....	48
५.६.४ सोच .....	48
५.६.५ लक्ष्य .....	48
५.६.६ उद्देश्य .....	48
५.६.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	48
५.६.८ नतिजा खाका .....	49
५.६.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	49
५.६.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	49
<b>परिच्छेद छः पूर्वाधार विकास क्षेत्र .....</b>	<b>50</b>

<b>६.१ भवन, आवास, बस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण</b> .....	50
६.१.१ विद्यमान अवस्था .....	50
६.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	50
६.१.३ संभावना तथा अवसर .....	50
६.१.४ सोच .....	51
६.१.५ लक्ष्य .....	51
६.१.६ उद्देश्य .....	51
६.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	51
६.१.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	52
६.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	53
६.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	53
<b>६.२ सडक, पुल तथा यातायात</b> .....	53
६.२.१ विद्यमान अवस्था .....	53
६.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	54
६.२.३ संभावना तथा अवसर .....	54
६.२.४ सोच .....	54
६.२.५ लक्ष्य .....	54
६.२.५ उद्देश्य .....	54
६.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	54
६.२.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	56
६.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	56
६.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	57
<b>६.३ जलस्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ उर्जा</b> .....	57
६.३.१ विद्यमान अवस्था .....	57
६.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	57
६.३.३ संभावना तथा अवसर .....	57
६.३.४ सोच .....	57
६.३.५ लक्ष्य .....	57
६.३.६ उद्देश्य .....	57
६.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	58
६.३.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका .....	58
६.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	59
६.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	59
<b>६.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि</b> .....	59
६.४.१ विद्यमान अवस्था .....	59
६.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	60
६.४.३ संभावना तथा अवसर .....	60
६.४.४ सोच .....	60

६.४.५ लक्ष्य .....	60
६.४.६ उद्देश्य.....	60
६.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	60
६.४.८ अपिक्षत नतिजा तथा नतिजा खाका.....	61
६.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण .....	62
६.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	62
<b>परिच्छेद सात : वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र.....</b>	<b>63</b>
<b>७.१ वन, हरियाली तथा भूसंरक्षण .....</b>	<b>63</b>
७.१.१ विद्यमान अवस्था .....	63
७.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	63
७.१.३ संभावना तथा अवसर .....	63
७.१.४ सोच .....	63
७.१.५ लक्ष्य .....	63
७.१.६ उद्देश्य.....	64
७.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	64
७.१.८ नतिजा खाका .....	64
७.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	65
७.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	65
<b>७.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन .....</b>	<b>65</b>
७.२.१ विद्यमान अवस्था .....	65
७.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	66
७.२.३ संभावना तथा अवसर .....	66
७.२.४ सोच .....	66
७.२.५ लक्ष्य .....	66
७.२.६ उद्देश्य.....	66
७.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	66
७.२.८ नतिजा खाका .....	67
७.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	68
७.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	68
<b>७.३ विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता .....</b>	<b>68</b>
७.३.१ विद्यमान अवस्था .....	68
७.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	69
७.३.३ संभावना तथा अवसर .....	69
७.३.४ सोच .....	69
७.३.५ लक्ष्य .....	69
७.३.६ उद्देश्य.....	69
७.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	69
७.३.८ नतिजा खाका .....	70

७.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	71
७.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	71
<b>परिच्छेद आठ: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र .....</b>	<b>72</b>
<b>८.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन .....</b>	<b>72</b>
८.१.१ विद्यमान अवस्था .....	72
८.१.२. समस्या तथा चुनौती .....	72
८.१.३ संभावना तथा अवसर .....	72
८.१.४ सोच .....	72
८.१.५ लक्ष्य .....	72
८.१.६ उद्देश्य .....	72
८.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	73
८.१.८ नतिजा खाका .....	74
८.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	74
८.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	74
<b>८.२ संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह .....</b>	<b>74</b>
८.२.१ विद्यमान अवस्था .....	74
८.२.२. समस्या तथा चुनौती .....	75
८.२.३ संभावना तथा अवसर .....	75
८.२.४ सोच .....	75
८.२.५ लक्ष्य .....	75
८.२.६ उद्देश्य .....	75
८.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	75
८.२.८ नतिजा खाका .....	76
८.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	77
८.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	77
<b>८.३ राजस्व तथा स्रोत परिचालन .....</b>	<b>77</b>
८.३.१ विद्यमान अवस्था .....	77
८.३.२. समस्या तथा चुनौती .....	78
८.३.३ संभावना तथा अवसर .....	78
८.३.४ सोच .....	78
८.३.५ लक्ष्य .....	78
८.३.६ उद्देश्य .....	78
८.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	78
८.३.८ नतिजा खाका .....	79
८.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	79
८.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	80
<b>८.४ तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन .....</b>	<b>80</b>
८.४.१ विद्यमान अवस्था .....	80

८.४.२. समस्या तथा चुनौती .....	80
८.४.३ संभावना तथा अवसर .....	80
८.४.४ सोच .....	80
८.४.५ लक्ष्य .....	81
८.४.६ उद्देश्य .....	81
८.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति .....	81
८.४.८ नतिजा खाका .....	82
८.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना .....	82
८.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	82
<b>परिच्छेद नौ: आवधिक योजना कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन .....</b>	<b>83</b>
९.१ आवधिक योजना कार्यान्वयन .....	83
९.२ आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि संगठन संरचना .....	83
९.३ आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि प्रस्तावित मानव संसाधन .....	84
९.४ स्रोत आवश्यकता तथा वित्तीय व्यवस्था रणनीति .....	85
९.५ आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन ढाँचा .....	87
९.६ आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना .....	88
९.७ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको विधि तथा प्रक्रिया .....	89
९.८ आवधिक योजना प्रगति प्रतिवेदनको ढाँचा .....	89
<b>अनुसूचीहरू .....</b>	<b>90</b>
<b>अनुसूची १ - स्थानागत योजना .....</b>	<b>90</b>
<b>१. वडा नम्बर एक (१) .....</b>	<b>90</b>
१.१ पृष्ठभूमि .....	90
१.२ विगत विकासका कार्यक्रमको उपलब्धि समीक्षा .....	90
१.३ संभावना र अवसर .....	90
१.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	90
१.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना .....	92
<b>२. वडा नम्बर दुई (२) .....</b>	<b>98</b>
२.१ पृष्ठभूमि .....	98
२.२ विगत सञ्चालित कार्यक्रम उपलब्धि समीक्षा .....	98
२.३ संभावना तथा अवसर .....	99
२.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	99
२.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना .....	100
<b>३. वडा नम्बर तीन (३) .....</b>	<b>104</b>
३.१ पृष्ठभूमि .....	104
३.२ विकासका कार्यक्रमका उपलब्धिको समीक्षा .....	105
३.३ संभावना तथा अवसर .....	105
३.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	105
३.५ बस्ती तहको योजना .....	106

४. वडा नम्बर चार (४) .....	117
४.१ पृष्ठभूमि.....	117
४.२ विगतमा प्रमुख कार्यक्रम तथा उपलब्धिको समीक्षा.....	117
४.३ प्रमुख संभावना तथा अवसर.....	117
४.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	117
४.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना .....	118
५ वडा नम्बर पाँच (५) .....	123
५.१ पृष्ठभूमि.....	123
५.२ विकासका कार्यक्रमका उपलब्धिको समीक्षा.....	123
५.३ सम्भावना तथा अवसर.....	124
५.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	124
५.५ बस्ती तहको योजना .....	125

## तालिका सूची

तालिका 1 : गाउँपालिकाको परिमाणात्मक लक्ष्य सूचक	13
तालिका 2 : गाउँपालिकाको गौरवको आयोजना विवरण	15
तालिका 3 : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	17
तालिका 4 : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको नतिजा खाका	18
तालिका 5 : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	19
तालिका 6 : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	21
तालिका 7 : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको नतिजा खाका	23
तालिका 8 : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	23
तालिका 9 : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	24
तालिका 10 : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको नतिजा खाका	26
तालिका 11 : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	26
तालिका 12 : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	27
तालिका 13 : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको नतिजा खाका	29
तालिका 14 : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना	29
तालिका 15 : भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	30
तालिका 16 : भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको नतिजा खाका	31
तालिका 17 : भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना	32
तालिका 18 : श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	33
तालिका 19 : श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण उपक्षेत्रको नतिजा खाका	34
तालिका 20 : श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना	34
तालिका 21 : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	36
तालिका 22 : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको नतिजा खाका	36
तालिका 23 : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	37
तालिका 24 : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	38
तालिका 25 : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको नतिजा खाका	39
तालिका 26 : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण	40
तालिका 27 : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	41
तालिका 28 : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको नतिजा खाका	42
तालिका 29 : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	42
तालिका 30 : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशिकरण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	44
तालिका 31 : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशिकरण उपक्षेत्रको नतिजा खाका	44

तालिका 32 : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशिकरण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	45
तालिका 33 : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	46
तालिका 34 : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको नतिजा खाका	47
तालिका 35 : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	47
तालिका 36 : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	48
तालिका 37 : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको नतिजा खाका	49
तालिका 38 : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	49
तालिका 39 : भवनबस्ती विकास उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति ,आवास ,	51
तालिका 40 : भवनबस्ती विकास उपक्षेत्रको नतिजा खाका ,आवास ,	52
तालिका 41 : भवनबस्ती विकास उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण ,आवास ,	53
तालिका 42 : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	54
तालिका 43 : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको नतिजा खाका	56
तालिका 44 : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	56
तालिका 45 : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	58
तालिका 46 : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको नतिजा खाका	58
तालिका 47 : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	59
तालिका 48 : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	60
तालिका 49 : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको नतिजा खाका	61
तालिका 50 : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	62
तालिका 51 : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	64
तालिका 52 : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको नतिजा खाका	64
तालिका 53 : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	65
तालिका 54 : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	66
तालिका 55 : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा खाका	67
तालिका 56 : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	68
तालिका 57 : विपद जोखिम व्यवस्थापन जलवायू परिवर्तन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	69
तालिका 58 : विपद जोखिम व्यवस्थापन जलवायू परिवर्तन उपक्षेत्रको नतिजा खाका	70
तालिका 59 : विपद जोखिम व्यवस्थापन जलवायू परिवर्तन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	71
तालिका 60 : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	73
तालिका 61 : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको नतिजा खाका	74
तालिका 62 : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	74
तालिका 63 : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	75

तालिका 64 : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको नतिजा खाका	76
तालिका 65 : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	77
तालिका 66 : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	78
तालिका 67 : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको नतिजा खाका	79
तालिका 68 : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण	79
तालिका 69 : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति	81
तालिका 70 : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा खाका	82
तालिका 71 : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण	82
तालिका 72 : प्रस्तावित मानव संसाधन विवरण	84
तालिका 73 : श्रोतको आवश्यकताको अनुमान र प्रक्षेपण	85
तालिका 74 : आवधिक योजना अवधिमा लगानी हुन सक्ने स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण (हजारमा .रकम रु)	86
तालिका 75 : आवधिक योजनाको अनुमगन तथा मूल्याङ्कन खाका विवरण	88
तालिका 76 : आवधिक योजनाको प्रगति प्रतिवेदनको ढाँचा	89

## परिच्छेद एक: परिचय

### १.१ पृष्ठभूमि

विकास योजनाले उपलब्ध श्रोत साधनलाई परिचालन गरी निश्चित अवधिभित्र निर्धारित लक्ष्य, उद्देश्य र प्रतिफल हासिल गर्ने मार्गाचित्र प्रस्तुत गर्दछ । राजनीतिक दलहरूले निर्वाचनमा सहभागि हुँदा जनतासँग प्रस्तुत गरेका घोषणा तथा प्रतिवद्धतालाई संस्थागत रूपमा व्यवहारमा कार्यान्वयन गर्ने साधन तथा प्रक्रियाको रूपमा आवधिक योजना तर्जुमा आवश्यक हुन्छ । संवैधानिक अधिकारको सही रूपमा कार्यान्वयन गर्न दीर्घकालीन योजना, आवधिक योजना र वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन आवश्यक हुन्छ । विकासको गतिलाई तिब्रता प्रदान गर्न तथा सरकारको जनताप्रतिको जवाफदेहिता अभिवृद्धि गर्नसमेत उपरोक्त योजनाहरूको तर्जुमा र कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन आवश्यक हुन्छ ।

नेपालको संविधानले सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीन तहको सङ्घीय स्वरूप निर्धारण गरी तीनवटै तहका सरकारलाई आ-आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्र योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्ने, कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन मूल्याङ्कन गर्ने र त्यसका लागि आवश्यक पर्ने स्रोतको प्रबन्ध गर्न सक्ने अधिकार प्रदान गरेको छ । यस सन्दर्भमा स्थानीय तहले पनि विकास गतिबिधिहरूलाई योजनाबद्ध तथा व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन गर्न र विकास प्रयासलाई अपेक्षित नतिजाउन्मुख बनाउन आवधिक योजना तर्जुमा गर्न जरूरी हुन्छ । स्थानीय विकासको गतिलाई तिब्रता प्रदान गर्न तथा स्थानीय सरकारको जनताप्रतिको जवाफदेहिता अभिवृद्धि गर्न आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत रणनीतिक तथा गुरुयोजनाको तर्जुमा तथा कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन आवश्यक हुन्छ । यसबाट वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक, सहज र वस्तुनिष्ठ बनाउन सहयोग पुग्दछ । योजना तर्जुमा, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन लगायत योजना व्यवस्थापन प्रक्रियाको हरेक चरणमा सहभागितामूलक, समावेशी, पारदर्शी र जवाफदेही प्रणालीको सुनिश्चितताका लागि पनि आवधिक योजना तर्जुमा आवश्यक हुन्छ । स्थानीय विकासका गतिबिधिहरूमा तीनै तहका सरकार, निजी क्षेत्र, गैर सरकारी क्षेत्र, सहकारी र समुदायसँग सहकार्य गरी दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने अवस्थाको सुनिश्चितता गर्न पनि यसको आवश्यकता पर्दछ ।

स्थानीय आवधिक योजनाले सीमित स्रोत साधनलाई प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा उपयोग गर्ने उपयुक्त विकल्प पहिल्याउँछ । यसले सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा तीब्रता ल्याउन, विगतको उपलब्धि तथा प्रगति समीक्षा र हालको अवस्थाको यथार्थ चित्रण गर्दै आगामी दिनको नतिजा आँकलन गर्न र नतिजामुखी विकास पद्धति अवलम्बन गर्न मद्दत गर्दछ । यसले विकास प्रक्रियामा सरोकारवाला विशेषगरी जोखिममा रहेका वर्गको संलग्नता र जवाफदेहिता वृद्धि गर्न पनि सहयोग पुऱ्याउँछ । नागरिकहरूको विश्वास अभिवृद्धि गरी समाजलाई विकास तथा समृद्धितर्फ अग्रसर गराउने र स्थानीय आर्थिक विकासको माध्यमबाट स्थानीय जनताको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउन स्थानीय आवधिक योजनाले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ । यसका अतिरिक्त विपद् जोखिम संवेदनशीलता तथा उत्थानशीलतालाई विकास प्रक्रियाको मूलप्रवाहमा ल्याउन र लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटको माध्यमबाट सामाजिक समानता तथा रुपान्तरण ल्याउन सहयोगी हुन्छ । यस अर्थमा सामाजिक न्याय, समानता तथा रुपान्तरणका लागि पनि स्थानीय आवधिक योजना तर्जुमा जरूरी देखिन्छ ।

उपरोक्त सैद्धान्तिक, कानूनी तथा प्रक्रियागत व्यवस्थालाई मध्यनजर गरी अपार संभावना र मौलिक विशेषता रहेको यस खुम्बु पासाङल्हामु गाउँपालिकाको समग्र विकास प्रयासलाई मार्गदर्शन गर्न राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा जारी गरिएको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ मा आधारित भइ सरोकारवालाको संलग्नतामा सहभागितामूलक प्रक्रिया अबलम्बन गरी पहिलो प्रयासको रूपमा यो आवधिक योजना तर्जुमा गरिएको छ ।

### १.२ आवधिक योजना तर्जुमाको उद्देश्य

स्थानीय आवधिक योजनाले गाउँपालिकाको समग्र विकासको लक्ष्य तथा उद्देश्यहरू निर्धारण गरी सोको प्रसिक्ता लागि उपयुक्त सिद्धान्त, नीति, रणनीति तथा प्राथमिकताहरू पहिचान गर्दछ । यसले निश्चित अवधिका लागि गाउँपालिकालाई आफुले चाहेको गन्तव्यतर्फ डोऱ्याउने काम गर्दछ । आवधिक योजना सन्तुलित, दिगो र समन्यायिक विकासलाई निर्दिष्ट दिशा प्रदान गर्ने व्यवस्थित रूपरेखा हो । राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक विकास लक्ष्य हासिल गर्न तथा स्थानीय विकासका सरोकारवालाहरूको साझा प्रतिबद्धता र दायित्व श्रृजना गर्न आवधिक योजनाले महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ । स्थानीय आवधिक योजनाले स्थानीय आवश्यकताको सम्बोधन तथा जनताको जीवनस्तरमा गुणात्मक सुधारको लागि स्पष्ट खाका तयार गर्दछ । आवधिक योजना विषय क्षेत्रगत रणनीतिक/गुरुयोजना, मध्यमकालीन

खर्च संरचना तथा वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमाको मुल आधारका रुपमा रहेको हुन्छ । यस आवधिक योजना तर्जुमाको मुख्य उद्देश्य गाउँपालिकाको योजनावद्ध विकास प्रयास र प्रक्रियालाई मार्गदर्शन प्रदान गर्नु रहेको छ । यसका विशिष्ट उद्देश्यहरू देहायबमोजिम रहेका छन् :

- क. गाउँपालिकाका विकास गतिबिधिलाई निर्दिष्ट लक्ष्य हासिल गर्ने दिशातर्फ निर्देशित गर्नु;
- ख. स्थानीय विकासका सरोकारवालाहरू बीच विकास प्रयास र उपलब्धिमा साझा प्रतिवद्धता र उत्तरदायित्व सिर्जना गर्नु;
- ग. विकासको राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक लक्ष्य र प्राथमिकतासँग स्थानीय विकासको तादात्म्यता कायम गर्नु;
- घ. गाउँपालिकाको विकास प्रयासलाई मार्गदर्शन गर्ने र अपेक्षित नतिजा हासिल गर्ने गरी स्थानीय विकासको प्रारूप तयार गर्नु; र
- ङ. नतिजामा आधारित स्थानीय विकासको अवधारणालाई प्रवर्द्धन गर्नु ।

### १.३ कानूनी तथा नीतिगत व्यवस्था

देहायमा उल्लेखित संवैधानिक, कानूनी तथा नीतिगत व्यवस्थालाई आधारको रुपमा लिइ गाउँपालिकाले यो आवधिक योजना तर्जुमा गरेको छ:

- क. नेपालको संविधानको मौलिक हक, राज्यको दायित्व, निर्देशक सिद्धान्त तथा नीति र स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्र,
- ख. स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ अनुसार गाउँपालिकाको अधिकार क्षेत्रभित्रका विषय,
- ग. स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ अनुसार स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा सम्बन्धी व्यवस्था,
- घ. अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ अनुसार राजस्व बाँडफाँड तथा रोयल्टी, अन्तर सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, वैदेशिक सहायता तथा आन्तरिक ऋणसम्बन्धी प्रावधान,
- ङ. राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगको कार्यक्षेत्र र सो सम्बन्धी ऐनले मार्गनिर्देश गरेका सान्दर्भिक विषयहरू,
- च. सङ्घीय तहमा कार्यान्वयनमा रहेका आवधिक योजनाहरू, विषयगत योजना तथा नीति र रणनीतिहरू तथा प्रादेशिक योजनाहरू,
- छ. अन्तर सरकार सहकार्य र समन्वय साथै छिमेकी स्थानीय सरकारका आवधिक योजनासँग समन्वय सम्बन्धी व्यवस्था,
- ज. सामाजिक संरक्षण, दिगो विकास, हरित, जलवायु र विपद व्यवस्थापन उत्थानशीलता, खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, लैंगिक सशक्तिकरण र समावेशी विकास, बालमैत्री स्थानीय शासन, वातावरणमैत्री स्थानीय शासन, पूर्ण सरसफाई अभियान, नविकरणीय उर्जा जस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयहरू,
- झ. नेपालले लिएको दिगो विकास लक्ष्य,
- ञ. राष्ट्रिय भूउपयोग नीति, २०७२,
- ट. विषयगत सङ्घीय तथा प्रादेशिक ऐन तथा नीतिहरू,
- ठ. नेपाल पक्ष भएका अन्तरराष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय सन्धी सम्झौताहरू,
- ड. राष्ट्रिय योजनाबाट जारी स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ राष्ट्रिय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन निर्देशिकाको व्यवस्था,
- ढ. राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक आवधिक तथा विषयगत रणनीतिक तथा गुरुयोजनाहरू,
- ण. वस्तुस्थिति विवरण अथवा प्रोफाइल,
- त. स्थानीय तहको निर्वाचनमा निर्वाचित पदाधिकारीको राजनीतिक दलहरूको घोषणा तथा प्रतिवद्धतापत्र ।

### १.४ आवधिक योजना तर्जुमा तथा प्रक्रिया

गाउँपालिकाको नेतृत्व र सरोकारवालाको संलग्नतामा देहायमा उल्लेखित सहभागितामूलक विधि तथा प्रक्रिया अवलम्बन गरी यस आवधिक योजना तर्जुमा गरिएको छ:

#### १.४.१ आवधिक योजना तर्जुमा अभिमुखीकरण तथा तयारी कार्यशाला

आवधिक योजनाको अवधारणा, आवश्यकता, तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया, कार्ययोजना, सहभागिता र विषयवस्तुको बारेमा साझा बुझाई कायम गरी जिम्मेबारी बाँडफाँट गर्ने उद्देश्यले २०८० साल जेठ २८ गते आवधिक योजना तर्जुमा अभिमुखीकरण तथा तयारी कार्यशाला सञ्चालन गरियो । अभिमुखीकरण तथा तयारी कार्यशालामा गाउँपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालिका तथा विषयगत समितिका पदाधिकारी, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत तथा शाखा प्रमुखहरू लगायतका कर्मचारी, राजनीतिक दल तथा अन्तरराष्ट्रिय, राष्ट्रिय, स्थानीय

गैससका प्रमुख तथा प्रतिनिधि, स्थानीय अगुवा कृषक, उद्यमी, व्यवसायी, नागरिक समाज, महिला, बालबालिका, युवा तथा लक्षित वर्गको सहभागिता रहेको थियो ।

#### **१.४.२ वस्तुस्थिति विवरण तथा आधार अवस्था सूचना अद्यावधीकरण**

आवधिक योजना तर्जुमाको प्रमुख आधार नै विगतको प्रगतिको प्रवृत्ति र विद्यमान अवस्थाको विश्लेषण भएको हुँदा गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण तथा प्रगति विवरणबाट उपलब्ध भएको सूचना तथा तथ्याङ्कको आधारमा अद्यावधिक गरी आधार सूचना विवरण तयार गरियो । कार्यशाला गोष्ठीमा आधार अवस्था सूचना उपलब्धताको अवस्था प्रस्तुत गरी थप छलफल समेतका आधारमा आधार सूचना अद्यावधिक गरियो ।

#### **१.४.३ वस्तुस्थिति विश्लेषण तथा योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी**

वस्तुस्थिति विवरण तथा आधार सूचना अद्यावधीकरण पश्चात गाउँपालिकाको नेतृत्वमा २०८० साल जेठ २८ र २९ गते वस्तुस्थिति विश्लेषण तथा योजना अवधारणा तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गरियो । उक्त कार्यशाला गोष्ठीमा गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विश्लेषण, दीर्घकालीन सोच निर्धारण, योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता, रणनीति तथा परिमाणात्मक लक्ष्य र समष्टिगत तथा विषयगत नतिजा खाका तर्जुमा गरियो । गोष्ठीमा वस्तुस्थिति विश्लेषण र योजनाको अवधारणाको आधारमा विषय क्षेत्र उपक्षेत्रगत विगतको उपलब्धि, वस्तुस्थिति विश्लेषण र सोको आधारमा सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति समेत नतिजा खाका र प्रमुख कार्यक्रम/आयोजनाको प्रस्ताव समेत तयार गरियो । उक्त गोष्ठीको आयोजना गाउँ कार्यपालिकाले र सहजीकरण प्राविधिक सहयोग टोलीका विषय विज्ञबाट भएको थियो ।

#### **१.४.४ वडास्तरीय, विषयगत तथा लक्षित समूह परामर्श**

गाउँ कार्यपालिकाको निर्णय बमोजिम वडास्तर तथा लक्षित समूहमा आवधिक योजनाको प्रारम्भिक मस्यौदा उपर छलफल तथा परामर्श गरी सुझाव संकलन गरियो । वडास्तरीय परामर्श तथा छलफलमा वडा समितिका पदाधिकारी, टोल विकास संस्था, स्थानीय बुद्धिजीवी र लक्षित वर्गका प्रतिनिधिहरूको सहभागिता रहेको थियो । विषयगत परामर्श तथा छलफलमा विषयगत समिति र शाखा/कार्यालय, अ/गैसस, विषयगत समूह तथा संजाल र स्थानीय विषयविज्ञ तथा अगुवाहरू तथा राजनैतिक दलका प्रतिनिधिहरूको सहभागिता रहेको थियो ।

#### **१.४.५ स्रोत साधनको अनुमान तथा प्रक्षेपण**

विगत आर्थिक वर्षहरूको लगानीको प्रवृत्ति र आमागी दिनमा हुनसक्ने लगानीको सम्भावनाका आधारमा आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आगामी पाँच वर्षमा उपलब्ध हुने स्रोत साधनको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो । आवधिक योजनामा गाउँपालिकाको आन्तरिक आय, राजस्व बाँडफाँट, रोयल्टी, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त अनुदान, विकास साझेदार, नागरिक समाज, सहकारी तथा निजी क्षेत्रबाट हुने सक्ने लगानी समेतलाई आधार मानी श्रोतमा समावेश गरिएको छ ।

#### **१.४.६ योजना दस्तावेज तयारी**

आवधिक योजना तयारी कार्यशाला गोष्ठी, वस्तुस्थिति विश्लेषण तथा अवधारणा तर्जुमा कार्यशाला तथा वडास्तरीय, विषयगत तथा लक्षित समूह परामर्श, योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठीको र परामर्शको निष्कर्षका आधारमा स्विकृत ढाँचामा तर्कपूर्ण रूपमा योजनाको दस्तावेजको मस्यौदा तयार गरियो । गाउँ कार्यपालिका कार्यालयको नेतृत्व, परामर्श र पृष्ठपोषणका आधारमा प्राविधिक सहयोग टोलीको सहयोगमा आवधिक योजनाको मस्यौदा तयार गरिएको थियो । यसरी तयार भएको दस्तावेजलाई सुझाव तथा पृष्ठपोषणका लागि गाउँ कार्यपालिका कार्यालयमा प्रस्तुत गरियो ।

#### **१.४.७ योजना प्रमाणीकरण कार्यशाला**

प्राप्त भएको सुझाव तथा पृष्ठपोषण समेतका आधारमा तयार भएको योजनाको मस्यौदालाई गाउँपालिकाको आयोजनामा **२०८० साल माघ १२** गते काठमाडौँमा गाउँपालिकाका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यपालिका पदाधिकारी, विषयगत समिति तथा शाखाका प्रतिनिधि र काठमाडौँमा उपलब्ध विभिन्न संघ संस्था र गाउँपालिका निवासी बुद्धिजीवीहरू समेतको सहभागितामा आवधिक योजना प्रमाणीकरण

कार्यशालाको आयोजना गरियो । यस कार्यशालामा विज्ञहरुबाट योजनाको मस्यौदा प्रस्तुत गरी छलफल गर्ने र सहभागीहरुबाट सुझाव संकलन गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

#### **१.४.८ योजनाको अन्तिम दस्तावेज तयारी**

आवधिक योजनाको मस्यौदा उपर प्रमाणीकरण कार्यशालामा प्राप्त भएका सुझाव तथा पृष्ठपोषण समेतका आधारमा आवश्यक परिमार्जन गरी आवधिक योजनाको दस्तावेजलाई अन्तिम रूप प्रदान गरियो ।

## परिच्छेद दुई: विगतको उपलब्धिको समीक्षा

विगतमा गरिएका विकास प्रयाशहरूबाट प्राप्त भएका उपलब्धिहरूको यथार्थ विवरणले आवधिक योजनाको तर्जुमाको लागि आधार तथ्याङ्कको रूपमा काम गर्दछ। यस परिच्छेदमा सबै विषय क्षेत्रमा विगत धेरै लामो अवधिको उपलब्धि तथ्याङ्क प्राप्त गर्न सम्भव नभएको कारण खानेपानी, पर्यटक पदमार्ग, दूरसञ्चार सेवा, जलविद्युत जस्ता उपक्षेत्रमा हालसम्म कै प्राप्त उपलब्धि समावेश गरिएको छ भने अन्य उपक्षेत्रहरूमा गाउँपालिका स्थापना भएपश्चातका मुख्य मुख्य उपलब्धिहरूलाई समावेश गरिएको छ।

### २.१ आर्थिक क्षेत्र

#### २.१.१ पर्यटन तथा संस्कृति

विगत ६ वर्षमा गाउँपालिका आफैले तथा अन्य निकायसँगको सहकार्य, साझेदारी र समन्वयमा ३६० जनालाई पर्यटन गाइड ट्रेनिङ, ५० जनालाई फुड तथा वेभरेज तालिम, १२५ जनालाई कुक ट्रेनिङ तथा पर्यटकहरूको सुरक्षालाई प्रवर्द्धन गर्न ट्रेक कार्ड प्रणाली सञ्चालनमा ल्याएको छ। त्यसैगरी पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि ४ स्थानमा पोर्टर सेल्टर निर्माण, विभिन्न स्थानमा पर्यटन पदमार्ग निर्माण र मर्मत संभार, लुक्लामा रक क्लाम्बिङ विकास र स्तरोन्नति, साइनपोष्ट निर्माण, तेन्जिङ हिलारी पार्क, शेर्पा म्यूजियम, सर एडमण्ड हिलारी म्यूजियम, तेन्जिङ हेरिटेज सेन्टर तथा ११ वटा गुम्बा पुन/निर्माण तथा मर्मतसंभार सम्पन्न भएको छ। त्यसबाहेक खुम्बु क्षेत्रको पर्यटकीय गन्तव्य उपजहरूको सूचना डिस्प्ले जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गरी वार्षिक ५०,००० भन्दा बढी पर्यटकलाई विभिन्न सेवा तथा सुविधा प्रदान गरिएको छ। गाउँपालिकाले पर्यटक सूचना विवरण तयार गर्न, सूचना प्रवाह गर्न, पर्यटकको यात्रा सम्बन्धी सूचना अद्यावधिक गर्न र आवश्यकता अनुसार उद्धार सहयोग सम्बन्धी सेवा उपलब्ध गराए बापत पर्यटन सेवा शुल्क उठाउने व्यवस्था गरी यसबाट गाउँपालिकालाई वार्षिक करिब १० करोड राजस्व संकलन हुने गरेको छ।

#### २.१.२ कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाइ

यस गाउँपालिका स्थापना पश्चात कृषि समूह तथा फर्म गठन तथा दर्ता, किसान सूचीकरण, आलु तथा गहुँ उवा पकेट क्षेत्र स्थापना र निरन्तरता, कृषिजन्य यन्त्र उपकरण सहयोग, बीउ वीजन प्रविधि हस्तान्तरण, माटो परीक्षण, टनेल निर्माणमा सहयोग, कोल्ड स्टोरेज निर्माण सञ्चालन गरी ३०० रोपनी क्षेत्रफलमा आलु, २०० रोपनी क्षेत्रफलमा गहुँ तथा उवा, १५ रोपनी क्षेत्रमा तरकारी खेतिको विकास र विस्तार गरिएको छ। यसैगरी वडा नम्बर २ को सानोगुमेलामा २४ मे.ट. क्षमताको कोल्ड स्टोरेज स्थापना भएको भएको छ। गाउँपालिकामा १३२१ कृषक परिवारका रूपमा सूचीकृत भएका छन्। आलु पकेट विकास कार्यक्रममा १२० कृषक परिवार, गहुँ तथा उवा पकेट क्षेत्र विकास कार्यक्रममा ३२ कृषक परिवार र संरक्षित कृषिमा ६४ कृषक परिवार गरी कुल २१६ कृषक परिवार व्यावसायिक उत्पादनमा आबद्ध रहेका छन्। खाद्यान्न बालीको औसत उत्पादकत्व ४.२ मे. टन प्रति हेक्टर रहेको छ। १६० हेक्टर जमीनमा बाह्र महिना सिंचाई सुविधा उपलब्ध रहेको छ।

#### २.१.३ पशुपंक्षी सेवा

गाउँपालिका स्थापना पश्चात बाख्रा पकेट क्षेत्र स्थापना र सो अन्तर्गत ८ वटा कृषक समूहमा ८० जना कृषक समावेश गरी ८१ उन्नत जातका वोयर बोका र वाख्रा वितरण, पशु बिमा कार्यक्रम, पशु बन्ध्याकरण र उपचार, डग सेल्टर स्थापना गरिएको छ। यसबाट वार्षिक ३० हजार २ सय लिटर दुध तथा वार्षिक १० मेट्रिक टन मासु उत्पादन भैरहेको छ। १२० कृषक परिवार पशु बिमा कार्यक्रममा आवद्ध भएका छन्। छाडा कुकुरहरूलाई व्यवस्थापन गर्न नाम्चेमा केनल हाउस स्थापना गरी सञ्चालन गरिएको छ। १३५ कृषकहरू व्यावसायिक पशुपालनमा संलग्न छन् भने व्यावसायिक फर्मको सङ्ख्या ४५ रहेको छ। गाउँपालिकामा वार्षिक दुध र मासु उत्पादन क्रमशः ३२.४ र ११ मे. टन हुने गरेको छ।

#### २.१.४ उद्यम, व्यापार तथा व्यावसाय

गाउँपालिका स्थापना पश्चात विगत ६ वर्षमा मेड्पा कार्यक्रम सञ्चालन, प्लम्बिङ, कार्पोन्ट्रि, सिलाई बुनाइ तालिम, २१६ जनालाई उद्यमशीलता, सीप विकास तथा बजारीकरण सम्बन्धी तालिम प्रदान गरी ९७ वटा लघु उद्यम तथा ३१३ वटा विभिन्न उद्यम व्यावसाय

स्थापना र स्तरोन्नति भएका छन्। गाउँपालिकामा २०० वटा लघु उद्यम तथा व्यवसाय सञ्चालन रहेका छन् र भने १५६८ दर्ता भएका छन्। यस क्षेत्रमा करिब १६०० व्यक्तिहरूले रोजगारी प्राप्त गरेका छन्।

### २.१.५ भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा

गाउँपालिका स्थापना पश्चातको अवधिमा ४ वटा बैंकको ९ वटा शाखा स्थापना भई वित्तीय सेवा प्रवाह भैरहेको छ भने ४ वटा समूहबाट बचत तथा ऋण कार्यक्रम सञ्चालनका लागि सहजीकरण गरिएको छ। यसबाट गाउँपालिकाका करिब ५००० जना प्रत्यक्ष रूपमा लाभान्वित भएका छन्। भूमिको वर्गीकरण भई भूउपयोग नीति तर्जुमाको कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको छ।

### २.१.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिब निवारण

प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत विगत ३ वर्षमा ६५३ वेरोजगार सूचीकृत भएका छन् भने २४० जना सूचीकृत अति विपन्न वेरोजगारले १३ वटा आयोजनाहरूको निर्माण कार्यमा संलग्न भई न्यूनतम १०० दिनको रोजगारी प्राप्त गरेका छन्। यसैगरी एकल असहाय तथा अति विपन्न ३० जना व्यक्तिले जीविकोपार्जन सहयोग प्राप्त गरेका छन्। वार्षिक रूपमा करिब ५० जना युवाले गाउँपालिकाबाट सीप, प्रविधि र सहयोग प्राप्त गर्ने गरेका छन्।

## २.२ सामाजिक क्षेत्र

### २.२.१ स्वास्थ्य

वडा नं ३ को जम्फुटेमा अस्पताल सञ्चालन, वडा नं १ मा मेडिकल अफिसर सहितको सामुदायिक अस्पताल सञ्चालन र स्वास्थ्य चौकी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य इकाइ थप तथा स्तरोन्नति गरी स्वास्थ्य सेवा विस्तार भएको छ। घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा पुग्न ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवारको संख्या करिब ७५ प्रतिशत पुगेको छ। स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूति गराउने गर्भवती महिलाको सङ्ख्या ३० प्रतिशत रहेको छ। २ वर्षसम्मका नियमित वृद्धि अनुगमन गरिएका बालबालिका संख्या ५५ प्रतिशत र वृद्धि अनुगमन गरिएकामध्ये कुपोषित ५९ महिनाभन्दा कम उमेर समूहका बाल बालिकाको सङ्ख्या ०.०३ प्रतिशत रहेको छ। प्रोटोकल अनुसार पूर्वप्रसूति चार पटक र बच्चाको जन्मपछि तीन पटक उत्तर प्रसूति सेवा प्राप्त गर्ने महिलाको सङ्ख्या क्रमशः ९३ र ५० प्रतिशत रहेको छ।

### २.२.२ शिक्षा

गाउँपालिका स्थापनापश्चातको अवधिमा कुल ३ वटा विद्यालय भवन निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ। दुर्गम क्षेत्रको वडा नं ४ र ५ का शिक्षकलाई खाजा भत्ता, कोभिड १९ बाट मृत्यु भएका अविभावकका बालबालिकालाई छात्रवृत्ति र अस्पतालमा जन्मेका बालबालिकालाई शैक्षिक सामग्री सहयोग भई विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिका संख्या शुन्य उन्मुख रहेको छ। प्रारम्भिक बाल विकास कक्षाको भर्ना दर ९६ प्रतिशत रहेको छ। पुस्तकालय भएका विद्यालय ४३ प्रतिशत रहेको छ। ९८ प्रतिशत विद्यालयमा विद्युत सुविधा र ७१ प्रतिशतमा इन्टरनेट पहुँच रहेको छ। गाउँपालिका पूर्ण साक्षर घोषणा भइसकेको छ।

### २.२.३ खानेपानी तथा सरसफाई

यस अवधिमा कुल ७ वटा खानेपानी आयोजना सम्पन्न, सबै घरधुरीमा शौचालय निर्माण र ३ वटा इन्सिनिरेटर स्थापना भएका छन्। विगत देखिकै प्रयासको फलस्वरूप हालसम्म पाइपबाट वितरण गरीएको खानेपानी उपयोग गर्ने जनसंख्या ८७ प्रतिशत पुगेको छ, ६२ प्रतिशत घरपरिवारमा एक घर एक धारा उपलब्ध छ भने गाउँपालिका खुला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा भएको छ। वडा नं ४ र ५ का घरधुरीमा फोहोर वर्गीकरण र व्यवस्थापनको अभ्यास थालनी भएको छ। वडा नं ५ को स्याङबोचेमा फोहोरको पुनः उपयोग गरी सामग्री निर्माण गरी पर्यटकलाई विक्री गर्ने गरिएको छ।

### २.२.४ महिला बालबालिका तथा समाजिक समावेशीकरण

गाउँपालिका भित्र २७ महिला समूह र एउटा गाउँपालिकास्तरीय महिला समिति रहेको छ। कुल १० वटा विद्यालयमा बाल क्लव रहेको छ। हालसम्म ३ वटा महिला समुदायिक भवन, १ दलित सामुदायिक भवन तथा शौचालय र १ पानी घट्ट निर्माण भएको छ। कुल ५० जनालाई २४ वटा मास्क र स्यानीटरी प्याड तयारी मेसिन वितरण गरिएको छ। लक्षित वर्गको क्षमता तथा सीप विकास र आत्मनिर्भरता

अभिवृद्धिका कार्यक्रम मार्फत गाउँपालिका स्थापना पश्चातको अवधिमा ३२५ जनाले तालिम हासिल गरेको र सहयोग तथा अनुदानमार्फत ८ वटा व्यवसाय सञ्चालनमा रहेका छन्।

### २.२.५ युवा तथा खेलकुद

गाउँपालिका स्थापनापश्चात कुल ४ वटा खेलमैदान निर्माण कार्य सम्पन्न भएको छ। हाल गाउँपालिका क्षेत्रभित्र ११ वटा कभर्ड हल र खेल मैदान सञ्चालनमा रहेका छन्। वार्षिक रूपमा ३ स्थानमा १०० जनालाई खेल प्रशिक्षण तथा ५ वटा खेल आयोजना गर्ने गरिएको छ। त्यसैगरी, यस अवधिमा युवा क्लव गठन तथा परिचालनमार्फत युवाहरूको खेल क्षमता विकास गरी ७ जनाले राष्ट्रियस्तर र १ जनाले प्रदेशस्तर खेलाडीको रूपमा स्थापित गर्न सक्षम भएका छन्।

### २.२.६ सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण

पञ्जीकरणको सेवा वडा तहबाट र सामाजिक सुरक्षा भत्ता सहज रूपमा उपलब्ध हुने वातावरण तयार गरी सामाजिक सुरक्षा भत्ताका लागि बाञ्छनीय सबै नागरिकले सामाजिक सुरक्षा भत्ता समयमै हासिल गर्ने गरेको, घटना दर्तामा आवद्ध जनसंख्या करिब ७८ प्रतिशत पुगेको र सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या कुल जनसंख्याको करिब १३ प्रतिशत रहेको छ।

## २.३ पूर्वाधार क्षेत्र

### २.३.१ भवन, आवास, बस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण

राष्ट्रिय भूउपयोग नीति २०७२ तथा राष्ट्रिय भूमि ऐन, २०७६ बमोजिम गाउँपालिकालाई कृषि क्षेत्र, आवास क्षेत्र, औद्योगिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र, संस्थागत क्षेत्र र सो क्षेत्रहरू बीच ग्रीन वेल्डको अवधारणा सहितको भूउपयोग क्षेत्र निर्धारण गरिएको छ। गाउँपालिकाको मुसे र चौरीखर्कमा जग्गा एकीकरण तथा विकास अवधारणा अनुसार हिमाली शहर विकासको लागि अध्ययन कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको छ। गाउँ, टोल तथा स्थानीय विकासका लागि ५ वटै वडामा बस्तीहरूलाई समेटेर टोल विकास संस्था गठन गरी विकास निर्माण तथा व्यवस्थापनमा समुदाय सहभागितामा जोड दिइएको छ। गाउँपालिकाको ५ वटा वडाहरू मध्ये वडा नम्बर २ र ५ का वडा कार्यालयहरू आफ्नै भवनमा सञ्चालनमा रहेका र वडा नम्बर १, ३, ४ को वडा कार्यालय भवन निर्माणाधिन रहेका छन्। गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालयको अस्थायी भवन निर्माण भइ आफ्नै भवनमा कार्यालय सञ्चालन भरहेको छ। गाउँपालिकाबाट प्रदान गरिने सेवा प्रवाह र विकास निर्माण कार्यलाई एकीकृत, व्यवस्थित र सहज बनाउन स्थायी सुविधा सम्पन्न प्रशासकीय भवन निर्माणको लागि जग्गा व्यवस्थापन भइ डिपिआर तयार भएको छ। यस गाउँपालिकाभित्र कुल ३९ सार्वजनिक तथा सामुदायिक भवन रहेका छन्। यस्ता भवनहरूबाट ८,७२० जनसंख्या र ५०,००० पर्यटकहरू लाभान्वित हुने गरेका छन्। गाउँपालिका क्षेत्रमा १८ प्रतिशत आवास घर तथा ७७ प्रतिशत सार्वजनिक भवन संरचना भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण हुने गरेका छन्।

### २.३.२ सडक, पुल तथा यातयात

यस गाउँपालिका क्षेत्रभित्र १४ कि.मि. पर्यटन सडक (मूल सडक) र २५ कि.मि. कृषि सडक (शाखा सडक) समेत ३९ कि.मि. सडकको ट्रयाक खुलेको छ। यसैगरी ट्रयाक ओपन भएका सडकको करिब ५०० मिटर लम्बाइमा सडक नाली र केही ठाउँमा सडक संरचना निर्माण भएको छ। गाउँपालिकाको पहल र लगानीमा गाउँपालिका जोड्न छिमेकी माप्या दुधकोशी गाउँपालिकाको ओर्लाङघाटमा पक्की पुल निर्माण सम्पन्न भएको छ। यस गाउँपालिकामा मुख्य १२ वटा पर्यटन पदमार्ग रहेका छन् जसको कुल लम्बाई १६० कि.मि. रहेको छ। गाउँपालिकाको ५ वटा वडाहरू मध्ये १ नं वडा मात्र कच्ची सडकको सञ्चालनमा जोडिएको छ।

### २.३.३ जलश्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ ऊर्जा

गाउँपालिका क्षेत्रमा कुल ११ वटा लघु तथा साना जलविद्युत आयोजनाबाट कुल १.५३ मेघावाट जलविद्युत उत्पादन भइ स्थानीयस्तरमा उपयोग भएको छ। केन्द्रिय विद्युत प्रसारण लाईको विद्युत सुविधा विस्तारका लागि सर्वेक्षण कार्य समेत सम्पन्न भइ विस्तारको तयारीमा रहेको छ। गाउँपालिका क्षेत्रका करिब ९५ प्रतिशत घरपरिवारमा विद्युत सुविधा उपलब्ध रहेको छ। ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा दाउरा उपयोग गर्ने घरपरिवार संख्या २८ प्रतिशत र खाना पकाउन विद्युतको उपयोग गर्ने जनसंख्या १६ प्रतिशत रहेको छ। अन्यले एल.पि.जी. को प्रयोग गर्ने गरेका छन्।

### २.३.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

गाउँपालिकाको कुल जनसंख्यामध्ये ९४ प्रतिशत जनसंख्यासँग मोबाइल तथा ४४४ घरपरिवारमा ल्याण्डलाइन टेलिफोन उपलब्ध रहेको रहेको छ । कम्प्युटर, इन्टरनेट र इमेल लगायत सूचना प्रविधिमा पहुँच भएका जनसंख्या करिब ४८ प्रतिशत रहेको छ । कुल ५८ प्रतिशत घरपरिवारमा टेलिभिजन र कम्प्युटरको पहुँच उपलब्ध छ । गाउँपालिकाको ५ वटा वडा कार्यालय, १७ वटा माध्यमिक विद्यालय र ६ वटा स्वास्थ्य संस्थामा इन्टरनेट सुविधाको पहुँच रहेको छ । गाउँपालिकामा इन्टरएक्टिभ वेवसाइट, मोबाइल एप्स र विभिन्न ९ प्रकारका सूचना व्यवस्थापन प्रणाली तथा सफ्टवेयर जडान भई शासन सञ्चालन र सेवा प्रवाहलाई विद्युतीय प्रणालीमा आधारित बनाउने प्रयास गरिएको छ ।

### २.४ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम व्यवस्थापन क्षेत्र

#### २.४.१ वन, हरियाली तथा भू संरक्षण

गाउँपालिका क्षेत्रमा ११ वटा सामुदायिक वन रहेका छन् । वनको कुल क्षेत्रफल ३८३९ हेक्टर रहेको छ । सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्जको ११४८ वर्ग कि.मि. यहि गाउँपालिका क्षेत्रमा पर्दछ । वन डढेलोबाट संरक्षण गर्न कृत्रिम पोखरी निर्माण गरिएको छ । अग्नि नियन्त्रणका लागि फायरफाईटिङ्ग उपकरणको व्यवस्था गरिएको छ । गाउँपालिकाले जैविक तथा पर्यावरणीय विविधता सहितको पर्यापर्यटनको प्रवर्द्धन एवम् र एक वडा एक पार्क नीति लिएको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा कुल ३७७ वटा ताल तथा पोखरीहरू रहेका छन् । वनमा आधारित उद्यम र आयआर्जनमा संलग्न घरपरिवार सङ्ख्या ६६ रहेको छ ।

#### २.४.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

गाउँपालिकाले फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि स्थानीय साझेदारहरू सगरमाथा प्रदूषण नियन्त्रण समिति तथा सगरमाथा नेक्स्टसँग सम्झौता गरी दीर्घकालीन कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दै आएको छ । कार्यक्रम अन्तर्गत घरधुरीमा फोहोर वर्गीकरण र व्यवस्थापन, फोहोर संकलन, फोहोरको पुनः उपयोग गरिएको छ । फोहोर व्यवस्थापनका लागि Carry Me Back Program अन्तर्गत क्याम्प २ तथा नाम्चे बजार क्षेत्रबाट फोहोर संकलन गरी पुनः प्रयोगमा ल्याइएको छ । बजार क्षेत्र तथा पदमार्गमा करिब १०० भन्दा बढी फोहोर संकलन विन निर्माण गरिएको छ । नाम्चे बजारमा फोहोर व्यवस्थापनका लागि भवन निर्माण भएको छ । गाउँपालिकाले वातावरण प्रदूषण तथा दीर्घकालीन फोहोर व्यवस्थापन कार्यविधि तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरेको छ । लुक्ला र खुम्जुङ बजार क्षेत्रमा ढल निर्माण कार्य थालनी भएको छ । गाउँपालिकाका ९९ प्रतिशत परिवारले सफा चर्पीको प्रयोग गर्ने गरेका छन् । स्रोतमामै फोहोर वर्गीकरण र व्यवस्थापनको अभ्यास गर्ने परिवारको सङ्ख्या ३३ प्रतिशत रहेको छ भने गाउँपालिका क्षेत्रभित्र १८ वटा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएका छन् ।

#### २.४.३ विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापन ऐन तर्जुमा गरी विपद्बाट हुने क्षतिमा राहत, उद्धार, प्रदान गर्दै आएको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा मानव जनजीवनलाई प्रभावित पार्ने प्रकोपहरूमा हिमताल विस्फोटन, हिमपात, लेक लाग्नु, भुकम्प, पहिरो, मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व, हावाहुरी, डढेलो र महामारी मुख्यरूपमा पहिचान भएका छन् । नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी, नेपाल प्रहरी लगायत नेपाल रेडक्रस, हिमालयन ट्रष्ट तथा पिरामिड रिसर्च सेन्टर, नेशनल जियोग्राफी, विश्व वन्यजन्तु कोष, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, जल तथा मौषम विज्ञान कार्यालय आदि संस्थाहरू विपद् व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनसँग सम्बन्धित क्षेत्रमा क्रियाशील रहेका छन् । गाउँपालिकाको १३ स्थानमा Automatic weather stations जडान गरिएको छ । त्यसैगरी ५ स्थानमा विपद् पूर्वतयारी प्रणाली जडान गरिएको र ८७ वटा फायर हाईड्रेन्ट जडान गरिएका छन् । हिमश्रृङ्खलामा जलवायु परिवर्तको असर अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्न लुगुचेमा पिरामिड अन्तराष्ट्रिय प्रयोगशाला तथा अवलोकन केन्द्र स्थापना भएको छ । Everest Base Camp क्षेत्रमा Icefall Doctor तैनाथ अवस्थामा राखिएको छ । गाउँपालिका क्षेत्रभित्र २० वटा सुरक्षित खुल्ला स्थान र आपत्कालीन सामुहिक आश्रयस्थल पहिचान गरिएको छ भने विपद् व्यवस्थापन कोषमा ६४ लाख बजेट मौज्जात रहेको छ ।

### २.५ संस्थागत सुशासन तथा सेवा प्रवाह क्षेत्र

#### २.५.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन

गाउँसभा तथा गाउँ कार्यपालिकाले आआफ्नो क्षेत्राधिकार भित्र रही आवश्यक कानूनहरू निर्माण गरी सोहीअनुसार कार्यान्वयन गर्दै आएको छ । यस अनुसार हालसम्म ५२ वटा कानून तथा कार्यविधि तर्जुमा भएका छन् । योजना तर्जुमा प्रकृया लगायत १९ वटा नीतिगत संस्थागत संयन्त्रहरू क्रियाशील रहेका छन् । गाउँपालिकामा न्यायिक समितिबाट न्यायिक सेवा प्रवाह हुँदै आएको छ । नागरिक वडापत्र,

वेवसाईट फेसवुक र ग्रुप म्यासेज सेवाबाट सेवा र सूचना सार्वजनिक गरिदै आएको छ । हरेक वर्ष सार्वजनिक सुनुवाई सञ्चालन गर्दै आएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८।७९ को कूल खर्चमा बेरुजुको प्रतिशत ७.०१ रहेको छ ।

#### **२.५.२ संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह**

गाउँपालिकाले मुख्य प्रशासनीक भवन चौरीखर्कबाट र ५ वटै वडा कार्यालयबाट नियमित सेवा प्रवाह गर्दै आएको छ । हाल गाउँपालिकामा ४५ जना कर्मचारी कार्यरत रहेका छन् । सेवालार्ई समुदायस्तरमा पुर्याउन वार्षिक नीति कार्यक्रम अनुसार स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन, कडा रोगमा उपचार सहयोग तथा आकस्मिक विरामीका लागि एयर एम्बुलेन्स सेवाको व्यवस्था गरिएको छ । भौगोलिक विकटता र प्रतिकूल मौसमको कारण कार्यालयमा भौतिक रुपमा उपस्थित हुन नसक्ने अवस्थाका सेवा ग्राहीलार्ई अनलार्ईन मार्फत सेवा दिदै आएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८।७९ को स्थानीय तह संस्थागत स्वमूल्यांकनमा गाउँपालिकाले ६९.७५ अङ्क प्राप्त गरेको छ ।

#### **२.५.३ राजस्व तथा श्रोत परिचालन**

राजस्व परामर्श समितिको अध्ययन र सिफारिसका आधारमा वार्षिक रुपमा कर तथा गैरकरको दर निर्धारण गरी आन्तरिक आय संकलन गरिएको छ । गाउँपालिकाको आय स्रोतको रुपमा पर्यटन सेवा र ट्रेक सेवा शुल्कको योगदान सवै भन्दा ठूलो रहेको छ । कोभिड १९ को विश्वव्यापी प्रकोपको अवस्थामा पनि गाउँपालिकाले आर्थिक वर्ष २०७८।७९ मा ४ करोड भन्दा बढी पर्यटन शुल्क उठाएको छ । राजस्व संकलन कार्य अनलार्ईन सफ्टवेयरको प्रयोग गरी मुख्य प्रशासनिक कार्यालय लगायत सवै वडा कार्यालयबाट गर्ने गरिएको छ ।

#### **२.५.४ तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन**

गाउँपालिकाले वस्तुगत विवरण २०७६ र रणनीतिक कार्ययोजना २०७६/७७ तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ । चालु आ.व. मा गाउँपालिकाको प्रथम आवधिक योजना तथा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी भएको छ । स्विकृत नीति, कार्यक्रम तथा बजेट पुस्तिका, ऐन, कानुन, निर्देशिका, कार्यविधिहरू, वार्षिक समिक्षा प्रतिवेदनहरू तथा अत्यावश्यक सूचना तथा जानकारी वेवसाईट र सूचना पाटीमार्फत् सार्वजनिक गरिएका छन् ।

## परिच्छेद तीन: विकासको सोच तथा योजनाको प्रारूप

### ३.१ विकासको समष्टिगत समस्या तथा चुनौती र संभावना तथा अवसर

आधार अवस्था सूचना, सहभागितामूलक छलफल तथा वस्तुस्थिति विश्लेषणबाट पहिचान भएका गाउँपालिकाको समष्टिगत समस्या तथा चुनौती र संभावना तथा अवसरको संक्षिप्त विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ :

#### ३.१.१ समष्टिगत समस्या तथा चुनौती

आधारभूत तथा आधुनिक सेवामा स्थानीय बासिन्दाको पहुँच न्यून हुनु, दिगो विकासका लागि वित्तीय सङ्घीयता अनुरूप आन्तरिक स्रोत परिचालन हुन नसक्नु, व्यवस्थित, सुविधायुक्त एकीकृत र उत्थानशील पूर्वाधार तथा सुविधाको विकास र विस्तारमा लगानी कम हुनु, नवप्रवर्तन, उद्यमशीलता र रोजगारी वृद्धिमा लगानी कम हुनु तथा यसतर्फ सङ्घ र प्रदेश सरकारको कम ध्यान जानु यस गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह तथा विकासका प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन् । यसैगरी वातावरणीय हास र जलवायु परिवर्तनको कारण विपदको जोखिममा वृद्धि हुनु, स्वच्छ खानेपानी, सरसफाई सुविधा तथा स्वच्छ उर्जाको उपलब्धता न्यून हुनु, सेवा प्रवाह, उत्पादन, सेवा तथा वस्तुको बजारीकरणमा सूचना प्रविधिको प्रयोग हुन नसक्नु, कृषि, पशु तथा वनजन्य उपजको उत्पादन, विविधीकरण र औद्योगिकीकरण हुन नसक्नु, आम नागरिक विशेष गरी पछाडि परेको वर्ग तथा क्षेत्रको स्वास्थ्य, शिक्षा, उत्पादन, रोजगारी र आयमा सकारात्मक परिवर्तन नदेखिनु समेत गाउँपालिकाको समष्टिगत विकासका समस्याका रूपमा देखिएका छन् । एवम् प्रकारले युवा शक्ति पलायन, बसाइसराइ गरी जाने जनसंख्यामा वृद्धि र जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग हुन नसक्नु, उत्पादन, रोजगारी र पूर्वाधार लगायत प्राथमिकताका क्षेत्रमा नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, सङ्घ/संस्थाको लगानी कम हुनु, उपलब्ध सार्वजनिक स्रोतको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन गर्न नसक्नु गाउँपालिकाको विकासका समष्टिगत चुनौतीका रूपमा रहेका छन् ।

जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरण गर्नु, यातायात सुविधामा विश्वसनीय तथा सहज पहुँच कायम गर्नु, जनशक्ति पलायन कम गर्नु, विश्वव्यापी आर्थिक शिथिलताको प्रभाव कम गर्नु, विश्वव्यापी तापमान वृद्धिको असर कम गर्नु, हिमताल तथा हिमनदी विस्फोटको जोखिम कम गर्नु, प्रदूषण नियन्त्रण तथा वातावरणीय स्वच्छता कायम गर्नु, विपद् जोखिम न्यूनीकरण गर्नु र विकासमा अन्तरसरकार, निजी क्षेत्र, समुदाय तथा गैसससँगको साझेदारीमा वृद्धि गर्नु यस गाउँपालिकाका अन्य चुनौतीका रूपमा रहेका छन् ।

#### ३.१.२ समष्टिगत संभावना तथा अवसर

विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथा वा स्थानीय शेर्पा भाषामा चोमोलोङमा लगायत उच्च हिमश्रृङ्खला, हिमताल र हिमनदी, वैभवशाली शेर्पा तथा अन्य जनजाती र समुदायको उत्कृष्ट संस्कृति, कला तथा मौलिक ज्ञान, पर्वतारोहण, प्रकृति, संस्कृति, पर्यटन तथा संरक्षण सम्बन्धी उच्च तहको मानव स्रोतको उपलब्धता, विश्व प्रशिद्ध प्राकृतिक सम्पदा, गुम्बा लगायत धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाहरूको उपलब्धता, एकीकृत, बस्ती तथा शहरी विकास र पर्यटकीय गाउँका लागि संभाव्य क्षेत्र यस गाउँपालिकाको विकास प्रमुख संभावनाका क्षेत्रहरू हुन् । अनुपम हिमाली वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्र, दुधकोशी, भोटेकोशी नदी लगायत हिमनदी तथा गोक्योताल लगायतका हिमताल लगायत जलश्रोतको उपलब्धता, पर्वतारोहण, साहसिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक अनुपम पर्यटकीय क्षेत्र, १७०० मि. देखी ८८४८ मिटर सम्मको उच्चाइमा फैलिएको क्षेत्र, हिमाली तथा प्राङ्गारिक कृषि उत्पादन र चौरी, याक, नाक, झोक्पे जस्ता चौपाय पालन क्षेत्र यस गाउँपालिकाका अन्य संभावनाको रूपमा रहेका छन् ।

विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र (संरक्षित क्षेत्र), गौरीशंकर, मकालु बरुण, काठमाण्डौसँगको अन्तरआवद्धता, लुक्ला तथा स्याङ्बोचे हवाईमैदान र हवाई यातायातमा पहुँच र गाउँपालिकाको सीमासम्म सडक यातायातको पहुँच, उच्च विप्रेषण प्रवाह, हिमाली प्रकृति र संस्कृतिको संरक्षण र दिगो उपयोगमा सरकार तथा समुदायको चासोमा वृद्धि पनि यस गाउँपालिका प्रमुख अवसरहरू हुन् । सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत हुनु, सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र यस क्षेत्रमा रहनु, हवाई तथा सडक यातायातका माध्यमबाट सङ्घीय राजधानीसँग अन्तर-आवद्धता विस्तार हुनु, कोभिड १९ को महामारी कम भई पर्यटकीय गतिविधिमा वृद्धि हुँदै जानु, पर्यटकीय क्षेत्रमा लगानी विस्तार हुँदै जानुलाई पनि प्रमुख अवसरको रूपमा लिन सकिन्छ । त्यसैगरी खुम्बु क्षेत्रको विकासमा सङ्घीय तथा प्रदेश सरकार, गैसस तथा निजी क्षेत्रबाट लगानी विस्तार हुँदै जानु, यो क्षेत्र

सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक अनुपम सम्पदा क्षेत्रका रुपमा विश्वभर प्रसिद्ध हुनु तथा सगरमाथा क्षेत्रको संरक्षण र विकासमा अन्तराष्ट्रिय चासो बढ्दै जानु पनि यस क्षेत्रका प्रमुख अवसरका रुपमा रहेका छन् ।

### ३.२ समष्टिगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता

#### ३.२.१ समष्टिगत सोच

“अनुपम पर्यापर्यटकीय गन्तव्य: समृद्ध खुम्बुको लक्ष्य”

यसका अंग्रेजी अनुवाद तथा व्याख्या देहायअनुसार रहेको छ:

**"Eco-touristic Destination Suprimacy: Khumbu towards Prosperity"**

“सुसंस्कृत, स्वस्थ, शिक्षित, उद्यमशील, सभ्य र सुखी नागरिक बसोबास गर्ने: स्वच्छ, अनुपम, दिगो, वैभवशाली शेर्पा संस्कृतियुक्त पर्यापर्यटकीय गन्तव्य खुम्बु पासाङल्हामु गाउँपालिका”

#### ३.२.२ समष्टिगत लक्ष्य

स्वच्छ, अनुपम, व्यवस्थित र दिगो पर्यापर्यटकीय गन्तव्यको रुपमा विकास भएको हुनेछ ।

#### ३.२.३ समष्टिगत उद्देश्य

१. सेवा, उत्पादन, रोजगारी, आयमा समतामूलक, गुणात्मक र दिगो वृद्धि गर्नु,
२. स्वस्थ, शिक्षित र दक्ष मानव स्रोतको विकास र सामाजिक न्यायको प्रवर्द्धन गर्नु,
३. बसोबास, सेवा सुविधा र अन्तर-आवद्धता सहज, व्यवस्थित र उत्थानशील बनाउनु,
४. जैविक विविधता तथा वातावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा विपद् उत्थाशीलता अभिवृद्धि गर्नु,
५. सेवा प्रवाह र विकास प्रक्रियालाई सहज, समावेशी, नतिजामूलक र जवाफदेही बनाउनु ।

#### ३.२.४ समष्टिगत रणनीति

विकासको दीर्घकालीन सोच एवं आवधिक योजनाको लक्ष्य र उद्देश्य प्राप्त गर्न देहायअनुसारका समष्टिगत रणनीतिहरू अवलम्बन गरिनेछ:

१. हिमाली प्रकृति, संस्कृति तथा संरक्षणमा आधारित पर्यटन पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्ने: विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत अनुपम हिमाली प्रकृति र संस्कृतिको संरक्षण, दिगो तथा अध्ययन तथा अनुसन्धानमा आधारित पर्यापर्यटकीय पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको विकास, विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्न विशेष ध्यान दिइनेछ । यसका लागि स्थानीय मौलिक ज्ञान, अभ्यास तथा संरचनाका साथै प्रकृति र संस्कृतिमैत्री नयाँ ज्ञान, अभ्यास र प्रविधिको प्रयोगलाई बढवा दिइनेछ । पर्यटकीय पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्दा वातावरणरीय हास, प्रदूषण, जैविक विविधता, सांस्कृतिक र प्राकृतिक स्रोतको क्षयीकरण तथा अतिक्रमणबाट जोगाउने उपायहरू समेत साथसाथै सञ्चालन गरिनेछ । पर्यापर्यटन तथा ग्रामीण पर्यटन, दृष्यावलोकन, सांस्कृतिक पर्यटन र जलयात्रा पर्यटन, साहसिक पर्यटन पूर्वाधार, पर्यटकीय सेवा सुविधाको विकास, विस्तार तथा स्तरोन्नतिका आधारहरू तयार गरिनेछ । आर्थिक क्षेत्रको विस्तारका लागि विप्रेषणको अधिकाधिक परिचालन गर्दै निजी र सहकारी क्षेत्रसँग साझेदारी गरिनेछ ।
२. कृषि, पशु र वनजन्य उपजको व्यवसायिकरण, विविधीकरण र औद्योगीकरण गर्ने: कृषि, पशुपालन, उद्योग, व्यापार तथा व्यवसायको विकास एवं विस्तारका लागि तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान गरी उत्पादनको व्यावसायीकरण र विविधीकरण गरिनेछ । कृषि उत्पादनलाई सम्झौतामा आधारित उत्पादनको अवधारणसँग आवद्ध गर्दै मूल्य तथा बजारको सुनिश्चितता गरिनेछ । यस प्रयोजनका लागि संरक्षित कृषि प्रविधि, नयाँ बाली, प्रविधि तथा प्राविधिक ज्ञान तथा सीपको प्रसार, व्यवसाय प्रवर्द्धन र बजार पूर्वाधार विकास गरिनेछ । यसका साथै उत्पादनमा आधारित अनुदान, वन्यजस्तुबाट हुने क्षति न्यूनीकरणमा सहयोग र कृषक सञ्जालीकरण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ । यसका साथै आलु, गहुँ, उवा, फापर, तरकारी, लसुन, स्याउ, किवी जस्ता

नयाँ बाली, दुध तथा मासुजन्य उत्पादन, वनमा आधारित व्यवसायबाट उत्पादित प्राथमिक वस्तुलाई प्रसोधन, श्रेणीकरण (ग्रेडिङ्ग) र मूल्य अभिवृद्धि जस्ता अवधारणाको यथासम्भव अनुसरण गरिनेछ । कृषि उत्पादनको दैनिक उपभोग गर्न कृषि उपज वितरक, होटल व्यवसायी र अन्य व्यवसायीसँग निर्धारित मूल्यमा नियमित रूपमा निश्चित परिमाणमा कृषि उपज उपलब्ध गराउने सम्झौता गरी व्यवसाय सञ्चालनको बलियो आधार तयार गरिनेछ । कृषि उत्पादनको व्यवसायिकरण, विविधिकरण र बजारीकरणका लागि लगानी, प्रविधि तथा व्यावसायिक सेवा प्रदान गर्ने वातावरण तयार गरिनेछ । हिमाली क्षेत्र कृषि उपज तथा पशुपंक्षी उत्पादन, व्यवसाय एवं रोजगारी प्रवर्द्धन लगायत विषयमा अध्ययन अनुसन्धान र कृषि विकास र विस्तारका लागि कृषि अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन गर्न अनुसन्धानमूलक संस्था, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र गैर सरकारी संस्थासँग सहकार्य गरिनेछ ।

३. **प्रारम्भिक बाल विकास, गुणस्तरीय शिक्षा, स्तरीय स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छ र सुलभ खानेपानी तथा सरसफाइ सुविधा, सामाजिक संरक्षणमा सहज पहुँच र उपभोग सुनिश्चित गर्ने:** प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र देखि प्रविधिमैत्री, रोजगारमूलक र जीवनोपयोगी आधारभूत र माध्यमिक तथा प्राविधिक शिक्षामा सर्वसुलभ पहुँच उपलब्ध गराउन आवश्यक आधारहरू तयार गरिनेछ । शैक्षिक संस्थाको सुदृढीकरण, गुणस्तरीय पूर्वाधार निर्माण र प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सहज पहुँच स्थापना गर्न आवश्यक स्वास्थ्य पूर्वाधार, सुविधा, दक्ष जनशक्ति र गुणस्तरीय सेवाको समुचित व्यवस्था गरिनेछ । गाउँपालिकामा स्थापना हुन गइरहेको ५ शैयाको अस्पतालमा स्रोत, साधन तथा जनशक्तिको पर्याप्त व्यवस्था गरी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवा स्थानीयस्तरमा उपलब्ध गराइने छ । विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच स्थापना गर्न वार्षिक रूपमा स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन तथा निजी र सामुदायिक स्तरमा सञ्चालित अस्पतालहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ । स्वास्थ्य बीमा प्रणालीलाई विस्तार गर्न पहल गरिनेछ । नागरिकलाई स्वास्थ्य प्रति जिम्मेवार बनाउँदै स्वस्थ जीवनशैलीको प्रवर्द्धन गरिनेछ । आर्थिक तथा सामाजिक रूपमा पछाडी परेको अति विपन्न, द्रबन्ध तथा विपद् पिडित, एकल महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, जोखिममा रहेका बालबालिका, हिंसा पिडित व्यक्ति, दलित तथा सीमान्तकृत समुदायको संरक्षण र सामाजिक सुरक्षामा पहुँच स्थापना तथा मूलप्रवाहीकरण गरिनेछ । महिला तथा लक्षित वर्गको क्षमता विकास तथा सीप हस्तान्तरणमार्फत आत्मनिर्भरता, उद्यमशीलता, स्वरोजगारी तथा नीति निर्माण तहमा अर्थपूर्ण सहभागिताका अवसरको सिर्जना र अभिवृद्धि गरिनेछ । सामाजिक कुरिती तथा विभेद, हिंसा, अन्धविश्वासको अन्त्य गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ । असहाय तथा विपन्न वर्गको संस्थागत संरचना तथा सञ्जाल निर्माणमार्फत एकतावद्ध गरी स्वास्थ्य उपचार, संरक्षण, जीविकोपार्जन, रोजगारी र वृत्ति विकासका लागि विशेष व्यवस्था गरिनेछ । युवा पलायन रोक्न स्थानीयस्तरमा सम्मानजनक रोजगारी र उद्यमशीलता विकासको आवश्यक वातावरण तयार गर्न सबै सरोकारवालासँग सहकार्य र साझेदारीमा वृद्धि गरिनेछ ।
४. **दिगो तथा उत्थानशील यातायात र बजार, सुरक्षित आवास, स्वच्छ ऊर्जा र सञ्चारका पूर्वाधारको विस्तार र स्तरोन्नति गर्ने:** भौगोलिक अवस्थिती, धरातलीय स्वरूप, आर्थिक सम्भाव्यता, सामाजिक अभ्यास र वातावरणीय अनुकूलता लगायतका विषयलाई आधार मानी तयार भएको भूउपयोग योजनाको आधारमा वैज्ञानिक तथा व्यवस्थित भू-उपयोगको खाका तयार गरी कृषि, वन, बस्ती विकास, बजार, औद्योगिक क्षेत्रको निर्धारण गरिनेछ । गाउँपालिकाको भूउपयोग योजना तथा निर्धारित भूउपयोग क्षेत्र अनुसार भूउपयोगको नियमन गरिनेछ । गाउँपालिका केन्द्रसम्म सडकको पहुँच पुऱ्याउन, सडकको वर्गीकरण, नामाकरण प्राथमिकता निर्धारण सहित सडकको सञ्जाल विस्तार र स्तरोन्नति गर्न सडक गुरुयोजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । परम्परागत उर्जाको उपयोगलाई कम गरी सुधारिएको चुल्हो, विद्युत तथा सोलार जस्ता स्वच्छ उर्जाको उपयोगमा विस्तार गरिनेछ । सूचना तथा सञ्चारका पूर्वाधारको विकास, विस्तार र स्तरोन्नतिमार्फत अन्तरआवद्धतालाई सहज र सुव्यवस्थित बनाइनेछ । समग्र पूर्वाधार विकासको प्रक्रियामा वातावरणमैत्री र विपद् तथा जलवायु उत्थानशीलताको अवधारणालाई आत्मसात गरिनेछ ।
५. **विकास प्रक्रिया तथा नतिजालाई वातावरणमैत्री, हरित, उत्थानशील र दिगो बनाउने:** जल, जमिन, जंगल, खनिज एवं जैविक विविधताको संरक्षण एवं उपयोगमार्फत कृषि, उद्योग र सेवा क्षेत्रको विकास, विस्तार र स्तरवृद्धि गरिनेछ । वन पैदावारको वैज्ञानिक, व्यवस्थित तथा सन्तुलित उपयोग र वृक्षारोपण गरी हरियाली, उत्पादन तथा वातावरणीय सेवामा अभिवृद्धि गरिनेछ । जलश्रोतको बहुपक्षीय उपयोगका लागि लागत प्रभावी आयोजना सञ्चालन गरिनेछ । विकास निर्माण एवं प्राकृतिक श्रोतको

उपयोगमा जैविक विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय सन्तुलन, विपद् उत्थानशीलता र जलवायु परिवर्तन अनुकूलनलाई जोड दिइनेछ । कोभिड १९ लगायतका महामारी, जलउत्पन्न प्रकोप र अन्य विपद् जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वतयारी, उद्धार, राहत र पुनस्थापनाका लागि अन्तर-सरकार साझेदारीमा विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापनलाई विकास प्रक्रियामा मूलप्रवाहीकरण गरिनेछ ।

६. अन्तर सरकार, सहकारी, निजी क्षेत्र, समुदाय, गैसस र नागरिक समाजको समन्वय, साझेदारी र सहकार्यमा अभिवृद्धि गर्ने: गाउँ कार्यपालिका कार्यालय, विषयगत शाखा एवम् वडा कार्यालयबाट प्रदान गरिने सार्वजनिक सेवालालाई चुस्त, पारदर्शी र जवाफदेही बनाइनेछ । सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई आधुनिकीकरण गर्न विद्युतीय प्रणाली अवलम्बन र विस्तार गरिनेछ । आन्तरिक राजस्व वृद्धिका लागि राजस्व सुधार कार्ययोजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । आवधिक योजनाका आधारमा परियोजना बैंक, मध्यमकालीन खर्च संरचना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजना र सोको आधारमा वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । खरिद योजना तयार गरी आयोजना समयमै कार्यान्वयनका लागि आवश्यक वातावरण तयार गरिनेछ । अर्थपूर्ण जनसहभागिता, पारदर्शीता, उत्तरदायित्व, नागरिक सन्तुष्टि, जवाफदेहिता र विधिको शासनलाई स्थानीय शासन सञ्चालनको मुख्य आधारका रूपमा स्थापित गरिनेछ ।

### ३.२.५ विकासका प्रमुख संवाहक तथा समष्टिगत प्राथमिकता

दीर्घकालीन सोच उन्मुख रही आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न देहायबमोजिमका विषयलाई गाउँपालिकाको आर्थिक सामाजिक रूपान्तरणको सम्बाहकका रूपमा आत्मसात गरिनेछ । सम्बाहकलाई आवधिक योजनाको प्राथमिकताका क्षेत्रका रूपमा लिइ तद्अनुरूप साधन तथा श्रोतको व्यवस्था गरिनेछ ।

१. प्राकृतिक र सांस्कृतिक पर्यटकीय सम्पदा, पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधा विकास, विस्तार, विविधीकरण तथा प्रवर्द्धन,
२. उत्थानशील तथा एकीकृत आवास, गुणस्तरीय सडक सञ्जाल, सूचना प्रविधि र दिगो पूर्वाधार विकास,
३. कृषि, पशु, वन तथा स्थानीय ज्ञान, सीप र स्रोतमा आधारित उद्यम व्यवसायको विकास तथा विस्तार, प्रशोधन र बजारीकरण,
४. व्यवस्थित भू-उपयोग र एकीकृत, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवास तथा बस्ती विकास र पर्यापर्यटकीय पूर्वाधार,
५. हिम पहिरो, महामारी तथा अन्य विपद् व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र विपद् उत्थानशीलता,
६. गुणस्तरीय मानवपुँजी निर्माण, नवप्रवर्तन, सीप तथा उद्यमशीलता विकास र रोजगारी प्रवर्द्धन,
७. शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समावेशीकरण, सामाजिक न्याय, सुरक्षा तथा संरक्षण र,
८. सुशासन, शासकीय सुधार तथा योजनावद्ध विकास ।

### ३.३ परिमाणात्मक लक्ष्य

राष्ट्रिय तथा प्रदेश योजनाको परिमाणात्मक लक्ष्यको आधारमा दीर्घकालीन सोच तथा आवधिक योजनाको समष्टिगत लक्ष्य तथा उद्देश्य मापनको प्रमुख सूचक समावेश गरी विकासको परिमाणात्मक लक्ष्य तय गरिएको छ । परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण दिगो विकास लक्ष्यका स्थानीय तहसम्बन्धी परिमाणात्मक लक्ष्यसँग तादात्म्यता कायम गरी देहायअनुसारको तय गरिएको छ:

तालिका १: गाउँपालिकाको परिमाणात्मक लक्ष्य सूचक

क्र.सं.	सूचकहरू	एकाइ	आधार अवस्था (आ.व. २०७८/७९ सम्मको अवस्था)	मध्यावधि लक्ष्य (आ.व. २०८२/८३ सम्मको अवस्था)	योजनाको लक्ष्य (आ.व. २०८४/८५ सम्मको अवस्था)
क.	समष्टिगत गन्तव्य तथा सूचक				
१	लेखपढ गर्न सक्ने तथा शिक्षित जनसंख्या	जना	६१३३	७२४५	८१८५
२	दर्ता भएका बेरोजगार जनसंख्या	जना	६५३	४७०	३५०
३	औषत पारिवारिक वार्षिक आमदानी	रु. लाखमा	३.५	४.३	५.०
४	आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्या	जना	३६२५	३७५०	३८८१
५	विपदबाट हुने वार्षिक क्षति रकम	रु. हजारमा	४७८३८	२७५००	१२५४०

क्र.सं.	सूचकहरू	एकाइ	आधार अवस्था (आ.व. २०७८/७९ सम्मको अवस्था)	मध्यावधि लक्ष्य (आ.व. २०८२/८३ सम्मको अवस्था)	योजनाको लक्ष्य (आ.व. २०८४/८५ सम्मको अवस्था)
६	आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका घरपरिवार	प्रतिशत	७२	८०	९०
७	वार्षिक उत्पादन (कृषि र गैर कृषि)	रु. लाखमा	३९८६५	४५०००	५३३०९
ख.	विषय क्षेत्रगत गन्तव्य र सूचक				
१	खाद्यान्न बाली उत्पादन	मे.टन	४६२	४८०	५००
२	व्यापार व्यवसायबाट सिर्जित रोजगारी	संख्या	५३७१	६०००	६४००
३	पर्यटक आगमन	हजार	५२	६८	१००
४	पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी	जना	२९००	४२००	५०००
५	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	७५	८५	९५
६	विद्युत् उत्पादन क्षमता	मे.वा.	१.५३	२.५	४
७	सिञ्चित क्षेत्रफल	हेक्टर	७.८	८.५	९.२
८	सडक लम्बाई	कि.मी.	३९	६३	८०
९	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता जनसङ्ख्या	प्रतिशत	३१	६५	८०
१०	विद्यालय (सामुदायिक र संस्थागत)	संख्या	१७	१७	१७
११	क) आधारभूत तह (कक्षा १-८) को खुद भर्नादर	प्रतिशत			
	ख) माध्यमिक तह कक्षा (९-१२) को खुदभर्नादर	प्रतिशत			
१२	प्राविधिक र व्यावसायिक तालिम प्राप्त जनसङ्ख्या	जना	१७५१	२८७५	३५००
१३	कम तौल भएका बालबालिका (५ वर्ष मुनी)	प्रतिशत	०.०५	०.०३	०.०
१४	आधारभूतस्तर खानेपानी सुविधा प्राप्त जनसंख्या	प्रतिशत	८५.४	९०	९५.०
१५	सरसफाई सुविधा उपलब्ध घरपरिवार	प्रतिशत	९८.४	९९	१००.०
१६	वैक तथा वित्तीय संस्थाको शाखा	सङ्ख्या	८	१०	१२
१७	जमिनमा महिलाको स्वामित्व हुने परिवार	प्रतिशत	६०	७०	८०
१८	विपदबाट मृत्यु हुने जनसंख्या (वार्षिक)	जना	११	७	५
१९	विपद् बाट प्रभावित हुने परिवार संख्या (वार्षिक)	संख्या	१०४९	७६०	५००
२०	गाउँपालिकाको सेवा सुविधाबाट सन्तुष्ट सेवाग्राही	प्रतिशत	६०	७०	८०
२१	संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कनमा प्राप्त अङ्क	प्रतिशत	४६	७५	८०

\*नेपालको हकमा पन्ध्रौं योजनाको लक्ष्य (आ.व. २०८०/८१) र प्रदेशको हकमा कोशी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजनाको लक्ष्य (आ.व. २०८०/८१) लाई समावेश गरिएको छ ।

### ३.४ गौरवका आयोजना तथा कार्यक्रम

यस गाउँपालिकाको समग्र सामाजिक आर्थिक पुनरुत्थान, सन्तुलित विकास, पर्यावरणीय सन्तुलन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरणमा बहुप्रभाव पार्ने आयोजना तथा कार्यक्रमलाई गौरवको आयोजनाको रूपमा यस योजना अवधिमा अध्ययन तथा कार्यान्वयनका लागि प्रस्ताव गरिएको छ । गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना तथा कार्यक्रमको विवरण सम्बन्धित विषयगत क्षेत्रमा समावेश गरिएको छ । यससम्बन्धी संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका २ : गाउँपालिकाको गौरवको आयोजना विवरण

क्र.सं.	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाई	भौतिक लक्ष्य	उद्देश्य	लागत अनुमान (रु. हजारमा)	आयोजना संचालन स्थल
<b>क. गौरवका आयोजना (डिपिआर भैसकेका)</b>						
१.	हिमाली सहर विकास आयोजना	व.मि.		व्यवस्थित र एकीकृत बस्तीको नमूना प्रस्तुत गर्नु	१४०२५००	वडा नं. २ र ३
२.	लुक्ला वेशक्याम पदमार्ग निर्माण आयोजना	कि.मि.	५०	पर्यटकलाई आकर्षित गर्नु	३४३७८६	वडा नं २, ३, ४ र ५
३.	हाइअल्टिच्युड स्पोर्ट तथा कन्फरेन्स सेन्टर आयोजना	कि.मि.	१४४००	इभेण्ट व्यवस्थापन सुविधा उपलब्ध गराउनु	१९३०००	वडा नं. ४
४.	डिम दोर्जी शेर्पा पर्यटन सडक आयोजना	कि.मि.	१५	पहुँच सहज, अन्तर आवद्धता बढाउनु र ढुवानी लागत घटाउनु	१३१२५००	वडा नं. १ र २
५.	खुम्जुङ खुन्दे ढल निर्माण आयोजना	कि.मि.	२	वातावरणीय स्वच्छता र सुन्दरता बढाउनु	५९४३९	वडा नं. ४
<b>ख. गौरवका आयोजना (डिपिआर भैड नसकेका)</b>						
६.	हिमाली प्रकृति तथा संस्कृति पर्यापर्यटन अध्ययन, अनुसन्धान र प्रशिक्षण प्रतिष्ठान निर्माण तथा सञ्चालन	संख्या	१	हिमाली प्रकृति तथा संस्कृति बारे अध्ययनलाई राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय ध्यान केन्द्रित गर्नु	१५००००	वडा नम्बर २
७.	माउण्टेनियरिङ म्युजियम स्थापना तथा व्यवस्थापन आयोजना	व.मि.		संस्कृति, कला र सम्पदाको संरक्षण र उपयोग गर्नु	१०००००	वडा नम्बर ३
८.	रिसोर्स रिक्भरी सेन्टर निर्माण तथा व्यवस्थापन आयोजना	व.मि.		फोहोरलाई व्यवस्थापन गरी आमदानी गर्नु	१५००००	वडा नम्बर १-५
९.	मञ्जोखोला मिनि हाइड्रो आयोजना	कि.वा.	९४२	विद्युत उत्पादन गरी सेवा उपलब्ध गराउनु	५७८५८२	वडा नम्बर ४
१०.	आमादब्लम मिनी जलविद्युत आयोजना	कि.वा.	९११	विद्युत उत्पादन गरी सेवा उपलब्ध गराउनु	६५००००	वडा नम्बर ३
	जम्मा लागत				४९३९८०७	

## परिच्छेद चार: आर्थिक क्षेत्र

यस परिच्छेदमा गाउँपालिकाको आर्थिक विकाससँग सम्बन्धित क्षेत्रभित्रका पर्यटन तथा संस्कृति, कृषि खाद्य सुरक्षा र सिंचाई, उद्योग व्यापार र व्यावसाय, भूमि व्यवस्था सहकारी तथा वित्त व्यवस्था उपक्षेत्रहरूको विद्यमान अवस्था, समस्या, सम्भावना र अवसरहरूको विश्लेषणको आधारमा सोच, लक्ष्य, उद्देश्य निर्धारण गरी सोको प्राप्तिका लागि रणनीति तथा कार्यनीति तय गरिएको छ। त्यसैगरी योजना अवधिको अपेक्षित उपलब्धि, प्रस्तावित प्रमुख आयोजना तथा कार्यक्रमहरू र लक्ष्य प्राप्तिका लागि सम्भावित जोखिमहरू सहितको विषयक्षेत्रगत योजना समावेश गरिएको छ।

### ४.१ पर्यटन तथा संस्कृति

#### ४.१.१ विद्यमान अवस्था

यस गाउँपालिकामा ३२४ जनाले ट्रेकिङ गाइडको तालिम तथा लाइसेन्स लिइ सेवा सुचारू गरेका छन्। गाउँपालिकाबाट निर्माण भएका ४ वटा पोर्टर सेल्टर सञ्चालनमा रहेका छन् यसबाट पर्वतारोहणमा संलग्न १५००० भरिया लाभान्वित रहेका छन्। लुक्ला सगरमाथा आधार शिविर पदमार्गको छेपुङ, ठाडोकोशी, छुठावा, फाक्दिङ, टोकटोक, वेंकार, जोरसल्ले, लार्चा दोभान, नाम्चे, क्याङ्जुमा, त्याङ्बोचे, पाङ्बोचे, स्योमारे लगायत १३ वटा खण्डमा करिब ५० कि.मि. पर्यटन पदमार्ग निर्माण र मर्मतसंभार भएको छ भने थप १०० कि.मि. पदमार्ग हाल सञ्चालनमा रहेका छन्। यसका साथै गाउँपालिकाको नेतृत्व, सहयोग तथा लगानीमा पर्यटन पूर्वाधार तथा सुविधा निर्माण, विकास र स्तरोन्नतिका कार्यहरू सञ्चालनमा रहेका छन्।

गाउँपालिका स्थापना पश्चात गाउँपालिकामा २ वटा पार्क निर्माण, खुम्बु लज एशोसियसन गठन, ११ वटा गुम्बा पुनःनिर्माण तथा मर्मतसंभार भएका छन् भने केवलकार, रोपवे, बञ्जीजम्पिङ, क्यानोनिङ, प्याराग्लाइडिङ जस्ता पर्यापर्यटन पूर्वाधार तथा सुविधा निर्माणका लागि अध्ययन, डिपिआर तयारी र परीक्षण भएका छन्। यसैगरी CTEVT सँगको सहकार्यमा पर्वतारोहण सम्बन्धी तालिमको पाठ्यक्रम निर्माण र पर्वतारोहण सम्बन्धी तालिम, फोर्चेमा खुम्बु क्लाइम्बिङ सेन्टर निर्माण र सञ्चालन भएका छन् भने वार्षिक एक पटक इभरेष्ट म्याराथन प्रतियोगिताको सञ्चालन गरी खुम्बु क्षेत्रमा पर्यटन विकास र प्रवर्द्धनका प्रयास भएका छन्। गाउँपालिकाका स्थापना पश्चात सगरमाथा शिखर आरोहण लगायत खुम्बु क्षेत्रको भ्रमण गर्ने बाह्य पर्यटनको संख्या उल्लेख्य वृद्धि भएकोमा कोभिड १९ विश्वव्यापी महामारी र सो पश्चातका आर्थिक मन्दीका कारण खुम्चिन गयो। यद्यपि चालु आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा भने पर्यटक संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि भएको छ। आर्थिक वर्ष २०७६/७७, २०७८/७८, २०७८/७९ र २०७९/८० सगरमाथा तथा खुम्बु क्षेत्रमा भ्रमण गर्ने बाह्य पर्यटकको संख्या क्रमशः ३२,६३७, ८१९५, ४००१० र ४९८६० रहेका छन् भने चालु आ.व.मा भ्रमण गर्ने आन्तरिक पर्यटकको संख्या ६,७०१ रहेको छ।

#### ४.१.२ समस्या तथा चुनौती

अनुपम हिमाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वैभवले धनी हुँदाहुँदै पनि खुम्बु क्षेत्रको पर्यटन विकासमा विभिन्न समस्या तथा चुनौतीहरू रहेका छन्। गाउँपालिकामा सडक यातायात पहुँच नहुनु, सडक तथा पुल निर्माणमा सङ्घीय र प्रदेश तहबाट पर्याप्त लगानी हुन नसक्नु, सङ्घ तथा प्रदेश सरकारबाट प्रदान गरिने अनुदानमा भौगोलिक क्षेत्रफललाई कम भार प्रदान गर्ने नीतिका कारण विकास आवश्यकताको तुलनामा प्राप्त हुने अनुदान न्यून हुनु यस क्षेत्रको प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्। स्थानीय उत्पादनको बजार प्रवर्द्धन हुन नसक्नु, पर्यटकीय क्षेत्र भएर पनि सार्वजनिक शौचालय सुविधा पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध नहुनु, फोहोरमैला विसर्जन मात्रा वृद्धि हुँदै जानु, सांस्कृतिक क्षयीकरण बढ्दै जानु आदि पनि यस क्षेत्रका समस्याहरू हुन्। वैकल्पिक हवाईमैदान निर्माण हुन नसक्नु, लेवुचे र गोरक्षे क्षेत्रमा पर्यटनको बासको असुविधा हुनु (निजी जग्गा कम हुनु र निकुञ्ज क्षेत्रमा संरचना निर्माणको व्यवस्था नहुनु), हेली सर्भिसको कारण पर्यटकको बसाइ दिन छोटिदै जानु, पर्यटकीय रूट तथा गन्तव्यहरूमा प्रतिकालयको व्यवस्था नहुनु, उच्च हिमाली भेगमा स्वास्थ्य उपचार सेवा, सञ्चार तथा विद्युत सुविधा उपलब्ध नहुनु आदि यहाँका प्रमुख चुनौतीहरू हुन्।

#### ४.१.३ संभावना र अवसर

लोवुचे र त्याङ्बोचेमा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथ वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ र नियमावली २०३० बमोजिम जग्गा व्यवस्थापन गरी पर्यटक बास व्यवस्थापन जस्ता अति आवश्यक पर्यापटकीय सेवा तथा सुविधा विस्तार र प्रवर्द्धन गर्न सकिने संभावना रहेको छ। पर्यटन पदमार्ग र पर्यटकीय गाउँ तथा क्षेत्रमा खच्चड सवारीको लागि वैकल्पिक मार्ग निर्माण गर्ने र साइकल रूट लगायतका पर्यटन सेवा तथा सुविधा विकास र विस्तार गर्न सकिने समेत संभावना रहेको छ। यसैगरी रक क्लाइम्बिङ, स्कीइङ, बञ्जीजम्पिङ, क्यानोनिङ, माउण्टेन वाइक,

प्याराग्लाइडिङ जस्ता साहसिक तथा खेल पर्यटन पूर्वाधार विकास र प्रवर्द्धन, चेजिङ तथा अन्य स्थानमा केबल कार सञ्चालन, लुक्ला नाम्चे रोपवे सञ्चालन सञ्चालन, स्थानीय रेस्क्यु टिम गठन, तालिम तथा इक्विपमेण्ट सहित पर्यटक राहत तथा उद्धार कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने सम्भावना छ । खुम्बु क्षेत्र पर्यटन पदमार्ग, लुक्ला सगरमाथा वेशक्य पर्यटन पदमार्ग (५० कि.मि.) को स्तरोन्नति, नाम्चे थामे हुँदै रेञ्ज पास, गोक्यो चोलापास, खोम्पापास, टासी लाप्चा पास, आम्फुलाप्चा पास (५० कि.मि.) पर्यटक पदमार्ग लगायत खुम्बु क्षेत्रका प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यहरूसम्म पुग्ने पदमार्ग निर्माण र स्तरोन्नति गर्न सके विदेशी र स्वदेशी पर्यटक आगमन संख्यामा ठूलो वृद्धि हुन सक्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाका केन्द्रसम्म सडक सञ्जालको विकास गर्ने, होटेल, लज तथा रेष्टुरेण्टहरूलाई पेशागत छाता संगठनमा आबद्ध गरी सेवाको मापदण्ड निर्धारण र प्रभावकारी नियमन मार्फत सेवा सुविधामा स्तरियता कायम गर्न सकिन्छ । यसैगरी सगरमाथा लगायत ५ भन्दा बढि उच्च तथा मनोरम हिमशिखर विद्यमान रहनु, राष्ट्रिय निकुञ्ज र मध्यवर्ती क्षेत्र अवस्थित हुनु, राष्ट्रिय निकुञ्ज विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत हुनु, एडमण्ड हिलारी पक्क हवाईमैदान सञ्चालनमा रहनु, स्याङवोचेमा हवाईमैदान विस्तार र स्तरोन्नति गरी वैकल्पिक हवाईमैदान सञ्चालन हुनु, त्याङवोचे लगायतका विभिन्न गाउँहरूमा गुम्बा र वैभवशाली शेर्पा संस्कृति, वन, वनस्पति तथा वन्यजन्तु लगायत जैविक विविधता कायम रहनु पर्यटन तथा संस्कृति क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरू हुन् ।

#### ४.१.४ सोच

दिगो पर्यटन: खुम्बुको पहिचान

#### ४.१.५ लक्ष्य

- गुणस्तरीय पर्यटकको संख्यामा वृद्धि गर्ने ।

#### ४.१.६ उद्देश्य

१. पर्यटकलाई गुणस्तरीय सेवा तथा सुविधा प्रदान गर्नु,
२. पर्यटकीय सेवा सुविधाको व्यावसायीकरण, विविधीकरण र विशिष्टीकरण गर्नु ।

#### ४.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ३ : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. पर्यापर्यटकीय पूर्वाधार तथा सुविधाको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन गर्ने	१.१ स्थानीय हिमाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको लगत संकलन गरी तथा संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ । १.२ हिमाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदालाई पर्यटनसँग जोडेर संरक्षण र पवर्द्धनात्मक कार्य गरिनेछ । १.३ स्थानीय प्रकृति तथा संस्कृतिको जगेर्ना र प्रवर्द्धन गर्न नियमित रूपमा महोत्सव तथा प्रदर्शनीको आयोजना गरिनेछ । १.४ खुम्बु क्षेत्रमा गुणस्तरीय र पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सडक र हवाई यातायातको पहुँच वृद्धिसँगै तथा पदमार्ग स्तरोन्नति तथा साहसिक पर्यटकीय पूर्वाधारको विकास र स्तरोन्नतिमा जोड दिइनेछ ।
२. पर्यटकीय सम्पदा र सेवा तथा सुविधाको विशिष्टीकरण गर्ने,	२.१ हिमाली प्रकृति तथा संस्कृतिको अध्ययन, अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण सञ्चालन गर्ने प्रतिष्ठान स्थापनाको लागि प्रदेश तथा नेपाल सरकार र सहयोगी संस्थासँग समन्वय, साझेदारी र सहकार्य गरिनेछ । २.२ खुम्बु क्षेत्रको अनुपम हिमाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण, प्रवर्द्धन तथा प्रचार प्रसारलाई थप प्रभावकारी बनाइनेछ । २.३ कृषि तथा पशुपालन पकेट क्षेत्रमा एकीकृत कृषि फर्म सहित कृषि पर्यटनको विकास र विस्तार गरिनेछ । २.४ प्राकृतिक, दृश्यावलोकन, धार्मिक, सांस्कृतिक कृषि र ग्रामीण जनजीवनमा आधारित पर्यापर्यटनको विकास गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
३. पर्यटन विकास सम्बन्धी उपयुक्त नीतिगत तथा संरचनाको विकास र परिचालन गर्ने,	३.१ दिगो र गुणस्तरीय पर्यटन विकास तथा प्रवर्द्धनका लागि पर्यटन नीति तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । ३.२ पर्यटनलाई खुम्बुको दिगो विकासको अग्रणी क्षेत्रको रूपमा विकास गर्दै यसबाट आर्थिक सम्बन्ध र स्थानीय रोजगारी तथा लाभ बढाउने कुरामा जोड दिइनेछ । ३.३ पर्यटन विकास तथा संस्कृति संरक्षणलाई विशेष रूपले सम्बोधन गर्न सोसम्बन्धी सिमिति गठन तथा गाउँपालिकामा संस्थागत संरचना र जनशक्ति व्यवस्थापन गरी क्रियाशील तुल्याइनेछ । ३.४ खुम्बु क्षेत्रमा पर्यापयटनको विकास र प्रवर्द्धनका लागि सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयनमा समन्वय कायम गरिनेछ ।
४. अन्तर सरकार, स्थानीय तह, सामुदायिक तथा निजी क्षेत्रका समन्वय, सहकार्य र साझेदारीमा पर्यटकीय गन्तव्य, पूर्वाधार र सुविधाको संरक्षण, विकास र विस्तार गर्ने,	४.१ खुम्बु क्षेत्रको अनुपम प्राकृतिक र सांस्कृतिक पर्यटकीय सम्पदाको संरक्षण, विकास, प्रवर्द्धन तथा दिगो व्यवस्थापनका लागि नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार र छिमेकी स्थानीय सरकार, अन्तराष्ट्रिय, राष्ट्रिय तथा स्थानीय गैर सरकारी संस्था, स्थानीय बासिन्दा तथा समुदाय, निजी क्षेत्र तथा उद्यमी व्यासायीसँग साझा संयन्त्र निर्माण गरी समन्वय, साझेदारी तथा सहकार्य गरिनेछ । ४.२ साझेदारी, समन्वय र सहकार्यलाई मूर्त रूप दिन स्थानीय स्तरमा क्रियाशील सरोकारवालासँग नियमित सञ्चार, बैठक तथा अन्तरसम्बादको आयोजना गरिनेछ । ४.३ प्रदेश राजधानी र काठमाण्डौमा आवधिक रूपमा अन्तरसंवाद कार्यक्रम सञ्चालन गरी अन्तर सरकारी समन्वय, सहकार्य र साझेदारीलाई थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।
५. स्थानीय मौलिक कला तथा संस्कृति संरक्षणलाई पर्यटनसँग आवद्ध गरी व्यवसायिकरण गर्ने ।	५.१ सरकारी, गैरसरकारी र निजी क्षेत्रसँग समन्वय, साझेदारी र सहकार्यमा माउण्टेनियरिङ म्युजियम स्थापना र सञ्चालन गरी शोर्पा संस्कृतिको जगेर्ना गरिनेछ । ५.२ पर्यटकीय संभावना भएका तर होटेल व्यवसाय नभएका स्थानमा स्थानीय संस्कृति एवं रितिरिवाजको प्रवर्द्धन सहित होमस्टे कार्यक्रम विस्तार र थप व्यवस्थित बनाइनेछ । ५.३ शोर्पा तथा अन्य जनजातीको मौलिक ज्ञान, कला, भाषा, संस्कृति तथा प्रविधि संरक्षण र प्रवर्द्धनका लागि सङ्घ, प्रदेश, स्थानीय समुदाय, सङ्घसंस्था, उद्यमी व्यावसायी तथा साझेदारी निकायसँग समन्वय, सहकार्य र साझेदारी गरिनेछ । ५.४ स्थानीय संस्कृति, कला र भाषा संरक्षण, प्रवर्द्धनका साथै पर्यटकीय सेवा सुविधा विकास र विस्तार गर्न गुम्बा, च्योर्तेन, मनी, कनी, ल्हाप्सु निर्माण, मर्मतसंभार तथा स्तरोन्नति गर्दै लगिनेछ ।

#### ४.१.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ४ : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
पर्यटन तथा संस्कृति क्षेत्रमा रोजगार	जना	२९००	३०००	३३००	३७००	४२००	४६००	५०००	प्रगति प्रतिवेदन
पर्यटकीय संख्यामा वृद्धि	प्रतिशत	११२	११४	११८	१२२	१२६	१३२	१४०	पर्यटन सूचना केन्द्र
व्यवस्थित र स्तरोन्नत पर्यटकीय सम्पदा र गन्तव्य	संख्या	४६	४८	५०	५२	५४	५७	६०	वार्षिक प्रतिवेदन
भ्रमण गर्ने आन्तरिक पर्यटक	संख्या	३८७३	६७०१	७५००	९०००	११०००	१२५०	१४०००	वार्षिक प्रतिवेदन
आगमन हुने वार्षिक वाह्य पर्यटक (हजारमा) सन् २०१९	संख्या	५२	५५	६६	७२	७८	८५	१००	वार्षिक प्रतिवेदन

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
स्तरीय होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेण्ट	संख्या	५३६	५५०	११८०	११८५	११९०	११९५	१२००	वार्षिक प्रतिवेदन
उपलब्ध पर्यटकीयस्तरका वेड	संख्या	९०२९	९०४०	९०६०	९०९०	९००५०	११५००	१२०००	वार्षिक प्रतिवेदन
संरक्षित र प्रवर्द्धित सांस्कृतिक सम्पदा	संख्या	२७	२८	३०	३३	३७	४१	४५	वार्षिक प्रतिवेदन
प्रवर्द्धित पर्यटकीय गाउँ	संख्या	२०	२१	२३	२६	२९	३३	३५	वार्षिक प्रतिवेदन
उपलब्ध पर्यटकीय सेवा तथा सुविधाको प्रकार	संख्या	५३६	५३८	५४१	५४५	५५०	५५५	५६०	वार्षिक प्रतिवेदन
पर्यटन सेवा सुविधाबाट सन्तुष्ट पर्यटक	प्रतिशत	९१	९१	९२	९३	९४	९५	९६	वार्षिक प्रतिवेदन
पर्यटन सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान	संख्या	६	७	८	१०	१२	१४	१५	वार्षिक प्रतिवेदन
हिमताल फुटेर आउने बाढीको घटना	पटक	४	३	३	३	३	२	२	वार्षिक प्रतिवेदन
सुधारिएको पर्यटकीय पदमार्ग लम्बाइ	कि.मि.	१३५	१३९	१४५	१५१	१५८	१६५	१७५	वार्षिक प्रतिवेदन
पर्वतारोहण, हिमाली र सांस्कृतिक पर्यटनमा क्रियाशिल संरचना/ संस्था	संख्या	२१	२२	२४	२७	३०	३२	३५	वार्षिक प्रतिवेदन
सम्बोटा लिपि र शोर्पा भाषा पढाइ हुने विद्यालय तथा बौद्ध गुम्बा	संख्या	५	६	८	१०	१२	१४	१६	वार्षिक प्रतिवेदन

Source: i) The Highest Mountain in the Shadow of Climate Change: Managing Tourism and Conservation in a World Heritage Site: Sagarmatha National Park, Nepal, ii) Tourism-Related Facility Development in Sagarmatha

## ४.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ५ : पर्यटन तथा संस्कृति उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१	हिमाली प्रकृति तथा संस्कृति अध्ययन, अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान स्थापना तथा सञ्चालन	स्थान	१	१४००००	३	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, सङ्घसंस्था
१	माउण्टेनियरिङ म्युजियम स्थापना तथा व्यवस्थापन आयोजना	स्थान	१	८००००	२	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
१	एभरेष्ट पर्यटन पदमार्ग (लुक्ला बेशक्याम पदमार्ग) आयोजना	कि.मि.	६०	३४३७८६	१	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
२	खुम्बु क्षेत्र पर्यटन पदमार्ग (नाम्चे थामे हुँदै रेञ्ज पास, गोक्यो चोलापास, खोम्मापास, टासी लाप्चा पास, आम्फुलाप्चा (मेरापिक जाने) पास, ५० कि.मि.)	कि.मि.	५०	२९१३४४	१	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, सङ्घ/संस्था
२	पर्यटक ट्र्याकिङ प्रणाली स्थापना	पटक	५	३००००	१	गाउँपालिका र स.रा.नि.
२	साहसिक पूर्वाधार (बञ्जीजम्पिङ, स्काइ डाभिङ, साइक्लिङ) निर्माण आयोजना	स्थान	३	११८७७	२	गाउँपालिका, निजी क्षेत्र

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
२	पर्यापर्यटन पूर्वाधार विकास तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	१८२५००	१	गाउँपालिका, संघ र प्रदेश सरकार, सङ्घ/संस्था
१	पर्यटक उद्धार तथा राहत कार्यक्रम	वर्ष	५	१२७२००	१	गाउँपालिका, नेपाल सरकार र सङ्घ/संस्था
१	गुम्बा, च्योर्तेन, मनी, कनी, ल्यासु निर्माण, मर्मतसंभार तथा स्तरोन्नति कार्यक्रम	संख्या	६०	१९६००	५	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, सङ्घ/संस्था
१	प्रदूषण नियन्त्रण कार्यक्रम	वर्ष	५	२७५००	२	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, सङ्घ/संस्था
१	उच्च स्थान ल्याव तथा जलवायु मापन केन्द्र स्थापना र स्तरोन्नति	संख्या	१	२०२००	२	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
१	सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयनमा सहयोग र सहजीकरण	वर्ष	५	१७५००	४	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
२	शोर्पा तथा अन्य जनजाती मौलिक ज्ञान, कला, भाषा, संस्कृति तथा प्रविधि संरक्षण र प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	४६०००	५	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, सङ्घ/संस्था
२	पर्यटन विकास सम्बन्धी अन्य सालबसाली कार्यक्रम	वर्ष	५	३८०००	१-४	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
<b>जम्मा</b>				<b>१३७५५०७</b>		

#### ४.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, गाउँपालिका, निजी क्षेत्र, अन्तराष्ट्रिय, राष्ट्रिय स्थानीय गैर सरकारी क्षेत्र, समुदाय तथा नागरिक समाजको साझेदारीमा पर्यटन पूर्वाधार विकास, पर्यटन प्रवर्द्धन तथा सेवा सुविधाको विकास, विस्तार तथा विविधिकरण हुन सक्नेछ। कोभिड १९ लगायतका महामारी, आर्थिक संकट र राजनीतिक अस्थिरताले पर्यटन क्षेत्रको अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन सक्दछ।

#### ४.२ कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई

##### ४.२.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले कृषि उपजको उत्पादन, व्यावसायीकरण तथा बजारीकरणका लागि कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन ऐन तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ। गाउँपालिकामा १३२१ कृषक परिवारका रूपमा सूचीकृत भएका छन्। उच्च भूभागमा हुने आलु, गहुँ, उवा तथा तरकारी उत्पादनको संभावना रहेको गाउँपालिका क्षेत्रमा आलुका ३ वटा पकेट क्षेत्र, १ गहुँ तथा उवा पकेट क्षेत्र र संरक्षित कृषि प्रणाली स्थापना गरी उत्पादनलाई व्यवसायिकरण गर्न प्रयास गरिएको छ। यसबाट करिब ३०० रोपनी क्षेत्रफलमा आलु, २०० रोपनीमा गहुँ तथा उवाको व्यावसायिक उत्पादन विस्तार भएको छ। यसैगरी पकेट क्षेत्र, व्यावसायिक तथा संरक्षित कृषि कार्यक्रमबाट आलु समेत वार्षिक ४६२ मे.ट. खाद्यान्न र ११६ मे.ट. तरकारी उत्पादन हुने गरेको छ। आलु पकेट विकास कार्यक्रममा १२० कृषक परिवार, गहुँ तथा उवा पकेट क्षेत्र विकास कार्यक्रममा ३२ कृषक परिवार र संरक्षित कृषिमा ६४ कृषक परिवार गरी कुल २१६ कृषक परिवार व्यावसायिक उत्पादनमा आबद्ध रहेका छन्। वडा नम्बर २ को गुमेलामा २४ मे.ट. क्षमताको कोल्ड स्टोरेज निर्माण भइ सञ्चालनमा रहेको छ।

##### ४.२.२ समस्या तथा चुनौती

उच्च हिमाली भूभाग, भौगोलिक विकटता, चिसो हावापानी र खेतियोग्य भूमिको न्यूनता यस गाउँपालिका कृषि क्षेत्रको मुख्य समस्या तथा चुनौतीहरू हुन्। कृषि उत्पादनको व्यावसायीकरण, विविधीकरण तथा बजारीकरण हुन नसक्नु, कृषी सामग्रीको ढुवानी लागत बढी हुनु, कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व कमी हुनु, कृषि तथ्याङ्कको आधार तयार तथा अद्यावधिक नहुनु, प्राविधिक तथा कृषि कर्मका लागि आवश्यक जनशक्तीको कमी हुनु कृषि क्षेत्रमा रहेका प्रमुख समस्याहरू हुन्। जलवायु परिवर्तनका कारण हिउ तथा वर्षाको तालिका र

परिमाणमा फेरबदल आउनु, वन्यजन्तुबाट बालीनालीको हानी नोक्सानीमा वृद्धि हुनु, रोग तथा किराको प्रकोप बढ्दै जानु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

### ४.२.३ संभावना तथा अवसर

आलु, गहुँ तथा उवा, फापर लगायत नयाँ फलफूल तथा बालीको व्यावसायिक उत्पादनका लागि उपयुक्त हावापानी र ढुवानी समेत समावेश उत्पादनमा आधारित अनुदान तथा संरक्षित कृषि विकास कार्यक्रम मार्फत कृषिको व्यावसायिकरण यस गाउँपालिकाको कृषि क्षेत्रका मुख्य संभावनाहरू हुन् । खेति गरिएको क्षेत्रमा तारबार (इलेक्ट्रिक) लगाउने, हेरालुको व्यवस्था गर्ने, वन्यजन्तुबाट हुने वालीनालीको क्षतीमा क्षतिपूर्तीको व्यवस्था सहित जैविक उत्पादनमा जोड दिने र वडा नम्बर १, २ र ३ मा एक वडा एक कृषि तथा पशु सेवा प्राविधिकको व्यवस्था गरी प्राविधिक सेवा र टेवा उपलब्ध गराएर कृषिको व्यावसायिकरण गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । गाउँपालिकामा कृषि अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र स्थापना गरी अनुसन्धान, प्रदर्शनी, क्षमता विकास गर्ने, कृषि उपज संकलन तथा भण्डारणको पूर्वाधार निर्माण गर्ने, गुमेलामा स्थापना भएको कोल्ड स्टोरेज पूर्ण क्षमतामा सञ्चालनमा ल्याउने र अन्य स्थानमा पनि विस्तार गर्ने, कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन गर्ने, कृषि विमा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने अवसरहरू उपलब्ध छन् ।

### ४.२.४ सोच

दिगो आम्दानी र स्वस्थ जीवनको आभास: जैविक कृषि उत्पादनको प्रयास

### ४.२.५ लक्ष्य

- जैविक कृषि उत्पादनमा वृद्धि गर्ने ।

### ४.२.६ उद्देश्य

१. जैविक कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु,
२. प्राविधिक ज्ञान, सीप र प्रविधिको विकास र विस्तार गर्नु,
३. स्थानीय कृषि उपजका लागि बजारको सुनिश्चितता गर्नु ।

### ४.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ६ : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. आलु, गहुँ, उवा, फापर, तरकारी र नयाँ बालीको उत्पादन, व्यावसायिकरण, विविधीकरण र औद्योगिकीकरण गर्ने	१.१ सम्भाव्यता अध्ययनका आधारमा सघन कृषि उत्पादनका लागि पकेट क्षेत्र निर्धारण गरी आलु, तरकारी लगायतका बालीको व्यावसायिक उत्पादनका लागि प्रोत्साहित गरिनेछ । १.२ नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी किसानलाई कृषि औजार तथा यन्त्रहरू उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिनेछ । १.३ कृषकहरूको लागि श्रममा आधारित उत्पादन, भण्डारण, प्रशोधन र बजारीकरणका प्रविधि हस्तान्तरणको व्यवस्था गरिनेछ । १.४ कृषि सामग्री, अनुदान, बिमा, ऋण, शित भण्डार, संकलन, प्रशोधन र बिक्री केन्द्र, बजारीकरण र कृषि सूचनामा किसानको सहज पहुँच अभिवृद्धि गरिनेछ । १.५ थोपा तथा फोहोरामा आधारित तथा वैकल्पिक सिंचाई प्रविधिको विस्तार र प्रविधि हस्तान्तरण गरिनेछ । १.६ खेतियोग्य जमिनमा पोखरी निर्माण, वैकल्पिक बाली प्रणाली, सुख्खा खेतिलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
२. नयाँ बालीको परीक्षण, विकास र विस्तार गर्ने	२.१ राष्ट्रिय कृषि अनुसन्धान केन्द्र, विश्वविद्यालयबाट सिफारिश स्याउ, किवी, आरूवखडा र हिमाली हावापानीमा हुने अन्य नयाँ बालीको परीक्षण गरी सफल भएका बालीको उत्पादन विस्तार गरिनेछ । २.२ वन्यजन्तुले नोक्सानी नपुऱ्याउने लसुन र जडिबुटीको खेति विकास र विस्तार गर्न सहयोग र सहजीकरण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.३ कृषकहरूमा नयाँ प्रजातिको खेतिको लागि उत्प्रेरणा, सचेतना, परामर्श, क्षमता विकास र प्रविधि हस्तान्तरण गरिनेछ ।
३. कृषि व्यवसायको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन विस्तार गर्ने	३.१ कृषक तथा कृषक समूहलाई हाइटेक तथा संरक्षित कृषि प्रणाली अपनाउन प्राविधिक परामर्श, उपकरण तथा प्रविधिक सहयोग र सोसम्बन्धमा क्षमता विकास गरिनेछ । ३.२ जैविक उत्पादन विस्तार र प्रवर्द्धन गर्न कृषकलाई सचेतना, जैविक उत्पादन प्रविधि र प्रसार कार्यक्रम सञ्चालनको व्यवस्था गरिनेछ । ३.३ कृषि पकेट क्षेत्रहरूमा कृषिजन्य उत्पादन, संकलन तथा प्रसोधन केन्द्रको विकास गरिनेछ ।
४. स्थानीय विशिष्टिकृत उत्पादनको, ग्रेडिङ, प्रशोधन, ब्राण्डिङ र बजारीकरण गर्ने	४.१ कृषि उपजलाई मूल्य शृङ्खलामा आवद्ध गरी कृषकलाई उत्पादित कृषि उपजको बजारीकरण र अधिकतम लाभको लागि सहजीकरण गरिनेछ । ४.२ कृषि उत्पादनमा संभाव्य वडाका युवा, लक्षित वर्ग र कृषकहरूको सहभागितामा कृषि उद्यम सिर्जना र विकास सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ । ४.३ वडा नम्बर ३ गुमेलामा निर्माणाधिन कोल्डस्टोर निर्माण सम्पन्न गरी पूर्ण क्षमतामा सञ्चालन गर्ने र आवश्यकताअनुसार कोल्डस्टोरको क्षमता वृद्धि तथा नयाँ निर्माण गरिनेछ ।
५. वडालाई सेवा केन्द्रको रूपमा विकास र सुदृढीकरण गर्ने	५.१ प्रत्येक वडामा दक्ष कृषि प्राविधिकको व्यवस्था गरी कृषि प्रसार सेवाको विस्तार गरिनेछ । ५.२ कृषि बालीमा लाग्ने रोग तथा किरा नियन्त्रणका लागि आवश्यक पर्ने औषधीको व्यवस्था मिलाउदै लगिनेछ । ५.३ अगुवा कृषक र कृषि फर्मलाई स्तरोन्नति तथा क्षमता विकास गरी कृषि प्रसार सेवालालाई सहज बनाइनेछ । ५.४ कृषि प्रसार कार्यक्रममा उद्यमशीलता विकास, व्यवसाय योजना, सीप तथा प्रविधि हस्तान्तरण, वित्तिय पहुँच र बजारीकरण जस्ता उद्यमशीलता प्रवर्द्धन कार्यक्रमहरू एकीकृत रूपमा सञ्चालनको व्यवस्था गरिनेछ ।
६. कृषि प्रसार, संरक्षित कृषि, हाइटेक प्रविधि, सामग्री विस्तार गर्ने	६.१ कृषि प्रसार तथा संरक्षित कृषि सम्बन्धी कार्यविधि र मापदण्डको व्यवस्था गरी संरक्षित तथा हाइटेक कृषि प्रविधिको विस्तार गरिनेछ । ६.२ सार्वजनिक निजी साझेदारी व्यवसाय, एग्रोभेट तथा सहकारी मार्फत जैविक मल, बीउविजन, कृषि उपकरण तथा सामग्रीको उपलब्धतालाई सहज बनाइनेछ । ६.३ सूचीकृत कृषकहरूमा संरक्षित कृषि, हाइटेक प्रविधि, अर्गानिक उत्पादन, स्टोरेज तथा प्रशोधन र बजारीकरण सम्बन्धी सचेतना, क्षमता विकास र प्रदर्शनीको व्यवस्था गरिनेछ ।
७. स्थानीय कृषि उपज, प्रविधि, प्रसार, उत्पादन, व्यवसायिकरण, भण्डारण र बजारीकरण सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान गर्ने,	७.१ नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र विकास साझेदार संस्थाहरूको सहयोग र साझेदारीमा संरक्षित कृषि लगायत हिमाली क्षेत्र हुने बालीनाली, प्रविधि, उपकरण, संरक्षण सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धानमा जोड दिइनेछ । ७.२ अध्ययन तथा अनुसन्धानबाट प्राप्त निष्कर्ष तथा सुझावलाई नीति, योजना र कार्यक्रम तर्जुमा, लाभको बाँडफाँटमा उपयोग गरिनेछ ।
८. प्राङ्गारिक तथा जैविक मल र विषादी उत्पादन र उपयोग गर्ने,	८.१ प्राङ्गारिक उत्पादनमा बढावा दिन कृषक तथा कृषक समूहलाई जैविक मल तथा विषादी उत्पादन र प्रयोग बारे सचेतना, तालिम, अवलोकन, प्रदर्शनी र प्रोत्साहन गरिनेछ । ८.२ कृषकले उत्पादन गरेको जैविक मल, विषादी र उपजमा उत्पादनमा आधारित अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ । ८.३ प्राङ्गारिक तथा जैविक मल र विषादी उत्पादन, संकलन र वितरणका लागि एग्रोभेट तथा सहकारी परिचालन गरिनेछ ।

## ४.२.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ७ : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन	के.जी.	२०१	२०५	२०७	२०९	२११	२१३	२१५	गाउँ प्रोफाइल
आफ्नो आयको दुई तिहाइ भन्दा बढी खानामा खर्च गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत	१८	१७	१६	१४	१३	१२	१०	गाउँ प्रोफाइल
सानास्तरका खाद्य उत्पादकको औसत आय	रु. हजार	७५	७८	८०	८५	९०	९५	१००	गाउँ प्रोफाइल
कृषि क्षेत्रमा संलग्न समूह र सहकारी	संख्या	५	५	६	७	८	९	१०	गाउँ प्रोफाइल
कुल कृषि भूमि मध्ये खेति गरिएको भूमि	प्रतिशत	७५	७६	७८	८०	८४	८६	९०	गाउँ प्रोफाइल
खाद्यान्न बालीको औसत उत्पादकत्व प्रति हेक्टर	मे.ट.	४	४	५	६	७	७	८	गाउँ प्रोफाइल
व्यवसायिक उत्पादनमा संलग्न कृषक	संख्या	१५३	१५५	१६०	१६५	१७०	१८५	२००	गाउँ प्रोफाइल
कुल तरकारी उत्पादन	मे.ट.	११६	१२०	१२२	१२५	१३०	१४०	१४५	गाउँ प्रोफाइल
कुल खाद्यान्न उत्पादन	मे.ट.	४६२	४६५	४७०	४७५	४८०	४९०	५००	गाउँ प्रोफाइल
१२ है महिना सिंचाई हुने क्षेत्र	हेक्टर	१५४	१६०	१६५	१६७	१७०	१७५	१८०	गाउँ प्रोफाइल
कृषि फर्म	संख्या	३१	३२	३३	३५	३८	४३	४५	गाउँ प्रोफाइल
सूचीकृत कृषक	संख्या	१३६५	१३७०	१३७५	१३८०	१४००	१६००	१८००	गाउँ प्रोफाइल
कृषि पेशामा आवद्ध जनसंख्या	जना	१७५१	२४००	३०००	३२००	३५००	३७५०	४०००	गाउँ प्रोफाइल

## ४.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ८ : कृषि, खाद्य सुरक्षा तथा सिंचाई उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति	जिम्मेवारी
१,२	कृषि प्रसार तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	७३५२	१,७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार
१,२	व्यावसायिक तथा संरक्षित कृषि कार्यक्रम	वर्ष	५	१०१०९	१,७	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ सरकार
१, २	मल उत्पादन तथा मलखाद व्यवस्थापन कार्यक्रम	वर्ष	५	५५१४	८	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार
१, २	बाली संरक्षण कार्यक्रम	वर्ष	५	३६७६	१,७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार
१,२	कृषि अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र	संख्या	१	११०२८	७	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ सरकार
३	कृषि बजार व्यवस्थापन कार्यक्रम	वर्ष	५	८२७१	१,३,७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार
१	वैकल्पिक तथा साना सिंचाई विकास र विस्तार कार्यक्रम	वर्ष	५	२००००	१, ३	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ सरकार
जम्मा		वर्ष		६५९५०		

## ४.२.१० जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकामा रहेका व्यावसायिक तथा अन्य कृषकहरूको संख्या वृद्धि भई कृषि उत्पादन बढ्ने र कृषि उत्पादन प्रशोधन, विविधिकरण र बजारीकरण प्रणाली सुदृढ हुनेछ। कृषि उत्पादनमा उन्नत प्रविधि, मल, गुणस्तरीय बीउ, सिंचाई सुविधा र संरक्षित कृषि प्रणाली, मुल्य श्रृंखला र बजार अन्तरसम्बन्ध विकास गर्न नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन्छ। यसैगरी कृषिजन्य उत्पादनमा जलवायु परिवर्तन नकारात्मक असर तथा नयाँ प्रकोपहरूको समेत जोखिम रहको छ।

### ४.३ पशुपंक्षी विकास

#### ४.३.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन ऐन तर्जुमा गरी कृषि उपज समेत पशुपंक्षीपालन, उत्पादन तथा बजारीकरण सम्बन्धी व्यवसायमा जोड दिएको छ । यस गाउँपालिकामा सञ्चालित पशु विकास कार्यक्रमबाट १,२० कृषक परिवार पशु बिमा कार्यक्रममा आवद्ध भएका छन् । पशुपंक्षी प्राविधिक सेवा तथा व्यवसाय विकास तथा प्रवर्द्धनका लागि वार्षिक ४६७ पशुको बन्ध्याकरण र उपचार भैरहेको छ । यसबाट वार्षिक ३० हजार २ सय लिटर दूध १० मेट्रिक टन मासु उत्पादन भैरहेको छ । पर्यटकीय क्षेत्रमा छाडा रूपमा रहेका कुकुरहरूलाई व्यवस्थापन गर्न वडा नम्बर ५ को नाम्चेमा केनल हाउस स्थापना गरी सञ्चालन गरिएको छ ।

#### ४.३.२ समस्या तथा चुनौती

पशुपंक्षीपालन व्यावसायीकरण तथा विविधकरण हुन नसक्नु, दाना र औषधी दुवानी लागत बढी हुनु, कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व कमी हुनु, वन्यजन्तुबाट पशुपंक्षीको हानी नोक्सानी हुनु, पशुपंक्षीमा रोग तथा परजीविको प्रकोप बढ्दै जानु, तथ्याङ्कको आधार तयार तथा अद्यावधिक नहुनु, जनशक्तीको कमी हुनु, घाँस तथा दानाको उत्पादन र उपलब्धता कमी हुनु, प्रविधि र प्राविधिक सहयोगमा कमी हुनु पशुपंक्षी सेवाका प्रमुख समस्याहरू हुन् ।

दक्ष प्राविधिकको सेवा विस्तार गर्नु, सरल कर्जा र वीमाको व्यवस्था गर्नु, बजार पूर्वाधारको विकास गर्नु, बढ्दो आयातमूलि संस्कृति मौलाउनु, उन्नत घाँस वीउ र आधुनिक प्रविधि विकास र विस्तार गर्नु, व्यावसायिक तथा जैविक पशुपालन क्षेत्रको विकास गर्नु, पर्यटक तथा स्थानीय उपभोगको लागि दूध तथा मासुजन्य उपजको संकलन, दुवानी तथा स्टोरेज व्यवस्था मिलाउनु, स्थानीय उत्पादनको उपभोग प्रवृत्ति बढाउनु, पशु पकेट क्षेत्रमा यातायात पहुँच पुऱ्याउनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ४.३.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकामा उत्पादनमा आधारित अनुदान मार्फत जैविक उत्पादन वृद्धि गर्ने, वन्यजन्तुबाट पशुपंक्षीमा हुने क्षतिको लागि क्षतिपूर्तीको व्यवस्था गर्ने, एक वडा एक कृषि प्राविधिकको व्यवस्था गर्ने, मोवाइल एप्स तथा स्थानीय किसान कल सेन्टर स्थापना र सञ्चालन गर्ने, कृत्रिम गर्भाधान तथा पशु बिमा कार्यक्रम प्रभावकारी बनाउन बिमा एजेण्टको शाखा स्थापना र विस्तार गर्न सकिने सम्भावना छ । यसैगरी गाउँपालिका क्षेत्रमा मासु काट्ने सुरक्षित र स्वस्थ ढंगले दुवानीको व्यवस्था मिलाई स्थानीय बासिन्दा र पर्यटकहरूका लागि स्वस्थ मासु दूध तथा दूधजन्य उत्पादनहरू उपलब्ध गराउने कार्य पशुपंक्षी क्षेत्रमा प्रमुख अवसरको रूपमा रहेका छन् ।

#### ४.३.४ सोच

उत्पादनमा आत्मनिर्भरता र समृद्धि: व्यावसायिक पशुपालनमा वृद्धि

#### ४.३.५ लक्ष्य

- मासु र दूधजन्य उत्पादनमा वृद्धि गर्ने ।

#### ४.३.६ उद्देश्य

१. पशुपंक्षीजन्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु,
२. प्राविधिक ज्ञान, सीप र प्रविधिको विकास र विस्तार गर्नु,
३. पशुपंक्षी उपचार सेवामा सहजता ल्याउनु,
४. स्थानीय पशुजन्य उत्पादनको प्रशोधन र बजार व्यवस्थापन गर्नु ।

#### ४.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ९ : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. दुध र मासुजन्य उपजको व्यावसायिकरण, विविधकरण तथा औद्योगिकीकरण गर्ने	१.१ पशु बिमा, ऋण, संकलन, प्रशोधन र बिक्री केन्द्र, बजारीकरण र सूचनामा किसानको सहज पहुँच अभिवृद्धि गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	<p>१.२ पशुपंक्षीपालन, उत्पादन, भण्डारण तथा कोल्ड स्टोर, संकलन र प्रशोधन पूर्वाधार, प्रविधि हस्तान्तरण र क्षमता विकास र विस्तारका लागि सङ्घ तथा प्रदेश सरकारका सम्बन्धित निकाय र निजी क्षेत्रसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</p> <p>१.३ गाइ, भैसी, झोकपे, वाखा तथा बंगुरपालनमा केन्द्रित गरी नमूना फर्महरू मोडेलको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>१.४ पशुपंक्षी फर्महरूलाई प्रोत्साहन गरी उत्पादन वृद्धि र बजार व्यवस्थापनमा जोड दिइनेछ ।</p> <p>१.५ पशु पकेट क्षेत्रहरू पहिचान तथा सञ्चालन गरी तत्सम्बन्धी सेवा, सुविधा र प्रविधि एकीकृत रूपमा उपलब्ध गराइनेछ ।</p>
२. उन्नत घाँस उत्पादनको विकास, विस्तार र पशुपंक्षी आहारा व्यवस्थापन गर्ने	<p>२.१ पशु विकास पकेट क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक तथा निजी जग्गामा भुइँघाँस खेति प्रवर्द्धन र विस्तार गरी पशु आहारको न्यूनता पूरा गरिनेछ ।</p> <p>२.२ पशु आहार व्यवस्थापनको लागि पराल तथा साइलेज र अन्य वैकल्पिक प्रविधिको प्रयोग विस्तार गरिनेछ ।</p>
३. पशुपंक्षीपालन तथा उत्पादन, प्रशोधन व्यवसायको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन गर्ने	<p>३.१ गाई, भैसी, वाखा, बंगुरपालनमा केन्द्रित गरी नमूना फर्महरू मोडेलको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>३.२ पशुपालनका व्यवस्थापकीय पक्षहरू खोर, गोठ, आहारा, प्रजनन, स्वास्थ्य र बीमा व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>३.३ पशु तथा पंक्षीपालन फर्महरूलाई थप प्रोत्साहन गरी उत्पादन वृद्धि र बजार व्यवस्थापनमा जोड दिइनेछ ।</p>
४. पशुपंक्षी उत्पादनको प्रशोधन, ब्राण्डिङ तथा बजारीकरण प्रवर्द्धन गर्ने,	<p>४.१ पशुजन्य उत्पादनलाई मूल्य श्रृङ्खलामा आवद्ध गर्न अध्ययन तथा विश्लेषणको लागि सङ्घ, प्रदेश सरकार तथा निजी क्षेत्रसँग पैरवी र सहकार्य गरिनेछ ।</p> <p>४.२ पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको विविधीकरण तथा बजार प्रवर्द्धनका लागि कृषक समूह तथा व्यावसायीलाई प्रोत्साहन गर्ने कार्यक्रम तर्जुमा गरी सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>४.३ पशुपंक्षीजन्य उत्पादन बजारीकरण कृषक समूह तथा सहकारी व्यवसायीलाई परिचालन गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</p> <p>४.४ उत्पादन बजारीकरणको लागि सूचना प्रविधिमा कृषकहरूको पहुँच वृद्धि गर्न मोबाइल एप्लीकेशन लगायतका प्रविधिको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>४.५ पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको बजारीकरण गर्न हाटबजार, संकलन केन्द्र स्थापना तथा विस्तार सम्बन्धी आयोजना तथा कार्यक्रम सञ्चालनमा जोड दिइनेछ ।</p>
५. कृत्रिम गर्भाधान र पशुनश्ल सुधारको विकास र विस्तार गर्ने	<p>५.१ उन्नत नश्लका प्रजनन्योग्य बोका, राँगो, साढे र बंगुर वितरण र कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम सञ्चालन र विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>५.२ कृत्रिम गर्भाधान र पशुनश्ल सुधारमा कृषक तथा कृषक समूहको क्षमता विकास र पशु प्रसार सेवा विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>५.३ चौरी, याक, नाकको मौलिक नश्ल संरक्षण गर्नुका साथै नयाँ नश्लका पशुपंक्षीपालनको संभावनाको अध्ययन तथा परीक्षण गरी नयाँ प्रजातीको पालनलाई बढवा दिइनेछ ।</p>
६. पशुपंक्षीपालक किसान, समूह, सहकारी तथा व्यवसायीहरूको क्षमता विकास गर्ने	<p>६.१ छरिएर रहेका कृषकहरू पहिचान गरी समूहमा आवद्ध गर्ने र व्यवसाय संचालन सम्बन्धी ज्ञान, सीप र प्रविधि हस्तान्तरण गरिनेछ ।</p> <p>६.२ पशुपालक कृषक, समूह र फर्मलाई व्यवसायउन्मुख तालिम, भ्रमण र व्यावहारिक सेसन सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>६.३ पशुपालन कृषक, समूह, सहकारी तथा फर्महरूको सीप, क्षमता अभिवृद्धि एवं व्यावसायिक विकासमा सहजीकरण गरिनेछ ।</p> <p>६.४ उत्कृष्ट पशुपालन समूह, समिति र सहकारीलाई पुरस्कृत गरी पशुपालन पेशामा आकर्षण वृद्धि गरिनेछ ।</p>

रणनीति	कार्यनीति
७. वडालाई सेवा केन्द्रको रूपमा विकास र सुदृढीकरण गर्ने	७.१ दक्ष पशु प्राविधिकको व्यवस्था गरी पशुपंक्षी उपचारलाई सुनिश्चित गरिने छ । ७.२ पशुपंक्षीहरूमा लाग्ने रोग तथा महामारी नियन्त्रणका लागि आवश्यक पर्ने खोप, औषधी र परजीवी नियन्त्रणको व्यवस्था मिलाउदै लगिनेछ । ७.३ खुल्ला मासु विक्री तथा ओसारपसार नियन्त्रणका लागि मापदण्ड बनाई नियमन गरिनेछ ७.४ स्थानीयस्तरमा तालिम प्राप्त प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्दै जाने नीति लिइनेछ ।

### ४.३.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका १० : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
व्यावसायिक पशुपालनमा संलग्न कृषक	संख्या	१२६	१३५	१५०	१७५	२००	२१०	२२५	पशु शाखाको वार्षिकप्रतिवेदन
व्यवसायिक फर्मको संख्या	संख्या	४२	४५	५४	६०	६६	७४	८०	पशु शाखा
वार्षिक दुधको उत्पादन	मेटन.	३०.२	३२.४	३८.९	४३.२	४७.५	५४	६०.०	पशु शाखा
वार्षिक मासु उत्पादन	मेटन.	१०.०	११.०	१२.०	१२.८	१३.६	१४	१५.०	पशु शाखा
सुधारिएको मासु पसल तथा कोल्डस्टोर	संख्या	५	५	६	७	८	९	१०	पशु शाखा
घाँस रोपण गरिएको क्षेत्रफल	रोपनी	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	पशु शाखा
व्यावसायिक माछापालन पोखरी, रेसवे र ब्लक	संख्या	११	१२	१३	१४	१५	१६	१८	पशु शाखा

### ४.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ११ : पशुपंक्षी उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१-४	पशुपंक्षी व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	८९७५	१-७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार र गैसस
१-४	पशुपंक्षी उत्पादन, बजारीकरण कार्यक्रम	वर्ष	५	८९७५	१-७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार र गैसस
१-४	पशुपंक्षी स्वास्थ्य सेवा, सालबसाली	वर्ष	५	११९६६	१-७	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार र गैसस
	<b>जम्मा</b>			<b>२९९१६</b>		

### ४.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाको समन्वयमा सङ्घ र प्रदेश कार्यालयबाट पशुपंक्षीपालन क्षेत्रमा पूर्वाधार, प्रविधि हस्तान्तरण, सीप तथा क्षमता विकासमा सहयोग उपलब्ध हुनेछ । पशुपंक्षीपालन व्यवसाय, पशुपंक्षीजन्य उत्पादन, प्रशोधन तथा बजारीकरणमा सरकारी, निजी क्षेत्र र गैससको लगानी परिचालन हुनेछ र वेरोजगार युवाहरूलाई कृषिमा आधारित व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन् । यस क्षेत्रमा सरकारी र निजी क्षेत्रबाट पर्याप्त सेवा र लगानी उपलब्ध हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहन्छ ।

### ४.४ उद्योग, व्यापार व्यवसाय

#### ४.४.१ विद्यमान अवस्था

यस गाउँपालिकामा २०० वटा लघु उद्यम तथा व्यवसाय सञ्चालन रहेका छन् र भने १५६८ दर्ता भएका छन् । गाउँपालिका क्षेत्रमा कुल ७८४ प्राविधिक तथा ९१० जना दक्ष जनशक्ति पर्यटन व्यवसाय, कृषि, निर्माण र अन्य उद्यम व्यवसाय सञ्चालन क्रियाशील रहेको

तथ्याङ्कबाट देखिन्छ । यसैगरी सञ्चालित उद्यम व्यवसायबाट वार्षिक ७ लाख ९० हजार राजस्व संकलन भैरहेको छ । यसका साथै गाउँपालिकामा वार्षिक एक पटक पर्यटन तथा व्यापार मेला सञ्चालन हुँदै आइरहेको छ ।

#### ४.४.२ समस्या तथा चुनौती

विद्युत लगायत पूर्वाधार र सुविधा उपलब्ध नहुनु तथा उपलब्ध सेवा सुविधाको गुणस्तर कम हुनु, स्थानीय बासिन्दामा व्यावसायिक सोच, विचार ज्ञान तथा सीपको कमी हुनु, विपन्न तथा लक्षित वर्गमा वित्तीय साक्षरतामा कमी हुनु, पूर्वाधार तथा सुविधाको कमी हुनु, सबै व्यापार तथा व्यवसायहरू गाउँपालिकामा दर्ता तथा नविकरण प्रणालीमा ल्याउन नसक्नु यस गाउँपालिकाको उद्यम, व्यापार तथा व्यवसाय क्षेत्रमा विद्यमान समस्याहरू हुन् । यसैगरी उद्योग स्थापना गर्न जग्गा उपलब्ध नहुनु, सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत सम्पदा क्षेत्र भएको हुँदा सडक यातायात लगायत भौतिक सेवा सुविधा विकास ढिला हुनु र भौगोलिक विकटता यथावत रहनु, कच्चा पदार्थको उपलब्ध न्यून हुनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

#### ४.४.३ संभावना तथा अवसर

सञ्चालन रहेका सबै उद्यम, व्यापार तथा व्यवसायलाई दर्ता प्रक्रियामा ल्याउने, उद्यमी, व्यापारी र व्यवसायीको सीप, उद्यमशीलता, प्रविधि विस्तार, व्यावसाय योजना तर्जुमा, लाइसेन्सिङ अडिट तथा कर प्रक्रिया सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम सञ्चालन गर्ने, सेवा प्रदायक मार्फत व्यवसाय विकास र सेवा प्रवाहको व्यवस्था गर्न सकिने यस क्षेत्रका संभावनाका रूपमा रहेका छन् । यसैगरी गाउँपालिका नेपालको पर्वतारोहण तथा साहसिक पर्यटन केन्द्रको रूपमा रहनु, सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र र सो अन्तर्गतका संरचना बाट पर्यटन व्यवसाय सम्बन्धी कार्यक्रम तथा क्रियाकलापहरू सञ्चालनमा रहनु, अन्तराष्ट्रिय, राष्ट्रिय र स्थानीय सङ्घसंस्थाक्रियाशिल क्रियाशिल हुनु र पर्यटन आगमन र व्यापार व्यावसायको कारण स्थानीय सेवा, वस्तु तथा सुविधाको बजार र बजार सञ्जाल कायम रहनु, गाउँपालिका सिमासम्म कच्ची सडक सञ्जाल विकास हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् ।

#### ४.४.४ सोच

दिगो विकासको आधार: पर्यटनमा आधारित उद्यम व्यापार

#### ४.४.५ लक्ष्य

- स्थानीय संभावना, मौलिक ज्ञान तथा सीपमा आधारित व्यावसायिक उत्पादन र सेवामा अभिवृद्धि गर्ने ।

#### ४.४.६ उद्देश्य

१. उद्यम तथा व्यवसायको सिर्जना, विकास र विस्तार गर्नु,
२. सीप, प्रविधि, पूँजी र व्यवसाय सेवा विकास र विस्तार गर्नु,
३. बजार सेवा तथा पूर्वाधारको विकास र स्तरोन्नति गर्नु ।

#### ४.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका १ २ : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. स्थानीय ज्ञान, सीप, श्रम तथा कच्चा पदार्थको अध्ययन तथा अनुसन्धान र सूचनाको आधार तयार गर्ने,	१.१ कृषि, पशु र वनमा आधारित उत्पादन, प्रसोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्योगको स्थापना र संचालनमा जोड दिइनेछ । १.२ उद्योग स्थापनाका लागि संभाव्यता अध्ययन गरी संभाव्य उद्योगहरूको स्थापनामा जोड दिइनेछ । १.३ खुम्बु क्षेत्रको पहिचान र विकाससँग सम्बन्धित मेला, महोत्सव तथा प्रदर्शनी सञ्चालन गरी स्थानीय उत्पादनको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
२. सडक लगायत औद्योगिक पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको विकास र विस्तार गर्ने,	२.१ नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारसँग समन्वय गरी वडा नम्बर १ लाई औद्योगिक र वडा नम्बर २ लाई व्यावसायिक क्षेत्र, वडा नम्बर ३, ४ र ५ लाई पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	<p>२.२ उद्योग वाणिज्य सङ्घ लगायत सरोकारवाला सङ्घ संस्थाको सहकार्यमा व्यापार तथा व्यवसाय प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</p> <p>२.३ उद्योग तथा व्यवसाय संचालनको लागि औद्योगिक प्रतिष्ठान र ठूला उद्यमी तथा व्यापारीसँग सम्पर्क र समन्वय गरिनेछ ।</p> <p>२.४ सङ्घ तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय गरी औद्योगिक विकासको लागि सडक र अन्य पूर्वाधारको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</p>
३. उद्यमशीलता तथा व्यवसाय विकास सेवा केन्द्र मार्फत एकीकृत सेवा प्रवाह गर्ने,	<p>३.१ उद्योग व्यवसाय संचालनको लागि उद्यमशीलता, सीप विकास, प्रविधि, नवप्रवर्तन, वित्तीय सेवा, बजारीकरण र व्यवसाय परामर्श सेवा र सहयोग सम्बन्धी एकीकृत प्याकेजको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>३.२ युवालाई लक्षित गरी उद्यमशीलता, सीप तथा प्रविधि र बजारीकरण सम्बन्धी तालिम, अध्ययन तथा अवलोकन कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</p> <p>३.३ उद्यमशीलता तथा व्यवसाय विकास एकीकृत सेवा प्रवाहको लागि पेशागत तथा दक्ष सेवा प्रदायक परिचालन गरिनेछ ।</p> <p>३.४ पर्यटन, कृषि, पशुपंक्षी, वातावरण र विवाद जोखिम व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रममा व्यवसाय विकासको एकीकृत प्याकेज एकीकृत गरी सञ्चालन गरिनेछ ।</p>
४. उद्यम, व्यापार तथा व्यवसाय सिर्जना, विकास र विस्तारका नीतिगत तथा संस्थागत सहयोग र सहजीकरण गर्ने,	<p>४.१ उद्यम, व्यापार तथा व्यवसाय सिर्जना, विकास र विस्तार सम्बन्धी नीति, योजना, मेड्पा लगायतका एकीकृत प्याकेज कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको लागि गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता विकास गरिनेछ ।</p> <p>४.२ बेरोजगार युवालाई प्राथमिकता दिई पर्यटन, कृषि, पशुपालन, निर्माण व्यवसायमा आधारित उद्यम व्यवसाय स्थापना स्तरोन्नति र संचालनमा सहयोग र सहजीकरण गरिनेछ ।</p> <p>४.३ उद्यम व्यवसाय स्थापना स्तरोन्नति र संचालनमा सहयोग र सहजीकरणका लागि उद्योग वाणिज्य सङ्घ, पर्यटन व्यवसायी, बैंक तथा वित्तीय संस्था, सहकारी र स्थानीय सङ्घ तथा संस्थासँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</p>
५. निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्न सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणा बमोजिम उद्योग तथा व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने ।	<p>५.१ सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणा बमोजिम उद्योग तथा व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने नीतिगत, कानूनी र संस्थागत व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p> <p>५.२ सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणा आधारित उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा सञ्चालनको अध्ययन अनुसन्धान र व्यावसायिक परामर्श सेवा उपलब्ध गराइनेछ ।</p> <p>५.३ सार्वजनिक निजी साझेदारी अवधारणा बमोजिम स्थानीय उत्पादनको संकलन, प्रसोधन र बजारीकरणमा आधारित उद्योग तथा व्यवसाय स्थापना र सञ्चालनमा जोड दिइनेछ ।</p>
६. ज्ञान, सीप, उद्यमशीलता, प्रविधि र नवप्रवर्तनको विकास र विस्तार गर्ने ।	<p>६.१ स्थानीय समुदायलाई उद्योग तथा व्यवसायको लागि आवश्यक कच्चा पदार्थको उत्पादन, व्यावसायिक सोच र योजना, व्यवसाय स्थापना र सञ्चालन सम्बन्धी सचेतना, परामर्श, सीप र प्रविधि हस्तान्तरण गरिनेछ ।</p> <p>६.२ साहसिक तथा पर्यापर्यटन, स्थानीय कला, संस्कृति, अर्गानिक कृषि उत्पादन तथा वनजन्य पैदावरमा आधारित उद्यम तथा व्यवसाय सम्बन्धी ज्ञान, सीप, उद्यमशीलता, प्रविधि र नवप्रवर्तनको विकास र विस्तार स्थानीय सेवा प्रदायक परिचालन गरिनेछ ।</p> <p>६.३ ज्ञान, सीप, उद्यमशीलता, प्रविधि र नवप्रवर्तनको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धनको लागि कोषको स्थापना गरी सञ्चालन गरिनेछ ।</p>

#### ४.४.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका १३ : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
उद्योग व्यवसाय क्षेत्रमा रोजगार व्यक्ति	जना	१५६८	१६००	१७००	१८००	१९००	२२००	२५००	उद्योग शाखा
गाउँपालिकामा दर्ता भएका उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय	संख्या	७८४	७९०	७९५	८००	८०५	८२५	८५०	राजश्व शाखा
व्यावसायिक प्राविधिक सीपयुक्त दक्षव्यक्ति	संख्या	९१०	९३०	९५०	९७५	१०००	११००	१२००	वार्षिक प्रतिवेदन
व्यवसाय करबाट संकलित राजस्व	रू. हजारमा	७९०	८७५	९५०	१०५०	११५०	१२५०	१३००	वार्षिक प्रतिवेदन
सञ्चालित पर्यटन तथा व्यापार मेला	पटक	१	१	२	२	२	३	३	वार्षिक प्रतिवेदन
उत्पादन र बजारीकरण सहकारी संस्था	संख्या	०	१	२	३	४	५	५	वार्षिक प्रतिवेदन
उद्यम सृजना र विकास सम्बन्धी तालिम लिने उद्यमी	संख्या	७३९	७६०	७८०	८००	८२०	८५०	९००	वार्षिक प्रतिवेदन

#### ४.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका १४ : उद्योग व्यापार उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना

उद्देश्य	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रू. हजारमा)	रणनीति	जिम्मेवारी
१-३	उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा तथा बजार प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	१००००	१-६	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र गैसस
१-३	गरीबि निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम (मेडपा)	वर्ष	५	१७४२०	१-६	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र गैसस
	<b>जम्मा</b>			<b>२७४२०</b>		

#### ४.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, गाउँपालिका, निजी क्षेत्रको समन्वय, सहकार्य र साझेदारीमा उद्योग, व्यापार र व्यवसाय सिर्जना, विकास र स्तरोन्नतिका लागि पुर्वाधार, सीप तथा प्रविधिको विकास हुनेछ। आयातित वस्तुको बढ्दो प्रयोगमा निरन्तरता रहेमा, उत्पादनमुखी उद्योगमा अपेक्षित लगानी वृद्धि हुन नसकेमा र बजार मूल्यमा कडा प्रतिस्पर्धाको अवस्था विद्यमान रही रहेमा स्थानीय उद्योग तथा व्यवसायीहरू पलायन हुन सक्ने जोखिम रहेको छ।

#### ४.५ भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था

##### ४.५.१ विद्यमान अवस्था

यस गाउँपालिकामा राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक, कुमारी, सिद्धार्थ, नेपाल इन्भेष्टमेण्ट समेत ४ वटा बैंकको ९ वटा शाखाबाट वित्तीय सेवा प्रवाह तथा सेवा सुविधा उपलब्ध भैरहेको छ। गाउँपालिकाको वडा नम्बर २ लुक्ला बजार र वडा नम्बर ५ को नाम्चे बजारमा यी बैंकहरूको सेवा उपलब्ध रहेको छ। यसैगरी यस गाउँपालिकामा थामे बचत तथा ऋण सहकारी वडा नम्बर ५, फ्याफुल्ला तामाङ सेवा समाज वडा नं. २, खुम्बु किरात राइ उत्थान समाज वडा नं. २ र खुम्बु मगर सेवा समाज समेत ४ वटा समूहबाट बचत तथा ऋण कार्यक्रम सञ्चालन

भैरहेको छ भने हालसम्म गाउँपालिकामा कुनै पनि प्रकारका सहकारी संस्था स्थापना हुन सकेका छैनन् । भूमि व्यवस्था अन्तर्गत गाउँपालिका क्षेत्रको भूउपयोग योजना तर्जुमा कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको भए पनि भूउपयोग योजनामा भूउपयोगको क्षेत्र निर्धारण हुन सकेको छैन । अव्यवस्थित बसोबासी तथा व्यवसायीको रूपमा १५ घरपरिवारको पहिचान गरिएका छन् ।

#### ४.५.२ समस्या तथा चुनौती

वित्तीय साक्षरतामा कमी हुनु, सहकारिताको विकास र विस्तार नहुनु, सार्वजनिक जग्गाको अतिक्रमण हुनु, जग्गाजमीन बाँझो रहनु, १५ घरपरिवार अव्यवस्थित बसोबासी तथा व्यवसायी कायम रहनु यस गाउँपालिका भूमी व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन् । यसैगरी वडा नम्बर १ र ४ तथा ५ का दुर्गम गाउँ तथा बस्तीमा बैकिङ सेवा उपलब्ध नहुनु, कृषि, पशुपालन र कृषि उपजको प्रशोधन र बजारीकरण, पर्यटन तथा उद्योग व्यवसायमा सहूलियतपूर्ण कर्जमा स्थानीय समुदायको पहुँच नहुनु, सहकारी विकास र विस्तारमा राज्य, समुदाय तथा सम्बन्धित निकायको ध्यान जान नसक्नु र बसाइसराइ गरी बाहिर जाने जनसंख्याको तिब्र वृद्धि यस क्षेत्रमा रहेका चुनौतहरू हुन् ।

#### ४.५.३ संभावना तथा अवसर

बैंक तथा वित्तीय सेवाको विस्तार, उद्योग तथा व्यवसायमा ओभरड्राफ्ट हाइपोथिकेशन, पर्यटन तथा अन्य व्यापार व्यवसायमा बैकिङ क्षेत्र लगानी, वित्तीय साक्षरता अभिवृद्धि, सहकारिताको विकास र विस्तार बैंक तथा वित्तीय क्षेत्रका प्रमुख संभावना हुन्। यसैगरी निर्माणाधिन भूउपयोग योजनाको कार्यान्वयन र नियमनबाट भूमिको उपयोग र उत्पादकत्व वृद्धि, न्यून संख्यामा अव्यवस्थित बसोबासीको उपस्थिति र सामुहिक भावना तथा पर्यटन तथा अन्य व्यवसाय प्रचुर संभावना यस क्षेत्रका प्रमुख संभावनाहरू हुन् ।

#### ४.५.४ सोच

आर्थिक समृद्धिको आधार: भूमि र वित्त परिचालनमा सुधार

#### ४.५.५ लक्ष्य

भूमिको समुचित उपयोग र वित्तीय सेवामा नागरिकको पहुँच वृद्धि गर्ने ।

#### ४.५.६ उद्देश्य

१. भूमिको उपयोग र उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु,
२. वित्तीय सेवा तथा लगानीमा वृद्धि गर्नु,
३. सहकारिता, स्थानीय उत्पादन र सेवा व्यावसायमा वृद्धि गर्नु ।

#### ४.५.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका १५ : भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. उत्पादनशील क्षेत्रमा सहकारिताको विकास र विस्तार गर्ने	१.२ स्थानीय स्तरमा सञ्चालित बचत तथा समूहलाई सहकारीमा रूपान्तरणा गर्न सहयोग र सहजीकरण गरिनेछ । १.२ पर्यटन सेवाको विविधिकरण, कृषि उत्पादन, बजारीकरण र घरवास कार्यक्रम सञ्चालनमा उत्पादन तथा प्रशोधनमा आधारित सहकारीको विकासमा जोड दिइनेछ । १.३ स्थानीय समूह तथा समुदायलाई सहकारी विकास, व्यवस्थापन सम्बन्धमा सचेतना तथा क्षमता विकास गरिनेछ ।
२. भूउपयोग योजनाको परिपालनामा अभिवृद्धि गर्नु	२.१ भूउपयोग क्षेत्र निर्धारण, वर्गीकरण र भूउपयोग योजनाको परिपालना बारे जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ । २.२ भूमिको उत्पादकत्व वृद्धि सम्बन्धी स्थानीय नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ। २.३ अव्यवस्थित बसोबासी पहिचान गरी अभिलेख तयार गर्ने र व्यवस्थित बसोबास व्यवस्थापनको लागि सङ्घीय सरकारसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.४ सार्वजनिक जग्गा र अतिक्रमित सार्वजनिक जग्गाको लगत तयार गरी अतिक्रमणलाई पूर्ण रूपमा निरूत्साहन गर्ने र सार्वजनिक जग्गाको संरक्षण गर्न पहल गरिनेछ ।
३. वित्तीय साक्षरता विस्तार र औपचारिक कारोवारमा वृद्धि गर्ने	३.१ महिला, पछाडी परेको वर्ग तथा समुदायका लागि बैकिङ सेवाको पहुँच पुऱ्याउन बैंक तथा वित्तीय संस्थासँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ । ३.२ वित्तीय सेवालाई उद्यमशीलता तथा सीप विकास र बजारीकरण जस्ता व्यवसाय विकास सेवासँग आबद्ध गरी सञ्चालन गरिनेछ । ३.३ टोल विकास संस्था, महिला समूह, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह, बचत तथा ऋण समूह, मेड्पा आदि मार्फत वित्तीय साक्षरता सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
४. सहकारी, वित्तीय तथा बैकिङ्ग सेवाको विस्तार गर्ने	४.१ बैंक तथा वित्तीयसंस्था मार्फत आर्थिक कारोवार गर्न टोल विकास संस्था तथा उद्यमी र कृषक समूहमा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्न बैंक तथा वित्तीय संस्था, गैससलाई परिचालन गरिनेछ। ४.२ बैंक तथा वित्तीय संस्था र सेवा प्रदायक मार्फत व्यवसाय योजना, सीप तथा प्रविधि हस्तान्तरणको व्यवस्था मिलाइनेछ । ४.३ बजार क्षेत्र भन्दा बाहिर दुर्गम क्षेत्रमा बसोवास गर्ने अशक्त, असाहय, जेष्ठ नागरिकहरूको वित्तीय सेवामा पहुँच सुनिश्चित गर्न घुम्ति बैकिङ प्रणाली संचालन गर्न समन्वय गरिनेछ।
५. उत्पादन र सेवामूलक व्यावसायिक गतिविधि केन्द्रित वित्तीय सेवाको पहुँच वृद्धि गर्ने	५.१ पर्यटन, व्यापार, कृषि क्षेत्रमा लगानी वृद्धि गर्न नेपाल सरकार र बैकिङ क्षेत्रसँग पैरवी गरिनेछ । ५.२ पर्यटन, उद्योग तथा कृषि क्षेत्रका कार्यक्रममा व्यवसाय योजना तथा उद्यमशीलता एकीकृत गरी सञ्चालन गरिनेछ । ५.३ एक परिवार एक उद्यम तथा व्यवसायलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
६. नेपाल सरकार र नेपाल राष्ट्र बैंकले प्रवर्द्धन गरेका सहूलियतपूर्ण कर्जा सुविधा र अनुदानका कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा सहयोग र सहजीकरण गर्ने	६.१ नेपाल सरकार र नेपाल राष्ट्र बैंकले प्रवर्द्धन गरेका सहूलियतपूर्ण कर्जा सुविधा र अनुदानका कार्यक्रम सम्बन्धमा टोल विकास संस्था, महिला समूह, उद्यमी तथा व्यावसायी समूह, कृषक समूह, बचत तथा ऋण समूह मार्फत सचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ । ६.२ बैंक तथा वित्तीय संस्था र नागरिक बीच समुदाय स्तरमा अन्तरसम्वादको व्यवस्था गरिनेछ । ६.३ सहूलियतपूर्ण कर्जा सुविधा र अनुदानका कार्यक्रमलाई सामाजिक सुरक्षासँग आबद्ध गर्न नेपाल सरकारसँग पैरवी गरिनेछ ।

#### ४.५.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका १६ : भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
बचत, ऋण समूह तथा सहकारी संस्था	संख्या	०	०	१	२	३	४	५	सहकारी शाखा
बैंक तथा वित्तीय संस्थाको शाखा तथा आउटलेट	संख्या	९	९	९	१०	११	११	१२	प्रोफाईल

## ४.५.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका १७ : भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति	जिम्मेवारी
१, २, ३	भूमि व्यवस्था वित्तीय साक्षरता तथा सहकारी प्रबर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	३६८९	१-६	गाउँपालिका, बैंक र वित्तीय संस्था
	<b>जम्मा</b>			३६८९		

### ४.५.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकामा न्यून संख्यामा अव्यवस्थित बसोबासी रहेका छन्। खुम्बु क्षेत्रको पर्यटन तथा अन्य व्यापार व्यवसायको वृद्धिसँगै अव्यवस्थित बसोबासीको संख्या वृद्धि हुने जोखिम रहेको छ। बैंक तथा वित्तीय संस्थाको विस्तार र सूचना प्रविधिको पहुँच वृद्धिसँगै गाउँपालिकाबासीमा वित्तीय साक्षरता तथा सेवा विस्तार भएको हुनेछ। वित्तीय संस्थाहरू उत्पादनमूलक, व्यवसायमूलक कार्य तथा स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण बढी क्रियाशील हुनेछन्। वित्तीय संस्थाहरूको खराब कर्जा बढ्न सक्ने जोखिम रहेको छ।

## ४.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण

### ४.६.१ विद्यमान अवस्था

यस गाउँपालिकामा आर्थिक वर्ष २०७९/८० सम्ममा ५०२ जना पुरुष र १५१ महिला समेत ६५३ वेरोजगारहरू सूचीकृत भएका छन्। विगत ३ आर्थिक वर्षमा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत १३ वटा आयोजना सञ्चालन गरी २४० जनालाई १०० दिनको रोजगारी प्रदान गरिएको छ। सीप उपलब्ध गराई गाउँपालिकामा सञ्चालन हुने आयोजना तथा कार्यक्रममा सहभागी गराएर मौसमी रोजगारी प्रदान गर्ने र उद्यमशीलता, सीप विकास, प्रविधि हस्तान्तरण र वित्तीय पहुँच वृद्धि गरी वेरोजगार युवाहरूलाई स्थायी रोजगारी प्रदान गर्ने प्रयास गाउँपालिकाबाट भइरहेको छ।

### ४.६.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा ६५३ जना वेरोजगारी तथा अर्ध वेरोजगारीको रूपमा सूचीकृत रहनु, सरकारले तोकेको ज्यालादर र गाउँपालिकामा प्रचलित ज्यालादरबीच खाडल धेरै रहनु, गरीब घरपरिवार पहिचान नहुनु, गरिब र धनीबीचको खाडल बढ्दै जानु यस क्षेत्रको प्रमुख समस्याहरू हुन्। यसैगरी युवा तथा प्रतिभा पलायन, स्थानीय स्तरमा सङ्घ र प्रदेशबाट रोजगारमूलक कार्यक्रम तथा आयोजना सञ्चालन हुन नसक्नु, उद्यम, व्यवसाय तथा विकास प्रक्रियामा युवा परिचालन तथा प्रतिभा उपयोगको नीति नहुनु यस विषय क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन्।

### ४.६.३ संभावना तथा अवसर

जीवनपयोगी सीप, जीवनपर्यन्त सिकाई तथा साक्षरता, व्यावसायिक सीप तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन, बैंक तथा वित्तीय संस्था मार्फत सहूलियतपूर्णा कर्जा पहुँच बढाएर उद्यम व्यवसायको लागि स्टार्टअप पूँजी प्रवाह, गरिब घरपरिवार पहिचान र नक्शाकन तथा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमको मोडेलमा पूर्वाधार विकासका आयोजना सञ्चालन गर्ने सकिने संभावना गाउँपालिकामा उपलब्ध रहेको छ। यसैगरी एकल असहाय अति विपन्न व्यक्ति पहिचान गरी आवास र जीविकोपार्जनको लागि सहयोग प्रदान गर्न गाउँपालिका, निजी क्षेत्र तथा व्यवसाय, सङ्घसंस्थाको सहयोगमा कोष स्थापना गरी सञ्चालन गर्न सकिने पनि अवसर पनि यस गाउँपालिकामा उपलब्ध रहेको छ। यसैगरी गाउँपालिकामा असक्त, अपाङ्गता भएका र असहाय ज्येष्ठ नागरिकलाई सामाजिक सुरक्षा वृत्ती रकम परिचालन गरी लघु व्यवसाय सञ्चालन सहयोग र सहजीकरण गर्न सक्ने संभावना समेत विद्यमान रहेको छ।

#### ४.६.४ सोच

श्रमको सम्मान: खुम्बुको अभियान

#### ४.६.५ लक्ष्य

- श्रमको सम्मान गर्ने वातावरण र सम्मानजनक रोजगारीको अवसरमा वृद्धि गर्ने ।

#### ४.६.६ उद्देश्य

१. कच्चा श्रमलाई सीपयुक्त र दक्ष श्रममा रूपान्तरण गर्नु,
२. स्थानीय तहमा रोजगारीको अवसरमा वृद्धि गर्नु,
३. एकल, असहाय र जोखिम रहेका वर्गको संरक्षण गर्नु ।

#### ४.६.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका १८ : श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. स्थानीय श्रम बजारलाई मर्यादित र दिगो बनाउन नीतिगत र संस्थागत सुधार गर्ने	१.१ सङ्घ तथा प्रदेश सरकारले सञ्चालन गर्ने रोजगारमूलक कार्यमा अपनत्व कायम गर्दै रोजगारीका क्षेत्र विस्तार गरिनेछ । १.२ पर्यटन तथा अन्य स्थानीय श्रम बजारमा स्थानीय युवा तथा वेरोजगारको पहुँच वृद्धि गर्न अध्ययनमा आधारित नीति, संरचना तथा सो अनुसारका सेवा सुविधा प्रदान गरिनेछ । १.३ स्थानीय श्रम बजारको समस्या अध्ययन तथा विश्लेषण गरी सोको समाधानका लागि सङ्घ तथा प्रदेश सरकारका सम्बन्धित निकाय, निजी क्षेत्र र अग्रेसर साझेदारी र समन्वय गरिनेछ ।
२. स्थानीय युवाहरूलाई श्रम बजारमा आकर्षित गर्न क्षमता विकास र जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने	२.१ आन्तरिक रोजगारी सृजना गर्न सरोकारवाला निकाय, निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रसँग समन्वय र सहकार्यमा जोड दिइनेछ २.२ युवा तथा शैक्षिक बेरोजगारलाई प्राथमिकतामा राखी स्वरोजगारमूलक कार्यमा संलग्न स्थानीय युवा उद्यमीहरूलाई प्रोत्साहित गरिने छ ।
३. स्थानीय क्षेत्रमा कार्यरत श्रमिकहरूको विस्तृत विवरण सहितको लगत तयार गरी नियमित अद्यावधिक गर्ने,	३.१ पर्वतारोहण एवम् पर्यटन र अन्य सेवामूलक उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न श्रमिकको विस्तृत विवरण सहितको अध्यावधिक लगत सम्बन्धित रोजगारदातालाई उपलब्ध गराइनेछ । ३.२ अद्यावधिक लगतमा समावेश श्रमिकहरूलाई लक्षित गरी सीप, क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुका साथै स्थानीयस्तरमा सञ्चालन हुने आयोजना तथा कार्यमा रोजगारी प्रदान गर्न प्राथमिकता दिइनेछ । ३.२ कोभिड-१९ लगायत विपद्को कारणबाट रोजगारी तथा पेशा व्यवसाय गुमाएका व्यक्तिहरूलाई लक्षित गरी पेशा व्यवसाय सञ्चालन तथा रोजगारी सिर्जना गर्न सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
४. स्थानीय श्रम बजारको अध्ययन र विश्लेषण गर्ने,	४.१ पर्यटन, व्यापार तथा अन्य सेवामूलक व्यवसाय, स्थानीय उद्यम तथा कृषि उत्पादनको क्षेत्रमा आवश्यक पर्ने श्रम, सीप र दक्षताको अध्ययन तथा विश्लेषण गरिनेछ । ४.२ वैदेशिक रोजगारीमा जान लागेका व्यक्तिहरूका लागि सीप प्रदान गर्न सङ्घ तथा प्रदेश तहका निकाय, निजी तथा गैसससँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ । ४.३ पर्वतारोहण र अन्य साहसीय पर्यटकीय सेवा र स्थानीय श्रम संलग्न तथा वैदेशिक रोजगारीमा जान लागेका व्यक्तिहरूलाई सुरक्षा र संरक्षण सम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
५. उद्यमशीलता अभिवृद्धि र स्वरोजगार प्रवर्द्धन गर्ने ।	५.१ वेरोजगार युवालाई प्राथमिकता दिई कृषि, पशुपालन, उद्योग, पर्यटन, निर्माण व्यवसायमा आधारित उद्यम, व्यवसाय र आयोजना संचालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । ५.२ वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका र जान लागेका युवालाई पर्यटन, वन, कृषि, पशुपालनमा आधारित उत्पादन, प्रसोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्योग व्यवसाय संचालनको लागि

रणनीति	कार्यनीति
	उद्यमशीलता, सीप विकास तालिम, परामर्श सेवा र सहयोगको एकीकृत प्याकेज कार्यक्रम संचालन गरिनेछ।

#### ४.६.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका १९ : श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सञ्चालित आयोजना	संख्या	५	५	५	५	५	६	८	रोजगार पोर्टल
कार्यक्रमबाट सिर्जित रोजगारी	कार्यदिन	८५००	४१००	५०००	६०००	८०००	९०००	१००००	प्रतिवेदन हरू
वार्षिक सीप, प्रविधि र सहयोग प्राप्त गर्ने युवा	जना	४५	५०	६०	७०	८०	९०	१००	वार्षिक प्रतिवेदन

#### ४.६.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका २० : श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१,२	युवा रोजगारका लागि रूपान्तरण पहल आयोजना	जनादिन	६०००	१००००	३	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
२	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम	जनादिन	४०००	१००००	३	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
२,३	सुरक्षित आप्रवासन कार्यक्रम	जना	१५००	१००००	३	गाउँपालिका र नेपाल सरकार र हेल्भेटास
१, २, ३	श्रम, रोजगार, सुरक्षित आप्रवासन तथा गरिबी निवारण कार्यक्रम	वर्ष	५	११६५८	३	गाउँपालिका, नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र गैसस
जम्मा				४१६५८		

#### ४.६.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

श्रम, रोजगारी तथा गरिबी निवारण सम्बन्धी व्यवहारिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुनेछ। गाउँपालिकामा रोजगारी तथा गरिबी निवारण सम्बन्धी अल्पकालीन, मध्यमकालीन र दीर्घकालीन योजना तर्जुमा हुनेछ। गरिबी निवारण सम्बन्धी नीति तथा कार्यक्रममा निरन्तरता नभएमा यसबाट अपेक्षा गरिएको नतिजा हासिल नहुने जोखिम रहेको छ। अनौपचारिक क्षेत्रको रोजगारको स्वरूपमा परिवर्तन हुँदै जाने भएकोले स्थानीय तवरमा तयार भएका दक्ष श्रमिकले बजार नपाउने जोखिम रहन सक्नेछ।

## परिच्छेद पाँच: सामाजिक विकास क्षेत्र

### ५.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण

#### ५.१.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिका भित्र सामुदायिक अस्पताल १, स्वास्थ्य चौकी संख्या ३ वटा, वर्थिड सेण्टर संख्या २ वटा, सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई संख्या ४ वटा र खोप केन्द्र संख्या ७ वटा, गाउँघर क्लिनिक संख्या ३ र निजी अस्पताल ४ वटा रहेका छन्। स्वास्थ्य संस्थामा मेडिकल अफिसर १ जना, हेल्थ असिस्टेन्ट २ जना, स्टाफ नर्स १ जना, ल्याव असिस्टेन्ट १ जना, अहेव ६ जना, अनमी ७ जना, कास ४ जना र अन्य कर्मचारी रहेको देखिन्छ। स्वास्थ्य शाखामा १ सिनियर अहेव कार्यरत छन् भने गाउँपालिकामा ३२ जना महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका कार्यरत रहेका छन्। सबै स्वास्थ्य संस्थामा मापदण्ड अनुसारको भवन, खानेपानी, शौचालय, इन्टरनेट सुविधा रहेको छ। जनशक्तिर्तर्फ दरबन्दी अनुसार स्थायी र करारबाट पदपुर्ती गरिएको छ। स्वास्थ्य संस्थामा ३८ प्रकारका औषधी निःशुल्क रुपमा उपलब्ध रहेको छ। गाउँपालिकाले कडा तथा दीर्घ रोग लागेका गाउँपालिकावासीहरूका लागि रु. १० लाख सम्मको उपचार सहयोग उपलब्ध गराउने गरेको छ। गाउँपालिकाले स्वास्थ्य ऐन तयार गरी सभाबाट स्विकृत गरिसकेको छ। पन्ध्र सैयाको आधारभूत अस्पताल निर्माणको क्रममा रहेको छ। वडा नं ४ मो खुन्दु अस्पतालमा दन्तरोग सेवा थप गरिएको छ। स्वास्थ्यकर्मी, महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविका र शिक्षकको क्षमता विकास, असह्य उपचार सहायता, निःशुल्क औषधी सहयोग, नाम्चे र चौरीखर्क चौकीको वर्थिड सेण्टर सुदृढीकरणका कार्य सम्पन्न भएका छन्।

#### ५.१.२ समस्या तथा चुनौती

स्वास्थ्य क्षेत्रमा जनशक्तिको कमी तथा महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाको क्षमता विकासका अवसरमा कमी रहेको छ। गाउँबासीहरूमा स्वास्थ्य सम्बन्धी सचेतनाको कमी, निःशुल्क प्राप्त गर्ने बाहेकका अन्य खालका महत्वपूर्ण खोपको कमी, सहज यातायात सुविधाको कमी, औजार उपकरणमा कमी र विशेषज्ञ सेवाको कमी समस्याका रुपमा रहेका छन्। जनसंख्या कम तर छरिएको बस्ती हुनले स्वास्थ्य सेवामा सबैको सहज पहुँच कायम गर्न कठिनाई रहेको छ। बाहिरी जिल्लाबाट सेवा गर्न आउने स्वास्थ्यकर्मीको स्थायित्व कायम राख्नु, आम नागरिकमा धामी झँक्रीप्रतिको अन्धविश्वास यथावत हुनु, भौगोलिक विकटताले स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच सुलभ नहुनु, बदलिँदो अस्वस्थकर खानपान तथा जीवनशैलीका कारण स्वास्थ्य जोखिम बढ्दै जानु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीका रुपमा रहेका छन्।

#### ५.१.३ सम्भावना तथा अवसर

गाउँपालिकाभित्र निजी तथा सामुदायिक गरी कुल ५ वटा स्वास्थ्य संस्थाको स्थापनाले स्वास्थ्य सेवा सहज भएको छ। यसबाट घरदैलो मै स्वास्थ्य सेवाको उपलब्धता विस्तार हुँदै गएको छ। बालबालिकामा कुपोषण र महिलामा पाठेघर खस्ने समस्या नगन्य रुपमा मात्र रहेको छ। गाउँपालिकाले स्वास्थ्य ऐन स्विकृत गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको र पन्ध्र सैयाको आधारभूत अस्पताल निर्माणको क्रममा रहेकोले आगामी दिनमा स्वास्थ्य सेवामा सर्वसाधारणको पहुँचमा वृद्धि हुने अवस्था छ। गाउँपालिकाको अग्रसरतामा आपतकालीन उद्धारको अभ्यास रहेको छ। शेर्पा समुदायमा पोषण तथा गर्भवती एबम् प्रसुतिसँग सम्बन्धित धारणा र परम्परा सकारात्मक रहेको छ। गाउँपालिकामा हवाई सेवाको पहुँच रहेको र सडक पहुँच पनि वृद्धि हुने क्रममा रहेकोले स्वास्थ्य संस्थामा जनताको पहुँच बढ्दै जाने अवस्था छ।

#### ५.१.४ सोच

“स्वस्थ नागरिक: निरोगी गाउँपालिकाबासी”

##### ५.१.५ लक्ष्य

स्वास्थ्य सेवा प्रवाह र पोषणको अवस्थामा गुणात्मक सुधार गर्ने।

##### ५.१.६ उद्देश्य

१. आधारभूत तथा विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवामा गाउँबासीको पहुँच विस्तार गर्नु,

२. पोषणको अवस्थामा दिगो सुधार गर्नु।

५.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका २१ : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. दक्ष जनशक्ति, क्षमता विकास र स्वास्थ्य संस्थाको पूर्वाधार सामग्री तथा उपकरणको व्यवस्था गरी आधारभूत तथा विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर र पहुँचलाई सहज तुल्याउने।	१.१ घुम्ती शिविर मार्फत स्थानीयस्तरमा विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराइनेछ। १.२ नसा तथा हाडजोर्नी सम्बन्धी समस्यालाई कम गर्न जनशक्ति व्यवस्थापनमा जोड दिइनेछ। १.३ पर्यटन सूचना केन्द्र मार्फत पर्यटकलाई स्वास्थ्य सूचना र सामुदायिक भवन एबम् विमानस्थलमा प्राथमिक उपचार तथा आकस्मिक उपचारको लागि किट वाकसको व्यवस्था गरिनेछ। १.४ गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाका लागि अन्तरसरकार, निजीक्षेत्र र गैसससँग साझेदारी र सहकार्य गरिनेछ। १.५ स्वास्थ्य संस्थाको पूर्वाधार सुधार गरी सामग्री तथा उपकरणलाई आधुनिक तुल्याइनेछ। १.६ स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाहरूमा रेविज र हेपाटाइटिस बि विरुद्धको भ्याक्सिनको व्यवस्थापन गरिनेछ।
२. विद्यार्थी तथा समुदायको सचेतना वृद्धि तथा घरदैलोमै स्वास्थ्य परीक्षण सेवा उपलब्ध गराइ स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार ल्याउने।	२.१ जेष्ठ नागरिक र कडा रोग लागेका नागरिकका लागि घरदैलोमै स्वास्थ्य परीक्षणको व्यवस्था गरिनेछ। २.२ सामुदायिक नर्स कार्यक्रम घरदैलोमै स्वास्थ्य परीक्षणको व्यवस्था मिलाइनेछ। २.३ विद्यालय नर्स कार्यक्रमको कार्यान्वयन प्रभावकारी गराई माध्यमिक र आधारभूत विद्यालयमा सेवा पुऱ्याइनेछ। २.४ स्वास्थ्य उपचारको प्रोटोकल तथा स्वास्थ्य संस्थाहरू बीचको समन्वय व्यवस्था सहितको स्थानीय स्वास्थ्य नीति तर्जुमा गरी स्वास्थ्य उपचार सेवालाई थप सहज बनाइनेछ। २.५ स्वास्थ्य संस्थाको स्तरोन्नति र क्षमता वृद्धि गरी स्थानीयस्तरमा प्रदान गरिने स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर अभिवृद्धि गरिनेछ।
३. वैकल्पिक स्वास्थ्य उपचार विधि, सचेतना वृद्धि र गुणस्तरीय तथा घरदैलो सेवाको माध्यमबाट मातृशिशु स्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्थामा गुणात्मक सुधार ल्याउने।	३.१ सामुदायिक नर्स मार्फत समुदायमा स्वास्थ्य तथा पोषणसम्बन्धी सचेतना विस्तार गरिनेछ। ३.२ स्थानीय उत्पादनमा आधारित तथा स्वास्थ्यमैत्री खानपान जीवनशैली सम्बन्धमा विद्यालय र समुदायमा सचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ। ३.३ विद्यालय खाजा कार्यक्रमलाई नेपाल सरकारसँगको सहकार्यमा प्रभावकारी गराइनेछ। ३.४ प्रदेश सरकारसँगको सहकार्यमा आयुर्वेद औषधालय स्थापना गर्ने र मौलिक उपचार पद्धतिलाई अनुसन्धानको दायरामा ल्याउन प्रत्साहित गरिनेछ। ३.५ पोषण तथा स्वास्थ्य सेवामा पहुँच विस्तार तथा गुणस्तर सुधार गरिनेछ।

५.१.८ नतिजा खाका

तालिका २२ : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने गर्भवती महिला	प्रतिशत	१६	३०	६५	७५	८५	९०	९७	HMIS
भिटामिन ए खाने गर्भवती महिला	प्रतिशत	९	४५	६५	७५	८५	९०	१००	HMIS
बच्चालाई ६ महिलासम्म स्तनपान गराउने महिला	प्रतिशत	२३	३०	४०	५०	६०	७०	८०	HMIS
२ वर्षसम्मका नियमित वृद्धि अनुगमन गरिएका बालबालिका संख्या	प्रतिशत	४४	५५	६०	७०	८०	९०	१००	HMIS
परिवार नियोजनका आधुनिक साधन प्रयोगकर्ता दर	प्रतिशत	२२	२५	२८	३३	३५	४०	४३	HMIS
कम तौल भएका नवजात शिशु	प्रतिशत	०.३	०.३	०	०	०	०	०	HMIS
प्रोटोकल अनुसार चार पटक पूर्वप्रसुति सेवा प्राप्त गर्ने महिला (जीवित जन्ममा)	प्रतिशत	९२	९३	९४	९५	९६	९८	१००	HMIS

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
वृद्धि अनुगमन गरिएका मध्ये कुपोषित ५ ९ महिनाभन्दा कम उमेरका बाल बालिका	प्रतिशत	००.५	०.०३	०	०	०	०	०	HMIS
प्रोटोकल अनुसार बच्चाको जन्मपछि तीन पटक उत्तर प्रसूति सेवा प्राप्त महिला	प्रतिशत	११	५०	५०	६०	७५	८५	१००	HMIS
घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा पुग्न ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवार	प्रतिशत	७५	७५	७५	७८	८०	८३	८५	गाउँ प्रोफाइल
गर्भावस्थाको अवधिभर १८० आइरन चक्की खाने गर्भवती महिला	प्रतिशत	२	५०	५०	७०	८५	९०	९७	HMIS

## ५.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका २३ : जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गा.पा. आफै, प्रदेश र नेपाल सरकार, गैसस र अन्य निकाय)
१	आधारभूत अस्पताल निर्माण आयोजना	संख्या	१	२२००००	१	नेपाल सरकार तथा गाउँपालिका
१	ग्रामीण स्वास्थ्य एकाइ भवन निर्माण आयोजना	संख्या	१	११६००	१	गाउँपालिका
१	स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम	वर्ष	५	७०५४६	१	गाउँपालिका
१	स्वास्थ्य तथा पोषण सेवा विस्तार तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	५०३२३	२	गाउँपालिका
१, २	सुरक्षित मातृत्व तथा पोषण कार्यक्रम	वर्ष	५	३७३११	३	गाउँपालिका
१, २	आधारभूत स्वास्थ्य सेवा सालवसाली कार्यक्रम	वर्ष	५	७७८१०	१, २, ३	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
जम्मा				४६७५९०		

## ५.१.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको विस्तारमा अन्तरसरकार, गैसस र समुदायसँगको सहकार्य र सहयोग निरन्तर भएको हुनेछ । महामारीको दुःप्रभाव नियन्त्रण भएको हुनेछ । स्वास्थ्य संस्था तथा सेवा प्रवाह सम्बन्धी भौतिक संरचना र सुविधा पर्याप्त भएको हुनेछ । दक्ष मानवीय श्रोत परिचालन भई सेवा विस्तार भएको हुनेछ । स्वास्थ्य पूर्वाधार, प्रयोगशाला, औषधि र खोप व्यवस्थापन जस्ता प्राविधिक पक्षमा सरोकारवालाबीच सहकार्य र साझेदारी हुन नसकेमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन सक्दछ ।

## ५.२ शिक्षा, कला, भाषा र साहित्य

### ५.२.१ विद्यमान अवस्था

पूर्ण साक्षरता घोषणा भइसकेको यस गाउँपालिकामा कुल १६ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू, १ वटा बौद्ध विद्यालय र ५ वटा गुम्बामा पठनपाठन हुने गरेको छ । प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको कुल संख्या ५ रहेको छ । कक्षा १२ सम्मको अध्ययन हुने विद्यालय स्थानीयस्तरमा रहेको छ । दुर्गम क्षेत्रको वडा नं ४ र ५ का शिक्षकलाई खाजा भत्ताको व्यवस्था रहेको छ । कोभिड - १९ बाट मृत्यु भएका अविभावकका बालबालिकालाई छात्रवृत्तिको व्यवस्था रहेको छ । अस्पतालमा जन्मेका बालबालिकालाई शैक्षिक सामग्री सहयोग दिने अभ्यास रहेको छ । दिवा खाजा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा रहेको छ । चालु शैक्षिक वर्षबाट IEMIS को शुरुवात भएको छ । लुक्ला आधारभूत विद्यालयलाई एक निजी विद्यालयको भवन, जग्गा र फर्निचर हस्तान्तरण गरिएको छ । मौलिक सीप तथा कला र भाषा साहित्यको संरक्षणसँग सम्बन्धित अभ्यासहरू खासै हुने गरेका छैनन् ।

### ५.२.२ समस्या तथा चुनौती

उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाको अध्ययनका लागि स्थानीय स्तरमा अवसरको कमी रहेको छ । विद्यालयहरूमा विद्यार्थी र शिक्षकको अनुपात मिलेको छैन भने दरवन्दी मिलानको कार्य व्यवस्थित रूपमा हुन सकेको छैन । कुल ९ वटा विद्यालयमा फर्निचर तथा कक्षा कोठा व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । शिक्षक आवासको कमी रहेको छ । वडा नं ४ र ५ मा कक्षामा जाडोको समस्याले पठन पाठनमा समस्या हुने गरेको छ । कुल ६ वटा विद्यालयमा तारवारको कमी, विद्यार्थीको संख्याको दोहोरोपना, विद्यार्थी तथा शिक्षकको नियमिततामा कमी, छिटोछिटो विद्यालय परिवर्तन गर्ने प्रवृत्ति, अविभावकको सचेतनामा कमी र शिक्षकको स्थायित्वमा कमी हुनु जस्ता समस्या रहेका छन् । शिक्षा शाखामा आवश्यक जनशक्तिको कमी रहेको छ । कुल ५ विद्यालयमा विद्यार्थी संख्याको कमी रहेको छ । विकट क्षेत्रमा शिक्षण गर्ने शिक्षकलाई प्रोत्साहनको कमी रहेको छ । विद्यालय खाजा कार्यक्रममा प्रभावकारीताको कमी रहेको छ । विद्यालयको पाठ्यपुस्तकमा एकरूपता छैन । उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाको अध्ययनका लागि स्थानीयस्तरमा अवसर उपलब्ध गराउनु र जीवनउपयोगी तथा प्रतिस्पर्धी शिक्षाका अवसर उपलब्ध गराउनु चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

### ५.२.३ सम्भावना तथा अवसर

गाउँपालिकामा शैक्षिक संस्थाहरूको उपलब्धता पर्याप्त रहेको छ । बौद्ध विद्यालय र गुम्बामा समेत पठनपाठन हुने गरेको छ भने प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र सञ्चालन रहेका छन् । सामुदायिक विद्यालयमा कक्षा १ देखि १२ सम्म पठन पाठन हुने गरेको छ । सामुदायिक विद्यालयमा दरवन्दी भन्दा बढी संख्यामा शिक्षक कार्यरत छन् भने अधिकांश शिक्षक तालिम प्राप्त छन् । विद्यालयहरूमा भवन लगायतका पूर्वाधारको अवस्था सन्तोषजनक रहेको छ । शिक्षा क्षेत्रमा अन्तरसरकार तथा गैससको साझेदारी र सहकार्य उल्लेखनिय रूपमा रहेको छ । समुदायमा शिक्षाको महत्व बारे चेतना अभिवृद्धि हुँदै गएको छ । धार्मिक नृत्य, थाङ्का पेण्टिङ, माने खोप्ने, लाडरी निर्माण लगायतको काष्ठ कला, धातुको भाँडा निर्माण र ऊनको छेरा बुन्ने मौलिक सीप तथा कला रहेको छ । पर्यटकहरूमा स्थानीय कला र संस्कृति प्रति ठूलो चाख रहने गरेको छ ।

### ५.२.४ सोच

गुणस्तरीय शिक्षाको आधार: सामुदायिक विद्यालय सुधार

### ५.२.५ लक्ष्य

विद्यालय शिक्षामा गुणस्तर सुधार गर्ने ।

### ५.२.६ उद्देश्य

१. प्रारम्भिक बाल विकासलाई सुविधायुक्त र बालमैत्री तुल्याउनु,
२. विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्नु ।

### ५.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका २४ : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको व्यवस्थापन र जनशक्ति र सिकाई प्रकृयालाई सिकारुमैत्री बनाउने ।	१.१ प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको पूर्वाधार सुधार र कक्षा कोठा व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी गराइनेछ । १.२ प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रमा सिकाई सामग्री र खेल सामग्रीको व्यवस्था गरिनेछ । १.३ प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको सहजकर्ताहरूको क्षमता विकास तथा प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ । १.४ सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बाल विकासको अनुभव सहित कक्षा १ मा भर्ना हुन अवस्था तयार गरिनेछ ।
२. विद्यालयको पूर्वाधार तथा संस्थागत संरचना सुदृढ गराइ गुणस्तरीय शिक्षाको सुनिश्चितता गर्ने ।	२.१ चिसोका कारण पठन पाठनमा अवरुद्ध हुने क्षेत्रका विद्यालयमा कक्षा कोठा सुधार गरिनेछ । २.२ विद्यालय मर्ज, शिक्षक दरवन्दी मिलान तथा विद्यार्थी संख्या कम भएका कक्षा कटौती गर्दै लगिनेछ । २.३ विद्यालयमा तारवार तथा विद्युतीय हाजिरी व्यवस्था गरी सुरक्षा र पठनपाठनमा सुधार गरिनेछ । २.४ शिक्षा शाखामा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरी गुनासो सुन्ने लगायत शैक्षिक प्रशासनलाई प्रभावकारी गराइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	२.५ विद्यालय टाढा रहेका विद्यार्थीलाई आवासीय विद्यालय सञ्चालन गरी पठनपाठनलाई गुणस्तरीय तुल्याइनेछ । २.६ शैक्षिक गुणस्तरमा एकरूपता ल्याउन पाठ्यपुस्तकमा एकरूपता ल्याइने छ । २.७ शैक्षिक गुणस्तर सुधार गर्न अन्तरसरकार, निजीक्षेत्र र गैसससँग समन्वय, साझेदारी र सहकार्य गरिनेछ ।
३. क्षमता विकास र आधुनिक सिकाइ पद्धतिको उपयोगलाई प्रभावकारी गराइ विद्यालय शिक्षालाई व्यावहारिक तथा जीवनउपयोगी गराउने ।	३.१ प्राविधिक, जीवनउपयोगी तथा व्यावहारिक ज्ञान हस्तान्तरण कार्यमा नियमितता प्रदान गरिनेछ । ३.२ शिक्षक अविभावक अन्तरकृया, अनुभव आदान प्रदान तथा अविभावक सचेतनालाई नियमित र प्रभावकारी गराइनेछ । ३.३ स्थानीय भाषा तथा संस्कृति र पर्यटनसँग जोडेर स्थानीय पाठ्यक्रम तयार गरिनेछ । ३.४ विद्यालय खाजा कार्यक्रमलाई अन्तर सरकार साझेदारीमा पर्याप्त र प्रभावकारी तुल्याइनेछ । ३.५ विद्यालयहरूमा पावर व्याकअप, इन्टरनेट र इन्ट्रानेटको व्यवस्था गरिनेछ । ३.६ शिक्षण सिकाईमा विद्युतीय सामग्री तथा शैक्षिक एप्लिकेसन तयार र उपयोगलाई विस्तार गरिनेछ ।
४. मौलिक कला तथा भाषा संरक्षण र सम्वर्द्धन गर्ने ।	४.१ मौलिक कला तथा सीपको पहिचान गरी संरक्षण र पुस्तान्तरणलाई जोड दिइनेछ । ४.२ शोर्पा भाषामा मातृभाषा कक्षलाई विस्तार तथा थप व्यवस्थित गरिनेछ । ४.३ मौलिक कला तथा सीपलाई व्यवसाय तथा पर्यटनसँग जोडिनेछ ।

## ५.२.८ नतिजा खाका

तालिका २५ : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
प्रारम्भिक बाल विकास कक्षा भर्ना दर	प्रतिशत	९५	९६	९७	९८	९९	९९	१००	IEMIS
कक्षा १ को नव प्रवेशी मध्ये पूर्व प्राथमिक शिक्षा अनुभव प्राप्त	प्रतिशत	९५	९६	९७	९८	९९	९९	१००	IEMIS
शिक्षक विद्यार्थी अनुपात आधारभूत (१ देखि ५)	अंक	१:१५.६	१:१५	१:१७	१:१९	१:२०	१:२०	१:२०	IEMIS
शिक्षक विद्यार्थी अनुपात आधारभूत (१ देखि ८)	अंक	१:११.३	१:२३.६	१:२३	१:२३	१:२३	१:२३	१:२३	IEMIS
शिक्षक विद्यार्थी अनुपात माध्यमिक (९ देखि १०)	अंक	१:९.३	१:७.७	१:१०	१:२०	१:२०	१:२०	१:२०	IEMIS
पुस्तकालय भएका विद्यालय	प्रतिशत	४३	४३	५५	७०	९०	९५	१००	गाउँ प्रोफाइल
प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र सञ्चालन गर्ने विद्यालय	संख्या	८	८	१०	१२	१२	१२	१२	IEMIS
पेशागत प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक	जना	८	१०	१०	१०	१०	१०	१०	गाउँ प्रोफाइल
एसएलसी/एसइड पुरागर्ने जनसंख्या	जनसंख्या	८८६	९००	९२५	९५०	९७५	९८५	१०००	IEMIS
कक्षा १२ उत्तिर्ण गर्ने	जनसंख्या	३२८	३४०	३५५	३७०	३८५	३९२	४००	गाउँ प्रोफाइल
विद्युतमा पहुँच भएका विद्यालय	प्रतिशत	९८	९८	९९	१००	१००	१००	१००	गाउँ प्रोफाइल
इन्टरनेटमा पहुँच भएका विद्यालय	प्रतिशत	६५	७१	९०	१००	१००	१००	१००	गाउँ प्रोफाइल
अपाङ्गमैत्री विद्यालय	संख्या	५	५	६	८	१०	११	१२	गाउँ प्रोफाइल
खानेपानी सरसफाइ र स्वच्छता सुविधा उपलब्ध भएको विद्यालय	प्रतिशत	८०	८५	९५	१००	१००	१००	१००	गाउँ प्रोफाइल

## ६.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका २६ : शिक्षा, भाषा, कला साहित्य उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाई	कुल भौतिक कुल लक्ष्य	कुल लागत (रू. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१	प्रारम्भिक बाल विकास कार्यक्रम	वर्ष	५	६००००	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१, २	शैक्षिक प्रशासन कार्यक्रम	वर्ष	५	६००००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	थामे आ.वि. आइसिटी ल्याव निर्माण	संख्या	१	६८००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	खरीखोला मा.वि. भवन	संख्या	१	४२००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	लुक्ला आ.वि. विद्यालय भवन तथा पुस्तकालय	संख्या	१	१७०००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	महेन्द्र ज्योति मा.वि. किचन डाइनिङ भवन निर्माण	संख्या	१	५४००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	मौलिक भाषा तथा कला संरक्षण र प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	६४१४९	४	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	विद्यालय शिक्षा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	२५००००	३	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
<b>जम्मा</b>				<b>४६७५४९</b>		

### ५.२.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वांनुमान

विद्यालय शिक्षामा अन्तर सरकार तथा गैससबाट प्राप्त हुने सहयोग तथा सहकार्य निरन्तर रहेको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा पर्याप्त पूर्वाधार विकास, आवश्यक जनशक्ति व्यवस्था, क्षमता विकासका अवसरमा वृद्धि र नवीनतम प्रविधिको उपयोगमा विस्तार भएको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा अविभावकको सचेतना र दक्ष तथा योग्य शिक्षकको स्थायित्वमा कमी हुन सक्ने जोखिम रहन्छ ।

### ५.३ खानेपानी सरसफाई

#### ५.३.१ विद्यमान अवस्था

खुला दिशामुक्त क्षेत्रको रूपमा रहेको यस गाउँपालिकामा शौचालयको उपयोग र खानेपानी सुविधामा गुणात्मक सुधार हुँदै गएको छ । गाउँपालिकामा पाइपबाट वितरण गरीएको खानेपानी उपयोग गर्ने जनसंख्या ८५ प्रतिशत रहेको छ । एक घर एक धारा भएका घरपरिवार संख्या ६१ प्रतिशत रहेको छ । कुल घरपरिवारमध्ये सुरक्षित शौचालय उपयोग गर्ने जनसंख्या ५४ प्रतिशत रहेको छ । फोहोर वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने घरपरिवार संख्या २८ प्रतिशत रहेको छ । गाउँपालिका भित्र सार्वजनिक शौचालय संख्या १६ रहेको छ । भारतीय दुतावाससँगको सहकार्यमा खुम्जुङ खुन्दे ढल निकास आयोजना समेत कार्यान्वयनमा रहेको छ । सगरमाथा प्रदुषण नियन्त्रण समितिले वडा नं ४ र ५ का घरधुरीमा फोहोर वर्गीकरण र व्यवस्थापनको अभ्यास थालनी गरेको छ । सगरमाथा नेक्स्ट संस्थाको सहयोगमा वडा नं ५ को स्याडबोचेमा फोहोरको पुनः उपयोग गरी सामग्री निर्माण गरी पर्यटकलाई विक्री गर्ने गरिएको छ ।

#### ५.३.२ समस्या तथा चुनौती

खानेपानी आयोजनाको दिगोपनामा कमी रहेको छ । बाढीले खानेपानी आयोजनामा क्षति पुऱ्याउने गरेको कारण खानेपानीको आयोजनाको लागत बढ्ने र सेवाको निरन्तरतामा कठिनाई उत्पन्न हुने गरेको छ । अझै पनि १५ प्रतिशत घरपरिवार पाइपबाट वितरित खानेपानी सुविधाबाट बञ्चित रहेका छन् । कुल घरधुरीको ४६ प्रतिशत घरपरिवारमा मात्र सुरक्षित शौचालय रहेको छ । ढललाई नदीमा मिसाउने अभ्यासले नदी प्रदुषणमा वृद्धि भएको छ । जाडोको समयमा अत्यधिक चिसोको कारण व्यक्तिगत सरसफाईलाई व्यवस्थित

गर्ने, प्लास्टिकको अधिक उपयोग नियन्त्रण गर्ने, जलवायु परिवर्तनको असर कम गर्ने र वडा नं ३, ४ र ५ मा जाडो याममा पानी जम्ने समस्याले स्वच्छ खानेपानी सुविधामा उपलब्ध गराउने कार्य चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

### ५.३.३ सम्भावना तथा अवसर

गाउँपालिकाले सार्वजनिक क्षेत्रमा स्वच्छता अभिवृद्धि गर्न आवश्यकता अनुसार शौचालयको निर्माण तथा व्यवस्थापन गर्ने नीति लिएको छ । एउटा सफा शौचालय र अर्को मल तयार गर्ने शौचालय गरी एउटै घरमा दुईखाले शौचालय बनाउने परम्परागत अभ्यास समेत रहेको छ । खानेपानीको श्रोत पर्याप्त रहेको यस क्षेत्रमा खानेपानीको श्रोतका रूपमा मुल, हिमताल तथा खोलाहरू रहेको कारण खानेपानीको लागि स्रोतको कमी छैन । गाउँपालिकाको सबैजसो घरधुरीमा शौचालय सुविधा रहेको र ८८ प्रतिशत घरधुरीमा खानेपानी सुविधा उपलब्ध रहेको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा सरसफाईको क्षेत्रमा काम गर्ने गैर सरकारी संस्थाहरूको पर्याप्तता रहेको छ । खुम्बु क्षेत्रको सरसफाईका लागि स्वदेशी विदेशी संस्थाहरूले चासो राख्ने गरेका छन् । सगरमाथा प्रदुसन नियन्त्रण समिति, सगरमाथा नेक्स्ट र भारतीय सरकारसँगको सहकार्य र सहयोग प्राप्त भैरहेको छ । पर्यटकीय क्षेत्र भएको कारण आम जनसमुदायमा सरसफाई सम्बन्धी चेतनामा विस्तार भैरहेको छ ।

### ५.३.४ सोच

स्वच्छ खानेपानी: सफा बस्ती राम्रो आनीवानी

### ५.३.५ लक्ष्य

- स्वच्छ खानेपानी र दिगो सरसफाईको अभिवृद्धि गर्ने ।

### ५.३.६ उद्देश्य

१. स्वच्छ खानेपानीमा सबैको पहुँच कायम गर्नु,
२. सरसफाईजन्य आनिवानीमा गुणात्मक सुधार गर्नु ।

### ५.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका २७ : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. एक घर एक धारा कार्यक्रममार्फत स्वच्छ खानेपानीमा सबैको पहुँच कायम गर्ने ।	१.१ सबै खानेपानी आयोजनाको गुणस्तर परीक्षण र सुधार कार्यलाई नियमित गरिनेछ । १.२ स्वच्छ खानेपानीको सुविधा नपुगेका घरपरिवारमा सुविधा उपलब्ध गराइनेछ । १.३ खानेपानीको श्रोतको पहिचान, संरक्षण र सफाईलाई समुदाय तथा उपभोक्तासँग सहकार्य गरिनेछ । १.४ खानेपानी आयोजनालाई समुदायमा हस्तान्तरण पश्चात दिगो तुल्याउन सम्बन्धित उपभोक्ता समिति भित्रका व्यक्तिलाई मर्मत संभार कार्यकर्ताको तालिम तथा आवश्यक उपकरण उपलब्ध गराइनेछ । १.५ स्वच्छ खानेपानीको सुविधा विस्तार गर्न अन्तरसरकार, निजी क्षेत्र र गैसससँग सहकार्य गरिनेछ ।
२. नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार, समुदाय र गैसससँगको साझेदारीमा सरसफाईको अभ्यासलाई दिगो तुल्याउने ।	२.१ प्लास्टिकजन्य फोहोर व्यवस्थापन र प्लास्टिक उपयोग कम गर्ने उपभोक्ता सचेतना अभियान सञ्चालन सहित फाइबर झोला निर्माण र उपयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । २.२ गाउँपालिका, युवा क्लव र महिला समूहको सहकार्यमा प्लास्टिक उपयोग कम गर्ने अभियान चलाइनेछ । २.३ ढल खोलामा मिसाउने अभ्यासलाई निषेध गरी यस खालको अभ्यास रहेका घरपरिवारमा सेफिट्ट्याडक निर्माणलाई सहयोग उपलब्ध गराइनेछ । २.४ धर्मगुरु, बालक्लब, महिला समूह र गुम्बासँग वातावरण संरक्षण र प्लास्टिक उपयोग निरुत्साहन गर्न अन्तरकृया तथा सहकार्य गरिनेछ । २.५ सरसफाईको क्षेत्रमा कार्य गरिरहेका गैसस र अन्तर सरकार साझेदारी तथा सहकार्य विस्तार गरिनेछ ।

### ५.३.८ नतिजा खाका

तालिका २८ : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				०८०/८१	०८१/८२	०८२/८३	०८३/८४	०८४/८५	
पाइपबाट वितरण गरिएको पानीमा पहुँच भएका परिवार	प्रतिशत	८५.३७	८७	९०	९३	९६	९८	१००	गाउँ प्रोफाइल
एक घर एक धारा हुने घरपरिवार	प्रतिशत	६१.३	६२	६४	६७	७१	८५	१००	गाउँ प्रोफाइल
नियमित गुणस्तर परीक्षण तथा उपचार भएका खानेपानी आयोजना	संख्या	०	०	२	१०	१७	१८	२०	गाउँ प्रोफाइल
सुरक्षित शौचालय सुविधा प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत	५४	५६	५८	६०	६२	६५	७०	गाउँ प्रोफाइल
फोहोर विसर्जनको स्थल (खाडल) हुने घरधुरी	प्रतिशत	२८	३३	३६	३९	४३	४७	५०	गाउँ प्रोफाइल
शौचालय प्रयोग गर्ने जनसङ्ख्याको अनुपात	प्रतिशत	९८.४	९९	९९.५	१००	१००	१००	१००	गाउँ प्रोफाइल
सार्वजनिक शौचालय	संख्या	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	गाउँ प्रोफाइल

### ५.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका २९ : खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
२	खुम्जुङ खुन्दे ढल निर्माण आयोजना	मिटर	१०००	५९४३९	२	भारतीय दुतावास तथा गाउँपालिका
२	लुक्ला ढल निर्माण आयोजना	मिटर	८००	४५०००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
२	घाट ढल निर्माण आयोजना	मिटर	५००	३८०००	२	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	खरीखोला खानेपानी आयोजना	धारा संख्या	२९०	३००००	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	दिङवुचे खानेपानी आयोजना	धारा संख्या	६०	११३००	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	खुम्जुङ खुन्दे खानेपानी आयोजना	धारा संख्या	३४४	९२१९७	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	त्याङ्बोचे खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		२४०००	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	ठूलोगुमेला खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		३०३३२	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	थामडाँडा खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		२४५१६	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	पैया खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		३६५५१	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	सुर्के खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		२९२४७	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	वन्कर खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		२८१६१	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	जोरसल्ले खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		१५८८५	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	नाम्चे बजार खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		६२३१२	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	डोले खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		१७६३६	१	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१	लुक्ला खानेपानी आयोजना	धारा संख्या		३००००		सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
१, २	खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता सम्बन्धी सालबसाली कार्यक्रम	सालबसाली		५००००	१, २	सङ्घ, प्रदेश सरकार र गाउँपालिका
<b>जम्मा</b>				<b>५७४५७६</b>		

### ५.३.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

योजनाको प्रस्ताव अनुसार बजेट सुनिश्चितता भई आयोजना संचालन तथा मर्मतसंभार र स्तरोन्नति भई खानेपानीको सेवा प्रवाहमा विस्तार तथा गुणस्तरमा सुधार आएको हुनेछ। सुख्खा खडेरी जस्ता जलवायु परिवर्तनबाट खानेपानीको स्रोत सुक्न सक्ने, हिम रेखा माथी सडैँ जानु तथा नकुहिने फोहोरको उचित व्यवस्थापनमा कमी रहने, पर्यटकीय गतिबिधिकका कारण सिर्जित फोहोर व्यवस्थापनमा कठिनाई हुने अवस्था देखिएमा खानेपानी तथा ससरफाई सम्बन्धी अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्न जोखिम पर्न सक्ने छ।

## ५.४ महिला बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण

### ५.४.१ विद्यमान अवस्था

सामाजिक विकासको क्षेत्रमा लक्षित वर्गको सशक्तीकरणसँगै आर्थिक सामाजिक र राजनीतिक सहभागितामा वृद्धि हुँदै गएको छ। सामाजिक सुरक्षा भत्ता, अपाङ्ग तथा दलितको क्षेत्रमा सहयोग र सहभागिता वृद्धि भएको भएको छ। गाउँपालिका भित्र २७ महिला समूह र एउटा गाउँपालिकास्तरीय महिला समिति रहेको छ। महिला तथा बाल हिंसाका घटना नियन्त्रणमा हुँदै गएको छ। क्षमता विकास, रोजगारीका अवसरमा वृद्धि र असहायहरूका लागि सहयोग उपलब्ध हुने गरेको छ।

यस क्षेत्रका कुल १० वटा विद्यालयमा बाल क्लव रहेको छ। क्षमता विकास तालिम अन्तर्गत भाषण कला ६० जना, कार्यालय व्यवस्थापन ४० जना, प्रस्तावना लेखन २५ जना र श्रेत्रु प्रशिक्षण २०० जनालाई उपलब्ध गराइएको छ। हालसम्म ३ वटा महिला समुदायिक भवन, एउटा दलित सामुदायिक भवन तथा शौचालय र १ घट्ट र १ शौचालय निर्माण भएको छ। माक्स र सेनिटरी प्याड सिलाई तालिम ५० जनालाई र २४ वटा तयारी मेसिन वितरण गरिएको छ। महिला समूहबाट सरसफाईको कार्य हुँदै आएको छ। जेष्ठ नागरिकलाई न्यानो कपडा वितरण र स्वास्थ्य परीक्षण हुने गरेको छ। दलित परिवारका लागि कपडा वितरण, ३ वटा आरन सुधार, वडा न ३ मा ४ वटा कपडा सिलाउने मेसिन वितरण, वडा न १ र ३ मा १० घरलाई सुधारीएको चुल्हो वितरण र १६ परिवारलाई शौचालय सहयोग उपलब्ध गराइएको छ। हाल २ जना अपाङ्ग भएका व्यक्ति रोजगारीमा संलग्न छन्।

### ५.४.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका भित्र बालश्रमको अवस्था कायमै रहेको छ। वडा तथा गाउँपालिकास्तरमा लक्षित वर्ग संजाल गठन हुन सकेको छैन। दलित तथा अपाङ्गता भएका व्यक्तिको लागि आत्मनिर्भरताका अवसरमा कमी रहेको छ। लक्षित वर्गको लागि क्षमता विकासको अवसरमा कमी रहेको छ। बालमैत्री स्थानीय शासनका आधारहरू तयारीमा कमी रहेको छ। राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्रमा लक्षित वर्गको सहभागिता कमजोर रहेको छ। दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिकालाई हेर्ने दृष्टिकोण परम्परागत र विभेदपूर्ण रहेको छ। दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिकालाई आफ्नो अधिकार र कर्तव्यको सम्बन्धमा जानकारीको कमी रहेको छ। बालबालिका तथा अपाङ्गमैत्री पूर्वाधारमा कमी रहेको छ।

### ५.४.३ सम्भावना तथा अवसर

संविधान, कानून र नीतिहरू लक्षित वर्गमैत्री बन्दै गएको छ। सामाजिक विकासको क्षेत्रमा लक्षित वर्गको सशक्तीकरणसँगै आर्थिक सामाजिक र राजनीतिक क्षेत्रमा सहभागिताका अवसरमा वृद्धि हुँदै गएको छ। सामाजिक सुरक्षा भत्ता, अपाङ्ग तथा दलितको क्षेत्रमा सहयोग र सहभागिता वृद्धि भएको छ। महिला समूह र विद्यालयमा बाल क्लव गठनको अभ्यास विस्तार हुँदै गएको छ। महिला तथा बाल हिंसाका घटना नियन्त्रण उन्मुख रहेका छन्। लक्षित वर्गका लागि क्षमता विकास र रोजगारीका अवसर उपलब्ध रहेको छ। असहाय व्यक्तिलाई सहयोगको व्यवस्था रहेको छ। लक्षित वर्गका सामुदायिक भवन निर्माण भएका छन्। दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिका लागि सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्रबाट विशेष सहयोग तथा सशक्तीकरणका अवसरहरू उपलब्ध रहेको छ। गाउँपालिका भित्रका संस्थागत संरचना तथा निकायमा लक्षित वर्गको सहभागिता र भूमिका प्रभावकारी हुँदै गएको छ।

### ५.४.४ सोच

सुखी जेष्ठ नागरिक र खुसी बालबालिका: विभेदमुक्त तथा समावेशी गाउँपालिका

#### ५.४.५ लक्ष्य

- लक्षित वर्गको आत्म सम्मान र आत्मनिर्भरताका अवसरमा वृद्धि गर्ने ।

#### ५.४.६ उद्देश्य

१. लक्षित वर्गको क्षमता विकास गर्नु,
२. लक्षित वर्गको आत्मनिर्भरता अभिवृद्धि गर्नु,
३. विभेदमुक्त गाउँपालिकाका रूपमा परिचित गराउनु ।

#### ५.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ३० : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशिकरण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिका लागि क्षमता विकास र अर्थपूर्ण सहभागिताका अवसर उपलब्ध गराउने ।	१.१ दलित, महिला, आदिवासी जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिकाको छुट्टाछुट्टै संजाल गठन र परिचालन गरिनेछ । १.२ दलित, महिला, आदिवासी जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक र बालबालिकाको लागि अधिकार सम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि र क्षमता विकासका अवसरहरू उपलब्ध गराइनेछ । १.३ स्थानीय समिति तथा संयन्त्रमा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागिता वृद्धि गर्दै लगिनेछ । १.४ लक्षित वर्गको क्षेत्रमा अन्तरसरकार तथा गैसससँगको साझेदारीमा वृद्धि गरिनेछ ।
२. सीप तथा दक्षता विकास र रोजगारीका अवसरमा वृद्धि गरी लक्षित वर्गका लागि आत्मनिर्भरताका अवसर सिर्जना गर्ने ।	२.१ अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि तालिम तथा स्वरोजगारीमा सहयोग उपलब्ध गराइनेछ । २.२ दलित, महिला, आदिवासी जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि लोकसेवा तथा शिक्षक सेवा परीक्षा तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ । २.३ पेशा तथा रोजगारीमा संलग्न महिला तथा दलितका लागि पेशागत सीप स्तरोन्नति तथा प्रविधि हस्तांतरणको व्यवस्था गरिनेछ । २.४ महिला तथा अपाङ्गता भएका व्यक्तिको स्वरोजगारीको क्षेत्र पहिचान गर्न सर्वेक्षण गरी सोही आधारमा सीप विकास तथा व्यवसाय सञ्चालन एबम् स्तरोन्नतिको लागि प्रोत्साहित गरिनेछ ।
३. बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री तथा जेष्ठ नागरिकमैत्री र विभेदमुक्त गाउँपालिकाका रूपमा परिचित गराउनु ।	३.१ गुम्बा र सामुदायिक भवनमा जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्रका रूपमा रूपान्तरण गरी अध्यात्म, मनोरञ्जन तथा स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्रका रूपमा तयार गरिनेछ । ३.२ बालमैत्री स्थानीय शासन कार्यान्वयनका आधारहरू तयार गरी बालमैत्री गाउँपालिका घोषणा गरिनेछ । ३.३ सामाजिक असमानता तथा विभेद न्यूनीकरणका लागि सामुदायिक संस्था, टोल विकास संस्था, महिला समूह तथा बाल क्लवमार्फत सचेतना वृद्धि गरिनेछ ।

#### ५.४.८ नतिजा खाका

तालिका ३१ : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशीकरण उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
लक्षित वर्गको कार्यक्रममा विनियोजन बजेट	रु. हजारमा	४३०४	४३७८	५०००	६०००	७०००	८५००	१००००	सुत्र
सीपमुलक तालिम प्राप्त गरी व्यवसाय सञ्चालन गरेक अपाङ्गता भएका व्यक्ति	संख्या	२	२	५	८	१२	१६	२०	प्रगति प्रतिवेदन
जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र	संख्या	०	०	१	२	३	४	५	महिला तथा बालबालिका शाखा

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
बस्तीस्तरको योजना तर्जुमा छलफलमा सहभागी लक्षित वर्ग	प्रतिशत	३०	३२	३५	३८	४०	४२	४५	महिला तथा बालबालिका शाखा
महिला तथा बाल हिंसाका घटना	संख्या	१	१	०	०	०	०	०	महिला तथा बालबालिका शाखा
सहयोग/अनुदानमा महिला, दलित अपांगद्वारा सञ्चालित व्यवसाय	संख्या	८	१०	२५	४०	४५	६०	७५	प्रोफाइल
गाउँपालिका स्तरीय समिति तथा संरचनामा महिलाको सहभागिता	प्रतिशत	३३	३४	३५	३६	३७	३९	४०	सभाको निर्णय

#### ५.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ३२ : महिला, बालबालिका, सामाजिक समावेशीकरण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१, २, ३	महिला विकास कार्यक्रम	वर्ष	५	५०००	२	गाउँपालिका तथा प्रदेश सरकार
१, २, ३	बालबालिका विकास कार्यक्रम	वर्ष	५	५०००	३	गाउँपालिका तथा प्रदेश सरकार
१, २, ३	अपाङ्गता भएका व्यक्ति हित प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	२५००	१	गाउँपालिका
१, २, ३	ज्येष्ठ नागरिक र असहाय व्यक्ति संरक्षण कार्यक्रम	वर्ष	५	५०००	३	गाउँपालिका तथा प्रदेश सरकार
१, २, ३	दलित वर्ग उत्थान कार्यक्रम	वर्ष	५	२५००	१	गाउँपालिका
१, २, ३	महिला, बालबालिका तथा समावेशीकरण सालबसाली कार्यक्रम	वर्ष	५	५६५	१	गाउँपालिका, प्रदेश सरकार तथा नेपाल सरकार
<b>जम्मा</b>				<b>२०५६५</b>		

#### ५.४.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गका लागि प्राथमिकताका साथ बजेट विनियोजन गरी व्यवहारिक कार्यक्रम लागू भएको हुनेछ। लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी कार्यक्रम हरेक विषय क्षेत्रसँग अन्तरसम्बन्धित रही कार्यान्वयन गर्नुपर्ने भएकोले सम्बन्धित निकाय तथा संरचनाको क्षमता विकास तथा प्रतिवद्धता नभएमा अपेक्षित नतिजा प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्दछ।

#### ५.५ युवा तथा खेलकुद

##### ५.५.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र वार्षिक रूपमा कुल ५ वटा भलिबल खेल र एउटा फुटबल खेल आयोजना हुने गरेको छ। खेलतर्फ राष्ट्रपति रनिडशिल्ड, निडदोर्जे स्मृति कप, खरीखोला फुटबल, कनच्येबिक कप लगायत ६ वटा खेल वार्षिक रूपमा आयोजना हुने गरेको छ। जुडो खेलको एकजना राष्ट्रियस्तरका प्रशिक्षकद्वारा प्रशिक्षण हुने गरेको छ। यस क्षेत्रमा अन्तराष्ट्रियस्तरको जुडो खेलाडी १ जना, जुडो खेलका ६ जना राष्ट्रिय खेलाडी र कवडी खेलका प्रदेशस्तरको खेलाडी १ जना रहेका छन्। यस क्षेत्रबाट नवौँ राष्ट्रिय खेलमा भाग लिएका जुडो खेलका ६ जना खेलाडी मध्ये ३ महिलाले स्वर्ण पदक, १ जना पुरुषले रजत पदक र १ जना पुरुषले कांस्य पदक जितेको देखिन्छ। जुडो खेलको २ स्थानमा प्रशिक्षण हुने गरेको छ भने खेल प्रशिक्षणमा सहभागी खेलाडीको कुल संख्या १०० रहेको छ। गाउँपालिकाभित्र कुल ११ युवा क्लवमा ४६७ युवा आवद्ध रहेका छन्। युवाहरूको मुख्य रोजगारीको क्षेत्र पर्यटन तथा पर्वतारोहण रहेको छ भने रोजगारीको लागि तत्पर युवामा पर्यटन क्षेत्रमा स्थानीयस्तरमा रोजगारीका अवसर उपलब्ध रहेको छ।

### ५.५.२ समस्या तथा चुनौती

यस क्षेत्रमा स्तरीय खेल मैदान लगायतका पूर्वाधार, खेल सामग्री र कवर्डहलको कमी रहेको छ। खेलको प्रशिक्षणको कमी रहेको यस क्षेत्रमा खेलमा व्यावसायिकताको समेत कमी रहेको छ। खेलाडीका लागि प्रोत्साहनको कमी रहेको छ। युवाका लागि सीप विकास तथा दिगो रोजगारीका अवसरको कमी रहेको छ। खेलका लागि उचाइको हावापानी हुनु, युवा पलायन बढ्नु तथा युवाका लागि मौसमी रोजगारी उपलब्ध हुने गरेका खेल गितविधिमा निरन्तरता प्रदान गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण हुने गरेको छ।

### ५.५.३ सम्भावना तथा अवसर

यस गाउँपालिकामा ४ वटा खेलमैदान रहेका छन् भने वडा नं २ को लुक्ला बजारमा कवर्ड हल निर्माणाधिन रहेको छ। वार्षिक रूपमा ५ वटा भलिबल खेल आयोजना हुने गरेको १ वटा फुटबल प्रतियोगिता हुने गरेको छ। हाइ अल्टिच्युड खेलको लागि पूर्वाधार तयारीका क्रममा रहेको छ। युवाहरूमा खेलकूद प्रतिको चासोमा वृद्धि भैरहेको छ। जुडो खेलको लागि प्रशिक्षणको व्यवस्था स्थानीयस्तरमा नै गर्न सकिने अवस्था रहेको छ। पलम्बर, रक क्लाइम्बिङ, कुक र गाइड तालिमका अवसरहरू उपलब्ध छन् र यस्ता विषयमा तालिम प्राप्त व्यक्तिका लागि रोजगारीका अवसरहरू समेत उपलब्ध छन्। खेल पूर्वाधारको निर्माणमा प्रदेश तथा सङ्घीय सरकारको समेत सहयोग प्राप्त हुने अवस्था रहेको छ।

### ५.५.४ सोच

स्वास्थ्यका लागि खेलकुद: राष्ट्रका लागि युवा

### ५.५.५ लक्ष्य

युवामा आत्मनिर्भरता र खेलकुदमा व्यावसायिकता अभिवृद्धि गर्ने।

### ५.५.६ उद्देश्य

१. खेल क्षेत्रको पूर्वाधार र खेलाडीको क्षमतामा वृद्धि गर्नु,
२. युवा रोजगारीका अवसर वृद्धि गर्नु।

### ५.५.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ३३ : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. खेल क्षेत्रको विकासका लागि पूर्वाधार निर्माण गरी खेलाडीको प्रतिस्पर्धी क्षमता विकासका अवसर उपलब्ध गराउने।	१.१ भलिबल र जुडो खेलको उच्चस्तरीय प्रशिक्षणको व्यवस्था गरिनेछ। १.२ खेल मैदानको स्तरोन्नति गरी खेल प्रशिक्षणमा नियमितता र सहज पहुँचको व्यवस्था मिलाइनेछ। १.३ खेलाडीका लागि खेल सामग्री, खेलाडी प्रोत्साहन तथा सम्मानलाई नियमित गरिनेछ। १.४ खेल क्षेत्रको विकासमा अन्तरसरकार तथा गैसससँगको साझेदारीमा वृद्धि गरिनेछ।
२. सीप तथा दक्षता विकास र रोजगारीका अवसरमा वृद्धि गरी लक्षित वर्गको आत्मनिर्भरताका अवसर सिर्जना गर्ने।	२.१ युवा उत्प्रेरणाका लागि सफल युवा तथा मोटिभेसनल स्पिकरद्वारा मोटिभेसनल कार्यशालाको आयोजना गराइनेछ। २.२ युवा रोजगारीका लागि पलम्बर, रक क्लाइम्बिङ, कुक र गाइड तालिमका अवसर उपलब्ध गराइनेछ। २.३ पेशा तथा रोजगारीमा संलग्न युवाका लागि पेशागत सीप स्तरोन्नति तथा प्रविधि हस्तांतरणको व्यवस्था गरिनेछ।

#### ५.५.८ नतिजा खाका

तालिका ३४ : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
सक्रिय युवा क्लव तथा युवा संजाल	संख्या	११	११	१६	१७	१७	१७	१७	खेलकुद शाखा
क्लब तथा सञ्जालमा आवद्ध युवा	जना	४६७	४६७	६९०	७३०	७९०	८५०	९००	खेलकुद शाखा
कभर्ड हल र खेल मैदान	संख्या	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	वार्षिक प्रतिवेदन
अन्तराष्ट्रिय/राष्ट्रियस्तरमा प्रतिनिधित्व गर्ने खेलाडी	जना	७	७	७	८	८	९	१०	वार्षिक प्रतिवेदन
प्रदेशस्तरमा प्रतिनिधित्व गर्ने खेलाडी	जना	१	१	२	४	६	८	१०	वार्षिक प्रतिवेदन
वार्षिक रुपमा स्वरोजगारमूलक तालिममा सहभागी हुने युवा	संख्या	१२०	१४५	१६०	१६०	१६०	१६०	१६०	वार्षिक प्रतिवेदन
अनुदानमा युवाद्वारा सञ्चालित उद्यम व्यवसाय	संख्या	०	०	५	१०	१५	२०	२५	वार्षिक प्रतिवेदन
वार्षिक रुपमा खेल प्रशिक्षणमा सहभागी युवा	संख्या	१००	१६०	२००	२५०	२८०	२९०	३००	वार्षिक प्रतिवेदन
वार्षिक युवा तथा खेलकुद क्षेत्रको बजेट	रु. हजार	१६२४५	११९००	१३१००	१४४००	१६०००	१८०००	१९०००	वार्षिक प्रतिवेदन

#### ५.५.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ३५ : यूवा तथा खेलकुद उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१,२	लुक्ला कभर्ड हल निर्माण आयोजना	संख्या	१	३०५२६	१	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार गाउँपालिका
१,२	थामीछोवा खेलमैदान निर्माण आयोजना	संख्या	१	१९७४८६	१	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार गाउँपालिका
१,२	एक वडा एक बहुउद्देश्यीय कवर्ड हल	संख्या	५	१०००००	१	गाउँपालिका
१,२	हाइ अल्टिच्युड स्पोर्ट्स सेन्टर एण्ड कन्फरेन्स हल	संख्या	१	४०००००	१	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार गाउँपालिका
१,२	युवा उद्यमशीलता तथा स्वरोजगार कार्यक्रम	वर्ष		५०००	२	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार गाउँपालिका
१,२	खेलकुद पूर्वाधार निर्माण, स्तरोन्नति तथा खेलकुद प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष		२००००	१	नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार गाउँपालिका
<b>जम्मा</b>				<b>७५३०१२</b>		

#### ५.५.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

खेलकुदको विकासमा अन्तरसरकार तथा गैसससँगको साझेदारी तथा सहकार्यमा वृद्धि भएको हुनेछ । खेलकुद तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम मार्फत उनीहरूको सिर्जनशीलता तथा उद्यमशीलता प्रति आकर्षण बढेको हुनेछ । खेलकुद, उद्यम र क्षमता विकास, सम्मानित रोजगारीको अवसर लगायत युवालाई प्रोत्साहन नसकेमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन सक्छ ।

## ५.६ सामाजिक सुरक्षा र पञ्जीकरण

### ५.६.१ विद्यमान अवस्था

सामाजिक सुरक्षा भत्ताका लागि उमेर तथा अन्य कारणले बाञ्छनीय देखिएका सबै नागरिकले सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने गरेका छन्। राष्ट्रिय परिचय पत्र शिविर सबै वडामा सञ्चालन भएको छ। राष्ट्रिय परिचय पत्र वितरणलाई टोलस्तरमा पुऱ्याइएको छ। सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमलाई सहज तुल्याउँदै लगिएको छ। सामाजिक सुरक्षाको दायरा विस्तार हुँदै गएको छ। घटना दर्तामा आवद्ध जनसंख्या करिब ७९ प्रतिशत रहेको छ। सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या कुल जनसंख्याको १३ प्रतिशत रहेको छ।

### ५.६.२ समस्या तथा चुनौती

सामाजिक सुरक्षालाई योगदानमूलक र गैर-योगदानमूलक गरी सन्तुलित रूपमा समाजको कमजोर हिस्सालाई समावेश गर्न सकिएको छैन। सामाजिक सुरक्षा भत्ताको वितरण भौगोलिक विकटताका कारण कठिनाइ रहेको छ। २१ प्रतिशत व्यक्तिगत घटनाहरूलाई अझै पनि दर्ताको प्रकृत्यामा ल्याउन सकिएको छैन भने घटना दर्ता समयमै नगराउने प्रवृत्ति विद्यमान रहेको छ।

### ५.६.३ सम्भावना तथा अवसर

व्यक्तिगत घटना दर्ता सेवा वडा तहबाट उपलब्ध हुने गरेको छ। राष्ट्रिय परिचय पत्र वितरणको लागि टोलस्तरमा शिविर सञ्चालन हुने गरेको छ। सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरणलाई घरदैलो मै हुने व्यवस्था मिलाउँदै लगिएको छ। नेपाल सरकारले सामाजिक सुरक्षा दायरा विस्तार गर्दै लगेको छ। सामाजिक सुरक्षा भत्तालाई सहज रूपमा प्राप्त गर्ने वातावरण तयार भएको छ। कमजोर आर्थिक अवस्था भएका नागरिक तथा जटिल रोगको उपचारका लागि गाउँपालिकाले उपचार सहयोग उपलब्ध गराउँदै आएको छ।

### ५.६.४ सोच

समाजको कमजोर हिस्सा: प्रभावकारी सामाजिक सुरक्षा

### ५.६.५ लक्ष्य

- सामाजिक सुरक्षा र व्यक्तिगत घटना दर्ता सेवाको गुणस्तर र पहुँचमा वृद्धि गर्ने।

### ५.६.६ उद्देश्य

१. सामाजिक सुरक्षाको दायरा र सहजता अभिवृद्धि गर्नु।

### ५.६.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ३६ : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. सामाजिक सहयोग र संरक्षणका कार्यक्रम विस्तार गरी आर्थिक सामाजिक रूपले बञ्चितकरण तथा जोखिममा रहेको समुदायको पहुँच बढाउने।	१.१ असहाय तथा समाजको कमजोर वर्गका लागि सामाजिक संरक्षणको व्यवस्था गरिनेछ। १.२ सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण कार्यक्रमलाई सहज तुल्याउँदै लगिनेछ। १.३ घटना दर्ता समयमै गराउन सचेतना र प्रोत्साहनका लागि टोल विकास संस्थाको परिचालनमा जोड दिइनेछ।

#### ५.६.८ नतिजा खाका

तालिका ३७ : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्म को उपलब्धि	२०७९/८० सम्म को अनुमानित उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
व्यक्तिगत घटना दर्ता	प्रतिशत	७९	७८	८२	८६	९०	९३	९६	पंजिकरण
सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत	१२.३१	१३.०३	१३.५	१४	१४.५	१५	१६	पंजिकरण
सामाजिक सुरक्षाको वार्षिक बजेट	रु. हजारमा	४१३००	४२७१५	४३५००	४४०००	४५०००	४४७००	४५०००	सुत्र

#### ५.६.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ३८ : सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१	सामाजिक सुरक्षा सेवा केन्द्र सञ्चालन	वर्ष	१	२०००	१	गाउँपालिका
१	सामाजिक सुरक्षण र क्षमता विकास सालवसाली कार्यक्रम	वर्ष	१	८७१०	१	संघ सरकार र गाउँपालिका
१	पञ्जीकरण सम्बन्धी सालवसाली कार्यक्रम	वर्ष	१	३०००	१	नेपाल सरकार
<b>जम्मा</b>				<b>१३७१०</b>		

#### ५.६.१० जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

असहाय तथा समाजको कमजोर वर्गलाई सामाजिक संरक्षणको लागि नीतिगत व्यवस्था परिमार्जन भएको हुनेछ । व्यक्तिगत घटना दर्ताका गतिबिधिहरूको प्रभावकारीता वृद्धि भएको हुनेछ । सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रममा प्राथमिकताका साथ बजेट विनियोजन, नीतिगत तथा कार्यक्रममा परिवर्तन सम्बन्धित निकाय तथा संरचनाको क्षमता विकास तथा क्रियाशीलता नभएमा अपेक्षित नतिजा प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्दछ ।

## परिच्छेद छ: पूर्वाधार विकास क्षेत्र

### ६.१ भवन, आवास, बस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण

#### ६.१.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिका, छिमकी गाउँपालिका तथा प्रदेश सरकारको संयुक्त प्रयासबाट गाउँपालिकाको केन्द्र सडक सञ्जालमा जोड्ने, योजनाबद्ध र व्यवस्थित हिमाली शहरी निर्माण, सुरक्षित आवास, सडक, पूल निर्माण तथा विद्युतीकरण जस्ता पूर्वाधार निर्माण प्रारम्भ भइ सञ्चालनमा रहेका छन्। राष्ट्रिय भूउपयोग नीति २०७२ तथा राष्ट्रिय भूमि ऐन, २०७६ बमोजिम गाउँपालिकालाई कृषि क्षेत्र, आवास क्षेत्र, औद्योगिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र, संस्थागत क्षेत्र र सो क्षेत्रहरूको बिचमा ग्रीन वेल्डको अवधारणा सहितको भूउपयोग क्षेत्र निर्धारण तथा योजना तर्जुमा भएको छ। यस गाउँपालिकामा मुसे तथा चौरीखर्कमा हिमाली शहरी विकासको लागि अध्ययन कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको छ। गाउँपालिकाको अन्य बस्ती तथा पर्यटकीय गाउँहरू संरक्षित र व्यवस्थित गर्ने कार्य सञ्चालन रहेका छन्। पर्यटकीय गाउँ, टोल र बजारमा पदमार्ग, बिजुली र खानेपानीका पूर्वाधार उपलब्ध रहेका छन् र उक्त सुविधाहरूको विस्तार र स्तरोन्नति र व्यवस्थित गर्ने प्रयास भैरहेको छ।

गाउँपालिकाको ५ वटा वडाहरू मध्ये वडा नम्बर २ र ५ वडा कार्यालयहरू आफ्नै भवनमा सञ्चालनमा रहेका र वडा नम्बर १, ३, ४ को वडा कार्यालय भवन निर्माणाधिन रहेका छन्। गाउँपालिकाबाट प्रदान गरिने सेवा प्रवाह र विकास निर्माण कार्यलाई एकीकृत, व्यवस्थित र सहज बनाउन स्थायी सुविधा सम्पन्न प्रशासकीय भवन निर्माणको लागि जग्गा व्यवस्थापन भइ डिपिआर तयार भएको छ। गाउँपालिकाको वडा नम्बर २ को गुमेलामा कोल्ड स्टोर निर्माण भएको छ भने कृषि उपज संकलन केन्द्र पनि निर्माण भैरहेका छन्। यस गाउँपालिकाभित्र कुल ३९ सार्वजनिक तथा सामुदायिक भवन रहेका छन्। यस्ता भवनहरूबाट ८,७२० जनसंख्या र ५०,००० पर्यटकहरू लाभान्वित हुने गरेका छन्।

यस गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने कूल घरपरिवार मध्ये ६८ प्रतिशत निजी आवास, ३० प्रतिशत (अर्थात ७३९) भाडामा र ३७ घरपरिवार संस्थागत घरमा बसोबास गरेको देखिन्छ। गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने कुल २४८९ घरपरिवार मध्ये छाना अनुसार ९३.९७ प्रतिशत जस्ताको, २.० प्रतिशत आरसिसि ढलान र ५.१४ प्रतिशत ढुङ्गा, काठ वा अन्य छानायुक्त घरमा बसोबास गर्दछन्। गाउँपालिकामा ६४ वटा सरकारी र सार्वजनिक भवन रहेकोमा ७५ प्रतिशत भवन भूकम्प प्रतिरोधी र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएको अभिलेखबाट देखिन्छ। यस गाउँपालिका क्षेत्रभित्र विभिन्न समाधिस्थल, शवदाहस्थल तथा कब्रस्थान रहेका छन्। गाउँपालिकामा २० भन्दा बढी पर्यटकीय, धार्मिक तथा ऐतिहासिक महत्वका विभिन्न मन्दिर गुम्बा तथा ४६ भन्दा बढी रमणीय तथा दर्शनीय क्षेत्रहरू रहेका छन्। पर्यटकीय क्षेत्रका रुपमा सगरमाथा, अन्य मेरापिक वेशक्याम्प र ट्रेकिङ तथा माउण्टेनियरिङ रूटहरू सञ्चालनमा रहेका छन्।

#### ६.१.२ समस्या तथा चुनौती

सरकारी, निजी तथा सार्वजनिक संरचना तथा भवनहरू भूकम्प प्रविधि हुन नसक्नु, कतिपय स्थानमा आवासीय घरहरू असुरक्षित र पहिरोको जोखिममा रहनु, स्थानीय भवन मापदण्ड तर्जुमा भए पनि पूर्णरूपमा लागू हुन नसक्नु, मौलिक शैलीका भवनहरू विस्थापित हुँदै जानु, स्थानीय दक्ष कामदारको कमी हुनु, बस्ती विकास योजना नहुनु, जोखिमयुक्त घना बस्ती, बजार तथा पानी जम्ने स्थानमा ढल निकास नहुनु आदि भवन आवास तथा बस्ती विकास क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन्।

मापदण्ड र भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि अनुसार भवन, बस्ती र संरचना पुनर्निर्माण सम्पन्न गर्नु, विपद तथा महामारीमा उपयोग गर्न आइसोलेसन सेन्टर निर्माण गर्नु, भवन संहिताको कार्यान्वयन गर्नु, मौलिक सस्कृतिको संरक्षण गरी संरचना निर्माण गर्नु, व्यवस्थित बस्ती विकास गर्नु, स्थानीय स्तरमा दक्ष जनशक्ति तयार गर्नु, गुणस्तरीय निर्माण सामग्री व्यवस्थापन गर्नु, पुनर्निर्माणमा संलग्न संस्थाहरू बीच समन्वय गर्नु आदि प्रमुख चुनौती रुपमा रहेका छन्। गाउँपालिकाको भूउपयोग क्षेत्र निर्धारण सहितको भूउपयोग योजना तर्जुमा नहुँदा बस्ती तथा भौतिक विकासलाई व्यवस्थित र भवन निर्माण मापदण्ड पालना गर्न गराउन कठिनाई देखिएको छ। यसबाट व्यवस्थित र सुरक्षित बस्ती तथा आवासको निर्माणमा चुनौती थपिएको छ। ढुवानी लागत (दर रेट र समय) बढी, मौसम प्रतिकूलता र तिब्र बसाइसराइ र दक्ष कामदार उपलब्धता यस क्षेत्रका अन्य चुनौतीहरू हुन्।

#### ६.१.३ संभावना तथा अवसर

पर्यटकीय आकर्षणको केन्द्र यस गाउँपालिकामा प्राकृतिक र सांस्कृतिक (पर्यापर्यटन) पूर्वाधार विकास र स्तरोन्नति र सेवा तथा सुविधाको विकास र विस्तार, बजार तथा भण्डार सुविधा, सामुदायिक भवन तथा अतिथि भवन, भरियाघर, योजनाबद्ध हिमाली शहर, गाउँ तथा

बस्ती विकास र विस्तारको अधिक संभावना रहेको छ । यसैगरी पर्यटकीय सेवा सुविधामा अन्य तहका सरकार, निजी क्षेत्र, गैसस र वाह्य लगानी र चासोमा वृद्धि हुदै जानु यस क्षेत्रको संभावनाको रूपमा रहेको छ ।

### ६.१.४ सोच

" भूउपयोग योजनामा आधारित सुरक्षित भवन, आवास र सार्वजनिक पूर्वाधार: व्यवस्थित र सुसंस्कृत हिमाली गाउँ-सहर"

### ६.१.५ लक्ष्य

- सुरक्षित आवास तथा व्यवस्थित, सुस्कृत हिमाली गाउँ-सहर विकास र विस्तार गर्ने ।

### ६.१.६ उद्देश्य

१. सुरक्षित, वातावरणमैत्री, व्यवस्थित आवास, बजार तथा सार्वजनिक पूर्वाधारको विकास गर्नु,
२. भवन, आवास, बस्ती विकास, हिमाली गाउँ-सहरलाई एकीकृत, सुरक्षित, व्यवस्थित, पर्यापर्यटनमैत्री बनाउनु ।

### ६.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ३९ : भवन, आवास, बस्ती विकास उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. सुरक्षित तथा सुविधायुक्त भवन, आवास र एकिकृत बस्तीको विकास गर्ने	<p>१.१ स्थानीय प्रकृति तथा संस्कृतिमैत्री भवन, बस्ती तथा गाउँ तथा शहरी विकास र निर्माण सम्बन्धी मापदण्ड तयार गरी सुरक्षित तथा सुविधायुक्त भवन, आवास र एकिकृत गाउँ, बस्ती र सार्वजनिक पूर्वाधारको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>१.२ भौतिक पूर्वाधार विकास आयोजनाको निर्माण र सञ्चालनमा सार्वजनिक निजी साझेदारीको अवधारणा लागू गर्न कानूनी र संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>१.३ गाउँपालिकाबाट सञ्चालन हुने पूर्वाधार विकाससम्बन्धी आयोजनामा अधिकतम जनसहभागिता प्रवर्द्धनका लागि नीतिगत, कानूनी र संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>१.४ राष्ट्रिय भवन संहिता, २०७२ प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न इञ्जिनियर, सवइञ्जिनियर, कन्सल्टेण्ट र निर्माण कार्यमा संलग्न दक्ष कामदारलाई सोसम्बन्धी तालिम प्रदान गरी प्रमाणपत्र दिने र प्रमाण पत्र प्राप्त प्राविधिक र दक्ष व्यक्तिहरूबाट मात्र निर्माण कार्य गर्ने गराउने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p> <p>१.५ उपभोक्ता समितिबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनामा अनिवार्य रूपमा प्राविधिक सुपरीवेक्षणको व्यवस्था गरिनेछ र आयोजना निर्माण गर्नु अघि उपभोक्ता समितिलाई प्राविधिक र व्यवस्थापकीय विषयमा तालिम प्रदान गरिनेछ ।</p>
२. वडा कार्यालयलाई सेवा प्रवाह केन्द्रको रूपमा विकास गर्ने,	<p>२.१ वडा कार्यालयमा यथेष्ट कर्मचारीको व्यवस्था गरी सेवा प्रवाहको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>२.२ सबै वडा कार्यालयहरूमा पूर्वाधार तथा संरचनाको विकास गरी आफ्नै भवनबाट प्रमुख विषय क्षेत्रको सेवा सुचारु गरिनेछ ।</p> <p>२.३ वडा कार्यालय भवन अपाङ्गमैत्री, बालमैत्री, ज्येष्ठ नागरिकमैत्री, महिलामैत्री र वातावरणमैत्री रूपमा निर्माण र सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>२.४ साहसिक, शैक्षिक, खेलकूद र साँस्कृतिक पर्यटकीय पूर्वाधार लगायत सेवा सुविधाको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</p> <p>२.५ गाउँपालिका मुख्य बजार, आवास क्षेत्रभित्रका मुख्यचोक, टोल/बस्तीमा प्रतिकालय र सडक बत्ती, हरियाली निर्माण कार्यमा तीव्रता दिइनेछ ।</p> <p>२.६ निश्चित मापदण्डको आधारमा वडास्तरबाटै योजना कार्यान्वयन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>२.७ मुख्य पूर्वाधार निर्माणमा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DRR) तयार गरी सोको आधारमा बजेट विनियोजन र कार्यान्वयनको व्यवस्था गरिनेछ ।</p>

रणनीति	कार्यनीति
३. भू-उपयोग नीति तथा योजनाको कार्यान्वयन गर्ने	<p>३.१ भू-उपयोग क्षेत्र निर्धारणको विस्तृत सर्वेक्षण र नक्शाकन गरिनेछ ।</p> <p>३.२ भू-उपयोग क्षेत्र निर्धारण गर्दा हरियाली प्रवर्द्धनमा जोड दिइनेछ ।</p> <p>३.३ भू-उपयोग योजनाअनुसार भूक्षेत्र निर्धारण गरी संरक्षण, व्यवस्थापन र उपयोग गरिनेछ ।</p> <p>३.४ गाउँपालिका क्षेत्रभित्रको सार्वजनिक तथा पर्ती जग्गाहरूको पहिचान, नक्शाकन र अभिलेख तयार गरी पार्क, खुल्ला क्षेत्र, पोखरी, खेलमैदान र अन्य व्यावसायिक आयोजनामा उपयोग गरिनेछ ।</p> <p>३.५ गाउँपालिका क्षेत्रमा नापी नक्शा, घरजग्गा, धनीपुर्जा, सडक र घर नम्बरलाई मिलान गरी भौगोलिक सूचना प्रणालीमा आधारित अद्यावधिक अभिलेख तयार गरिनेछ ।</p> <p>३.६ चौरीखर्क, मुसे, खुम्जुड र खुण्डे भ्याली नमूनाको रूपमा जग्गा एकीकरण, विकास र पूर्वाधार निर्माण गरी सुरक्षित र व्यवस्थित हिमाली शहरको रूपमा विकास गरिनेछ ।</p>
४. भूउपयोग क्षेत्र र भौतिक विकास गुरुयोजना तयार गरी सार्वजनिक निर्माण कार्यलाई व्यवस्थित गर्ने	<p>४.१ भू-उपयोग क्षेत्रअनुसार भौतिक निर्माणको योजना तर्जुमा र सोको आधारमा भवन, बाटो तथा अन्य सार्वजनिक पूर्वाधारको विस्तार, विकास र स्तरोन्नति गरिनेछ ।</p> <p>४.२ भवन निर्माणसम्बन्धी मापदण्डलाई प्रभावकारी रूपमा लागू गर्न भवन विभाग, सघन शहरी कार्यालय, नापी कार्यालय, सरोकारवाला निकायसँग समन्वय र साझेदारी गरी तालिम तथा सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>४.३ भू-उपयोग क्षेत्रअनुसार निर्धारण गरिएको कृषि क्षेत्रलाई वेचबिखन र प्लटिड लगायत जग्गा विकास लागि उपयोग गर्ने जग्गाको बेचबिखनमा रोक लगाउन आवश्यक कानूनी व्यवस्था गरिनेछ र कृषि कार्यमा प्रयोग गर्नेलाई प्रोत्साहन तथा सहूलियतको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>४.४ पदमार्ग, सडक, गाउँ, टोल तथा बस्तीमा प्रतिक्षालय वा वगैचा निर्माण कार्य सञ्चालन गरिनेछ।</p> <p>४.५ गाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेको सार्वजनिक जग्गाको लगत संकलन, नक्शाकन, अभिलेखकरण गरी कानूनअनुसार उत्पादन तथा आयमूलक क्षेत्रमा परिचालनको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>४.६ व्यवस्थित तथा योजनावद्ध गाउँ तथा शहरी विकासलाई प्रोत्साहित गर्न नमूना एकीकृत बस्ती विकास र सुरक्षित आवास निर्माण कार्य सञ्चालन गरिनेछ ।</p>
५. गाउँपालिकाको शहर एवं बजार उन्मुख क्षेत्रमा भौतिक योजना सहित बजारको पूर्वाधार विकास गर्ने	<p>५.१ भूउपयोगको आधारमा भू-उपयोग क्षेत्र निर्धारण तथा भौतिक विकास योजना तर्जुमा गरी योजनावद्ध तथा व्यवस्थित बस्ती विकासको आधार तयार गरिनेछ ।</p> <p>५.२ बजार तथा व्यावसायिक क्षेत्र, पार्क, मनोरञ्जन, खुल्ला क्षेत्र, आपतकालीन सामग्री भण्डार गृह लगायत सार्वजनिक पूर्वाधार विकासको लागि स्थान र जग्गाको व्यवस्था गरी निर्माण कार्य क्रमशः सञ्चालन गरिनेछ ।</p> <p>५.३ व्यवस्थित बस्ती विकास र बजार व्यवस्थापनका लागि आधारभूत पूर्वाधारहरूको निर्माण गरी नमूना बस्ती र बजारको विकास गरिनेछ ।</p> <p>५.४ बजार र बस्ती क्षेत्रमा खुल्ला स्थान समेत हरियाली पार्क, पोखरी र खुल्ला स्थान समेतको व्यवस्था गरिनेछ ।</p>

### ६.१.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ४० : भवन, आवास, बस्ती विकास उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्म को अनुमानित उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका आवास घर	प्रतिशत	१५	१८	२१	२४	२८	३२	४०	गाउँ प्रोफाइल

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवन र संरचना	संख्या	७५	७७	८०	८२	८४	८६	९०	गाउँ प्रोफाइल
चट्याङ रहित घर निर्माण	प्रतिशत	०	२	५	८	१०	१३	१५	गाउँ प्रोफाइल
भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण दक्ष व्यक्ति	जना	३५	३५	५०	५०	६०	६८	७५	गाउँ प्रोफाइल
मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका कार्यालय, विद्यालय तथा स्वास्थ्य भवन	प्रतिशत	८०	८२	८५	८८	९०	९३	९५	गाउँ प्रोफाइल
लैङ्गिकमैत्री तथा अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक भवन	संख्या	५	६	८	१०	१२	१४	१५	गाउँ प्रोफाइल

### ६.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ४९ : भवन, आवास, बस्ती विकास उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

रणनीति नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१	हिमाली शहर विकास आयोजना	व.मि.	२८१	७०१२५००	१	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
२	प्रशासकीय भवन निर्माण आयोजना	व.मि.	९३	१११०३८	१	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
२	कर्मचारी आवास भवन निर्माण आयोजना	व.मि.	९२	११००००	१	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
२	वडा कार्यालय भवन निर्माण आयोजना	व.मि.	६४	४९०३३	२	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
१	खरीखोला बसपार्क निर्माण आयोजना, वडा नम्बर १	व.मि.	३६०	९६०४८	४, ५	गाउँपालिका, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार
१	मेमोरियल पार्क निर्माण आयोजना, खुम्जुङ	व.मि.	५४	३००००	४	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
१	तेन्जिङ हिलारी पार्क निर्माण आयोजना	व.मि.	२९	४२७५	४	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
१	नाम्चे कन्फेरेन्स हल निर्माण आयोजना	व.मि.	१६०	१९१५०५	४	गाउँपालिका तथा नेपाल सरकार
१, २	सामुदायिक भवन, आवास र सार्वजनिक निर्माण अन्य कार्यक्रम	संख्या	१५	१४८८३२	१	गाउँपालिका, नेपाल सरकार र प्रदेश सरकार
<b>जम्मा</b>				<b>७७५३२३९</b>		

### ६.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकामा भूमीको वर्गीकरण सहित भूउपयोग योजना र आवास, बस्ती विकास तथा भवन निर्माण सम्बन्धी मापदण्ड तर्जुमा भइ सोको परिपालनामा अभिवृद्धि हुनेछ । आवास, बस्ती विकास तथा शहरीकरणका कारण फोहोरमैलाको विसर्जन अव्यवस्थित हुने र वातावरणीय प्रदूषणमा वृद्धि हुने जोखिम हुन सक्छ । व्यवस्थित आवास, बस्ती विकास तथा शहरीकरण प्रभावकारी कार्यान्वयनमा आउन नसकेको कारण आवास, बस्ती विकास तथा भवन निर्माण सम्बन्धी मापदण्डको कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण देखिन्छ ।

## ६.२ सडक, पुल तथा यातायात

### ६.२.१ विद्यमान अवस्था

आर्थिक वर्ष २०७९/८० को अन्त्यसम्म पनि गाउँपालिकाको केन्द्र सडक सञ्जालमा जोडिसकेको छैन । गाउँपालिकामा १४ कि.मि. पर्यटन सडक (मूल सडक) र २५ कि.मि. कृषि सडक (शाखा सडक) को ट्रायाक खुलेको छ । यसैगरी ट्रायाक ओपन भएका सडकमा करिब ५०० मिटर सडक नाली र केही स्थानमा सडक संरचना निर्माण भएको छ । गाउँपालिका जोड्न छिमेकी माप्या दुधकोशी गाउँपालिकाको ओर्लाङघाटमा पक्की निर्माण सम्पन्न भएको छ । यस गाउँपालिकामा कुल १६ वटा पैदलमार्ग रहेका छन् । जस्को कुल

लम्बाई १६० कि.मि. रहेको छ । गाउँपालिकाको ५ वडाहरू मध्ये १ वडा मात्र कच्ची सडकको सञ्जालमा जोडिएको र बाँकी ४ वडा सडक सञ्जालसँग जोडिन सकेका छैनन् ।

### ६.२.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाको केन्द्र सडक सञ्जालमा हालसम्म नजोडिनु, निर्माण भएका र निर्माणाधिन सडकमा पुल तथा कल्भर्ट लगायतका संरचनामा कमी हुनु, निर्माण भएका सडकहरू कम चौडा हुनु, सडक लाइनको ज्यामिती नमिल्नु, धुले अवस्था कायम रहनु तथा निर्माण भएका सडकमा वाह्रै महिना यातायात सञ्चालन नहुनु, सडकमा काम गर्ने दक्ष कामदारहरूको कमी हुनु, पदमार्गहरू, घोडेटोहरू, गोरेटोहरूको स्तरोन्नति र व्यवस्था पन हुन नसक्नु, सडक, पुल तथा संरचना निर्माणमा नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको ध्यान जान नसक्नु र सम्बन्धित निकायहरू बीच समन्वयको कमी हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

गाउँपालिकाको केन्द्र सडक सञ्जालमा जोड्नु, निर्माण भएको सडकको स्तरउन्नत गरी सर्वयाम यातायात चल्ने बनाउनु, सडक निर्माणमा सहभागितात्मक र वातावरणमैत्री अवधारणा अनुसार सडकहरूको निर्माण कार्य सम्पन्न गर्नु, सगरमाथा वेशक्याम लगायत रणनीतिक महत्वका स्थानहरूमा पदमार्गहरूको विस्तार र स्तरोन्नति गर्नु, मापदण्ड अनुरूपको दुरीको फेरोमा सडक पुल तथा झोलुङ्गे पुलहरू निर्माण गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

### ६.२.३ संभावना तथा अवसर

यस गाउँपालिकाको लुक्लामा सर्ट टेकअफ एण्ड ल्याण्डिङ प्रविधिमा आधारित एक पक्की एयरपोर्ट सञ्चालनमा रहेको छ, जहाँ सङ्घीय राजधानी काठमाण्डौबाट दैनिक उडान हुने गरेका छन् । यसैगरी वडा नम्बर ४ को स्याङवोचेमा पनि जिर्ण अवस्थामा सर्ट टेकअफ एण्ड ल्याण्डिङ प्रविधिमा आधारित कच्ची हवाईमैदान रहेको छ । यस हवाईमैदानको विस्तार र स्तरोन्नति गर्न पहल हुन सकेको छैन । यस गाउँपालिका क्षेत्रका एभरेष्ट वेशक्याम्प, त्याङवोचे, लोवुचे, गोक्योताल, खुम्जुङ, थामे, नाम्चे, लुक्ला, सुर्के र खरीखोला लगायतका स्थामा हेलीप्याड सञ्चालनमा रहेका छन् । यसैगरी पर्यटकीय गन्तव्य तथा हवाईमार्ग र पैदल मार्गबाट यस गाउँपालिकाको सङ्घीय राजधानी काठमाण्डौ र प्रदेश राजधानी विराटनगर तथा तराइसँग अन्तरआवद्धता रहेको छ ।

### ६.२.४ सोच

“पर्यापर्यटकीय गन्तव्य, खुम्बु क्षेत्रको आधार: सुलभ, स्तरीय, वातावरणमैत्री र दिगो सडक तथा यातायात पूर्वाधार”

### ६.२.५ लक्ष्य

- गाउँपालिकाबासी तथा पर्यटकहरू वस्तु तथा सेवा सुविधाको पहुँच सहज र लागत मूल्य घटाउने ।

### ६.२.५ उद्देश्य

१. सडक, पुल तथा संरचनाको विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्नु,
२. स्थानीय यातायातलाई सर्वसुलभ, भरपर्दो, सुरक्षित, वातावरणमैत्री र व्यवस्थित बनाउनु,
३. आवागमन तथा ढुवानीलाई सहज व्यवस्थित बनाउनु,
४. स्थानीय उत्पादन, सेवा तथा सुविधा र बजारबीच अन्तरआवद्धता कायम गर्नु ।

### ६.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ४२ : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. अन्तर-सरकार, निजी क्षेत्रको साझेदारी र सहकार्यमा सडक, पुल र संरचना निर्माण, विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने	१.१ प्रहरी, प्रशासन, टोल विकास संस्थाहरू र नागरिक समाजसँग समन्वय र सहकार्य गरी सडक अधिकार क्षेत्रको अतिक्रमण हटाइनेछ । १.२ परम्परागत रूपमा रहेका पदमार्ग, सडक, बाटो तथा गल्लीहरूको अतिक्रमण हटाउन विशेष पहल गरिनेछ । १.३ गाउँपालिका क्षेत्रभित्रको पदमार्ग तथा सडकलाई जिआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) मा आवद्ध गरी नामाकरण, सांकेतिकरण तथा अभिलेखीकरण गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.४ स्थानीय श्रोतसाधन, सीपको प्रयोगबाट सञ्चालन हुने, स्थानीय जनतालाई प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने आयोजना र उपभोक्ताको लागत साझेदारी हुने आयोजनालाई प्राथमिकता दिई निर्माण तथा सञ्चालन गरिनेछ ।
२. गाउँपालिका केन्द्र र बजारसम्म पहुँच हुने गरी पक्की सडकको सञ्जालको विस्तार गर्ने	२.१ गाउँपालिकाको केन्द्र एवम् एक भन्दा बढी वडाहरू जोड्ने रणनीतिक सडकहरूको प्राथमिकीकरण गरी सहायक संरचना समेत चरणबद्ध रूपमा प्राभेल, कालोपत्रे र ढलान गरिनेछ । २.२ वडाको केन्द्र, बजार क्षेत्र, पर्यटकीय तथा व्यावसायिक केन्द्रहरूलाई पक्की सडक सञ्जालमा आवद्ध गरी आवागमन सुचारु गरिनेछ । २.३ सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन योजनासँग सामञ्जस्यता कायम गरी संभाव्य स्थानहरूमा सडकको पहुँच पुर्याउन सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ ।
३. सडक तथा संरचना निर्माणलाई वातावरणमैत्री, उत्थानशील र दिगो बनाउने	३.१ वातावरणीय अध्ययन पश्चात विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गरेर मात्र सडक निर्माण, विस्तार र स्तरोन्नति गरिनेछ । ३.२ पदमार्ग तथा सडकको कारणले हुने भू-क्षयलाई कम गर्न वायोइन्जिनियरीड प्रविधिमा जोड दिईनेछ । ३.३ गाउँपालिका क्षेत्र भित्रको मूल तथा सहायक सडकहरूको दायाँ बायाँ दुबै तर्फ वृक्षारोपण गरी सडक संरक्षण र सुन्दरता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
४. सडक गुरुयोजना अनुसार रणनीतिक सडकको पहिचान, मापदण्ड निर्धारण, नामाकरण तथा प्राथमिकता निर्धारण गर्ने,	४.१ स्थानीय सडकको मापदण्ड र स्तर निर्धारण, नक्शाकन, वर्गीकरण, नामाकरण र प्राथमिकता निर्धारण सहित सडक, पुल र यातायातको विकास र विस्तारलाई सुव्यवस्थित बनाउन यातायात गुरुयोजना तयार गरी सोअनुसार सडक, पुल, पदमार्ग निर्माण, स्तरोन्नति तथा यातायात सञ्चालनलाई व्यवस्थित गरिनेछ । ४.२ यातायात गुरुयोजनाअनुसार सडकको मापदण्ड, नामाकरण, रेखाङ्कन र प्राथमिकता निर्धारण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । ४.३ यातायात गुरुयोजनाको शिघ्र निर्माण र नियमित रूपमा अद्यावधिक गरी सोको प्राथमिकताअनुसार सडक निर्माण, विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ । ४.४ पदमार्ग, सडक तथा सार्वजनिक स्थानमा निर्माण सामग्री तथा अवरोध पुऱ्याउने खालका अन्य सामग्रीहरू राख्नेलाई कानूनअनुसार कारवाही गरी आवागमनलाई सहज बनाइनेछ । ४.५ बसपार्क तथा बिसौनी, सवारी साधन पार्किङ्ग स्थल, सवारी साधन सेवा केन्द्र समेत सवारी साधन व्यवस्थापनको लागि उपयुक्त स्थानमा पूर्वाधार निर्माण र व्यवस्थापन गरिनेछ ।
५. सडक तथा संरचना निर्माण र मर्मतसंभारलाई नियमित र व्यवस्थित गराउने तथा यातायात संचालन र व्यवस्थापन प्रणाली सुदृढ बनाउने,	५.१ पर्यटन तथा कृषि सडक लगायत रणनीतिक सडकहरूको प्राथमिकताअनुसार आवश्यक संरचना समेत क्रमशः प्राभेल, सोलिड र पिच र ढलान गर्दै स्तरोन्नति गर्दै लगिनेछ । ५.२ सडक सञ्जाल निर्माण गर्दा पर्यटन, कृषि तथा व्यापार व्यवसायको समेत प्रवर्द्धन हुने गरी निर्माण र स्तरोन्नति गरिनेछ । ५.३ मापदण्डअनुसार चौडा गरी नाला, सडक पेटी, पुल तथा कल्भर्ट लगायतका सडकको सहायक संरचना समेत सडकको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
६. पर्यटन, कृषि, व्यापार, व्यवसाय विकास, विस्तार तथा सामाजिक सेवा प्रवाहलाई सहज र सुलभ हुने गरी गुणस्तरीय, वातावरणमैत्री र उत्थानशिल सडक, पुल, ट्रेल तथा संरचना विकास गर्ने	६.१ पदमार्ग तथा सडक सञ्जाल निर्माण गर्दा यातायातलाई पर्यटन तथा आर्थिक प्रणालीसँग आवद्ध गरी पूर्वाधार र आर्थिक विकासलाई सँगसँगै लैजान, पर्यटन पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधा, कृषि उत्पादन र बजारीकरण, व्यापार र व्यवसायलाई प्राथमिकतामा राखी सडक तथा यातायातका पूर्वाधारको विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्दै लगिनेछ । ६.२ पर्यटन, कृषि, व्यापार तथा व्यवसाय सृजना, विकास, विस्तार तथा सामाजिक सेवा प्रवाहलाई सहज र सुलभ हुने सडक, पुल तथा पदमार्ग जस्ता पूर्वाधार तथा संरचना निर्माण, स्तरोन्नति र सञ्चालनमा जोड दिइनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	६.३ वडा नम्बर १, २ र ३ मा सडक निर्माण, विस्तार र स्तरोन्नतिसँग कृषि, पशु विकास, उद्योग व्यवसाय विकासका प्याकेज कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।

## ६.२.८ अपेक्षित नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ४३ : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
गाउँपालिका केन्द्रमा पुग्ने लाग्ने औषत समय	मिनेट	७२०	७००	६८०	६६०	६४०	६२०	६००	गाउँ प्रोफाइल
नियमित यातायात सञ्चालन हुने रुट	संख्या	१	२	२	२	२	२	३	गाउँ प्रोफाइल
पक्की सडक	कि.मि.	०	०	२	४	६	८	१०	गाउँ प्रोफाइल
कच्ची सडक	कि.मि.	२५	३९	४३	५०	६२	७०	८०	गाउँ प्रोफाइल
पक्की पुल	संख्या	१	१	१	२	३	४	५	गाउँ प्रोफाइल
नियमित मर्मत संभार हुने सडकको लम्बाई	कि.मि.	०	५	१०	१५	२०	२५	३०	गाउँ प्रोफाइल
वायोइन्जिनिरिङ्ग प्रविधि प्रयोग र सडक किनार वृक्षारोपण सडक लम्बाई	कि.मि.	०	०	०.२	०.५	०.८	१	१.५	गाउँ प्रोफाइल
कुल सडक लम्बाई	कि.मि.	२९	३५	४०	४५	५०	५५	६०	गाउँ प्रोफाइल

## ६.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ४४ : सडक पुल यातायात उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

रणनीति नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक लक्ष्य	कुल लागत (रु.हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी
१-४	डिम दोर्जी शेर्पा पर्यटन सडक (ओर्लाडघाट चौरीखर्क) आयोजना	कि.मि.	१४	१३१२५०	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	खरीखोला पाङ्गम युल्लाड भालुखोप कृषि सडक निर्माण आयोजना	कि.मि.	२५	४५००००	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	खरीखोला सडक पुल निर्माण आयोजना, वडा नं. १	संख्या	१	६४६९२	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	पैयाँखोला सडक पुल निर्माण आयोजना, वडा नं. १	संख्या	१	४७९९३	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	सूकैखोला सडक पुल निर्माण आयोजना, वडा नं. २	संख्या	१	७८१८४	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	हाडीखोला सडक पुल निर्माण आयोजना, वडा नं. २	संख्या	१	८१०२१	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	थुक्लाखोला झोलुङ्गे पुल निर्माण आयोजना	संख्या	१	४२००५	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
१-४	सडक, पुल तथा यातायात सालबसाली कार्यक्रम	वर्ष	५	४०५०८	१-६	गाउँपालिका, प्रदेश र नेपाल सरकार
	<b>जम्मा</b>			<b>९३५६५३</b>		

## ६.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय सरकारका योजना, नीति तथा कार्यक्रमबीच अन्तरसम्बन्ध, समन्वय र सहकार्य हुने गरी आयोजना कार्यक्रम छनौट र कार्यान्वयन हुनेछ। गाउँपालिकाले चालु तथा क्रमागत, बहुवर्षीय, विस्तृत आयोजना प्रस्ताव तयार भएका, कार्यान्वयनका लागि तयारी अवस्थामा रहेका आयोजना तथा कार्यक्रममा प्राथमिकतासाथ बजेट विनियोजन गरी कार्यान्वयन गर्नेछन्। सडक पूर्वाधार निर्माण दक्ष प्राविधिकबाट विस्तृत संभाव्यता अध्ययन तथा आर्थिक र वातावरणीय पक्षको अध्ययनका आधारमा हुन नसकेमा आयोजना कार्यान्वयन प्रभावकारी नहुने जोखिम रहन्छ।

## ६.३ जलस्रोत, विद्युत तथा स्वच्छ उर्जा

### ६.३.१ विद्यमान अवस्था

यस गाउँपालिका क्षेत्रभित्र दुधकोशी, खरीखोला, पैयाखोला, सुर्केखोला, बोमखेला, ठाडोकोशी मञ्जुखोला, खुम्बु हिमनदी लगायत दुई दर्जन भन्दा बढी नदी तथा खोलाहरू रहेका छन्। गाउँपालिका क्षेत्रको करिब ९५ प्रतिशत घरपरिवारमा विद्युत सुविधा उपलब्ध छ। खाना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा दाउरा उपयोग गर्ने घरपरिवार संख्या ३० प्रतिशत र खाना पकाउन तथा कोठा तातो राख्नका लागि एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने जनसङ्ख्या ५३ प्रतिशत रहेको छ। खाना पकाउन विद्युतको उपयोग गर्ने जनसङ्ख्या १५ प्रतिशत रहेको छ। सोलार उपयोग गर्ने परिवार संख्या ५ प्रतिशत रहेको छ। हाल यस क्षेत्रमा कुल ११ वटा लघु तथा साना जलविद्युत आयोजना बाट कुल १.५३ मेघावाट जलविद्युत उत्पादन भइ स्थानीयस्तरमा उपयोग भएको छ। हाल केन्द्रिय विद्युत प्रसारण प्रणालीमार्फत विद्युत सुविधा विस्तारका लागि सर्वेक्षण कार्य समेत सम्पन्न भइ विस्तारको तयारीमा रहेको छ।

### ६.३.२ समस्या तथा चुनौती

यस गाउँपालिकामा अझै पनि केन्द्रिय प्रसारण लाइनको विद्युत सेवासँग पहुँच पुगेको छैन। गाउँपालिकाको केही बस्तीहरू छरिएर रहेको कारण विद्युत प्रसारण लाईन पुऱ्याउन कठिन र खर्चिलो हुने गरेको छ। विद्युत सुविधा पुगेको स्थानहरूमा समेत ट्रान्समिटरको क्षमता र ट्रान्समिसन लाईन गुणस्तरीय बनाई विद्युत प्रसारण र वितरण हुन सकेको छैन। ग्रामीण क्षेत्रहरूमा पर्यटन व्यवसाय, उद्योग तथा व्यापार सञ्चालन, सिंचाईको लागि प्रयोग गर्न आवश्यक पर्ने श्रिफेजको केन्द्रिय प्रसारण लाईनको कमी रहेको छ। गाउँपालिकाको प्रमुख गाउँ/टोल, बजार, ट्रेकिङ टेल, चोक र स्थानमा सोलार प्रणालीमा आधारित सडक वत्तीको सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन।

गाउँपालिका क्षेत्रमा विकास निर्माणका क्षेत्रमा कार्य गर्ने निकायहरू बीचको समन्वय र सहकार्य विकासको प्रमुख चुनौतीको रूपमा देखिएको छ। बिद्युत आपूर्तिमा नियमितताको हुन नसक्नु, स्थानीय स्तरमा रहेका नदी तथा खोलाहरूबाट जलबिद्युत उत्पादन संभाव्यताको पूर्ण उपयोग गर्नु, नेसनल ग्रिडबाट उपलब्ध बिद्युतको नियमित प्रसारण गरी दिगो बिद्युत सेवा उपलब्ध गराउनु, बिद्युतको प्रयोग उद्योग क्षेत्रमा बिस्तार गर्नु, स्वच्छ र किफायती उर्जामा सबैको पहुँच पुऱ्याउनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन्।

### ६.३.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र विद्युत उत्पादनका लागि उपयुक्त हुने २ दर्जन भन्दा बढी ठाडो नदी तथा खोलाला विद्यमान हुनु, विभिन्न स्थानमा लघु तथा साना जलविद्युत आयोजनाहरूबाट विद्युत उत्पादन हुनु, निजी क्षेत्रबाट मझौला जलविद्युत आयोजना सञ्चालनमा रहनु, गाउँपालिकाका सीमासम्म कच्ची सडक सञ्जालको पहुँच विस्तारले विद्युत उत्पादन लागतमा कमी गर्न सम्भव हुनु, हवाईमैदान, हेलीप्याड जस्ता यातायातका पूर्वाधार निर्माण र सेवा सञ्चालन हुनु, नविकरणीय तथा वैकल्पिक उर्जाका लागि सङ्घीय सरकार, निजी क्षेत्रबाट सरकारबाट सहयोग र कार्यक्रम सञ्चालन हुनु आदि यस विषय क्षेत्रका मुख्य संभावना तथा अवसरहरू हुन्।

### ६.३.४ सोच

“उज्यालो र समुन्नत खुम्बु”

### ६.३.५ लक्ष्य

- स्वच्छ उर्जाको उत्पादन तथा केन्द्रिय प्रसारण लाइनको विद्युत सुविधा उपलब्ध हुने।

### ६.३.६ उद्देश्य

१. विद्युतको उत्पादन, उपलब्धता, गुणस्तर र उपभोगमा वृद्धि गर्नु,

२. स्वच्छ उर्जाको प्रवर्द्धन, विस्तार र उपयोगमा वृद्धि गर्नु,
३. जलस्रोतको संरक्षण र उपभोगमा वृद्धि गर्नु ।

### ६.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ४५ : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. गाउँपालिकालाई केन्द्रिय प्रसारण लाइनसँग जोड्ने	<ol style="list-style-type: none"> <li>१.१ गाउँपालिकालाई केन्द्रिय प्रसारण लाइनसँग जोड्न र विस्तार गर्न विद्युत प्राधिकरण तथा नेपाल सरकारसँग समन्वय र पैरवी गरिनेछ ।</li> <li>१.२ स्थानीय उत्पादनलाई केन्द्रिय प्रसारण लाइनमा जोड्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>१.३ खुलातार प्रणालीलाई केबल प्रणालीमा रूपान्तरणको लागि सम्बन्धित निकायसँग पैरवी र साझेदारी गरिनेछ ।</li> <li>१.४ केन्द्रिय प्रसारण लाइन पुगेका विद्युत सेवा अवरुद्ध हुने स्थानहरूमा विद्युतको क्षमता (Voltage) विस्तार र अन्य स्थानमा वद्युत लाइन विस्तार गर्न नेपाल विद्युत प्राविधिकरणसँग समन्वय तथा साझेदारी गरिनेछ ।</li> </ol>
२. विद्युत उत्पादन तथा उपभोग बढाउने	<ol style="list-style-type: none"> <li>२.१ निर्माणाधिन हाइड्रोपावर आयोजना समयमा सम्पन्न गर्न सहजीकरण गरिनेछ र प्रस्तावित विद्युत आयोजनामा साझेदारीमा लगानी गरी सञ्चालन गर्न प्राथमिकता प्रदान गरिनेछ ।</li> <li>२.२ विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय र लागत साझेदारीमा विद्युत लाईनको क्षमता विस्तार, जिर्ण पोल र तार मर्मत गरिनेछ ।</li> <li>२.३ घना बस्ती र बजार क्षेत्रमा विद्युत लाईनलाई अण्डरग्राउण्ड प्रणालीमा रूपान्तरण गर्न विद्युत प्राधिकरण र नेपाल सरकारसँग पैरवी गरिनेछ ।</li> <li>२.४ विद्युतको उपयोग बढाउन समुदाय र व्यवसायहरूमा सचेतना तथा प्रोत्साहन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> </ol>
३. नविकरणीय तथा स्वच्छ उर्जाको उत्पादन तथा उपयोग वृद्धि गर्न सङ्घ र प्रदेश सरकारका सम्बन्धित निकायहरूसँग सहकार्य तथा साझेदारी गर्ने	<ol style="list-style-type: none"> <li>३.१ वैकल्पिक उर्जासम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड र योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र नियमनको व्यवस्था गरी स्वच्छ उर्जामा पहुँच वृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>३.२ दाउरा र जैविक उर्जाको प्रयोगलाई कम गर्दै लैजान, सुधारिएको चुलो, बायो ब्रिकेट, विद्युत चुल्हो र सोलार प्रणालीको प्रवर्द्धन एवं विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>३.३ गरिब तथा विपन्न वर्गसम्म नवीकरणीय ऊर्जा प्रविधिको सुलभ पहुँच पुऱ्याउन प्रवर्द्धनात्मक र प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>३.४ नविकरणीय उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरी प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</li> </ol>
४. जलस्रोत संरक्षण र उपयोगमा समुदाय, निजी क्षेत्र र गैसस परिचालन गर्ने	<ol style="list-style-type: none"> <li>४.१ जलस्रोत संरक्षण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, कानून, कार्यक्रम र कार्यविधि तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>४.२ जलस्रोतको उपलब्धता, संरक्षण र दिगो तथा बहुउपयोग सम्बन्धी योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा सहजीकरण गरिनेछ ।</li> <li>४.३ जलस्रोतको संरक्षण र दिगो उपयोगको लागि अन्तर सरकार, समुदाय, निजी क्षेत्र तथा गैसससँग समन्वय, सहकार्य र साझेदारी गरिनेछ ।</li> <li>४.४ स्थानीय समुदाय, निजी क्षेत्र तथा गैसससँग समन्वय गरी जलप्रदुषण नियन्त्रण सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गरिनेछ ।</li> </ol>

### ६.३.८ अपिक्षत नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ४६ : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
विद्युतमा पहुँच भएका जनसङ्ख्याको अनुपात	प्रतिशत	७५	७८	८०	८४	८८	९२	९५	गाउँ प्रोफाइल
खाना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा कोइला, दाउरा, गुइँठा लगायतका ठोस इन्धन प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत	२९	२८	२७	२६	२४	२२	२०	गाउँ प्रोफाइल
खाना पकाउन र कोठा तातो राख्नका लागि एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने जनसङ्ख्या	प्रतिशत	५३	५४	५२	४६	३५	३०	२५	गाउँ प्रोफाइल
खाना पकाउन विद्युतको उपयोग गर्ने जनसङ्ख्या	प्रतिशत	१५	१६	१८	२२	२५	३०	३५	गाउँ प्रोफाइल
सोलार उपयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत	५	५	६	७	८	१०	१५	गाउँ प्रोफाइल

### ६.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ४७ : जलश्रोत विद्युत तथा उर्जा उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाई	कुल भौतिक कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश तथा नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१	मञ्जोखोला मिनि हाइड्रो आयोजना	कि.वा.	९४२	५७८५८२	२	निजी क्षेत्र, गाउँपालिका र समुदाय
१	आमादब्लम मिनी जलविद्युत आयोजना	कि.वा.	९११	६५००००	२	निजी क्षेत्र, गाउँपालिका र समुदाय
१	जलस्रोत व्यवस्थापन कार्यक्रम	वर्ष	५	९०००	४	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
३	विद्युत विस्तार तथा उपयोग प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	३००००	२	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
१	नवीकरणीय तथा स्वच्छ उर्जा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	१२०००	३	गाउँपालिका र नेपाल सरकार
<b>जम्मा</b>				१२७९५८२		

### ६.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

केन्द्रिय विद्युत प्रसारण प्रणालीको विद्युत सुविधा विस्तार भइ विद्युत तथा स्वच्छ उर्जाको उपलब्धता र उपयोग सहज भएको हुनेछ । जलाधार क्षेत्रको संरक्षणमा अन्तर सरकार सहकार्य तथा समुदायस्तरको जागरुकतामा अभिवृद्धि भएको हुनेछ । उपरोक्त परिवेश तयार हुन नसकेमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुनमा जोखिम रहन सक्छ । राष्ट्रिय प्रसारण लाइनको पहुँचसँगै साना जलविद्युत आयोजनाको विद्युत उपयोगमा नआइ खेर जान सक्ने जोखिम रहन सक्छ ।

### ६.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

#### ६.४.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाको लगभग सबै क्षेत्र मोबाइल टेलिफोन र ५ वटा वडा कार्यालय, १७ वटा माद्यामिक विद्यालय र ६ वटा स्वास्थ्य संस्थामा इन्टरनेट सुविधाको पहुँच रहेको देखिन्छ । गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये ९४ प्रतिशत जनसंख्यासँग मोबाइल तथा ४४४ घरपरिवारमा ल्याण्डलाइन टेलिफोन उपलब्ध रहेको देखिन्छ । गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने कुल घरपरिवार मध्ये ६९ प्रतिशतसँग टेलिभिजन तथा कम्प्युटर, ३१ प्रतिशत परिवारमा कम्प्युटरमा आधारित इन्टरनेट सेवाको पहुँच उपलब्ध रहेको देखिन्छ । गाउँपालिकाको पहलमा इन्टरनेट सेवाको पहुँच बढाउनुको साथै अन्य सूचना तथा संचारमा सुविधाको विकासलाई बढोत्तरी गर्ने कार्यक्रम तयार भइ

कार्यान्वयन गरिएका छन्। गाउँपालिकामा इन्टरएक्टिभ वेवसाइट, मोबाइल एप्स र विभिन्न ९ प्रकारका सूचना व्यवस्थापन प्रणाली तथा सफ्टवेयर जडान भई शासन सञ्चालन र सेवा प्रवाहलाई विद्युतीय प्रणालीमा आधारित बनाउँदै लाने प्रयास गरिएको छ। इन्टरएक्टिभ वेवसाइट र मोबाइल एप्स, स्थानीय रेडियो तथा टेलिभिजन तथा राष्ट्रियस्तरका रेडियो र टेलिभिजन, पत्रपत्रिका र अनलाईन मार्फत सूचनाहरू नियमित रूपमा अद्यावधिक, प्रकाशन र प्रसारण भैरहेको छ।

#### ६.४.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाभित्रका केही घरपरिवारका सदस्यहरूसँग अझै पनि मोबाइल फोनमा पहुँच नभएको अवस्था छ भने करिब ५५ प्रतिशत घरपरिवारमा कम्प्युटर तथा इन्टरनेटको पहुँच नभएको देखिन्छ। कतिपय बस्ती र स्थानहरूमा मोबाइल टेलिफोन सेवाको गुणस्तर कमजोर रहेको छ। गाउँपालिका क्षेत्रभित्र सबै वडा कार्यालय, सामुदायिक, विद्यालय, स्वास्थ्य संस्था, बजार र पर्यटकीय गाउँ तथा टोलहरूमा इन्टरनेट सुविधा तथा सेवा पुगेको भए पनि सेवाको गुणस्तर कमजोर रहेको छ। विद्यालय, स्वास्थ्य संस्था र वडा कार्यालयहरूमा पावर व्याकअप सहित सूचना प्रविधिमा आधारित सेवा सुचारु हुन सकेको छैन। हालसम्म गाउँपालिकामा सबै वडा, विद्यालय तथा स्वास्थ्य संस्था, बजार र पर्यटकीय गाउँ तथा टोलहरूमा ल्याण्डलाइन टेलिफोन र केबल प्रणालीमा आधारित इन्टरनेट र टेलिफोनको व्यवस्था हुन सकेको छैन। गाउँपालिकामा एफ.एम रेडियो स्टेशन र सञ्चारका साधनको विस्तार हुन सकेको छैन।

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र ल्याण्डलाइन टेलिफोन सेवाको पहुँच कम हुनु, मोबाइल तथा इन्टरनेट सेवाको गुणस्तरीय पहुँच कमजोर हुनु, इन्टरनेट प्रदायक संस्थाहरूको सेवा विश्वसनीय हुन नसक्नु, स्थानीय स्तरमा पत्रपत्रिका प्रकाशन शुरु हुन नसक्नु, वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालयहरूमा इन्टरनेट सुचारु हुन नसक्नु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याको रूपमा रहेका छन्। सबै खाले संचार माध्यमहरूको पहुँच विस्तार गर्नु, मोबाइल, इन्टरनेट र वाइफाईको क्षमता विस्तार गर्नु, गाउँपालिका र वडाहरू बीच सूचना सञ्जालीकरण गर्नु, सबै तथ्यांक र सूचनालाई विद्युतीय प्रणालीमा आवद्ध गर्नु, अनलाईन प्रणाली मार्फत सेवा प्रवाह गर्नु, स्थानीय पत्रिका प्रकाशन र एफ.एम संचालन गर्नु आदि यस क्षेत्रका वद्यमान प्रमुख चुनौती हुन्।

#### ६.४.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिका वडा नम्बर २ मा नेपाल टेलीकमको कार्यालय रहनु, लुक्ला, चौरीखर्क र नाम्चे लगायतका स्थानमा ल्याण्डलाइन टेलीफोन टावर सञ्चालन स्थापना हुनु, निजी क्षेत्रका टेलीफोन र इन्टरनेट सेवा प्रदायकबाट सेवा सञ्चालन हुनु, पर्यटकीय रूट तथा गाउँ शहर, बजारमा इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध हुनु, गाउँपालिकाबासी तथा सेवा प्रदायकमा सूचना प्रविधिको प्रयोग बढ्दै जानु यस विषय क्षेत्रका प्रमुख संभावना तथा असरहरू हुन्।

#### ६.४.४ सोच

“सूचना प्रविधिमैत्री सेवा: सुशासनमा टेवा”

#### ६.४.५ लक्ष्य

- सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार, गुणस्तर तथा उपभोगमा बृद्धि गर्ने।

#### ६.४.६ उद्देश्य

१. आधुनिक सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु,
२. सूचना प्रविधिलाई सुरक्षित, उपयोगी, भरपर्दो सहज बनाउनु,
३. स्थानीय सेवा प्रवाहलाई सूचना प्रविधिमा आधारित बनाउनु।

#### ६.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ४८ : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. गाउँपालिकाको शासन सञ्चालन, सेवा प्रवाह र विकास कार्यमा सूचना	१.१ स्थानीय सेवा प्रवाहलाई सहज बनाउन विद्युतीय खरिद प्रणाली, योजना, अनुगमन, प्रशासन तथा प्रतिवेदन लगायत सेवा प्रवाहमा विद्युतीय सुशासन लागू गरिनेछ।

रणनीति	कार्यनीति
तथा सञ्चार प्रविधिको उच्चतम प्रयोग गर्ने	१.२ गाउँ कार्यपालिका कार्यालयमा सूचना केन्द्र स्थापना गरी सूचना प्रविधिमेत्री बनाइने तथा एकीकृत रूपमा स्थानीय तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गरिनेछ । १.३ प्रत्येक वडा कार्यालयमा सूचना केन्द्र स्थापना गरी सूचना संकलन तथा विश्लेषणलाई संस्थागत गरी सूचना प्रवाहलाई व्यवस्थित गरिनेछ ।
२. सूचना तथा सेवा प्रवाहलाई सूचना प्रविधिसँग आवद्ध गर्ने	२.१ स्थानीय सूचना व्यवस्थापन प्रणाली तयार गरी सूचना प्रविधिमा आधारित सेवा प्रवाह र विकास कार्य सञ्चालनको व्यवस्था गरिनेछ । २.२ सामाजिक सञ्जालको प्रयोगलाई समाज अनुकूल र रचनात्मक बनाउन पहल गरिनेछ । २.३ कार्यपालिका तथा वडा कार्यालयलाई प्रविधिमेत्री बनाउन र पर्यटकीय तथा बजार क्षेत्रलाई फ्री वाईफाई जोन (free wifi zone) बनाउन आवश्यक व्यवस्था गरिनेछ । २.४ पूर्वाधार आयोजनामा प्रविधिमेत्री एप्लिकेसन वा औजार जस्तै: SOLSTIC/MIMS मार्फत अनुगमन कार्यलाई अझ बढी प्रभावकारी र पारदर्शी बनाइनेछ ।
३. गाउँपालिकाको सूचना तथा सञ्चार प्रणालीलाई सबल र प्रभावकारी बनाउने	३.१ सम्पादित आयोजना तथा कार्यक्रम, गतिविधि, उपलब्धि प्रकाशन र प्रसारणको लागि सूचना र सञ्चार प्रविधिको अधिकतम उपयोग गरिनेछ । ३.२ गाउँपालिकाको मुखपत्र प्रकाशन मार्फत नियमित सूचना प्रवाहको व्यवस्था मिलाइनेछ । ३.३ पदाधिकारी र सेवाग्राही बीच रेडियो, टिभी र सामाजिक सञ्जालको माध्यमबाट नियमित रूपमा संवाद कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । ३.४ स्थानीय नीति, कानून, कार्यविधि, निर्णय, विकास कार्य सञ्चालन, उपलब्धि, सफल अभ्यासबारे अन्तरसंवाद, पत्रपत्रिका, रेडियो र टिभि नियमित प्रकाशन र प्रसारणको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
४. पर्यटकीय सेवा तथा सुविधालाई सूचना प्रविधिमा आधारित बनाउने	४.१ पर्यटकीय सूचना केन्द्र स्थापना गरी संकलित सूचनालाई नीति, योजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन, सेवा प्रवाह र अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा प्रयोग गरिनेछ । ४.२ पर्यटन क्षेत्रको विकास, विस्तार, प्रवर्द्धनका लागि गरिएका अध्ययन अनुसन्धानको प्रतिवेदन प्रकाशन र प्रसारणको व्यवस्था गरिनेछ । ४.३ सरकारी, गैर सरकारी र निजी क्षेत्रसँग समन्वय र सहकार्य गरी पर्यटन सम्बन्धी सूचना तथा अभिलेख अद्यावधिक तथा लक्षित जनसंख्यामा प्रेषण गरिनेछ ।

#### ६.४.८ अपिक्षत नतिजा तथा नतिजा खाका

तालिका ४९ : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
कम्प्युटर, इन्टरनेट र इमेल लगायत सूचना प्रविधिमा पहुँच भएका जनसंख्या	प्रतिशत	४४	४८	५०	५२	५४	५६	६०	वार्षिक प्रतिवेदन
गाउँपालिकामा सञ्चालित सफ्टवेयर र सूचना व्यवस्थापन प्रणाली	संख्या	७	८	९	१०	११	१२	१२	वार्षिक प्रतिवेदन
इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था, विद्यालय पर्यटन सूचना केन्द्र	संख्या	१७	१८	२०	२२	२४	२८	३०	वार्षिक प्रतिवेदन
टेलिभिजन र कम्प्युटर उपलब्ध परिवार	प्रतिशत	५५	५८	६०	६५	६८	६९	७०	वार्षिक प्रतिवेदन
सूचना प्रविधि तथा डिजिटल प्रणालीमा आधारित सेवाहरू	संख्या	३	५	६	७	८	९	१०	वार्षिक प्रतिवेदन

### ६.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

तालिका ५० : सूचना सञ्चार प्रविधि उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाई	कुल भौतिक कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु.हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१, २, ३	सूचना तथा सञ्चार प्रविधि विस्तार कार्यक्रम	वर्ष	५	८२२६	१-४	गाउँपालिका
१, २, ३	विद्युतीय सुशासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वर्ष	५	५४८४	१-४	गाउँपालिका
जम्मा				१३७१०		

### ६.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

सूचना प्रविधिको उपयोगबाट सेवा प्रवाहमा थप प्रभावकारिता वृद्धि हुनेछ । प्रविधि खर्चितो र दक्ष मानवीय श्रोतको आवश्यकता पर्ने भएको तथा साइबर सुरक्षाको दृष्टिकोणले सूचना तथा दस्तावेजहरू असुरक्षित हुने तथा अनधिकृत प्रसारण तथा सम्प्रेषण हुने जोखिम रहन सक्छ । सामाजिक सञ्जालको उपयोगलाई मर्यादित र व्यवस्थित गर्न नसकिए यसबाट सामाजिक सद्भाव खलबलिन सक्ने जोखिम हुन सक्दछ ।

## परिच्छेद सात : वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

### ७.१ वन, हरियाली तथा भूसंरक्षण

#### ७.१.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिका क्षेत्रमा कुल ११ वटा सामुदायिक वन रहेकोमा ९ वटा मध्यवर्ती क्षेत्र अन्तर्गत रहेका छन्। हिमालय, कोडदे, दुधकुण्ड, पेमा छोलिङ, तोड, रेडपाण्डा, मुसे, शेर्पा, लुक्ला सामुदायिक वन मध्यवर्ती क्षेत्र अन्तर्गत रहेका छन् भने मध्यवर्ती क्षेत्र बाहेक वडा नं १ स्थित जुभिङ् सामुदायिक वन पाङ्कुम सामुदायिक वन रहेका छन्। सामुदायिक वनको कुल क्षेत्रफल ३८३९ हेक्टरमा रहेको छ। कुल ११४८ वर्ग किमि क्षेत्रफल रहेको सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज समेत यहि क्षेत्रमा पर्दछ। यसले गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफलको करिव १५ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ। दिडबोचे, पाङ्बोचे, फेरोचे, छुकुम लगायतको क्षेत्रमा हिमताल विस्फोटनको जोखिमलाई कम गर्न भौतिक संरचना निर्माण गरिएको छ।

यहाँ कस्तुरी मृग, हिमचितुवा, हिमाली कालोभालु, हिमाली थार, हिमाली घोरल, लंगुर, नेवला, हिमाली चौरी, जंगली चौरी, रातो हाब्रे, हिमाली व्वासो आदि वन्यजन्तुको बसोबास रहेको छ। यी वन्यजन्तुहरू लोपउन्मुख प्रजाति अन्तर्गत रहेका छन्। यस बाहेक निकुञ्ज र यसको वरिपरी ८ वटा घस्रेर हिड्ने प्रजातिका जीवजन्तुहरू, ७ प्रजातिका उभयचर र ३० प्रजातिका पुतलीहरू पनि पाइन्छन्। चराचुरुङ्गी तर्फ ३२ प्रजातिमा बाडिएका २१९ थरिका चराहरू पाइने गर्दछन्। गाउँपालिका क्षेत्रभई बगेर जाने नदिहरू दुधकोशी, भोटेकोशी नदी रहेका छन् भने खहरे खोला, बोम खोला, सुर्के खोला, दुसुम खोला र खरी खोला समेत यस क्षेत्रमा रहेका छन्। गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका वनको डढेलोबाट संरक्षण गर्न हरेक वर्ष कृत्रिम पोखरी निर्माण गरिदै आएको छ। त्यस्तै हरेक सामुदायिक वन क्षेत्रमा अग्नि नियन्त्रणका लागि फायरफाईटिङ्ग उपकरण खरिद गरी परिचालन गरिएका छन्। गाउँपालिकाले जैविक तथा पर्यावरणीय विविधता सहितको पर्यापर्यटनको प्रवर्द्धन एवम् र एक वडा एक पार्क नीति लिएको छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा कुल ३७७ वटा ताल तथा पोखरीहरू रहेका छन्।

#### ७.१.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका क्षेत्रमा वन डढेलो लाग्नु, निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमा मानव तथा वन्यजन्तुबीच निरन्तर द्वन्द्व हुनु जसका कारण मानवीय र वालीनालीमा क्षति तथा जंगली जनावरहरू समेत घाईते हुनु, वनक्षेत्र अतिक्रमण बढ्नु, भुस्याहा कुकुरबाट मृग लगायत वन्यजन्तुमाथि आक्रमण बढ्नु आदि यस क्षेत्रमा रहेका मुख्य समस्या हुन्। जलवायु परिवर्तन लगायत विभिन्न कारणबाट वन डढेलो लाग्नु, पहिरो, भूक्षय तथा तापक्रम वृद्धि हुनु, नदि तथा हिमतालमा पानीको सतह बढ्नु तथा हिमताल विष्फोटनको जोखिममा वृद्धि हुनु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन्।

#### ७.१.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकाको क्षेत्रभित्र विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथा रहेको छ। यसै क्षेत्रमा रहेको सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्जले गाउँपालिकाको ११४८ वर्ग किमि क्षेत्रफल ओगटेको छ। मध्यवर्ती र सामुदायिक वनहरूको प्रचूरताले जैविक विविधता र समृद्ध जलाधार क्षेत्र र वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्न र यसमा आधारित पर्यटकीय गतिविधि सञ्चालन गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना रहेको छ। त्यसैगरी दुधकोशी, भोटेकोशी नदी रहेका छन् जसबाट विद्युत उत्पादनको प्रशस्त संभावना रहेको र यस मार्फत आर्थिक गतिविधिम वृद्धिसँगै गाउँपालिकाले प्राप्त गर्ने रोयल्टीमा समेत वृद्धि हुने सम्भावना रहेको छ। यस क्षेत्रमा डिभिजन वन कार्यालय सोलुखुम्बुले वन संरक्षण लगायतका क्षेत्रमा काम गर्दै आएको छ भने सामुदायिक वन तथा विद्युत कम्पनिहरूले समेत वार्षिक रुपमा वृक्षारोपण गर्दै आएका छन्। वन क्षेत्रमा डढेलोबाट हुने क्षति जोगाउन कृत्रिम रिचार्ज पोखरीहरू निर्माण गरिएका छन्। सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा संरक्षण क्षेत्र आयोजना आदिको सकृयताले पनि वन वातावरण हरियाली प्रवर्द्धनमा थप सहजता सम्भव हुन गएको छ।

#### ७.१.४ सोच

स्वच्छ र सफा खुम्बुको पहिचान: संरक्षित जलाधार, वन र पर्यावरण

#### ७.१.५ लक्ष्य

- वन र पर्यावरणको उपयोग र पुनरुत्पादनबाट जीवजन्तु र जमिनको दिगो संरक्षणमा योगदान गर्ने।

### ७.१.६ उद्देश्य

१. वन, हरियाली, जलाधार र जैविक विविधता एकीकृत संरक्षण र व्यवस्थापन गर्नु,
२. हिमाल, ताल तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्नु,
३. मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वबाट हुने क्षति न्यून गर्नु ।

### ७.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ५१ : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. वन तथा पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी नीति, योजना र कार्यक्रम कार्यान्वयनमा राष्ट्रिय निकुञ्ज र सरोकारवालाहरू बीच समन्वय, सहकार्य र साझेदारी गर्ने	१.१ प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण, वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन तथा संक्षिप्त वातावरणीय अध्ययन प्रतिवेदनको कार्यान्वयनलाई प्रभावकारी बनाइनेछ । १.२ गैरकाष्ठ वन पैदावार सम्भाव्यता अध्ययन/संकलन/निकासी तथा वातावरण मैत्री स्थानीय शासन प्रारूप अवलम्बन गरिनेछ । १.३ गाउँपालिका क्षेत्रको उपभोग्य क्षेत्रको नक्सांकन गरिनेछ । १.४ डढेलो नियन्त्रणका लागि उपकरण खरिद (फायर फाईटिङ्ग) खरिद गरी अग्नी नियन्त्रणका लागि क्षमता विकास तालिम प्रदान गरिनेछ ।
२. हिमाल क्षेत्र, हिमश्रृंखला, हिमताल लगायत जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा भूक्षय र पहिरो नियन्त्रण गर्ने	२.१ हिमतालको पानीको सतह कम गर्न विभिन्न प्रविधिहरूको प्रयोगबाट पहल गरिनेछ । २.२ बृक्षारोपण गर्न सकिने सम्भावित क्षेत्र पहिचान गरी वृक्षारोपण कार्य गरिनेछ । २.३ स्थानीय अनुकुलन कार्ययोजना तयार गरी लागू गरिनेछ । २.४ संरचना तथा विकासका पूर्वाधार, नदि तथा पहिरो नियन्त्रण कार्यक्रमहरू तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्नु २.५ विकासका पूर्वाधार निर्माणसँगै भूक्षय, पहिरो तथा नदी नियन्त्रणका लागि संरचनागत तथा वायोइञ्जिनियरिङ लगायत संरक्षणका उपायहरू अबलम्बन गरिनेछ ।
३. वन तथा वन्यजन्तुबाट मानव तथा कृषि उत्पादन सुरक्षित गर्नु ।	३.१ वन्यजन्तुमैत्री पूर्वाधार निर्माण गरी दिगो वन व्यवस्था पन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । ३.२ भुस्याहा कुकुर आगमन नियन्त्रण/वन्ध्याकरण (वन्यजन्तु आक्रमण) तथा वन्यजन्तु र वनस्पतिको चोरी सिकार नियन्त्रणका लागि सुराकी परिचालन तथा वन्यजन्तु अपराध नियन्त्रण व्युरोसँगको समन्वयमा जोड दिइनेछ । ३.३ स्याटेलाईट कलर मार्फत स्नो लियोपोर्ड अध्ययन गरिनेछ साथै उद्धार केन्द्र निर्माण गरी घाईते तथा टुहुरा वन्यजन्तुको संरक्षण गरिनेछ । ३.४ मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरणको लागि पशुलाई Stall feeding मा जोड दिइनेछ ।

### ७.१.८ नतिजा खाका

तालिका ५२ : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
कुल भूमिमा वन/हरियाली क्षेत्र	प्रतिशत	१४.१७	१४.१८	१४.२	१४.३	१४.४	१४.५	१४.५	गाउँ प्रोफाइल
वनमा आधारित उद्यम र आयआर्जनमा संलग्न घरपरिवार	संख्या	६६	९०	१००	१२५	१५०	२००	२५०	गाउँ प्रोफाइल
वृक्षारोपणबाट वृद्धि भएको हरित क्षेत्र	रोपनी	१५०	२००	२५०	३००	३५०	४५०	५००	गाउँ प्रोफाइल
जडीबुटी वा जडीबुटीजन्य उत्पादन	रु. हजारमा	३००	३००	३२०	३४०	३६०	३८०	४००	गाउँ प्रोफाइल
नियमित रूपमा वन कार्ययोजना तयार गर्ने, पूर्णरूपमा कार्यान्वयन	संख्या	१	१	१०	१०	१०	१०	१०	गाउँ प्रोफाइल

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको श्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
गर्ने र गाउँपालिकासँग नियमित समन्वयमा रहने वन उपभोक्ता समितिहरूको हिस्सा									
पार्क तथा उद्यान	संख्या	०	०	१	१	१	३	५	गाउँ प्रोफाइल
संरक्षित तालतलैया पोखरी	संख्या	३	३	५	६	८	९	१०	गाउँ प्रोफाइल
नदी नियन्त्रण बाँध तथा स्परको लम्बाई	रनिङ्ग मिटर	९५०	९५०	९८०	१०००	१०२०	१०४०	१०५०	गाउँ प्रोफाइल

### ७.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ५३ : वन हरियाली भूसंरक्षण उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाई	भौतिक कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु.हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१,२,३	वन तथा हरियाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम	संख्या	५	७०००	१,२,३	गाउँपालिका
१,२,३	भूसंरक्षण, नदी नियन्त्रण तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम	संख्या	५	७०००	१,२,३	नेपाल सरकार, गाउँपालिका
१,२,३	वनस्पति उद्यान तथा ग्रिन पार्क (खरीखोला, चौरीखर्क खुम्जुड) आयोजना	संख्या	५	३००००	१,२,३	नेपाल सरकार, गाउँपालिका
१,२,३	वन डढेलो व्यवस्थापन कार्यक्रम	संख्या	५	३५००	१,२,३	गाउँपालिका
१,२,३	मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरण कार्यक्रम	संख्या	५	२५००	१,२,३	गाउँपालिका
१,२,३	अध्ययन अनुसन्धान तथा वन्यजन्तु अनुगमन	पटक	२०	४२६७	१,२,३	गाउँपालिका तथा गैससहरू
१,२,३	वन, हरियाली तथा भूसंरक्षण सालवसाली कार्यक्रम	संख्या	५	४०००	१,२,३	गाउँपालिका
	<b>जम्मा</b>			<b>५८२६७</b>		

### ७.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

वन तथा जैविक विविधता, जलाधार संरक्षण तथा व्यवस्थापनमा तीनै तहका सरकार, समुदाय तथा नागरिक समाजको सहकार्य साझेदारी बढोत्तरी हुनेछ। वायोइन्जिनियरिङ, वृक्षरोपण, समुदायको सहभागितालाई पूर्वाधार विकास, मर्मत संभार आत्मसात गरिनेछ। उल्लिखित परिस्थिति निर्माण हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुन कठिन हुन सक्छ।

## ७.२ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

### ७.२.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि स्थानीय साझेदारहरू सगरमाथा प्रदुषण नियन्त्रण समिति तथा सगरमाथा नेक्स्ट सँग सम्झौता गरी दीर्घकालीन कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दै आएको छ। सगरमाथा प्रदुषण नियन्त्रण समिति (SPCC) ले वडा नं ४ र ५ का घरधुरीमा फोहोर वर्गीकरण र व्यवस्थापनको अभ्यास थालनी भएको छ। सगरमाथा नेक्स्ट संस्थाको सहयोगमा वडा नं ५ को स्याडबोचेमा फोहोरको पुनः उपयोग गरी सामग्री निर्माण तथा विक्रीको सुरुवात भएको छ। सगरमाथा क्षेत्रको २५४९४१ के.जी. फोहोर संकलन गरी व्यवस्थापन गरिएको छ। फोहोर व्यवस्थापनका लागि Carry Me Back Program अन्तर्गत सगरमाथा प्रदुषण नियन्त्रण समिति र सगरमाथा नेक्स्टको सहकार्यमा क्याम्प २ तथा नाम्चे बजार क्षेत्रबाट फोहोर संकलन गरी पुनः प्रयोगमा ल्याईएको छ। नाम्चे

बजारमा फोहोर व्यवस्थापनका लागि भवन निर्माण भएको छ । गाउँपालिकाका विभिन्न बजार क्षेत्र तथा पदमार्गमा करिव १०० भन्दा बढी फोहोर संकलन विन निर्माण गरिएको छ ।

गाउँपालिकाले वातावरण प्रदूषण तथा दीर्घकालीन फोहोर व्यवस्थापन कार्यविधि तर्जुमा गरी सो सम्बन्धी अध्ययन गरी आगामि दिनमा थप प्राथमिकता दिदै आएको छ । गाउँपालिकाको लुक्ला र खुम्जुङ बजार क्षेत्रमा ढल व्यवस्थापनको काम थालनी भएको छ र घाट, फाक्दीङ, मञ्जो र जोरसल्लेमा ढल निर्माणका लागि डिपीआर गरिएको छ ।

गाउँपालिकाले विकास निर्माण कार्यमा हरित प्रविधि र वातावरणमैत्री विकासलाई प्रोत्साहन गरी हरित अर्थतन्त्रको विकासमा लगानीलाई प्रोत्साहन गर्ने नीति लिएको छ ।

### ७.२.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि छुट्टै शाखा नहुनु तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन हेर्ने कर्मचारी/मानवीय श्रोतको कमी हुनु, फोहोरमैला व्यवस्थापनमा साझेदारहरू प्रति निर्भर हुनु, बजार क्षेत्र भन्दा बाहिर फोहोरमैला व्यवस्थापनको कमी हुनु तथा बजार क्षेत्र तथा पदमार्ग क्षेत्रमा सार्वजनिक शौचालयको कमी हुनु फोहोर जलाउदा ईन्सिनेटरबाट निस्कने धुवा व्यवस्थापन हुन नसक्नु आदि समस्या रहेका छन् । गाउँपालिका क्षेत्रमा प्रवेश गर्ने पर्यटक तथा पर्वतारोहीहरूबाट हुने फोहोरमैला संकलन, भण्डारण, पुनःप्रयोग तथा सफाई आदि फोहोरमैला व्यवस्थापन क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ७.२.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिका क्षेत्र उच्च हिमाली क्षेत्रमा पर्ने अनुपम भूगोल भएको र हालसम्म यस स्थानमा मोटरबाटो नपुगेको, यातायातको लागि हवाईमार्ग र पदमार्गमात्र रहेकोले यहाँको वातावरण स्वच्छ र हराभरा रहेको छ । यस क्षेत्रमा गाउँपालिकासँगको साझेदारीमा सगरमाथा प्रदूषण नियन्त्रण समिति तथा सगरमाथा नेक्स्ट, वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनको क्षेत्रमा कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै आएका छन् ।

गाउँपालिकाले वातावरण प्रदूषण तथा दीर्घकालीन फोहोर व्यवस्थापन सम्बन्धमा २०७९ मा अध्ययन गरी यसको कार्यान्वयनका लागि कार्यविधि तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । साझेदारहरूले सगरमाथा क्षेत्र, क्याम्प २, नाम्चे क्षेत्र, पदमार्ग क्षेत्र तथा बजार क्षेत्रमा रहेका प्लास्टिकजन्य तथा धातुजन्य फोहोरमैला संकलन गरी रिसाईकल गर्न टुक्रयाउने र प्रसोधन र पुनः प्रयोग गर्दै आएको छ । बजार क्षेत्रमा ढल तथा नाली निर्माण कार्य भईरहेको जसमा लुक्ला ढल, खुम्जुङ ढल निर्माणाधिन छन् भने घाट ढल, फाक्दीङ ढल, मञ्जो ढल, जोरसल्ले ढलको डिपीआर तयार भएको छ ।

### ७.२.४ सोच

सफा र स्वच्छ वातावरण : जनतामा चेतना र जागरण

### ७.२.५ लक्ष्य

- फोहोरमैला व्यवस्थापन, प्रदूषण नियन्त्रण र वातावरणीय स्वच्छता कायम गर्ने ।

### ७.२.६ उद्देश्य

१. जल, वायु, माटो, ईन्धन लगायत सबै प्रकारका प्रदूषणको नियन्त्रण र रोकथाम गर्नु,
२. पर्यटक, व्यावसायी, स्थानीयवासी र स्वास्थ्य संस्थाको फोहोरमैलाको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्नु,
३. प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरण, हरियाली र वातावरणीय स्वच्छता अभिवृद्धि गर्नु ।

### ७.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ५४ : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जल, वायु, माटो लगायत सबै प्रकारका प्रदूषणको नियन्त्रण र रोकथाम सम्बन्धी नीतिगत र	१.१ प्लास्टिकजन्य फोहरको असरबारे जनचेतनामुलक कार्यक्रम गरिनेछ । १.२ इन्धनको रूपमा विद्युतीय उपकरण तथा उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । १.३ पेट्रोलियम पदार्थ लगायत काठ दाउरा तथा अन्य ईन्धनलाई निरुत्साहन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
कानूनी, समुदायदाय परिचलन तथा संरचना सुधार गर्ने,	१.४ वातावरण प्रदुषण र फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि निति, कानून संरचना निर्माण, अध्ययन अनुसन्धान तथा क्षमता अभिवृद्धिमा जोड दिइनेछ ।
२. वातावरणीय अध्ययन तथा प्रभाव मूल्याङ्कन तथा सुझाव कार्यान्वयनलाई नियमित गर्ने	२.१ सरसफाई सम्बन्धी मार्गनिर्देशन तयार गरी नियमित अनुमगनको व्यवस्था मिलाइनेछ २.२ Carry Me Back को संकलन केन्द्रहरू थप गर्ने तथा Carry Me Back लाई QR Code मार्फत Tracking System मा अपडेट गरिनेछ । २.३ एकपटकमात्र प्रयोग हुने प्लास्टिकको प्रयोगलाई प्रतिबन्ध गर्ने तथा कपडाको झोला प्रयोगमा प्रोत्साहन गरिनेछ । २.४ सगरमाथा बेसक्याम्प लगायत अन्य हिमालमा संकलित फोहरको सहि व्यवस्थापन गरिनेछ तथा सगरमाथा आधार शिविरबाट माथि आरोहण गर्ने प्रत्येक पर्वतारोहिले ८ केजी तौल फोहर फिर्ता लिएर आउनु पर्ने व्यवस्थालाई कार्यान्वयन गरिनेछ । २.५ सरोकारवालाहरूको सहकार्यमा पर्वतारोहीले लगेको वस्तुको चेकजाँच गरी फोहर पुनः फिर्ता ल्याए नल्याएको परीक्षण गरिनेछ । २.६ अफसिजनको समयमा क्याम्प २ मा गरिने गरेको भण्डारण कार्यलाई रोकिनेछ तथा आधारशिविर र आधारशिविर भन्दा माथिको क्षेत्रमा पर्वतारोहणको सिजन सकिए पश्चात टाँगिएका डोरी र लुडदर लाई व्यवस्थापन गरिनेछ । २.७ एजेन्सीले आफ्नो पर्वतारोहीको हरेक कृत्याकलापको निगरानी गर्नुपर्ने तथा पर्वतारोहीको मृत्यु भएको अवस्थामा सब व्यवस्थापन गरी परिवारलाई हस्तान्तरण सम्मको सम्पूर्ण जिम्मेवारी एजेन्सीले लिनुपर्ने व्यवस्था लागू गरिनेछ । २.८ रिसर्च एजेन्सीले आफ्नो अध्ययनको क्रममा पर्योग गरी आएका उपकरणहरू प्रयोग पश्चात ती सामग्रीको व्यवस्थापनको सम्पूर्ण जिम्मेवारी रिसर्च एजेन्सीले लिनु पर्ने सुनिश्चित गरिनेछ ।
३. फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि समुदाय, व्यवसायी, गैसस तथा निजी क्षेत्रसँगको साझेदारीलाई परिचालन र नविनतम प्रविधिको अवलम्बन गर्ने	३.१ प्रसोधन केन्द्रमा फोहर प्रसोधनका लागि मेशिनरी उपकरणको व्यवस्थापन गरिनेछ । ३.२ प्लास्टिकको पुनः चक्रिय प्रयोगको लागि सचेतना कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ । ३.३ श्रोतमै फोहर वर्गीकरण र पृथकीकरण, पुनःप्रयोग, संकलन तथा प्रसोधन प्रणालीको सुदृढीकरण गरिनेछ । ३.४ प्लास्टिक प्रयोगको प्रतिस्थापन तथा न्यूनीकरणका विभिन्न प्रयासहरू गरिनेछ । ३.५ फोहोरमैला व्यवस्थापन गरी स्वच्छता कायम गर्न पर्यटक, व्यावसायी तथा स्थानीय बासिन्दसँग समन्वय, सहकार्य र साझेदारी गरिनेछ ।
४. गाउँपालिका पर्यटकीय क्षेत्र, बजार र गाउँमा ढल व्यवस्थापन तथा हरियाली प्रवर्द्धन गर्ने ।	४.१ सेफ्टी ट्यांक सहितको ढल व्यवस्थापनको प्रवन्ध गरिनेछ । ४.२ व्यक्तिगत तथा सामुदायिक सरसफाई अभियानलाई निरन्तरता दिइनेछ । ४.३ टोल विकास संस्थालाई परिचालन गरी सरसफाई अभियान सञ्चालन गरिनेछ ४.४ समुदायको माग र आवश्यकता अनुसार थप स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण तथा सञ्चालनमा जोड दिइनेछ ।

### ७.२.८ नतिजा खाका

तालिका ५५ : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९	२०७९/८०	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
		सम्मको उपलब्धि	सम्मको उपलब्धि	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
वातावरणीय सरसफाईको अभ्यास गर्ने वडा	संख्या	२	२	३	५	५	५	५	वार्षिक प्रतिवेदन
पूर्ण स्वच्छता र सरसफाई कार्यान्वयन गर्ने बस्ती	प्रतिशत	०	०	५	१०	२५	३०	३५	वार्षिक प्रतिवेदन

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको स्रोत	
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५		
फोहोर जलाउने यन्त्र (Incenerator)	संख्या	०	०	०	१	१	१	१	१	वार्षिक प्रतिवेदन
सफा चर्पीको प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत	९८.४	९९	९९.५	१००	१००	१००	१००	१००	वार्षिक प्रतिवेदन
स्रोतमानै फोहर वर्गीकरण र व्यवस्थापनको अभ्यास गर्ने परिवार	प्रतिशत	२८	३३	३६	३९	४३	४७	५०	५०	वार्षिक प्रतिवेदन
सार्वजनिक शौचालय	संख्या	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	२८	गाउँ प्रोफाइल

### ७.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ५६ : वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१,२,३	फोहोरमैला प्रसोधन (रिसोर्स रिक्भरी सेन्टर) कार्यक्रम, वडा नं. २, ३, ४ र ५	संख्या	५	२००००	१,२,३,४	नेपाल सरकार, गाउँपालिका, गैसस
१,२,३	फोहोरपानी प्रशोधन केन्द्र (स्याङबोचे, नाम्चे, खरीखोला) निर्माण आयोजना	आयोजना	३	१८५५०	१,२,३,४	नेपाल सरकार, गाउँपालिका, गैसस
१,२,३	वातावरण संरक्षण कार्यक्रम	पटक	१	५०००	१,२,३,४	गाउँपालिका
१,२,३	खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन कार्यक्रम	संख्या	१	१००००	१,२,३,४	नेपाल सरकार, गाउँपालिका, गैसस
१,२,३	फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा अन्य सालवसाली कार्यक्रम	संख्या	१	१५०००	१,२,३,४	नेपाल सरकार, गाउँपालिका, गैसस
	<b>जम्मा</b>			<b>६८५५०</b>		

### ७.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

वन तथा जैविक विविधता, जलाधार संरक्षण तथा व्यवस्थापनमा तीनै तहका सरकार, समुदाय तथा नागरिक समाजको सहकार्य साझेदारी बढोत्तरी हुनेछ । वायो इन्जिनियरिङ, वृक्षरोपण, समुदायको सहभागितामा पूर्वाधार विकास, मर्मत संभार आत्मसात गरिएको हुनेछ । उल्लिखित परिस्थिति निर्माण हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुन कठिन हुन सक्छ ।

### ७.३ विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

#### ७.३.१ विद्यमान अवस्था

यस क्षेत्रमा मानव जनजीवनलाई प्रभावित गर्ने प्रकोपहरूमा भुकम्प, पहिरो, मानव वन्यजन्तु द्वन्द, हावाहुरी, खडेरी, आगलागी, हिमताल विस्फोटन, हिमपात, महामारी र लेक लाग्नु मुख्यरूपमा रहेका छन् । यसका अतिरिक्त खराब मौसमका कारण हवाइ यातायात प्रभावित हुने हुनाले जनजीवन प्रभावित हुने गरेको छ । यस क्षेत्रमा विपदबाट वार्षिक रूपमा करिब १०४९ घरधुरी प्रभावित हुने गरेको देखिन्छ । यस क्षेत्रमा रहेका कुल ३५ बस्ती मध्ये पहिरोको जोखिममा रहेका बस्ती संख्या २२, हिमताल विस्फोटनको जोखिममा रहेका बस्ती संख्या ३०, भारी हिमपातको जोखिममा रहेका बस्ती संख्या ३०, बाढीको जोखिममा रहेका बस्ती संख्या ३ र हिम पहिरोको जोखिममा रहेको बस्ती संख्या ४ रहेको छ ।

विपदबाट बच्नका लागि अमेरीकी सहयोग (यु.एस.एड) ले स्थानीय सरकारसंगको सहकार्यद्वारा अनुसन्धान र अनुगमनबाट भविष्यमा आइपर्न सक्ने जोखिम पत्ता लगाउदै स्थानीय वासिन्दालाई सजग बनाउने काम गर्दै आइरहेका छन् । खुम्बु क्षेत्रमा हिमनदीको अवस्था पत्ता लगाउने, हिमपातबाट बोटबिरुवालाई जोगाउन प्लास्टिक हाउस, ग्रीनहाउस आदिको निर्माण गर्ने, भरियाहरूको लागि आश्रय

निर्माण गर्ने, बाँधको अनुगमन गर्ने जस्ता कामहरू भइरहेका छन्। यस बाहेक विभिन्न गैरसरकारी संस्थाहरूले आपतकालिन राहत स्वरूप न्यानो कपडा, खाद्यान्न सामग्री, इत्यादी बाँडेर यस क्षेत्रलाई सहयोग गरेका छन्। हिमश्रृङ्खलामा जलवायु परिवर्तको असर अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्न इटली सरकारको सहयोगमा पिरामिड अन्तराष्ट्रिय प्रयोगशाला तथा अवलोकन केन्द्र लघुचेमा स्थापना गरिएकोछ।

### ७.३.२ समस्या तथा चुनौती

सगरमाथा आधार शिविर क्षेत्रमा फोहोर तथा पर्वतारोही सहयोगि सामग्री थुप्रदै जाँदा सरसफाई गर्न नसकिनु, त्यसका कारण पर्यटक र पर्वतारोही दुर्घटनाको संख्या बढ्दै जानु, बाढी, हिमपहिरो, र मिचाहा प्रजाति जस्ता प्रकोपहरूले स्थानीय स्तरमा प्रत्यक्ष रूपमा असर परेको महसुस हुनु, डढेलो, भूक्षय आदिका घटनामा वृद्धि हुनु, हिमालय क्षेत्र र हिमश्रृङ्खला भएको कारणले तापक्रम बढ्दा हिमताल विष्फोटनको जोखिम रहनु, विपदले जीउ धनका साथै, सार्वजनिक निजी सम्पत्ति, भौतिक संरचनाहरू समेत प्रभावित हुनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन्।

स्थानीयस्तरमा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी आधिकारिक तथ्यांक कायम गर्नु, स्थानीय जलवायु अनुकूलन कार्ययोजना लागू गर्नु, जलवायु अनुकूलन सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नु, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन संरचना निर्माण गर्नु, गाउँपालिकामा विपद् पूर्वानुमान, पूर्व चेतावनी प्रणाली विकास गरी निरन्तर कार्यान्वयन गर्नु आदि चुनौती रहेका छन्।

### ७.३.३ संभावना तथा अवसर

खुम्बु पासाङल्हामू गाउँपालिकाले विपद व्यवस्थापन ऐन तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्दै आएको छ। त्यस क्षेत्रमा नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी वल तथा नेपाल प्रहरी यस क्षेत्रमा हुन सक्ने विपदको प्रतिकार्य तथा उद्धारमा तयारी अवस्थामा रहेका छन्। नेपाल रेडक्रस लगायत मानविय सेवामा कार्यरत संस्थाहरूको कृयाशिलता रहेको छ। हिमालयन ट्रष्ट विपद पुर्वतयारीमा क्रियाशिल रहेको छ। गाउँपालिकाले विपद व्यवस्थापन कोष मार्फत विपदमा परेका परिवारलाई राहत सेवा उपलब्ध गराउदै आएको छ। गाउँपालिकामा विपद पुर्वतयारी प्रणाली अवलम्बन गरिएको छ जसमा Automatic weather stations, Rain falls station, Rain gauze station स्थापना गरिएका छन्। सावधानिका लागि हाते साइरन वितरण गरिएको छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा विद्यालयमा CITC (Classroom in the clouds) कार्यक्रम कार्यान्वयन गरेको आकस्मिक सेवा/उद्धारका लागि विभिन्न वडामा हेलीप्याड तथा हेलि सेवाको व्यवस्था गरिएका छन्। Everest Base Camp क्षेत्रमा Icefall Doctor तैनाथ अवस्थामा राखिएको छ। Himalayan Rescue Association Nepal तथा पिरामिड रिसर्च सेन्टर विपद पुर्वतयारीको क्षेत्रमा कृयाशिल रहेकाछन्। गाउँपालिकाको वनक्षेत्रमा हुन सक्ने आगलागी तथा डढेलो नियन्त्रणका लागि ८७ स्थानमा फाइर हाईड्रेन्ट जडान गरिएका छन् र थप जडानको प्रकृत्यामा रहेका छन्।

### ७.३.४ सोच

विपद र जलवायु परिवर्तनको असरबाट सुरिक्षत र उत्थानशील खुम्बु

### ७.३.५ लक्ष्य

- विपद् तथा जलवायु परिवर्तनबाट क्षति कम गर्ने र उत्थानशीलता अभिवृद्धि गर्ने।

### ७.३.६ उद्देश्य

१. विपद् जोखिम नक्सांकन, जोखिम पूर्वानुमान, पुर्वतयारी, प्रतिकार्य र पुनर्लाभलाई योजनाबद्ध र व्यवस्थित बनाउनु,
२. जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरण तथा अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

### ७.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ५७ : विपद जोखिम व्यवस्थापन जलवायु परिवर्तन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जलवायु परिवर्तन र विपद व्यवस्थापनका लागि आवश्यक नीतिगत र संस्थागत संरचना	१.१ जलवायु परिवर्तन र विपद सम्बेदनशील नीति, योजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धतिलाई प्रभावकारी बनाइनेछ।

रणनीति	कार्यनीति
निर्माण, सुधार एवम् क्षमता अभिवृद्धि गर्ने	<p>१.२ स्थानीय विपद जोखिम व्यवस्थापन योजना तथा वातावरणमैत्री स्थानीय शासन प्रारूप तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>१.३ पूर्वाधार निर्माणलाई वातावरण तथा वन्यजन्तुमैत्री तुल्याइनेछ ।</p> <p>१.४ हिमतालको पानीको सतह कम गर्न विभिन्न प्रविधिहरूको पहिचान गरी सोको अवलम्बन गरिनेछ ।</p> <p>१.५ गोक्यो लेक लगायतका क्षेत्रको संरक्षण गुरुयोजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>१.६ स्थानीय विपद व्यवस्थापन समितिको संस्थागत क्षमता विकास गरी क्रियाशिल बनाइनेछ ।</p>
२. विषयगत नीति, योजना, कार्यक्रम तथा आयोजनामा विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनलाई मूलप्रवाहीकरण गर्ने	<p>२.१ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र विपद संवेदनशील र उत्थानशील नीति, योजना, कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा अनुगमनलाई नियमित तुल्याइनेछ ।</p> <p>२.२ आवधिक योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक वा गुरुयोजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट मार्फत विषयगत नीति, कार्यक्रम तथा बजेटमा विपद जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलनलाई मूलप्रवाहीकरण गरिनेछ ।</p> <p>२.३ विपद जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलनलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरी पठनपाठनको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>२.४ पिरामिड रिसर्च सेन्टरलाई पुनः सञ्चालनमा ल्याई अध्ययन अनुसन्धानमा जोड दिइनेछ ।</p>
३. विपद अल्पीकरण, पूर्वतयारी, प्रतिकार्य र पुनर्लाभ सम्बन्धी क्षमता विकास र श्रोत साधनको व्यवस्था गर्ने	<p>३.१ वाढी तथा मौषम पुर्वसूचना प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</p> <p>३.२ प्रकोप उद्धार कार्यदल तयार परिचालन गरिनेछ ।</p> <p>३.३ बस्ती विकास तथा भवन निर्माण मापदण्ड परिपालनालाई सुनिश्चित गरिनेछ ।</p> <p>३.४ नयाँ बन्ने निजी तथा सार्वजनिक भवनमा भूकम्प प्रतिरोधि प्रविधि अवलम्बन गर्नुपर्ने व्यवस्थालाई सुनिश्चित गरिनेछ ।</p> <p>३.५ पुराना घरहरूको अभिलेखीकरणको व्यवस्था गरिनेछ ।</p> <p>३.६ जलवायु परिवर्तन र विपद जोखिम व्यवस्थापनका लागि निजी, गैसस, समुदाय साझेदारी, सचेतना र क्षमता वृद्धि गरी जोखिम संवेदनशील पूर्वाधारमा जोड दिइनेछ ।</p>
४. जलवायु परिवर्तनका क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने	<p>४.१ जलवायु परिवर्तनबाट वन्यजन्तु र वनस्पतिमा पर्ने असरको बारेमा अध्ययन अनुसन्धान गरी सुझाव कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>४.२ जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरणका लागि परियोजना तथा गतिविधिमा आधारित शिक्षाको सुरुवात गरिनेछ ।</p> <p>४.३ ईम्जाताल विष्फोट तथा दुधकोशी भोटेकोशीको नदिबाट प्रभावित बस्तीहरूको स्थानान्तरण गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p> <p>४.४ विपद जोखिम न्यूनीकरणका लागि स्वयमसेवकहरूको समूह बनाई परिचालन गरिनेछ ।</p>

### ७.३.८ नतिजा खाका

तालिका ५८ : विपद जोखिम व्यवस्थापन जलवायु परिवर्तन उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
पहिरोको जोखिममा रहेका बस्ती संख्या	संख्या	२२	२२	२२	२०	१८	१६	१५	वार्षिक प्रतिवेदन

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको उपलब्धि	वार्षिक लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
सुरक्षित खुल्ला स्थान र आपत्कालीन सामुहिक आश्रयस्थल	संख्या	२०	२०	२१	२२	२३	२४	२५	वार्षिक प्रतिवेदन
विपद् व्यवस्थापन कोष रकम	रु. हजार	७५००	६४००	७३००	८०००	८८००	९०००	१००००	सुत्र
विपद्बाट वार्षिक रुपमा प्रभावित घरधुरी	संख्या	१०४९	१०४९	१०१०	९७०	९४०	८५०	७५०	वार्षिक प्रतिवेदन

### ७.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ५९ : विपद् जोखिम व्यवस्थापन जलवायु परिवर्तन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१	विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना तथा परिचालन	रकम रु. हजारमा	५००००	५००००	१, ३	गाउँपालिका गैसस र निजी क्षेत्रको साझेदारीमा
२	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम	वर्ष	५	१००००	१-४	गाउँपालिका, सङ्घ र प्रदेश सरकारसँग सयुक्त प्रयासमा
१, २	विपद् तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान कार्यक्रम	वर्ष	५	७७०२	४	गाउँपालिका, सङ्घ र प्रदेश सरकारसँग सयुक्त प्रयासमा
१, २	विपद् तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सालबसाली कार्यक्रम	वर्ष	५	५०००	१-४	गाउँपालिका, सङ्घ र प्रदेश सरकारसँग सयुक्त प्रयासमा
कुल जम्मा				७२७०२		

### ७.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाले विपद् जोखिम तथा व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशील योजना तयार गर्ने र उपयुक्त प्रविधि, स्रोत साधन परिचालन गरी विपद् न्यूनीकरणको लक्ष्य हासिल गर्ने अपेक्षा गरिएको छ । मानवीय कारणले हुने विपद् बढ्दो अवस्थामा रहेकोले यसको प्रतिकार्य तथा पुनर्लाभमा श्रोत तथा समयको लगानी बढाउनु पर्ने हुन्छ । हिमपहिरो र वाढी लगायत प्रकोपबाट जुनसुकै बेला जस्तोसुकै विपद् पर्न सक्ने जोखिम रहन्छ ।

## परिच्छेद आठ: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

### ८.१ नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन

#### ८.१.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले हालसम्म ५२ वटा कानून निर्माण गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । गाउँपालिकामा योजना तर्जुमा तथा कार्यसञ्चालन प्रकृया र सेवा प्रवाहसँग सम्बन्धित विभिन्न १९ वटा नीतिगत संस्थागत संयन्त्र गठन भै क्रियाशील रहेका छन् । गाउँपालिकामा स्थानीय न्यायिक समिति क्रियाशील रहेको छ र समितिको विषयमा जनस्तरमा जानकारीमूलक सूचना प्रवाह गर्ने गरिएको छ । गाउँपालिकाको कार्यालय तथा हरेक वडा कार्यालयमा नागरिक वडापत्र मार्फत कार्यालयबाट पाईने सेवा सुविधाको बारेमा सुसूचित गर्ने गरिएको छ । कार्यालयमा सूचना अधिकारी र गुनासो सुन्ने अधिकारी तथा प्रवक्ताको व्यवस्था गरिएको छ । गाउँपालिकाको आफ्नो वेबसाईट फेसबुक र ग्रुप म्यासेज सेवाबाट सेवा र सूचना सार्वजनिक गरिदै आएको छ । गाउँपालिकाले आफ्ना सेवाको बारेमा जनताको सन्तुष्टी तथा थप सल्लाह सुझाव लिन हरेक वर्ष कम्तिमा ३ पटक सार्वजनिक सुनुवाई सञ्चालन गर्दै आएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को कूल खर्चमा बेरुजुको प्रतिशत ७.०१ रहेको छ जुन राष्ट्रिय र कोशी प्रदेशको औषतको तुलनामा बढी रहेको छ । गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन नतिजामा भने क्रमिक रुपमा सुधार हुँदै गएको छ ।

#### ८.१.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा तर्जुमा भएका नीति कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुन नसक्नु, गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयहरूले मासिक रुपमा खर्चको विवरण सार्वजनिक गर्न नसक्नु, मेलमिलापकर्ताहरू सूचीकृत हुन नसक्नु, समिति तथा संस्थागत जिम्मेवारी बाँडफाँड व्यवस्थित गर्न नसक्नु तथा समय सापेक्ष नागरिक बडापत्र अद्यावधिक हुन नसक्नु आदि यस उपक्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् ।

सबै वडा कार्यालयहरूमा विद्युतीय तथा ईन्टरनेट सञ्जाल कायम गर्नु, आन्तरिक राजस्व वढाउनु, सेवा र विकास कार्यक्रमको गुणस्तर कायम गर्नु, सूचना तथा अभिलेखहरूलाई विद्युतीय प्रणालीमा आवद्ध गर्नु, योजना अनुशासनको पालना र गुणस्तरीय कार्यसम्पादन गर्नु आदि यस उपक्षेत्रका प्रमुख चुनौतीको रुपमा रहेका छन् । संस्थागत क्षमता स्वमूल्यांकनको आधारमा कमजोर देखिएका क्षेत्रको विकास र संस्थागत क्षमता सुदृढीकरणका लागि योजनावद्ध सुधारको विषय पनि चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

#### ८.१.३ संभावना तथा अवसर

गाउँपालिकाको कार्यसञ्चालनका लागि आवश्यक पर्ने नीति तथा कानूनहरू अधिकांशतः तर्जुमा भैसकेको, विभिन्न समिति लगायतका संस्थागत संयन्त्रहरू गठन भै क्रियाशील रहेको, गाउँपालिकाको पहिलो कार्यकालको अनुभव समेत भएका जनप्रतिनिधहरू पुनः निर्वाचित भै कार्यरत रहेको, विश्व सम्पदाको धरोहरको रुपमा रहेको सगरमाथा र खुम्बु क्षेत्रमा अवस्थित रहेको कारण राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय सङ्घ संस्थाबाट पनि सहायता परिचालन गर्न सकिने अवस्था रहेको, गाउँपालिकाको अधिकांश जनसंख्या पर्यटन व्यवसायसँग आवद्ध रहेको हुँदा बेरोजगारी तथा गरिबी र सो कारणबाट हुन सक्ने सामाजिक अशान्ति र विग्रहका घटनामा कमी हुनु आदि कारणले यस गाउँपालिकामा नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन कायम गर्न सहज वातावरण रहेको छ । नीति कानून र सुशासनको क्षेत्रमा प्रदेश र सङ्घीय सरकारका निकायहरूबाट आवश्यक प्राविधिक सहयोग र क्षमता विकासका क्रियाकलाप सञ्चालन हुनुलाई पनि सम्भावना तथा अवसरकै रुपमा लिन सकिन्छ ।

#### ८.१.४ सोच

सुशासनयुक्त स्थानीय सरकार: समृद्ध खुम्बुको आधार

#### ८.१.५ लक्ष्य

- गाउँपालिका र यस अन्तर्गतका निकायहरूमा सुशासनको प्रत्याभूति गर्ने ।

#### ८.१.६ उद्देश्य

१. सहभागितामूलक शासन प्रणालीको अवधारणालाई प्रवर्द्धन गर्नु,
२. स्थानीय शासन प्रणालीलाई जवाफदेही र उत्तरदायी बनाउनु,
३. गाउँपालिकाको कार्यप्रणालीमा पारदर्शीता सुनिश्चित गर्नु ।

## ८.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ६० : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. नीति तथा कानून निर्माण प्रक्रियामा नागरिक सहभागिता अभिवृद्धि गर्ने	<p>१.१ नीति तथा कानूनहरू स्विकृत गर्नु अघि जनस्तरबाट सुझाव प्राप्त गर्नका लागि सार्वजनिक रुपमा आह्वान गर्ने परिपाटी अवलम्बन गरिनेछ ।</p> <p>१.२ स्विकृत भएका नीति तथा कानूनहरूको परिपालना अवस्था बारे प्रत्येक दुई वर्षमा समीक्षा गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p> <p>१.३ स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रका विषयमा नीति, ऐन, नियम, कार्यविधि तथा मापदण्ड निर्माण र प्रवोधीकरण गरी नियमपालनामा अभिवृद्धि गरिनेछ ।</p> <p>१.४ गाउँपालिकाको नीति, ऐन, नियम, कार्यविधि र मापदण्डबारे पदाधिकारी तथा कर्मचारीको क्षमता विकास गरिनेछ ।</p>
२. सामाजिक जवाफदेहिताको प्रवर्द्धन गर्ने,	<p>२.१ प्रत्येक वर्ष एक पटक सामाजिक परीक्षण तथा कम्तीमा तीन पटक सार्वजनिक सुनुवाईको आयोजना गरी प्रतिवेदन वेबसाइट मार्फत सार्वजनिक गरिनेछ ।</p> <p>२.२ तीन लाख भन्दा बढी लागतका सबै आयोजनामा सार्वजनिक परीक्षण तथा आयोजना सूचना पाटी अनिवार्य गरिनेछ ।</p> <p>२.३ स्थानीय शासन तथा निर्णय प्रक्रियामा सदाचार नीति तथा भ्रष्टाचार विरुद्ध शुन्य सहनशीलताको नीति अबलम्बन गरिनेछ ।</p> <p>२.४ नीति, कानून, योजना तथा निर्णयहरू नियमित रुपमा वेबसाइट तथा गाउँपालिकाको आधिकारिक फेसबुक पेजमार्फत सार्वजनिक गरिनेछ ।</p>
३. गुनासो व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउने,	<p>३.१ स्थानीय सरकारको जवाफदेहिता अभिवृद्धि सम्बन्धी एकीकृत संयन्त्रको विकास गरी नियमित अभ्यास गरिनेछ ।</p> <p>३.२ गुनासो तथा क्षतिपूर्तिसेमेतको प्रावधान भएको नागरिक वडापत्रसहितको सेवा प्रवाह पद्धतिको विकास गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>३.३ गाउँपालिकाको नीति, निर्णय, सेवा प्रवाह र कार्यसम्पादन बारे सेवाग्राहीसँग मत सर्वेक्षण तथा सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया गरी नागरिक र सरोकारवालाको पृष्ठपोषण र सुझाव प्राप्त गरिनेछ ।</p> <p>३.४ कार्यालयको सेवा प्रवाहसँग सम्बन्धित गुनासो फेसबुक पेज र वेबसाइट मार्फत राख्न सकिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</p>
४. गाउँपालिकाको समग्र कार्यप्रणालीमा पारदर्शिता अभिवृद्धि गर्ने,	<p>४.१ स्विकृत नीति, कानून, योजना तथा कार्यपालिका र सभाका निर्णय तथा सबै कसिसमका प्रतिवेदनहरू वेबसाइट मार्फत सार्वजनिक गरिनेछ ।</p> <p>४.२ स्थानीय विकासका उपलब्धि, आम्दानी तथा खर्च अन्य सूचनालाई मासिक रुपमा वेबसाइट र सूचनापाटी मार्फत सार्वजनिक गरिनेछ ।</p> <p>४.३ आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</p>
५. गाउँपालिकाको खरीद प्रणालीलाई पारदर्शी बनाउने,	<p>५.१ गाउँपालिकाको खरीद गुर्योजना तथा वार्षिक खरीद योजना तर्जुमा गरिनेछ ।</p> <p>५.२ खरीद गुर्योजना तथा वार्षिक खरीद योजनाको आधारमा वार्षिक विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>५.३ रु. तीस लाख भन्दा बढीको खरीदलाई विद्युतीय प्रणाली मार्फत कार्यान्वयन गरिनेछ ।</p> <p>५.४ रु. दशलाख भन्दा बढीको भुक्तानीलाई वेबसाइट मार्फत नियमित रुपमा सार्वजनिक गरिनेछ ।</p>

## ८.१.८ नतिजा खाका

तालिका ६१ : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको यथार्थ उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	योजनाको लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
सेवा प्रवाहमा सन्तुष्ट सेवाग्राही	प्रतिशत	०	८०	८२	८५	८८	९०	९०	नमूना सर्वेक्षण
स्विकृत नीति, कानून र कार्यविधि तथा मापदण्ड	संख्या	३६	५२	६०	६८	७९	८१	८९	कार्यालय अभिलेख
१. नीति	संख्या	०	०	२	३	५	६	७	
२. ऐन	संख्या	१६	२३	२५	२८	३०	३२	३५	
३. नियम तथा विनियम	संख्या	८	११	१३	१५	१७	१८	२०	
४. निर्देशिका, कार्यविधि र मापदण्ड	संख्या	१२	१८	२०	२२	२४	२५	२७	
क्रियाशील नीतिगत समिति संयन्त्र	संख्या	३	१०	१२	१३	१४	१५	१५	अभिलेख
कूल खर्चमा बेरुजुको अवस्था	प्रतिशत	७.०१	६	५.५	५	४.५	४	३.५	ले.प. प्रतिवेदन

## ८.१.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ६२ : नीति कानून न्याय सुशासन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक कुल लक्ष्य	कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१, २, ३	नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	संख्या	१	१०२८२	६	गाउँपालिका
<b>जम्मा</b>				<b>१०२८२</b>		

## ८.१.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

स्थानीय नीति र कानून तर्जुमा, न्यायिक समिति तथा मेलमिलाप केन्द्रको माध्यमबाट साना विवादहरू सजिलै छोटो समयमा कम खर्चिलो तरिकाबाट समाधान हुन सक्ने हुन्छ। जनचेतनाको अवस्था कमजोर रहेको र गाउँपालिकामा दक्ष जनशक्तिको कमीका कारण तर्जुमा गरिएका नीति कानूनको प्रभावकारी कार्यान्वयन नहुने जोखिम रहेको छ। नीति तथा कानून निर्माण तथा पारदर्शिता र जवाफदेहिताको कार्यान्वयनमा नागरिक चासो कम हुन गै जनसहभागिता प्रभावकारी नहुने जोखिम रहन सक्छ।

## ८.२ संगठन, मानव संसाधन र सेवा प्रवाह

### ८.२.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले मुख्य प्रशासनीक भवन चौरीखर्कबाट र ५ वटै वडा कार्यालयबाट नियमित सेवा प्रवाह गर्दै आएको छ। सेवा प्रवाह र कार्यसम्पादनलाई चुस्त र प्रभावकारी बनाउन आवश्यकता अनुसार कर्मचारी तथा पदाधिकारीहरूको क्षमता विकासका लागि तालिम आयोजना गर्ने गरिएको छ। सेवा प्रवाहलाई सूचना प्रणालीमा आधारित गर्ने कार्यको थालनी गरिएको छ। कर्मचारीको कार्यबोझ र सेवा प्रवाहमा सुधार ल्याउन संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण तयार गरी स्विकृत गरिएको छ। हाल गाउँपालिकामा स्विकृत दरबन्दी मध्ये ४५ जना कर्मचारी कार्यरत रहेका छन्। सेवाको पहुँच समुदायस्तरमा सहज रूपमा पुऱ्याउन स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन, कडा रोगमा उपचार सहयोग तथा आकस्मिक विरामीका लागि एयर एम्बुलेन्स सेवाको व्यवस्था गरिएको छ। भौगोलिक विकटता र प्रतिकूल

मौसमको कारण कार्यालयमा भौतिक रूपमा उपस्थित हुन नसक्ने अवस्थाका सेवा ग्राहीलाई कागजात र राजश्व तिरेको प्रमाण अनुसार विद्युतीय माध्यमबाट सिफारिश लगायतका सेवा उपलब्ध गराउने कार्यको शुरुवात गरिएको छ ।

### ८.२.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा स्विकृत दरवन्दी अनुसारको जनशक्ति व्यवस्थापन हुन नसक्नु, उपलब्ध जनशक्तिको दिगो व्यवस्थापन हुन नसकि छिटो छिटो सुरुवा हुनु, गाउँपालिकाको क्षमता विकास योजना पुर्ण रूपमा कार्यान्वयन हुन नसक्नु, कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन प्रणाली लागू हुन नसक्नु आदि यस उपक्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् । त्यसैगरी सेवा प्रवाहलाई पुर्ण रूपमा विद्युतीय प्रणालीमा आवद्ध गर्न नसक्नु, गाउँपालिकाको प्रशासकीय भवन निर्माण हुन नसक्नु जस्ता समस्याहरू पनि विद्यमान रहेका छन् । गाउँपालिकामा कार्यरत जनशक्ति र स्रोत साधनको प्रभावकारी परिचालनद्वारा सेवा प्रवाहमा सुधार गर्दै जनअपेक्षाको परिपूर्ती र जनतामा सन्तुष्टीको स्तर अभिवृद्धि गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ ।

### ८.२.३ संभावना तथा अवसर

मुलुकमा सङ्घीयता कार्यान्वयनको क्रममा कर्मचारी समायोजन प्रकृया सम्पन्न भएसँगै प्रशासनिक सङ्घीयताको कार्यान्वयन पनि प्रारम्भ भएको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले समायोजन सम्पन्न भए पश्चात स्थानीय तहले कार्यबोझ, राजस्व क्षमता, खर्चको आधार र स्थानीय आवश्यकता तथा विशिष्टता समेतलाई ध्यानमा राखी सङ्गठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण प्रतिवेदन स्विकृत गरी आवश्यकता अनुसारको जनशक्ति व्यवस्थापन गर्न सक्ने व्यवस्था गरेको छ । प्रदेश लोक सेवा आयोगको स्थापना भै कार्य प्रारम्भ गरिसकेको छ । संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणका लागि नेपाल सरकारबाट दिगदर्शन तयार गरी उपलब्ध गराइएको छ भने आवश्यकता अनुसार प्रदेश सुशासन केन्द्रमार्फत प्राविधिक सेवा समेत उपलब्ध गराउने गरिएको छ । सेवा प्रवाहलाई नागरिकमैत्री बनाउन सूचना प्रविधिमा आधारित गर्नका लागि आवश्यक विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधामा समेत क्रमशः विस्तार हुँदै गएको छ । नागरिक चेतनाको स्तर तथा नागरिकमा सूचना प्रविधिको पहुँचमा पनि क्रमशः सुधार हुँदै गएको छ । नतिजामुखी प्रशासनप्रतिको नागरिक अपेक्षामा भएको वृद्धिले स्थानीय तहको सेवाप्रवाहमा सुधारका लागि सहज वातावरण तयार हुँदै गएको छ ।

### ८.२.४ सोच

प्रशासनमा व्यवसायिकता र प्रतिबद्धता: प्रभावकारी सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता ।

### ८.२.५ लक्ष्य

- प्रभावकारी र जनमुखी प्रशासनिक संयन्त्रको विकास गर्ने ।

### ८.२.६ उद्देश्य

१. गाउँपालिकाको संगठन संरचना र जनशक्ति व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी तुल्याउनु,
२. कर्मचारी संयन्त्रलाई कार्य जिम्मेवारी प्रति प्रतिबद्ध र उत्प्रेरित बनाउनु,
३. सेवा प्रवाहमा नागरिकको पहुँच अभिवृद्धि गर्नु ।

### ८.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ६३ : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण आवश्यकता अनुरूप पुनरावलोकन गर्ने,	१.१ संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गर्दा कार्यपद्धति, कार्यप्रकृया, संयन्त्र र संस्थागत क्षमता लगायतका समग्र पक्षको अध्ययन गरिनेछ । १.२ कर्मचारीको कार्यविवरण परिमार्जन गरी समयसापेक्ष तुल्याइनेछ । १.३ संगठन तथा क्षमता विकास रणनीति सहित गाउँपालिकाको विस्तृत क्षमता विकास योजना र कार्यहरू तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.४ कर्मचारीहरूको क्षमता विकासका लागि सङ्घीय तथ प्रदेश सरकारका संबन्धित निकाय र साझेदार सङ्घसंस्थासँग समन्वय, साझेदारी र सहकार्य गरिनेछ ।
२. जनशक्ति आपूर्ति सुनिश्चित गर्ने तथा व्यवस्थापनका व्यवस्थाको प्रबन्ध गर्ने,	२.१ रिक्त पद पूर्तीका लागि माग आकृति फाराम नियमित रुपमा प्रदेश लोक सेवा आयोगमा पठाउने प्रबन्ध गरिनेछ । २.२ जनशक्ति व्यवस्थापनका लागि आवश्यक नीतिगत तथा कानुनी व्यवस्थाको प्रबन्ध गरिनेछ । २.३ जनशक्ति व्यवस्थापन सम्बन्धमा कर्मचारी बीच छलफल, परामर्श तथा क्षमता विकासको प्रबन्ध गरिनेछ ।
३. कर्मचारी प्रोत्साहन प्रणालीलाई कार्यसम्पादनमा आधारित बनाउने ।	३.१ कर्मचारीको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कनलाई नतिजामा आवद्ध गरिनेछ । ३.२ प्रोत्साहन प्रणालीलाई कार्यसम्पादनमा आधारित बनाइनेछ । ३.३ दण्ड र पुरस्कारको नीतिलाई नतिजामा आधारित गरी नियमित तुल्याइनेछ । ३.४ गाउँपालिकामा कार्यसम्पादनमा आधारित करार पद्धति र कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन प्रणालीको स्थापना गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
४. जनप्रतिनिधी, कर्मचारी तथा नागरिक संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने,	४.१ जनप्रतिनिधि र कर्मचारीको क्षमता विकास आवश्यकताको पहिचान गरिनेछ । ४.२ संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन नतिजाको आधारमा क्षमता विकास योजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ । ४.३ नियमित कार्यक्रममा समावेश गरी स्विकृत नीति, ऐन, नियम कार्यविधि बारेमा जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, नागरिक समाज तथा सेवाग्राहीलाई अभिखीकरण गरिनेछ । ४.४ गाउँपालिकामा कार्यरत कर्मचारीहरूमा विषयगत दक्षता, कार्यकुशलता, जवाफदेहिता र उच्च मनोबलको विकास गरिनेछ ।
५. सेवा प्रवाहलाई सूचना प्रविधिमा आधारित तथा प्रभावकारी बनाउँदै लैजाने ।	५.१ सेवा प्रवाह, विकास निर्माण र प्रशासनिक कार्यमा सूचना प्रविधिको प्रयोगमा क्रमशः वृद्धि गरिनेछ । ५.२ सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरी सेवा प्रवाहमा निरन्तर सुधार गर्ने परिपाटी स्थापित गरिनेछ । ५.३ कार्यालयमा एकीकृत सेवा प्रवाहको लागि लेआउट सहितको सोधपुछ, सहायता कक्ष, स्तनपान कक्ष र सेवाग्राही प्रतिक्षालय सहित कार्यकक्षको व्यवस्था गरिनेछ ।

### ८.२.८ नतिजा खाका

तालिका ६४ : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको यथार्थ उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	योजनाको लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
स्विकृत दरबन्दीमध्ये रिक्त पद	संख्या								अभिलेख
गाउँपालिकामा कार्यरत प्राविधिक जनशक्ति	संख्या								अभिलेख
गाउँपालिकाले अबलम्बन गरेका जबाफदेहिताका औजार	संख्या	३	३	४	५	५	५	५	अभिलेख
मासिक रूपमा वडाको आमदानी र खर्च सार्वजनिक गर्ने वडाहरू	प्रतिशत	०	०	२	५	५	५	५	अभिलेख

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको यथार्थ उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	योजनाको लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
संस्थागत स्वमूल्यांकनको प्राप्तांक प्रतिशत	प्रतिशत	४६	६९.७५	७२	७५	७८	८०	८५	स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन
सूचना प्रविधिमा आधारित सेवा प्रवाहको प्रकार	संख्या	२	२	३	४	५	५	५	वेबसाइट र प्रतिवेदन

## ८.२.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ६५ : संगठन, मानव संसाधन, सेवा प्रवाह उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक लक्ष्य	अनुमानित कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१, २, ३	संगठन, मानव संसाधन, क्षमता विकास र सेवा प्रवाह सुदृढीकरण कार्यक्रम	वर्ष	५	४४५५७३	६	गाउँपालिका
	<b>जम्मा</b>			<b>४४५५७३</b>		

## ८.२.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाले प्रदेश, सङ्घ तथा सरोकारवालाहरूको सहकार्यमा मानव संसाधनको सीप र दक्षतामा अभिवृद्धि गरी सेवा प्रवाहमा सुधार गर्न सके अपेक्षित नतिजा हासिल हुनेछ । स्थानीय तहको संस्थागत क्षमता विकासका लागि उपलब्ध भैरहेको विद्यमान वैदेशिक सहयोगले निरन्तरता पाउनेछ । स्थानीय तहको संस्थागत क्षमता स्वमूल्यांकनको नतिजालाई अनुदानसँग आवद्ध गरी थप संस्थागत गरिनेछ ।

गाउँपालिकामा उपलब्ध हुने स्रोत स्थानीय पूर्वाधार तथा सामाजिक विकासको क्षेत्रमा लगानी केन्द्रित भै संस्थागत क्षमता विकासको लागि आवश्यक स्रोतको उपलब्धतामा न्यूनता आउने र यसबाट क्षमता विकास योजना प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन नहुने जोखिम रहन सक्दछ । साथै कर्मचारीको वृत्ति विकास र उत्प्रेरणाको कमीका कारण कर्मचारीको कार्यसम्पादनमा प्रभावकारिता नआउन सक्ने जोखिम रहन सक्छ । दण्ड र पुरस्कार तथा कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन प्रणाली सही रूपमा कार्यान्वयन हुन नसके यसबाट थप नकारात्मक नतिजा आउन सक्ने देखिन्छ । सेवा प्रवाहमा सूचना प्रविधिको उपयोगमा जोड दिँदा यस्तो पद्धतिको सुरक्षामा ध्यान दिन नसके ठूलो समस्या उत्पन्न हुन सक्ने हुन्छ ।

## ८.३ राजस्व तथा स्रोत परिचालन

### ८.३.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले वार्षिक रूपमा राजस्व परामर्श समितिको अध्ययन र सिफारिसका आधारमा कर तथा गैरकरको दर निर्धारण गरी आन्तरिक आय संकलन गर्ने गरिएको छ । गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोतमा पर्यटन सेवा शुल्क र ट्रेकिङ्ग सेवा शुल्कको योगदान सवैभन्दा बढी रहेको छ । गाउँपालिकाले आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा ४ करोड भन्दा बढी पर्यटन शुल्क उठाएको छ । विगतका वर्षहरूमा आन्तरिक आयको मात्रामा उतार चढाव देखिन्छ । खासगरी कोभिड १९ को प्रकोपको अवस्थामा पर्यटन शुल्क रकम नउठेको कारण यस्तो फरक देखिएको हो । पर्यटन शुल्क बाहेक आन्तरिक आयका अन्य प्रमुख स्रोतहरूमा मालपोत, घर बहाल कर र अन्य दस्तुर रहेका छन् । गाउँपालिकालाई पर्वतारोहण रोयल्टी बापत ठूलो रकम प्राप्त हुने गरेको छ । गाउँपालिका क्षेत्रभित्र होटल र अन्य व्यवसायको संख्या तुलनात्मक रूपमा धेरै भए पनि व्यवसाय कर बापत प्राप्त हुने आय न्यून रहेको छ । गाउँपालिकाले सम्पत्ति कर हालसम्म कार्यान्वयनमा ल्याएको छैन भने राजश्व संकलन कार्यमा अनलाईन सफ्टवेयरको प्रयोग गर्दै आएको छ । गाउँपालिकाले कार्यपालिकाको कार्यालय लगायत सवै वडा कार्यालयबाट समेत राजश्व संकलन गर्ने गरेको छ ।

### ८.३.२. समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाको राजस्व संकलनको सम्भावना प्रचुर रहेपनि राजस्व असुली प्रकृतिलाई सेवासँग जोड्न नसक्नु, राजस्व सुधार योजना अद्यावधिक हुन नसक्नु यस उपक्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन्। जसले गर्दा करको दायरालाई फराकिलो गर्न सकिएको छैन भने कर प्रशासनमा प्रभावकारिता आउन नसक्दा कर तिर्नेले तिरिरहने र कर नतिर्नेहरूको दायरामै नआउने समस्या उत्पन्न भएको छ। प्रभावकारी राजस्व प्रशासनका लागि आवश्यक नीतिगत तथा कानुनी व्यवस्था, संस्थागत संरचना र जनशक्ति व्यवस्था, तथ्याङ्क तथा सूचना प्रणालीको स्थापना र समन्वयमा कमीले गर्दा सम्भावना अनुसारको राजस्व परिचालन हुन सकेको छैन। राजस्व लक्ष्य प्राप्तिका लागि अभियानात्मक प्रयास तथा जनचेतनाका लागि प्रचारात्मक कार्यहरूको कमी रहेको छ। गाउँपालिकालाई आन्तरिक आयका आधारहरूलाई फराकिलो बनाई करको दायरामा विस्तार गर्दै आर्थिक आत्मनिर्भरता अभिवृद्धि गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

### ८.३.३ संभावना तथा अवसर

खुम्बु क्षेत्र नेपालकै प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्य भएको कारण यस गाउँपालिकाको आन्तरिक आयको प्रमुख स्रोत पनि पर्यटन र यससँग आवद्ध सेवा र क्षेत्र नै हुन सक्दछ। खासगरी पर्यटन शुल्क तथा सम्पत्ति कर नै गाउँपालिकाको आन्तरिक आयको प्रमुख स्रोतको रूपमा रहेको छ। यद्यपि गाउँपालिकाले हालसम्म सम्पत्ति कर कार्यान्वयनमा नल्याई मालपोत नै उठाइरहेको छ। त्यसैगरी होटल एवम् अन्य व्यवसायहरूमा भैरहेको परिमाणमात्रक र गुणात्मक विस्तारले गर्दा व्यवसाय कर पनि प्रमुख स्रोतको रूपमा परिचालन गर्न सकिने अवस्था छ। त्यसबाहेक पर्वतारोहण र वन रोयल्टी पनि गाउँपालिकाको प्रमुख आय स्रोतको रूपमा रहेको छ। गाउँपालिकाको प्रशासनीय केन्द्र हालसम्म सडक यातायातको पहुँचभन्दा बाहिर रहेको भए पनि निकट भविष्यमै सडक पहुँच कायम हुने अवस्था रहेकोले यसबाट बजार तथा बस्ती विकासमा हुने विस्तारसँगै नक्सा पास दस्तुर पनि गाउँपालिकाको प्रमुख आयस्रोत हुन सक्दछ। सडक पहुँचले यस क्षेत्रको व्यावसायिक गतिविधिहरूमा विस्तार हुने हुँदा यसबाट अन्य आन्तरिक आयसँगै घरजग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क तथा सवारी साधन कर बापतको आयमा पनि वृद्धि हुने संभावना छ।

### ८.३.४ सोच

"स्वावलम्बनको आधार: स्थानीय स्रोत परिचालनमा सुधार"

### ८.३.५ लक्ष्य

योजना अवधिको अन्त्यसम्ममा गाउँपालिकाको कुल आम्दानीमा संविधानको अनुसूची ८ बमोजिम परिचालन हुने आन्तरिक आयको हिस्सा बीस प्रतिशत पुऱ्याउने।

### ८.३.६ उद्देश्य

१. राजस्वका नयाँ स्रोतको खोजी गरी राजस्वको आधार फराकिलो तुल्याउनु,
२. करका दरलाई न्यायोचित बनाई दायरा विस्तार गर्नु,
३. राजस्व प्रशासनलाई सूचना प्रविधिमा आधारित बनाई प्रभावकारी तुल्याउनु।

### ८.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ६६ : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
● १. राजस्व सुधार कार्ययोजना तर्जुमा नियमित रूपमा अद्यावधिक गरी कार्यान्वयन गर्ने	१.१ सम्पत्ति कर कार्यान्वयनमा ल्याउनेछ साथै घरदैलो अभियान सञ्चालन गरी सबै व्यवसायलाई दर्ता प्रकृत्यामा ल्याइनेछ। १.२ गाउँपालिकामा प्राप्त स्रोतको निश्चित हिस्सालाई आयमूलक आयोजनामा समेत लगानी गर्ने वातावरण तयार गरिनेछ। १.३ नियमित बैठक, तालिम तथा क्षमता विकास गरी राजस्व परामर्श समितिको क्रियाशिलता अभिवृद्धि गरिनेछ।

रणनीति	कार्यनीति
२. सेवा प्रवाहलाई राजस्व परिचालनसँग आबद्धता गर्ने,	२.१ सेवा उपलब्ध गराउँदा गाउँपालिकालाई तिर्न बुझाउन बाँकी बक्यौता कर तिर्न अनिवार्य गर्ने नीति कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । २.१ राजस्व प्रशासन बारे जनप्रतिनिधि, कर्मचारी र करदाताको क्षमता विकास गरिनेछ । २.२ राजस्व सम्बन्धी नीति, ऐन, नियम कार्यविधि जानकारी र प्रचार प्रसारद्वारा सम्पत्ति वार्षिक राजस्व संकलनलाई सहज बनाइनेछ ।
३. करका दरलाई न्यायोचित बनाई कर तिर्न प्रोत्साहित गर्ने ।	३.१ करका दरलाई प्रगतिशील बनाइनेछ । ३.२ कर प्रशासनमा दण्ड र पुरस्कारको नीति अवलम्बन गरिनेछ । ३.३ हरेक आर्थिक वर्ष समाप्तिको अन्त्यमा उत्कृष्ट करदाता घोषणा गरी पुरस्कृत गरिनेछ ।
४. राजस्व प्रशासनमा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्ने,	४.१ अनलाइन प्रणाली मार्फत कर तिर्न सक्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । ४.२ राजस्व सूचना व्यवस्थापन प्रणाली कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । ४.३ वैज्ञानिक आधार र प्रमाणमा आधारित भई राजस्व स्रोतको संभाव्यता अध्ययन, विश्लेषण र प्रक्षेपणको व्यवस्था राजस्व प्रशासनलाई व्यवस्थित बनाइनेछ । ४.५ राजस्व शाखालाई थप व्यवस्थित र क्रियाशील बनाउन शाखामा कर्मचारीको व्यवस्था सीप तथा दक्षता अभिवृद्धि गरिनेछ ।

### ८.३.८ नतिजा खाका

तालिका ६७ : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	०७८/७९	०७९/८० सम्म	योजनाको लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
		सम्मको यथार्थ उपलब्धि	को अनुमानित उपलब्धि	०८०/८१	०८१/८२	०८२/८३	०८३/८४	०८४/८५	
प्रतिव्यक्ति वार्षिक लगानी	रु.हजार	४९	६८	७०	७३	७५	८०	९०	दस्तावेज
वार्षिक आन्तरिक आय रकम	रु.लाखमा	२०	३१	३५	४०	४३	४८	५५	दस्तावेज
कुल वार्षिक बजेट	रु.लाखमा	४५२१	६३७०	६५००	७५००	८५००	९५००	१००००	दस्तावेज
कूल आयमा आन्तरिक स्रोतको हिस्सा	प्रतिशत	११.३३	२४.४४	१८.४३	१८.९९	१९.५५	२०.२६	२०.३९	दस्तावेज
बेरुजु रकम	रु लाखमा	२११३	१५००	५००	३००	१००	२५	२०	दस्तावेज

### ८.३.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ६८ : राजस्व परिचालन उपक्षेत्रको कार्यक्रम आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक कुल लक्ष्य	अनुमानित कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१, २, ३	राजस्व सुदृढीकरण तथा स्रोत परिचालन कार्यक्रम	वर्ष	५	८५६९		गाउँपालिका
	<b>जम्मा</b>			<b>८५६९</b>		

### ८.३.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

प्रचलित कानून तथा स्थानीय सम्भावना अनुरूप पदयात्री तथा पर्वतारोही र यससँग सम्बन्धित व्यवसायलाई गरेको दायरामा ल्याइ राजस्व संकलनमा वृद्धि गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । स्थानीय बासिन्दामा कर तथा शुल्क वाध्यकारी अवस्थामा मात्र तिर्ने वानी भएको र पर्यटक र पर्वतारोहीको संख्या अस्थिर रहने भएकोले लक्ष्य अनुसारको राजस्व संकलन गर्न नसकिने जोखिम रहन सक्छ ।

## ८.४ तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन

### ८.४.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिकाले गाउँ वस्तुगत विवरण २०७६ तयार गरेको छ । गाउँपालिकाको रणनीतिक कार्ययोजना २०७६/७७ तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा रहेको छ । हाल गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण अद्यावधिक गर्ने क्रममा रहेको छ । चालु आ.व. मा गाउँपालिकाले प्रथम आवधिक योजना तथा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्यको सुरु गरेको छ ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनको दफा २४ ले पनि स्थानीय तहले आवधिक, गुरु योजना तथा विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजना र वार्षिक योजना बनाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ । गाउँपालिकामा योजना र बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनका लागि विषयगत समितिहरूका साथै राजस्व परामर्श समिति, श्रोत अनुमान तथा बजेट सिमा निर्धारण समिति, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति र अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण समितिहरू क्रियाशील रहेका छन् । साथै सेवाग्राही तथा लक्षित समुदाय र नागरिक समाजको समेत सहभागितामा सहभागितामूलक योजना तर्जुमाको अभ्यास गरी गाउँसभाबाट स्विकृत नीति तथा बजेट र कार्यक्रमलाई बजेट पुस्तिका, वेवसाइट र सूचना पाटीमार्फत् सार्वजनिक गर्ने अभ्यास कार्यान्वयन भईरहेको छ । विकास निर्माणका कार्यहरू सम्भव र उपयुक्त भएसम्म टोल विकास संस्थाहरू मार्फत कार्यान्वयन गरी जनसहभागिता परिचालन गर्ने नीति अवलम्बन गरिएको छ ।

### ८.४.२. समस्या तथा चुनौती

योजना तर्जुमाका लागि अद्यावधिक तथ्याङ्कको कमी, योजनागत अनुभवको कमी, दक्ष जनशक्तिको कमी, कमजोर संस्थागत पूर्वाधार, अन्तर सरकार र अन्तर निकाय समन्वयको कमी आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् । तथ्यमा आधारित योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्नु, आवधिक योजना र वार्षिक योजनाबीच तादात्म्यता कायम गर्नु, नतिजामुखी योजना तर्जुमा गर्नु, योजनाको कार्यान्वयन क्षमता वढाउनु, अनुगमन पद्धतिलाई नतिजामा आधारित बनाउनु, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा संस्थागत क्षमताको विकास गर्नु, निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु, विकासमा सबै लिङ्ग, वर्ग र समुदायको समतामूलक पहुँच स्थापित गर्नु, वालवालिका, महिला, अपाङ्गता एवम् वातावरण मैत्री विकास गर्नु, श्रोतको समुचित व्यवस्थापन गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ८.४.३ संभावना तथा अवसर

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले गाउँपालिकालाई आवधिक योजना, गुरुयोजना, विषयक्षेत्रगत रणनीतिक योजना र वार्षिक योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने विषयलाई अनिवार्य गरेको र अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन तथा आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व सम्बन्धी ऐन र सो सम्बन्धी नियमावलीले मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गरी आवधिक योजना तथा वार्षिक योजनाबीच सामञ्जस्यता कायम गर्न अनिवार्य गरेको छ । यी विषयमा गाउँपालिकालाई सहजीकरण गर्न नेपाल सरकारले विभिन्न दिग्दर्शन तथा स्रोत सामग्रीहरू तयार गरी उपलब्ध गराउने र तालिम तथा क्षमता विकास गर्ने कार्य गरिरहेको छ । त्यसबाहेक आवश्यकता अनुसार प्राविधिक सहयोग समेत उपलब्ध गराउने गरेको छ । यी सबै कार्यमा गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता विकास होस भन्ने अभिप्रायले गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन सूचकमा समेत यी विषय समावेश भएका छन् । आवधिक योजना तर्जुमा गर्ने कार्यले गाउँपालिका क्षेत्रमा कार्यरत गैर सरकारी तथा निजी क्षेत्र र सङ्घीय एवम् प्रदेश सरकारको स्रोतलाई पनि गाउँपालिकाको प्राथमिकताको क्षेत्रमा समन्वयात्मक रूपमा परिचालन गर्न सकिने वातावरण समेत तयार हुने अवस्था रहेको छ । योजना प्रकृत्यामा प्रभावकारिता कायम हुँदा नै विकासको गति समेत सकारात्मक र तीव्र बन्ने विषयमा गाउँपालिकाको नेतृत्व र स्थानीय सरोकारवाला व्यक्ति, सङ्घ संस्था तथा सरकारी तथा गैर सरकारी निकायहरूमा एकमत हुनु पनि अवसरको रूपमा रहेको छ ।

### ८.४.४ सोच

वस्तुनिष्ठ सूचना र तथ्याङ्कको उपलब्धता: नतिजामूलक योजना तर्जुमाको सुनिश्चितता ।

#### ८.४.५ लक्ष्य

- योजना तर्जुमा प्रक्रियालाई सहभागितामूलक र तथ्याङ्कमा आधारित बनाउने ।

#### ८.४.६ उद्देश्य

१. योजना तर्जुमा पद्धतिलाई नतिजामूलक बनाउनु,
२. उपलब्ध स्रोत साधनको प्रभावकारी परिचालन गर्नु ।

#### ८.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति

तालिका ६९ : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. नीति, योजना तथा बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई सहभागितामूलक र तथ्य तथा प्रमाणमा आधारित बनाउने,	१.१ गाउँपालिकामा तथ्याङ्क संकलन नियमित रूपमा अद्यावधिक गरी वेबसाइट मार्फत सार्वजनिक गरिनेछ तथा नीति, योजना र कार्यक्रम तर्जुमा प्रक्रियामा प्रयोग गरिनेछ । १.२ गाउँपालिकाको योजना तर्जुमा गर्दा गैर सरकारी तथा नीजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी स्रोतको समन्वयात्मक ढंगबाट परिचालन गरिनेछ । १.३ आवधिक योजना र मध्यमकालीन खर्च संरचना अनुसार नतिजामूलक ढाँचामा वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरिनेछ ।
२. एकीकृत तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने,	२.१ विभिन्न निकाय र विषयगत शाखाहरूमा उपलब्ध रहेको तथ्याङ्क र सूचनालाई एकीकृत गरी अद्यावधिक र प्रयोग गर्ने प्रबन्ध गरिनेछ । २.२ नतिजा सूचकमा आधारित तथ्याङ्क सङ्कलनमा जोड दिई संकलित तथ्याङ्कको अधिकतम उपयोग गर्ने नीति कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । २.३ ईपालिका एप्लिकेशनको माध्यमबाट गाउँपालिकाको एकीकृत तथ्याङ्क प्रणाली कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
३. नीति, आवधिक योजना, विषयगत र वार्षिक योजनाबीच सामञ्जस्यता कायम गर्ने	३.१ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्ने कार्यलाई नियमित गर्न कर्मचारीहरूलाई तालिम प्रदान गरिनेछ । ३.२ आयोजना बैंकको अवधारणालाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
४. वार्षिक कार्यक्रम कार्यक्रम कार्यान्वयनलाई प्रभावकारी र उपलब्धिमूलक बनाइने	४.१ वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना बनाई कार्यान्वयन गर्ने परिपाटी अवलम्बन गरिनेछ । ४.२ प्रत्येक श्रावण महिनाभित्र चालु आर्थिक वर्षको वार्षिक खरिद योजना र खरिद गुर्योजना स्विकृत गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । ४.३ पूँजीगत बजेट खर्च गर्ने क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । ४.४ गैसस, समुदाय, विकास साझेदार, निजी क्षेत्र, प्रदेश र सङ्घीय सरकारका निकायसँग समन्वय बैठक तथा साझेदारीका क्षेत्रबारे अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
५. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धतिलाई नतिजामा आधारित तथा सहभागितामूलक बनाउने	५.१ वार्षिक कार्ययोजनाको आधारमा अनुगमनको वार्षिक योजना तयार गरी कार्यपालिकाबाट स्विकृत गराई कार्यान्वयन गरिनेछ । ५.२ नीति, योजना तथा कार्यक्रमका नियमित, वार्षिक, मद्यावधी र आवधिक रूपमा प्रक्रिया तथा नतिजा अनुगमन एवम् चौमासिक र वार्षिक समीक्षा तथा प्रमुख आयोजनाको प्रभाव मूल्याङ्कन गरिनेछ । ५.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धतिलाई नतिजामा आधारित बनाइनेछ । ५.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदन वेबसाइट मार्फत सार्वजनिक गरिनेछ ।

### ८.४.८ नतिजा खाका

तालिका ७० : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा खाका

सूचक	एकाइ	२०७८/७९ सम्मको यथार्थ उपलब्धि	२०७९/८० सम्मको अनुमानित उपलब्धि	योजनाको लक्ष्य					सूचनाको स्रोत
				०८०/८१	०८१/८२	०८२/८३	०८३/८४	०८४/८५	
तर्जुमा भएका दीर्घकालीन, मध्यमकालीन रणनीतिक तथा गुरुयोजना योजना	विषय	१	२	३	४	५	६	६	दस्तावेज
गाउँपालिकामा क्रियाशिल र साझेदार गैसस, सहयोगी र नागरिक समाज संस्था	संख्या	२२	२२	२४	२५	२५	२६	२७	अभिलेख
सबै तहमा जवाफदेही, सहभागितामूलक र प्रतिनिधिमूलक निर्णयको अभ्यास	प्रतिशत	५५	५६	५९	६३	६५	७०	७५	निर्णयको अभिलेख
समयमा सम्पन्न आयोजना तथा कार्यक्रम	प्रतिशत	७६	७८	८०	८२	८५	८८	९०	प्रतिवेदन
पूँजीगत खर्चको प्रगति	प्रतिशत			७०	७५	८०	८५	९०	खर्च प्रतिवेदन

### ८.४.९ कार्यक्रम तथा आयोजना

तालिका ७१ : तथ्यांक योजना र विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

उद्देश्य नम्बर	कार्यक्रम तथा आयोजना	एकाइ	कुल भौतिक लक्ष्य	अनुमानित कुल लागत (रु. हजारमा)	रणनीति नम्बर	जिम्मेवारी (गाउँपालिका आफै, प्रदेश सरकार, नेपाल सरकार र गैसस र अन्य निकाय)
१,२	तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन कार्यक्रम	वर्ष	५	२५७०६		गाउँपालिका
	<b>जम्मा</b>			<b>२५७०६</b>		

### ८.४.१० अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकालाई आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विषयमा तथ्याङ्क व्यवस्थापन, दीर्घकालीन तथा मध्यमकालीन योजना, वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनमा नीतिगत तथा संस्थागत क्षमता विकासमा प्रदेश र नेपाल सरकारबाट प्राविधिक सहयोग उपलब्ध हुने अपेक्षा गरिएको छ । सो अनुसारको सहयोग र सहजीकरण उपलब्ध गराउने कार्यले निरन्तरता पाउन नसकेमा गाउँपालिकाको विकास प्रयाशलाई नतिजामूलक र प्रभावकारी बनाउन नसकिने जोखिम हुन सक्दछ । त्यसैगरी आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र आयोजना बैकलाई उपलब्ध स्रोत साधनलाई प्राथमिकतामा केन्द्रित गर्ने प्रभावकारी माध्यमको रूपमा भन्दा औपचारिक दस्तावेजको रूपमा उपयोग गर्ने आम मनोबृत्तिमा सुधार हुन नसकेमा समग्र योजना प्रकृया स्रोतको भागबण्डा गर्ने प्रकृत्यामा सिमित रहन सक्ने जोखिम रहन सक्दछ ।

## परिच्छेद नौ: आवधिक योजना कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

### ९.१ आवधिक योजना कार्यान्वयन

गाउँपालिकाको वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेटका माध्यमबाट यस आवधिक योजनाको कार्यान्वयन हुनेछ । यसका लागि आवधिक योजनाको आधारमा आयोजना बैंक तयार गरी सोको आधारमा तीन वर्षको खर्च तथा लगानी स्रोतको प्रक्षेपण सहित चक्रीय रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिनेछ । मध्यमकालीन खर्च संरचनामा आधारित भै वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेटमार्फत प्राथमिकता प्राप्त कार्यक्रम तथा आयोजनामा बजेट विनियोजन गरी यस योजनाको वास्तविक कार्यान्वयन गरिनेछ । वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा गर्दा आवधिक योजनाको समग्र लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता, विषय क्षेत्रगत रणनीति तथा कार्यनीति एवम् कार्यक्रम तथा आयोजनालाई आधार लिईनेछ ।

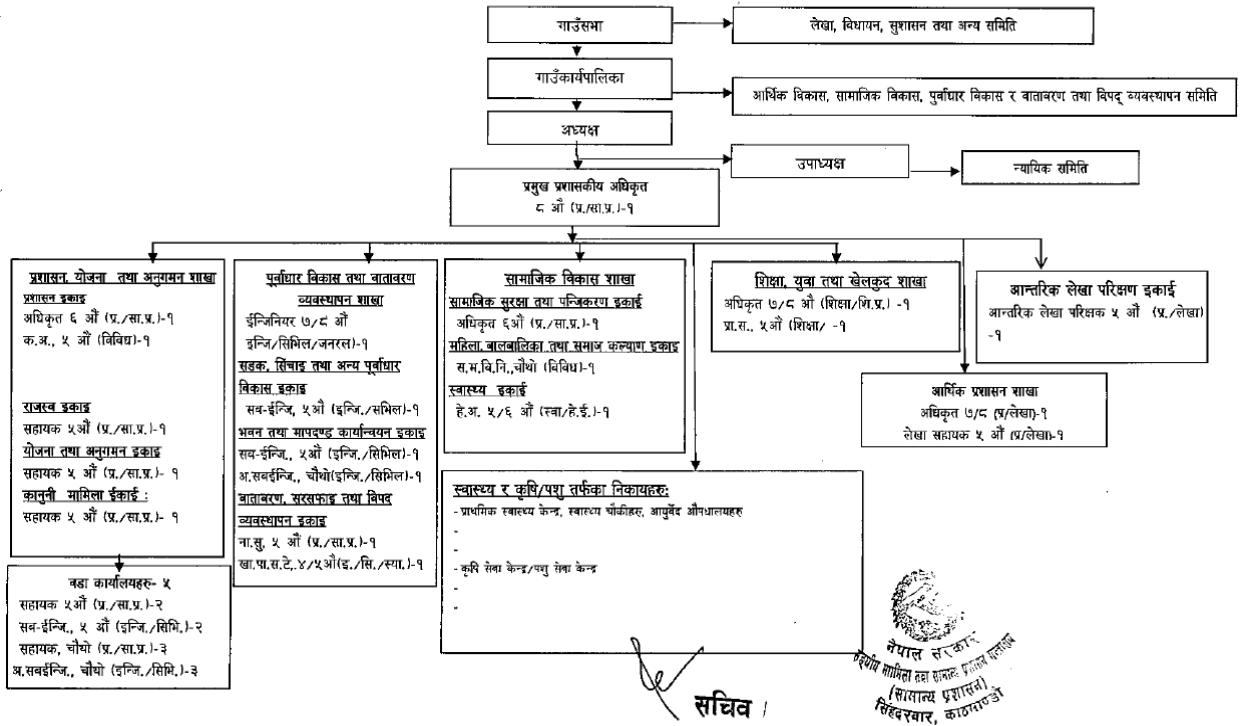
- आवधिक योजना
- आयोजना बैंक तयारी (आयोजना पहिचान र अवधारणा तयारी, आयोजना लेखाजोखा र प्रस्ताव तयारी, आयोजना छनौट तथा प्राथमिकता निर्धारण)
- मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा (७ चरणको प्रक्रियाबाट)
- वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा (बजेट विनियोजन)
- प्राथमिकता निर्धारण तथा सांकेतिकरण
- विषय क्षेत्रगत तथा एकीकृत कार्ययोजना
- खरिद योजना (गुरु तथा वार्षिक)
- अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा गर्दा आवधिक योजनाका साथै विषय क्षेत्रगत रणनीतिक तथा गुरुयोजना समेतलाई आधार लिईनेछ । स्विकृत वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेट कार्यान्वयनका लागि चैमासिक विभाजन सहितको एकीकृत कार्ययोजना र सो सोअनुसार खरिद गुरुयोजना तथा वार्षिक खरिद योजना तयार तथा स्विकृत गरी कार्यान्वयनका लागि कार्यान्वयन गर्ने निकाय वा एकाइलाई प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले अख्तियारी प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । स्विकृत कार्ययोजना अनुसार कार्यान्वयन क्रममा अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण र कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रकृति हेरी शुरू, मध्यम, अन्तिम अवस्था र विकासको चरण मूल्याङ्कनका लागि अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना निर्माण र निर्धारित विधि तथा प्रक्रिया अनुसार अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गरी प्रतिवेदनको सुझाव कार्यान्वयनको व्यवस्था गरिनेछ ।

### ९.२ आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि संगठन संरचना

यस गाउँपालिकाको आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि गाउँपालिकाको स्विकृत संगठन संरचना र सो अनुसारको जनशक्ति क्रियाशिल रहनेछ । हालको स्विकृत संगठन संरचना र दरबन्दी आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि पर्याप्त र सामयिक नदेखिएको हुँदा संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण मार्फत यसको परिमार्जन प्रस्ताव गरिएको छ । त्यस्तो परिमार्जन गाउँसभाबाट स्विकृत गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । गाउँसभाबाट नयाँ संगठन संरचना र दरबन्दी स्विकृत नहुँदासम्म देहाय बमोजिमको संगठन संरचना र जनशक्ति मार्फत यस योजनाको कार्यान्वयन गरिनेछ:

खुम्बु पासाङल्हायु गाउँपालिका, सोलुखुम्बु  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालयको संगठन संरचना



१.३ आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि प्रस्तावित मानव संसाधन

यस आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि देहाय प्रस्ताव गरे बमोजिमको मानव संसाधनको आवश्यक पर्ने आँकलन गरिएको हुँदा नयाँ संगठन संरचना र दरबन्दी संरचना प्रस्ताव गर्दा यसलाई पनि आधारको रूपमा लिन सकिनेछः

तालिका ७२ : प्रस्तावित मानव संसाधन विवरण

विषय क्षेत्र	तह अनुसार आवश्यक कर्मचारी संख्या						जम्मा
	आठौं तह	सातौं तह	छटौं तह	पाँचौं तह	चौथो तह	श्रेणी विहिन	
शिक्षा, खेलकुद र युवा	०	१	०	२	०	०	३
पर्यटन, उद्योग र व्यापार	०	१	०	१	०	०	२
वातावरण र विपद	०	०	१	०	१	०	२
कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	०	०	१	१	३	०	५
पशुपंक्षी सेवा	०	०	१	१	२	०	४
जनस्वास्थ्य तथा पोषण	१	१	२	२१	१३	१०	४८
पूर्वाधार विकास	०	१	१	१	४	०	७
योजना तथा अनुगमन	०	०	१	१	०	०	२
आर्थिक प्रशासन	०	०	१	०	१	०	२
सामान्य प्रशासन	०	१	१	६	३	८	१९
सामाजिक विकास	०	०	०	१	१	०	२
खानेपानी तथा सरसफाई	०	०	०	१	०	०	१
श्रम, रोजगारी र सहकारी	०	०	०	१	०	०	१
सूचना प्रविधि	०	०	१	०	०	०	१
जम्मा	१	५	१०	३७	२८	१८	९९

माथि उल्लिखित जनशक्ति प्रस्ताव यस योजनाको कार्यान्वयनका लागि जनशक्ति आवश्यकताको आधारमा मात्र प्रक्षेपण गरिएको हुँदा यसमा संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणको क्रममा कार्यबोझ विश्लेषण तथा प्रशासनीक खर्चको सीमा लगायतका प्रचलित कानुनी व्यवस्था र कर्मचारीहरूको बृत्ति विकास, पदसोपान, नियन्त्रणको सीमा, समन्वय आदि सिद्धान्तहरू समेतका आधारमा विश्लेषण गरी उपयुक्त संगठन संरचना र दरवन्दी प्रस्ताव तयार गरिनेछ ।

## १.४ स्रोत आवश्यकता तथा वित्तीय व्यवस्था रणनीति

### १.४.१ स्रोत आवश्यकताको अनुमान तथा प्रक्षेपण

योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठीको छलफल, प्राविधिक सम्भाव्यता तथा प्रति इकाई लागत समेतका आधारमा विषयक्षेत्रअनुसार योजना कार्यान्वयनको प्रस्तावित लागत अनुमान गरिएको छ । यस बमोजिम प्रस्तुत आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि योजना अवधिमा रु. १४ अर्ब ४७ करोड ७९ लाख ६७ हजार स्रोत आवश्यक पर्ने अनुमान गरिएको छ । योजनाको विषय क्षेत्र/उप-क्षेत्र अनुसारको अनुमानित लागत रकम देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

तालिका ७३ : स्रोतको आवश्यकताको अनुमान र प्रक्षेपण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र तथा उपक्षेत्र	रकम (रु. हजारमा)	प्रतिशत
<b>क.</b>	<b>आर्थिक विकास</b>	<b>१५४४१४०</b>	<b>१०.६७</b>
१.	पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा	१३७५५०७	९.५०
२.	कृषि, सिंचाई तथा खाद्य सुरक्षा	६५९५०	०.४६
३.	पशुपंक्षी सेवा	२९९९६	०.२१
४.	उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय र आपूर्ति	२७४२०	०.१९
५.	भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वित्तीय सेवा	३६८९	०.०३
६.	श्रम, रोजगारी र गरिबी निवारण	४९६५८	०.२९
<b>ख.</b>	<b>सामाजिक विकास</b>	<b>२२९७००२</b>	<b>१५.८७</b>
७.	स्वास्थ्य तथा पोषण	४६७५९०	३.२३
८.	शिक्षा, कला, भाषा तथा साहित्य	४६७५४९	३.२३
९.	खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता	५७४५७६	३.९७
१०.	लैङ्गिक समानता, सामाजिक समावेशीकरण र संरक्षण	२०५६५	०.१४
११.	युवा, खेलकुद तथा मनोरञ्जन	७५३०९२	५.२०
१२.	सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण	१३७१०	०.०९
<b>ग.</b>	<b>पूर्वाधार विकास</b>	<b>९९८२१७६</b>	<b>६८.९५</b>
१३.	बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण	७७५३२३१	५३.५५
१४.	सडक, पुल तथा यातायात	९३५६५३	६.४६
१५.	जलस्रोत, विद्युत् तथा स्वच्छ ऊर्जा	१२७९५८२	८.८४
१६.	सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि	१३७१०	०.०९
<b>घ.</b>	<b>वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b>	<b>१६४५१९</b>	<b>१.१४</b>
१७.	वन, जैविक विविधता, भूसंरक्षण र नदी नियन्त्रण	५८२६७	०.४०
१८.	वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन	६८५५०	०.४७
१९.	विपद् जोखिम व्यवस्थापन र तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	७२७०२	०.५०
<b>ङ.</b>	<b>संस्थागत विकास र सुशासन</b>	<b>४९०१३०</b>	<b>३.३९</b>
२०.	स्थानीय नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन	१०२८२	०.०७
२१.	सङ्गठन, मानव संसाधन तथा क्षमता विकास	४४५५७३	३.०८
२२.	राजस्व तथा स्रोत परिचालन	८५६९	०.०६
२३.	योजना तथा विकास व्यवस्थापन	२५७०६	०.१८
	<b>कुल जम्मा</b>	<b>१४४७७९६७</b>	<b>१००.००</b>

### १.४.२ लगानी हुन सक्ने स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण

यस गाउँपालिकाको प्रथम आवधिक योजनाको कार्यान्वयन गाउँपालिकाको नेतृत्वदायी भूमिका तथा अन्य तहका सरकार, निजी क्षेत्र, विकास साझेदार संस्था, स्थानीय समुदाय लगायत विकासका सरोकारवालाहरूसँगको समन्वय, सहकार्य एवं साझेदारीमा हुनेछ । आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य हासिल गर्न तर्जुमा गरिएको कार्यान्वयन योजनामा गाउँपालिकाको आन्तरिक र बाह्य स्रोतबाट हासिल गर्ने आय, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार निकायबाट हुन सक्ने लगानी, निजी क्षेत्र तथा विकासका सरोकारवालाबाट हुन सक्ने लगानीका स्रोतहरूको समेत प्रक्षेपण गरिएको छ । यस योजनाको अवधिमा आन्तरिक, बाह्य स्रोत, निजी क्षेत्र, गैसस, जनसहभागिता र अन्य स्रोतबाट जम्मा रु. ११ अरब ४१ करोड ७४ लाख ४० हजार स्रोत उपलब्ध हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ । योजना अवधिमा उपलब्ध हुनसक्ने स्रोतको प्रक्षेपित विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ७४ : आवधिक योजना अवधिमा लगानी हुन सक्ने स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण (रकम रु. हजारमा)

बजेटका स्रोतहरू	२०७६/७७	२०७७/७८	२०७८/७९	२०७९/८०	आय अनुमान र प्रक्षेपण					५ आ व को जम्मा
	को यथार्थ	को यथार्थ	को यथार्थ	को यथार्थ	२०८०/८१	२०८१/८२	२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५	
१. आन्तरिक आय	७०५५०	११८३४	५२३८०	१५५३७२	१०५०००	११७६००	१२९३६०	१४८७६४	१६३६४०	६६४३६४
२. राजस्व बाँडफाट	३३९८१	५४२४६	६००१२	८१८३४	८०६७९	८४९५८	९३४५४	१०२७९९	११३०७९	४७४९७०
क. नेपाल सरकार	३३९८१	५४२४६	५३६७८	७९८३४	७८२२६	८२९३७	९०३५९	९९३८६	१०९३२५	४५९४२५
ख. प्रदेश सरकार	०	०	६३३४	२०००	२४५३	२८२९	३९०३	३४९३	३७५५	१५५४५
३. रोयल्टी बाँडफाट	११५०३२	३४४२	९२५०४	७००२०	९२०००	१०२०००	११२५००	१३९११०	१५३४५३	५९९०६३
क. वन रोयल्टी	३२९३६	०	१९९६	२०	२०००	३०००	३६००	४३२०	५९८४	१८९०४
ख. खानी रोयल्टी	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ग. पर्वतारोहण रोयल्टी	८२८९६	३४४२	९०५८८	७००००	९००००	९९०००	१०८९००	११९७९०	१३१७६९	५४९४५९
घ. विद्युत रोयल्टी	०	०	०	०	०	०	०	१५०००	१६५००	३१५००
ङ. पानी अन्य रोयल्टी	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४. नेपाल सरकार	१७३३९८	१२८३६७	२१६४२९	२०७१००	२२०९००	२४४८४०	२६७३२४	२८६९१४	३०८२०६	१३२८१८४
क. वित्तीय समानीकरण	८२७००	६३९००	९०६०१	९६५००	८५०००	९३५००	१०२८५०	१०७९७३	११३३९२	५०२७३५
ख. सशर्त अनुदान	८४५३१	६४४६७	१२५८२८	११०६००	११९४००	१३१३४०	१४४४७४	१५८९२९	१७४८१४	७२८९४९
ग. समपूरक अनुदान	०	०	०	०	८०००	१००००	१००००	१००००	१००००	४८०००
घ. विशेष अनुदान	४९६७	०	०	०	८५००	१००००	१००००	१००००	१००००	४८५००
५. प्रदेश सरकार	१४२६५	३३३	१५५५७	२५२००	२२६३७	२६१५१	२७२६६	२८४९२	२९८४२	१३४३८७
क. वित्तीय समानीकरण	६६०३	३३३	५१२७	५२००	५९३७	५६५९	६२९६	६८३७	७५२९	३९३६२
ख. सशर्त अनुदान	५६६२	०	४३०	०	५०००	५५००	६०५०	६६५५	७३२९	३०५२६
ग. समपूरक अनुदान	०	०	१००००	२००००	१००००	१००००	१००००	१००००	१००००	५००००
घ. विशेष अनुदान	२०००	०	०	०	२५००	५०००	५०००	५०००	५०००	२२५००
६. अन्य अनुदान	२००००	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७. सङ्घ सरकारको लगानी		०	०	०	५०००००	५५००००	६०५०००	६६५५००	७३२०५०	३०५२५५०
८. प्रदेश सरकारको लगानी		०	०	०	२०००००	२२००००	२४२०००	२६६२००	२९२८२०	१२२९०२०
९. जनसहभागिता	०	०	०	०	५००००	५५०००	६०५००	६६५५०	७३२०५	३०५२५५
१०. निजी क्षेत्रको लगानी	०	०	०	०	१८३६२६	४९९६१	५२३२६	५४९४२	५७६८९	३९८५४४
११. गैसस र सामुदायिक क्षेत्र					५०००००	५५००००	६०५०००	६६५५००	७३२०५०	३०५२५५०
१२. ऋण परिचालन	०	०	०	०	०		१००००	१५०००	२५०००	५००००
१३. नगद मौज्जात	७४९७७	१८७५८	२५४८०	९७२२५	४८६९३	४३७५१	२९८७६	१३९२५	९९८८	१३६५५३
<b>जम्मा</b>	<b>४९९४०३</b>	<b>२१६९८०</b>	<b>४६२३६२</b>	<b>६३६७५१</b>	<b>२००३४५४</b>	<b>२०४४२६२</b>	<b>२२२६६०५</b>	<b>२४५२८९७</b>	<b>२६९०२२२</b>	<b>११४९७४४०</b>

### १.४.३ वित्तीय व्यवस्था रणनीति

आवधिक योजनामा प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि रु. १४ अर्ब ४७ करोड ७९ लाख ६७ हजार स्रोत आवश्यक पर्ने र योजना अवधिमा गाउँपालिकामा आन्तरिक तथा बाह्य स्रोतबाट उपलब्ध हुने रकम रु. ११ अर्ब ४१ करोड ७४ लाख ४० हजार उपलब्ध हुने अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यस प्रकार योजनाको कार्यान्वयनका लागि कुल रु. ३ अर्ब ६ करोड ५ लाख २७ हजार अथवा कुल प्रक्षेपित स्रोतको २१.१३ प्रतिशत अपुग हुने देखिन्छ । यस आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि अनुमानित तथा नपुग स्रोत परिचालन गर्न देहायअनुसारका रणनीति अबलम्बन गर्न आवश्यक छ ।

- (क) सम्पत्ति कर तथा भूमि कर, व्यवसाय कर, बहाल कर तथा बहाल विटौरी शुल्क, दस्तुर, अन्य विक्री, सेवा शुल्कको दायरा विस्तार तथा दर वृद्धि गरी आन्तरिक स्रोत बढाउने,
- (ख) हिमाली शहर विकास, एकीकृत वस्ती विकास, संग्राहलय निर्माण, पर्यटन पदमार्ग स्तरोन्नति तथा विस्तार, सडक, पुल तथा जलविद्युत आयोजना लगायतका सङ्घीय योजना तथा प्रदेश योजनाले समेट्ने ठूलास्तरका कार्यक्रम तथा आयोजना सञ्चालनको लागि सङ्घीय सरकार तथा प्रदेश सरकारसँग आवश्यक पहल तथा पैरवी गर्ने,
- (ग) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष तथा हानी नोक्सानी कोषबाट प्राप्त हुने आर्थिक सहयोग परिचालनका लागि आवश्यक समन्वय र पहल गर्ने,
- (घ) नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने लागत साझेदारी विस्तार गर्ने र समपुरक तथा विशेष अनुदानका लागि आवश्यक पहल गर्ने,
- (ङ) स्थानीयस्तरमा क्रियाशिल गैसस तथा विकास साझेदारसँग कार्यक्रम विस्तारका लागि वातावरण तयार तथा अतिरिक्त साझेदारी एवं सहकार्य विस्तार गर्ने,
- (च) नाफामूलक क्षेत्रमा लगानीको वातावरण तयार गरी विप्रेषणको अधिकाधिक आकर्षण तथा परिचालन गर्ने,
- (छ) स्थानीय स्वाभिमान तथा प्रतिष्ठासँग जोडिएका विकास निर्माणका क्षेत्रमा स्वदेश तथा विदेशमा भएका संस्था तथा व्यक्तिबाट सहयोग जुटाउने
- (ज) विकास प्रकृत्यामा जनसहभागिता, स्थानीय स्रोत र सामाग्री अधिकाधिक उपयोग गर्ने,
- (झ) योजनामा पहिचान भएका लगानीका क्षेत्र तथा आयोजनामा निजी क्षेत्रको साझेदारी अभिवृद्धि गर्ने,
- (ञ) विशिष्ट खालका उत्पादनमूलक तथा आयमूलक आयोजनाको लागि आन्तरिक ऋण परिचालन गर्ने,
- (ट) छिमेकी तथा अन्य गाउँपालिका वा नगरपालिकासँग समेत सरोकार राख्ने तथा साझा महत्वका आयोजनाका लागि अन्तर स्थानीय सरकार संयुक्त लगानीमा स्रोत परिचालन गर्ने,
- (ठ) सङ्घ तथा प्रदेश निर्वाचन क्षेत्र पूर्वाधार विकास साझेदारी कार्यक्रमबाट थप स्रोत परिचालनका लागि आवश्यक पैरवी गर्ने ।

### १.५ आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन ढाँचा

#### क. आवधिक योजनाको नतिजा अनुगमन

आवधिक योजना अनुसार वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा भए-नभएको, प्रस्तुत कार्यक्रम तथा आयोजनामा लगानी तथा स्रोत साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भए-नभएको र अपेक्षित नतिजा प्राप्त भए-नभएको सम्बन्धमा सम्बन्धित महाशाखा/शाखा, विषयगत समिति, अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण समिति, कार्यपालिका, अनुगमन तथा सुशासन समितिले निरन्तर, वार्षिक र मद्यावधी र अन्त्यमा निगरानी, सूचना संकलन तथा विश्लेषण र पृष्ठपोषणको आवश्यकता पर्दछ । आवधिक योजनाको नतिजा खाका अनुसार नियमित, आवधिक तथा नतिजामूलक अनुगमन र प्रतिवेदन प्रणालीको लागि अनुगमन योजना बनाउनु पर्दछ । स्थानीय तहको अनुगमन प्रणालीमा सामाजिक तथा सामुदायिक सङ्घ/संस्थाहरूले सञ्चालन गर्ने कार्यक्रम तथा आयोजनाको अनुगमनको समेत व्यवस्था मिलाउनु अनिवार्य हुन्छ । नतिजामूलक अनुगमन ढाँचा अनुसार आवधिक योजनाको प्रतिफल, असर र प्रभाव तहको नतिजा मापन गर्नुपर्दछ ।

## ख. आवधिक योजनाको समीक्षा तथा मूल्याङ्कन

आवधिक योजनाको सान्दर्भिकता, सामाज्यस्यता, प्रभावकारिता, कार्यदक्षता, दिगोपना, असर र प्रभावका सम्बन्धमा लैंगिक तथा समताका दृष्टिले समेत आन्तरिक वा तेश्रो पक्षबाट उद्देश्यपूर्ण तथा व्यवस्थित तवरले सामान्यतः वार्षिक, मध्यावधी तथा योजना सम्पन्न भएपछि अध्ययन तथा लेखाजोखा गर्नुपर्दछ। मूल्याङ्कनबाट प्राप्त निष्कर्ष तथा सिकाइलाई आगामी योजना तर्जुमा प्रक्रियाको क्रममा पृष्ठपोषणका रूपमा लिनुपर्दछ। योजनाको अवधि समाप्त भएपछि निर्धारित परिमाणात्मक र गुणात्मक लक्ष्य प्राप्ति भए/नभएको सम्बन्धमा तेश्रो पक्षबाट अन्तिम मूल्याङ्कन गराउनु उपयुक्त हुन्छ।

### १.६ आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

यस प्रथम आवधिक योजनाको देहायमा उल्लिखित योजना अनुसार अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गरिनेछः

तालिका ७५ : आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन खाका विवरण

के अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	कसले अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने ?	कहिले अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	कसरी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	के अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने ?
योजनाको प्रक्रिया तथा दिगोपना अनुगमन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>- अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना</li> <li>- वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट दस्तावेज</li> <li>- मध्यमकालीन खर्च संरचना</li> <li>- आयोजना बैक, आयोजना तथा कार्यक्रम पहिचान, तयारी र छनौट</li> </ul>	वार्षिक तथा मध्यावधि	<ul style="list-style-type: none"> <li>- लक्ष्य र प्रगति विवरणको तुलना गर्ने</li> <li>- विषयगत समिति र कार्यपालिका बैठकमा समीक्षा गर्ने</li> </ul>	अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण समिति, वडा समिति, महा-शाखा, शाखा परियोजना तथा गैसस
योजनाको प्रतिफलको अनुगमन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>- त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदन</li> <li>- वार्षिक समीक्षा प्रतिवेदन</li> <li>- वस्तुस्थिति विवरण</li> </ul>	त्रैमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक र मध्यावधी	<ul style="list-style-type: none"> <li>- वार्षिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति विवरणको तुलना गर्ने</li> <li>- नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार प्रतिफल मापन गर्ने</li> <li>- कार्यपालिका र विषयगत समिति र बैठकमा समीक्षा गर्ने</li> <li>- सामाजिक परीक्षण गर्ने तथा प्रतिवेदन विश्लेषण गर्ने</li> </ul>	कार्यपालिका, सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र विषयगत समिति
योजनाको असर मापन तथा मूल्याङ्कन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>- मध्यावधि समीक्षा प्रतिवेदन</li> <li>- असर अनुगमन प्रतिवेदन</li> <li>- वार्षिक समीक्षा प्रतिवेदन</li> <li>- नमूना अध्ययन/सर्वेक्षण</li> <li>- वस्तुस्थिति विवरण</li> </ul>	वार्षिक, मध्यावधि र अन्तिम वर्ष	<ul style="list-style-type: none"> <li>- नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार असर मापन गर्ने</li> <li>- अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्ने</li> <li>- कार्यपालिकामा समीक्षा गर्ने</li> <li>- सामाजिक परीक्षण र प्रतिवेदन विश्लेषण गर्ने</li> <li>- सहभागितामूलक रूपमा समीक्षा गोष्ठी गर्ने</li> </ul>	कार्यपालिका, सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेश्रो पक्ष
योजनाको प्रभाव लेखाजोखा तथा मापन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>- प्रभाव मूल्याङ्कन प्रतिवेदन</li> <li>- प्रभाव अनुगमन प्रतिवेदन</li> <li>- नमूना अध्ययन/सर्वेक्षण</li> <li>- अन्तिम तथा मध्यावधि समीक्षा प्रतिवेदन</li> <li>- वस्तुस्थिति विवरण</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>- योजनाको समाप्ती पछि</li> <li>- मध्यावधि (तेश्रो वर्षको समाप्ति पछि)</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>- नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार प्रभाव मापन गर्ने</li> <li>- सहभागितामूलक छलफल गर्ने तथा</li> <li>- अध्ययन र सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>	स्थानीय सभा, कार्यपालिका, सरोकारवाला र तेश्रो पक्ष

के अनुमगन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	कसले अनुमगन तथा मूल्याङ्कन गर्ने ?	कहिले अनुमगन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	कसरी अनुमगन तथा मूल्याङ्कन गर्ने?	के अनुमगन तथा मूल्याङ्कन गर्ने ?
	आयोजना/कार्यक्रम प्रभाव मूल्याङ्कन प्रतिवेदन	प्रभाव अनुमगन (योजना समाप्ती पछि)	कार्यपालिका र सभाको बैठकमा समीक्षा गर्ने	

### ९.७ अनुमगन तथा मूल्याङ्कनको विधि तथा प्रक्रिया

आवधिक योजनाको अनुमगन तथा मूल्याङ्कनको लागि निम्न विधि तथा प्रक्रियाहरू अवलम्बन गरिनेछः

- त्रैमासिक र वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा
- कार्ययोजना (लक्ष्य) र प्रगतिबीच तुलना
- नतिजामूलक ढाँचाअनुसार वार्षिक, मद्यावधी तथा अन्तिम समीक्षा
- सहभागितामूलक रूपमा तेश्रो पक्षबाट मद्यावधि मूल्याङ्कन
- सहभागितामूलक वा तेश्रो पक्षबाट अन्तिम मूल्याङ्कन

### ९.८ आवधिक योजना प्रगति प्रतिवेदनको ढाँचा

आवधिक योजनाको प्रगति प्रतिवेदनको ढाँचा निम्न अनुसार रहेको छः

तालिका ७६ : आवधिक योजनाको प्रगति प्रतिवेदनको ढाँचा

नतिजा शृङ्खला	कार्य सम्पादनका सूचकहरू				प्रगति (भौतिक र वित्तीय)	लक्ष्य र प्रगति बीचको अन्तर	कारण	समाधानका रणनीति
	विवरण	इकाई	आधार तथ्यांक	भौतिक लक्ष्य				
लक्ष्य								
असर								
१								
२								
प्रतिफल								
१.१								
२.१								
प्रमुख कार्यक्रम								
१.१.१								
२.१.१								
३.१.१								

## अनुसूचीहरू

### अनुसूची १ - स्थानागत योजना

#### १. वडा नम्बर एक (१)

##### १.१ पृष्ठभूमि

यस खुम्बु पासाङल्हामु गाउँपालिकाको वडा नम्बर १ मा गाउँपालिकाको दक्षिण तर्फका छेउबास, पैयाँ, बुक्सा, कात्रे, खार्ते, गुम्बा डाँडा, जौबारी, सिकली, जुभिङ, खरिखोला, भालुखोप, पाङ्गोम आदि गाउँहरू पर्दछन् । यस वडाको पश्चिममा सोलु दुधकुण्ड नगरपालिका, दक्षिण पश्चिममा दुधकोशी गाउँपालिका, दक्षिण पूर्वमा सोताङ गाउँपालिका, पूर्वमा महाकुलुङ गाउँपालिका र उत्तरतर्फ गाउँपालिकाको वडा नम्बर २ रहेको छ । यस वडाको वडा कार्यालय खरिखोला बजारमा रहेको छ । यस वडा ७१.५५ व.कि.मि. क्षेत्रफलमा फैलिएर रहेको छ । यस वडाको कुल भूभागको ०.०२ % जमिन कृषियोग्य, ३.७१% बञ्जर जमीन (Barren Area) १.०० % घरघडेरी भएको, ५८.१६१ % जमिन जंगलले ओगटेको छ । त्यसैगरी २९.९६ % जमिन घाँसे चौर, ७.१४५ स्रबलैण्ड र ०.००४% क्षेत्रफलमा पानीको भूभाग पर्दछन् । शेर्पा, राई, तामाङ, मगर आदि जातजातिको बाहुल्यता रहेको यस वडाको प्रमुख पेशा पर्यटनसँग सम्बन्धित व्यवसायहरू रहेका छन् ।

##### १.२ विगत विकासका कार्यक्रमको उपलब्ध समीक्षा

नेपालको संविधान बमोजिम राज्यको पुनःसंरचना भइ पासाङल्हामु गाउँपालिका स्थापना पश्चात यस वडामा गाउँपालिका, सङ्घीय सरकार, प्रदेश सरकार, गैसस संस्थाहरू, निजी क्षेत्र तथा समुदायको सहभागितामा आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार विकास, वातावरण र संस्थागत विकासमा विभिन्न प्रकारका विकास कार्यक्रम, आयोजना तथा क्रियाकलापहरू सञ्चालन भएका छन् । यस अवधिमा सञ्चालन भएका कार्यक्रम, आयोजना तथा क्रियाकलाप र यसबाट हासिल भएका उपलब्धि देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छः

यस वडामा कृषि उत्पादन अन्तर्गत आलुखेति, किवि खेति लगायत तरकारीवालीहरू, मौरीपालन तालिम तथा घार वितरण गरिएका छन् । यस वडामा आलु सिमि अन्नबाली सागपातको प्रचुर सम्भावना रहेको छ । जर्सीगाई, बाख्रा, घोडा वंगर पालनको समेत सम्भावना रहेको तथा हरियाली जंगलक्षेत्र रहेको छ । रेडपान्डा लगायत वन्यजन्तुको आश्रयस्थल रहेको तथा पर्यटकीय पदमार्ग यसै क्षेत्रबाट भएर जाने भएकोले यस क्षेत्रमा पर्यायर्थ्यटनको सम्भावना प्रचुर रहेको छ । वडाभित्र पैया खोला, पैयाला, थामडाँडा, छत्रडाँडा, भ्यूप्वाइन्ट रहुनुको साथै गुम्बा माने तथा हिमश्रृंखला दृश्यावलोकन स्थलको पूर्वाधारहरू रहेका छन् ।

यस वडामा क्षेत्रमा १० वटा बौद्धमानेहरू रहेका छन् । बुक्सा गुम्बा, सियोन मण्डली, मानेडाँडा, कान्छी महादेव, बुक्सा राईगाउँ महादेवका मन्दिर यसै वडामा रहेका छन् । किमदोर्जे पर्यटन सडक खण्ड यस क्षेत्रबाट गएको तथा करिव १ किलोमिटर गोरेटोबाटो सिलिङ्ग तथा सिमेन्टेड सिडी निर्माण सम्पन्न भै सकेको छ । किमदोर्जे पर्यटन सडक खण्डबाट देविथाम सम्म सडक टूट्याक खोलिएको छ । गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयको सहयोगमा फोहोरमैला श्रोतमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन हुदै आएको छ भने बस्ती क्षेत्रमा शौचालय, बाटो, खानेपानी तथा विद्युत सुविधा विस्तार भएको छ ।

##### १.३ संभावना र अवसर

यस वडामा क्यानोनिङ्ग, रक क्लाइम्बिङ्ग, प्याराग्लाइडिङ्गका पूर्वाधार निर्माण भएका छन् । होमस्टे पर्यटकिय पदमार्ग लगायत पर्यटकीय होटल तथा लजहरू रहेका छन् । यस वडाको मध्यभागसम्म राजमार्ग सडक आईपुगेको छ । यस क्षेत्रमा खरी हुंगा खानी रहेको छ भने लघुजलविद्युत २ वटा, वडा कार्यालय, १५ सैयाको अस्पताल लगायत अन्य सरकारी कार्यालयहरू रहेका छन् । यस क्षेत्रमा खेतियोग्य जमिन बजार क्षेत्र कुखुरा बंगुर तथा बाख्रा फर्महरू रहेका छन् । यस क्षेत्रमा हेलिप्याड लगायत बैंक टेलिकम तथा प्रहरी कार्यालय रहेका छन् । वडा नम्बर १ को क्षेत्रमा पर्यटन सेवा तथा सुविधा विकास विस्तारको लागि व्यवस्थित वसपार्क निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ । यसैगरी नेपाल तथा प्रदेश सरकार समेतको लगानीमा खरीखोलामा पर्यटन सूचना केन्द्र तथा सभाहल निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

##### १.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिका अन्य क्षेत्र समेत यस वडाको इन्टरनेट प्रणालीको क्षमता स्तरोन्नति गरी सेवा गुणस्तरीय बनाउन फाइबर प्रणालीमा फाईभर प्रणालीमा आधारित इन्टरनेट जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ । वडा नम्बर १ को क्षेत्रमा पर्यटन सेवा तथा सुविधा विकास विस्तारको लागि

मोटेरेवल सडक सञ्जाल, पदमार्ग निर्माण तथा स्तरोन्नति रकक्लाईम्बिङ्ग, आइस क्लाईम्बिङ्ग पूर्वाधार निर्माण गर्न आवश्यक रहेको छ । यसैगरी नेपाल तथा प्रदेश सरकार समेतको लगानीमा आधुनिक वसपार्क पर्यटन सूचना केन्द्र तथा सभाहल निर्माण गर्नुपर्न देखिन्छ । संभाव्यताका आधारमा आवधिक योजनामा समावेश गर्नुपर्ने आयोजना तथा कार्यक्रम देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

### क. पर्यटन तथा संस्कृति

- १ चिडियाखाना निर्माण – रेडपाण्डा डाँफे घोरल मृग कालिज थार वनभेडा वनविरालो कोईराला भालु बाघ
- २ छत्रडाँडा पार्क निर्माण
- ३ रक क्लाईम्बिङ्ग क्यानोईङ्ग प्याराग्लाइडिङ्ग व्यवस्थित गरी निरन्तरता दिने ।
- ४ म्यूजियम हल निर्माण आयोजना

### ख. भवन, आवास, सडक तथा यातायात

- १ तीनकुने खोलामा पक्की पुल निर्माण
- २ खरीखोला पक्की पुल निर्माण
- ३ तीनकुने छिलुक खोला गैरीटोल ठाडोखोला बौद्धटोल ठाडोखोला खरीखोला बजार ठाडोखोलामा ड्रेन निर्माण
- ४ माप्य गाउँपालिका वडा नं १ र खुम्बु पासाङ गाउँपालिका १ जोड्ने सडक निर्माण आयोजना ।

### ग. शिक्षा, युवा तथा खेलकुद

- १ बिद्यालयमा वृक्षारोपण तथा शौचालय निर्माण
- २ गुम्बा तथा विद्यालयमा शौचालयको सेफ्टी ट्यांकी निर्माण
- ३ लोक सेवा तयारी कक्षा तथा उच्च शिक्षामा छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- ४ यकिसाङ् छोलिङ्ग गुम्बा भवन निर्माण तथा गुणस्तरीय शिक्षाका लागि छात्रवास भवन निर्माण
- ५ लेन्जिङ्गखर्क गुम्बामा छात्रवास भवन, गेट, खानेपानी धारा तथा शौचालय निर्माण कार्यक्रम

### घ. वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

- १ तीनकुने बौद्ध खरीखोला बजार र जौबारी टोलमा फोहोर जलाउने ईन्सिनेटर निर्माण गर्ने
- २ हरियाली पार्क निर्माण
- ३ वन संरक्षण तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम
- ४ खरीखोला तीनकुने खोला तटबन्ध निर्माण कार्यक्रम

### ड. कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

- १ दुम्सि नियन्त्रण
- २ आलु, सिमि, किवि, ओखर खेति विस्तार
- ३ ग्रिन हाउस टनेल निर्माण
- ४ चौरा पालन व्यवसायिकरण (दुधजन्य पदार्थ उत्पादन जस्तै चिज घ्यु छुर्पि दहि आदि)
- ५ बाख्रा पालन ब्यावसायिकरण (उच्च नश्लको बाख्रा खोर निर्माण दाना व्यवस्थापन आदि)
- ६ स्थानीय कुखुरा पालन – दाना खोर निर्माण र तारजाली

### च. जलश्रोत तथा उर्जा

- १ विद्युत मर्मत संभार – पैया खोला लघु जलविद्युत आयोजना
- २ लघु जलविद्युत उत्पादन विस्तार खरीखोला चौथो र पाँचौ ।

## १.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना

### १. नौलेख

#### कसंभावना तथा अवसर .

यस वडाको नौलेख क्षेत्रमा आलु, सिमि, अन्नबाली तथा सागपातको प्रचुर सम्भावना रहेको छ। जर्सीगाई, बाख्रा, घोडा पालनको समेत सम्भावना रहेको तथा प्रयास हरियाली जंगलक्षेत्र रहेको छ । रेडपान्डा लगायत वन्यजन्तुको आश्रयस्थल रहेको तथा पर्यटकीय पदमार्ग यसै क्षेत्रबाट भएर गएको छ । नौलेख बस्तीमा पैया खोला, पैयाला, थामडाँडा, छत्रडाँडा, भ्यू पोईन्ट रहेको तथा गुम्बा माने तथा हिमश्रृंखला दृश्यावलोकन स्थल रहेका छन् जसबाट आन्तरिक तथा वाह्य पर्यटकलाई आकर्षण गर्न मद्दत पुग्ने छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

यस बस्तीमा कृषि तथा पशुपालनको व्यवसायिकरण हुन सकेको छैन । बस्तीहरू बीच सडक सञ्जाल सुदृढ हुन सकेको छैन । सार्वजनिक पूर्वाधारहरूको संरक्षण हुन नसक्नु तथा मानवश्रोत पलायन रोक्न नसक्नु र बस्तीमा स्वास्थ्य सेवा, खानेपानी, अग्नि नियन्त्रण सिचाईको कमी, आलु पकेट क्षेत्र जर्सीगाई पालन मौरीपालन च्याउ खेतिको कमी हुनु आदि यस बस्तीका मुख्य समस्या हुन । त्यस्तै वडावासीमा क्षमता विकासका अवसरमा कमी हुनु, गुणस्तरीय ईन्टरनेट सेवा कमी हुनु, नदि खोलामा पहिरो नियन्त्रणका प्रयासमा कमी हुनु, सडक बत्ति जडान हुन नसक्नु तथा कृषि उत्पादन क्षेत्रमा तारबारको कमी हुनु आदि चुनौती रहेका छन् ।

#### ग. सोच

कृषि पशु वन पर्यटकिय पदमार्ग होमस्टको विस्तार, नौलेख टोल विकासको आधार ।

#### घ. लक्ष्य

नौलेख क्षेत्रमा सडक सञ्जाल विस्तार गरी सेवा प्रवाह, उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

#### ङ. उद्देश्य

पर्यटक र पर्वतारोही आकर्षित गर्ने तथा उत्पादनमा आत्मनिर्भर बन्ने ।

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. स्वास्थ्य चौकी गुम्बा विद्युत विद्यालय घेरबार कार्यक्रम
२. विद्यालयमा वृक्षारोपण तथा शौचालय निर्माण
३. हिमालयन सामुदायिक अस्पताल देखि गुम्बा सम्म सडक निर्माण
४. गुम्बाको लागि गेट निर्माण
५. दुम्सी नियन्त्रण
६. गुम्बाको गेटनजिक खानेपानी धारा निर्माण
७. गुम्बालाई झ्यालढोका पेन्टिङ्ग
८. गुम्बा तथा विद्यालयमा शौचालयको सेफ्टी ट्यांकी निर्माण
९. आलु, सिमी तथा साग खेति विस्तार
१०. ग्रिन हाउस टनेल निर्माण
११. पैया देखि पाखेपानी सम्म सडक निर्माण
१२. चौरा पालन व्यवसायीकरण (दुधजन्य पदार्थ उत्पादन जस्तै चिज घ्यु छुर्पि दहि आदि)
१३. बाख्रा पालन व्यवसायीकरण (उच्च नश्लको बाख्रा खोर निर्माण दाना व्यवस्थापन आदि)
१४. सनपाति धुन उत्पादन उद्योग निर्माण
१५. स्थानीय कुखुरा पालन – दाना खोर निर्माण र तारजाली
१६. विद्युत मर्मत संभार – पैया खोला लघु जलविद्युत
१७. चिडियाखाना निर्माण – रेडपाण्डा, डाँफे, घोरल, मृग, कालिज, थार, वनभेडा, वनविरालो, कोईराला, भालु, बाघ
१८. छत्रडाँडा पार्क निर्माण

१९. गुम्वादेखि विद्युत भवन जाने सडक निर्माण

२०. गुम्बाको हेरचाह लामाको व्यवस्था

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## २. बुक्सा

### क. संभावना तथा अवसर

बुक्सा क्षेत्रमा १० वटा बौद्धमानेहरू रहेका छन् । यस बस्तीमा बुक्सा गुम्वा, सियोन मण्डली, मानेडाँडा, कान्छी महादेव, बुक्सा राईगाउँ महादेवका मन्दिर रहेका छन् । किमदोर्जे पर्यटन सडक खण्ड यस क्षेत्रबाट भएर गएको ५५६ मिटर सडक सोलिङ्ग सम्पन्न भएको तथा किमदोर्जे पर्यटन सडक खण्डबाट देविथाम सम्म सडक टूट्याक खोलिएको छ । गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयको सहयोगमा फोहोरमैला श्रोतमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन हुँदै आएको तथा बस्ती क्षेत्रमा शौचालय, बाटो, खानेपानी तथा विद्युत सुविधा विस्तार भएको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

बुक्सा क्षेत्रका सबै बस्तीहरूमा सडक टूट्याक खोल्न नसक्नु, कृषि तथा पशु उत्पादनमा आधुनिक उपकरणको प्रयोग हुनु नसक्नु, आकस्मिक यातायातका लागि हेलीप्याड नहुनु, कृषि भूमि उर्वर भएता पनि सिचाई सुविधा नहुनु तथा क्षमता स्थानीय वासीको क्षमता विकासका अवसरमा कमी आदि समस्या रहेका छन् भने ईन्टरनेट सेवा गुणस्तरीय नहुनु तथा नदि, खोलामा पहिरो नियन्त्रण नहुनु चुनौती रहेका छन् ।

### ग. सोच

हराभरा सुन्दर समुन्नत विकासको आधार, समृद्ध बुक्साको पहिचान ।

### घ. लक्ष्य

बुक्सा क्षेत्रमा पर्यटन सडक लगायत यातायात पुर्वाधारको विकास गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

### ङ. उद्देश्य

व्यवसायिक कृषि तथा पशुपालनमा वृद्धि गर्ने

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. कृषि आधुनिक प्रणालीको विकास गर्ने
२. पशुपंक्षी पालन विस्तार गर्ने – आधुनिक प्रविधि
३. बुक्सा रमाईलो डाँडा देखि बुक्सा विद्यालय सम्म टूट्याक ओपन गर्ने
४. बुक्सा विद्यालय देखि गुम्बा डाँडा हुँदै खार्ते सम्म ढुंगा सोलिङ्ग र स्टेप निर्माण गर्ने
५. बुक्सा देखि नौलेख टोल विकास संस्थाको सिमाना सम्म पर्यटकिय गोरेटोबाटो सोलिङ्ग तथा स्टेप निर्माण गर्ने ।

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ३. खरीखोला

#### क. संभावना तथा अवसर

खरीखोला क्षेत्रमा क्यानोनिङ्ग रक क्लाईम्बिङ्ग प्याराग्लाईडिङ्ग होमस्टे पर्यटकिय पदमार्ग लगायत पर्यटकीय होटल तथा लजहरू रहेका छन्। यस क्षेत्र सम्म राजमार्ग सडक आईपुगेको छ। यस क्षेत्रमा खरी ढुंगा खानी रहेको छ भने लघुजलविद्युत २ वटा वडा कार्यालय १५ सैयाको अस्पताल लगायत अन्य सरकारी कार्यालयहरू रहेका छन्। यस क्षेत्रमा खेतियोग्य जमिन बजार क्षेत्र कुखुरा बंगुर तथा बाख्रा फर्महरू रहेका छन्। यस क्षेत्रमा हेलिप्याड लगायत बैंक टेलिकम तथा प्रहरी कार्यालय रहेका छन्। गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयको सहयोगमा फोहोरमैला श्रोतमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन हुदै आएको छ। बस्ती क्षेत्रमा शौचालय, बाटो, खानेपानी तथा विद्युत सुविधा उपलब्ध रहेका छन्।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

खरीखोला क्षेत्रका बस्तीहरूमा सडक ट्रायाक तथा पदमार्गहरू विस्तार हुन सकेको छैन। कुखुरा, बाख्रा तथा बंगुर पालनमा सरकारको अनुदान प्राप्त हुन सकेको छैन। पहिरो रोकथाम तथा नियन्त्रणका कार्यक्रमहरू प्रयाप्त छैनन्। खरीखोलामा पक्की पुल निर्माण हुन सकेको छैन। राजमार्ग खण्डको सडक विस्तार सुरु भएपनि स्तरोन्नति हुनसकेको छैन। कृषि तथा पशु उत्पादनमा आधुनिक उपकरणको प्रयोग हुनु नसक्नु, सिचाई सुविधा नहुनु, क्षमता विकासका प्रयाप्त अवसर नहुनु यस क्षेत्रका समस्या चुनौती रहेका छन्।

#### ग. सोच

पर्यटन, जल, कृषि, वन पूर्वाधार : खरीखोला विकासको आधार

#### घ. लक्ष्य

सडक पूर्वाधारको विकास तथा पर्यापर्यटनको प्रवर्द्धन गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

#### ङ. उद्देश्य

साहसिक पर्यटन प्रवर्द्धन तथा सडक सञ्चार विस्तार गरी आय वृद्धि गर्ने

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. बौद्ध देखि खरीखोला अस्पताल, तिनकुने देखि जौबारी, जौबारी देखि बुक्सा सडक सञ्जाल तथा पदमार्ग विस्तार र स्तरोन्नति,
२. खरीखोला बजार क्षेत्रमा ढल व्यवस्थापन,
३. लघुजल विद्युत उत्पादन विस्तार खरीखोला चौथो र पाँचौ,
४. खरीखोला झरना जम्बुक देखि गोदु खोला सम्म पहिरो रोकथाम,
५. कुखुरा, बंगुर, बाख्रापालनमा अनुदान कार्यक्रम,
६. श्रृजनशिल महिला समुहको भवन निर्माण शौचालय तथा खानेपानी धारा निर्माण,
७. मगर गुठी भवन निर्माण,
८. तिनकुने खोलामा पक्की पुल निर्माण,
९. खरीखोला पक्की पुल निर्माण,
१०. तिनकुने छिलुक खोला गैरीटोल ठाडोखोला बौद्धटोल ठाडोखोला खरीखोलाबजार ठाडोखोलामा ड्रेन निर्माण,
११. तिनकुने बौद्ध खरीखोला बजार र जौबारी टोलमा फोहोर जलाउने ईन्सिनेटर निर्माण,
१२. जडीबुटीहरू चिराईतो जटामसी पदमचाल वनलसुन तीनताले विकुमा सतुवा पाँऔले संरक्षण कार्यक्रम,
१३. पानीखोला माने निर्माण,
१४. खरीखोला सामुदायिक अस्पताल हेलिप्याड निर्माण,
१५. खरीखोला युवा क्लव भवन निर्माण तथा व्यायामघर निर्माण,
१६. रक क्लाईम्बिङ्ग, क्यानोईङ्ग, प्याराग्लाईडिङ्ग व्यवस्थापन तथा दिगो सञ्चालन

#### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ४. सिकली

### क. संभावना तथा अवसर

सिकली क्षेत्रमा कृषि तथा पशुपालनमा सम्भावना रहेको छ । उर्वर खेतियोग्य जमिन रहेको र यहाँ आलु मकै कोदो जौ उवा फापर उत्पादन हुँदै आएका छन् । तथा कुखुरा बंगुर तथा बाख्रा पालनका लागि उपयुक्त वातावरण रहेको छ । गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयको सहयोगमा फोहोरमैला श्रोतमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । बस्ती क्षेत्रमा शौचालय बाटो खानेपानी तथा विद्युत सुविधा उपलब्ध रहेका छन् ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा उन्नत पशुपालन सम्बन्धि सेवा प्रभावकारी र प्रयाप्त हुन सकेको छैन । सिकली क्षेत्रका बस्तीहरूमा सडक ट्याक तथा पदमार्गहरू विस्तार हुन सकेको छैन । कुखुरा ,बाख्रा तथा बंगुर पालनमा सरकारको अनुदान न्युन हुनु, पहिरो रोकथाम तथा नियन्त्रणका कार्यक्रमहरू नहुनु, खरीखोलामा पक्की पुल नहुनु तथा राजमार्ग खण्डको सडक विस्तार सुरु भएपनि स्तरोन्नति हुन नसक्नु यस बस्तीका साझा समस्या हुन् । कृषि तथा पशु उत्पादनमा आधुनिक उपकरणको प्रयोग कार्यान्वयन गर्न नसक्नु, सिचाई सुविधा विस्तार गर्नु यस क्षेत्रमा चुनौती रहेका छन् ।

### ग. सोच

पशुपालन र कृषि उत्पादन : सिकलीको सान

### घ. लक्ष्य

१. कृषि पूर्वाधार तथा बजार प्रवर्द्धन गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

### ङ. उद्देश्य

१. उन्नत कृषि तथा पशुपालनमा लगानी गरी उत्पादन तथा आय वृद्धि गर्ने

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. म्यूजियम हल निर्माण आयोजना
२. हरियाली पार्क निर्माण
३. कृषि उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम - आलु मकै कोदो जौ उवा फापर उत्पादन तथा किवि फार्म माछा पालन ।
४. खरीखोला देखि सिकलीडाडा सम्म सडक निर्माण
५. खरीखोला माविको घेरबार गर्ने
६. लोक सेवा तयारी कक्षा तथा उच्च शिक्षामा छात्रवृत्ति कार्यक्रम
७. खानेपानी एकघर एकधारा कार्यक्रम
८. माप्य गाउँपालिका वडा नं १ र खुम्बु पासाङ गाउँपालिका १ जोड्ने सडक निर्माण आयोजना ।
९. सिचाई आयोजना ।

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ५. छिलुक देविस्थान

### क. संभावना तथा अवसर

छिलुकदेविस्थान धार्मिक महत्वको स्थल हो । स्थानीय तथा वाह्य शक्तिपीठको रूपमा परिचित यस थानमा दुईवटा मन्दिरहरू रहेका छन् । सँगै रहेका दुईवटा दुधपोखरीहरूको आफ्नै महत्व रहेको छ । वडाको मुख्य बस्तीबाट छिलुकदेविस्थान सम्म कच्ची सडक पुगेको छ भने केहि क्षेत्रमा सिचाईको समेत व्यवस्था गरिएको छ । वन क्षेत्रको संरक्षण गरिएको छ । कृषि तथा पशुपालनको राम्रो सम्भावना रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

छिलुकदेविस्थान क्षेत्रबाट राजमार्ग सडक सञ्जाल विस्तार हुँदै जाँदा सडक आसपासका घरघरेडीमा क्षति पुगेको छ । केहि घरहरू विस्थापित भएका छन् । बस्तीभित्रका घरधुरीहरू सम्म सडक टूट्याक तथा पदमार्गहरू विस्तार हुन सकेको छैन । बनेका सडक टूट्याकहरूमा पनि क्षयीकरण रोकन प्रयास श्रोतसाधन जुटाउन सकिएको छैन । कृषि तथा पशुपालनमा सरकारको अनुदान प्रयास नहुनु, पहिरो रोकथाम तथा नियन्त्रणका कार्यक्रम बजेट विनियोजना प्रयास नहुनु, राजमार्ग खण्डको सडक विस्तार सुरु भएपनि स्तरोन्नति हुन नसक्नु यस बस्तीका समस्या चुनौती रहेका छन् ।

### ग. सोच

धार्मिक तथा आर्थिक क्षेत्रको प्रवर्द्धन : छिलुक देविस्थानको गन्तव्य

### घ. लक्ष्य

धार्मिक क्षेत्रको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन, कृषि, पशुपालन तथा सडक पूर्वाधारको विकास गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

### ङ. उद्देश्य

धार्मिक पर्यटन प्रवर्द्धन तथा कृषि उत्पादन विस्तार गरी आय वृद्धि गर्ने

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. देवस्थान जाने सडक निर्माण आयोजना
२. पुराना सडकहरूको स्तरीकरण आयोजना
३. माने २ स्थानमा र गुफा १ स्थानमा निर्माण गर्ने
४. वन संरक्षण तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम
५. कृषि उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम - किवि तथा आलु पकेट
६. पशुपालन प्रवर्द्धन कार्यक्रम – गाईभैसी बाख्रा तथा बंगुर पालन
७. बस्ती क्षेत्रमा खानेपानी तथा ढल निर्माण
८. महिलाहरूका लागि उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने
९. टोल सरसफाई कार्यक्रम
१०. संस्कृति प्रवर्द्धन कार्यक्रम
११. युवाहरूका लागि रोजगार कार्यक्रम

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ६. नुर्वुलिङ्

### क. संभावना तथा अवसर

नुर्वुलिङ् र पाङ्गोम जोडिएर रहेका बस्ती हुन् । यस बस्तीमा उच्च स्थानमा चिलदुङ्ग र हातिदुङ्ग पोखरीहरू रहेका छन् । यस क्षेत्रमा घर माहुरी तथा भिर माहुरीको सम्भावना रहेको छ । चौरीपालन माछापालन तथा कृषि उत्पादनको प्रचुर सम्भावना रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

यस बस्तीमा सडक सञ्जाल पुग्न सकेको छैन । यस बस्तीमा रहेको यकिसाङ् छोलिङ्ग गुम्बामा भवन अभावका कारण विद्यार्थीहरू खुला आकासमुनि पढ्न बाध्य छन् । जसका कारण विद्यार्थीको संख्या घट्दै गएको छ । परम्परागत कृषि तथा पशुपालनमा निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता रहेको छ । कृषि तथा पशुपालनमा सरकारको अनुदान प्राप्त हुन सकेको छैन । पहिरो रोकथाम तथा नियन्त्रणका लागि दीर्घकालिन श्रोत तथा उपाए खोजी गर्नुपर्ने तथा कृषि उत्पादनकालागि प्रयास सिचाई सुविधा नहुनु यस बस्तीका साझा समस्याहरू हुन् ।

### ग. सोच

कृषि पर्यटन : पाङ्गोम र भालुखोपको आधार

### घ. लक्ष्य

प्राङ्गरिक कृषि उत्पादन तथा सडक पूर्वाधारको विकास गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

### ङ. उद्देश्य

प्राङ्गरिक कृषि उत्पादनमा निर्भरता वृद्धि गरी आय वृद्धि गर्ने

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. नुर्वुलिङ् भालुखोला र पाङ्गोम बस्तीमा सडक सञ्जाल विस्तार कार्यक्रम
२. यकिसाङ् छोलिङ्ग गुम्वा भवन निर्माण तथा गुणस्तरीय शिक्षाका लागि छात्रवास भवन निर्माण
३. कृषि तथा पशुपालनमा अनुदान कार्यक्रम
४. खानेपानी सिचाई कार्यक्रम ।

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ७. युल्तेड

### क. संभावना तथा अवसर

यस बस्तीमा कृषि तथा पशुपालनको व्यवसायिक उत्पादन हुदै आएको छ । पशुपालनमा गाई भैसी बाख्रा माहुरी पालन हुदै आएको छ । कृषिमा आलु तथा हरियो तरकारीहरू ग्रिनहाउन प्लास्टिक टनेलमा उत्पादन गर्दै आएका छन् । यस बस्तीमा किवि तथा ओखर खेतिको उत्पादन हुदै आएको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

यस बस्तीमा सडक सञ्जाल पुगेपनी स्तरोन्नति हुन सकेको छैन । केहि कृषकले व्यवसायिक उत्पादन सुरु गरेतापनि लगानीका अभावमा धेरी कृषकहरू परम्परागत कृषि तथा पशुपालनमा निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता रहेको छ । कृषि तथा पशुपालनमा सरकारको अनुदान प्राप्त हुन सकेको छैन । पहिरो रोकथाम तथा नियन्त्रणका कार्यक्रमहरू तर्जुमा गर्नुपर्ने छ । सार्वजनिक पुर्वाधारको संरक्षण तथा प्रवर्द्धनमा ध्यान दिनु पर्ने तथा स्थानीयवासीहरूको क्षमता विकासका अवसरमा कमी रहेको छ ।

### ग. सोच

कृषि पर्यटन र पूर्वाधार : भूलेङ्ग विकासको आधार

## घ. लक्ष्य

व्यवसायिक कृषि उत्पादन तथा सडक पूर्वाधारको विकास गरी उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

## ड. उद्देश्य

१. व्यवसायिक कृषि उत्पादनमा निर्भरता वृद्धि गरी आय वृद्धि गर्ने ।
२. कृषि उत्पादनको आन्तरिक तथा बाह्य बजारीकरण गर्ने ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. लेन्जिङ्खर्क गुम्बामा छात्रावास भवन, गेट, खानेपानी धारा तथा शौचालय निर्माण कार्यक्रम
२. मेरा आधारभूत विद्यालय गेट निर्माण तथा ढल व्यवस्थापन कार्यक्रम
३. शोर्पा समुदायीक भवन निर्माण कार्यक्रम
४. शोर्पा समुदाय देखि चैनडाडा सम्म सडक ट्रयाक ओपन गर्ने
५. युल्लेड ठडेन टोल देखि अस्पताल सम्म, वडा कार्यालय देखि पाङ्गोम जानेबाटोमा गोरेटो बाटो निर्माण
६. खरीखोला तीनकुने खोला तटबन्ध निर्माण कार्यक्रम

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## २. वडा नम्बर दुई (२)

### २.१ पृष्ठभूमि

पासाङल्यामु गाउँपालिका वडा नम्बर ५३.६७ व.कि.मि.क्षेत्रफलमा फैलिएको छ । यस वडाको जनसंख्या २०७८ सालको जनगणना अनुसार कुल जनसंख्या २२८६ घरपरिवार ५५५ रहेको छ भने २०६८ को जनगणना अनुसार जनसंख्या तथा घरपरिवार क्रमशः ४८८ र १९५७ रहेको छ । यस गाउँपालिकाको वडा नम्बर २ सेवा सुविधा पहुँच तुलनात्मक रूपमा सहज छ ।

### २.२ विगत सञ्चालित कार्यक्रम उपलब्धि समीक्षा

नेपालको संविधान बमोजिम राज्यको पुनःसंरचना भइ पासाङल्यामु गाउँपालिका स्थापना पश्चात यस वडामा गाउँपालिका, सङ्घीय सरकार, प्रदेश सरकार, गैसस संस्थाहरू, निजी क्षेत्र तथा समुदायको सहभागितामा आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार विकास, वातावरण र संस्थागत विकासमा १५ भन्दा धेरै प्रकारका विकास कार्यक्रम, आयोजना तथा क्रियाकलापहरू सञ्चालन भएका छन् । यस अवधिमा सञ्चालन भएका कार्यक्रम, आयोजना तथा क्रियाकलाप र यसबाट हासिल भएका उपलब्धिदेहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छः

आर्थिक क्षेत्रमा कृषि अन्तर्गत आलु पकेट विकास स्थापना, मौरीपालन तालिम तथा घर वितरण र मिनी टिलर वितरण गरी यसबाट १०३ घरपरिवार लाभान्वित भएका छन् । यसैगरी २४ मे.टन. क्षमताको कोल्डस्टोर निर्माण भएको छ । पर्यटन तथा संस्कृति तर्फ लुक्ला रक क्लाइम्बिङ्ग सेन्टर निर्माण, तेन्जिङ्ग हिलारी पार्क निर्माण, सुर्के गुम्वा निर्माण, लुक्ला च्योङमा पदमार्ग र प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम मार्फत ५०० मिटर पदमार्ग निर्माण सम्पन्न भएको छ । रोपवे नेपालबाट लुक्ला-छत्रल केबलकार सञ्चालनको सम्भाव्यता अध्ययन/सर्भेक्षण र ४.५ कि.मि. लम्बाइको चौखर्क चोङमा केबलकार सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको छ ।

सामाजिक विकास क्षेत्रमा शिक्षा अन्तर्गत लुक्ला आधारभूत विद्यालय शिक्षक आवास निर्माण, लुक्ला आधारभूत विद्यालय शिक्षक आवास निर्माण, ३०० मिटर लुक्ला आ.वि. पदमार्ग स्तरोन्नति र ५५ जना महिलालाई सम्बोटा लिपि सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिएको छ । खानेपानी तथा सरसफाइ अन्तर्गत लुक्लामा ३ कि.मि. लम्बाइको व्यवस्थित ढल निर्माणाधिन रहेको, च्योङमा खानेपानी, नाक्चुङ खानेपानी, नावुक खानेपानी, स्याङमा खानेपानी आयोजना निर्माण सम्पन्न भएको छ । यसबाट १२० घरपरिवार लाभान्वित भएका छन् । यसैगरी युवा तथा खेलकुद तर्फ सुर्के र मुसेमा खेलमैदान निर्माण र लुक्लामा कवर्डहल निर्माणाधिन रहेको छ । पूर्वाधार विकास क्षेत्र अन्तर्गत वडा कार्यालयको लागि जग्गा र भवन खरिद गरिएको छ भने मुसेमा सामुदायिक भवन निर्माण सम्पन्न भइ

सञ्चालनमा रहेको छ । स्याङमाका २४ घरपरिवारलाई सोलार प्रणाली उपलब्ध गराएको र २०० किलोवाटको जलविद्युत आयोजना निर्माण गरी विद्युत तथा सेवा सुचारू गरिएको छ ।

### २.३ संभावना तथा अवसर

यस वडामा तेन्जिङ हिलारी एयरपोर्ट रहेको छ र कच्ची सडक सञ्जालमा पनि जोडिने अवस्था रहेको छ । यस वडामा नागरिक उड्ययन प्राधिकरण, सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्जको रेञ्जपोष्ट, नेपाल टेलीकम कार्यालय र ४ वटा कमर्सियल तथा विकास बैंकका ४ वटा शाखा सञ्चालन रहेका छन् । यस वडाको लुम्लामा निजीस्तरमा निकोल निकिल अस्पताल सञ्चालनमा रहेको छ । यस वडाका सुर्के, चौरीखर्क, मुसे, च्चोडमा र स्याङमा आलु, गहुँ तथा उवा, तरकारी खेतिको लागि खेतियोग्य जमिन रहेको छ । पर्यटन विकास र प्रवर्द्धनका लागि महत्वपूर्ण पर्यटकीय गन्तव्य, मिन्जेलिङ गुम्बा, राष्ट्रिय विभूति पासाङल्हामुको घरवास, गुम्बा, स्तुपा, चित्रगुप्त र मानेहरू उपलब्ध रहेको, लुक्ला रक क्लाईम्बिङ्ग सेन्टर, तेन्जिङ्ग हिलारी पार्क, सुर्के गुम्बा, लुक्ला च्योडमा पदमार्ग निर्माण भइ सञ्चालनमा रहेका छन् । यस वडामा सार्वजनिक जग्गा उपलब्ध रहेको र खानेपानीका श्रोतहरू प्रशस्त उपलब्ध रहेका छन् ।

### २.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिका अन्य क्षेत्र समेत यस वडाको इन्टरनेट प्रणालीको क्षमता स्तरोन्नति गरी सेवा गुणस्तरीय बनाउन फाइबर प्रणालीमा फाईभर प्रणालीमा आधारित इन्टरनेट जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ । वडा नम्बर २ को क्षेत्रमा पर्यटन सेवा तथा सुविधा विकास विस्तारको लागि नाबुक - वोम - च्याङडोल - चोडमा - मुसे - चौरीखर्क साईकल टुर्याक निर्माण, रकक्लाईम्बिङ्ग, आइस क्लाईम्बिङ्ग पूर्वाधार निर्माण गर्न आवश्यक रहेको छ । यसैगरी नेपाल तथा प्रदेश सरकार समेतको लगानीमा लुक्लामा कन्फरेन्स सेन्टर तथा सभाहल निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ । यस अतिरिक्त संभाव्यताका आधारमा आवधिक योजनामा समावेश गर्नुपर्ने आयोजना तथा कार्यक्रम देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

#### क. पर्यटन तथा संस्कृति

- १ निजी क्षेत्रबाट ५ कि.मि. लम्बाइको लुक्ला-छत्रल केवलकार निर्माण तथा सञ्चालन
- २ मेरापिका क्षेत्र पर्यटन प्रवर्द्धन आयोजना
- ३ निजी क्षेत्रबाट ४.५ कि.मि. लम्बाइको चौरीखर्क चोडमा केवलकार निर्माण तथा सञ्चालन
- ४ १५० जना क्षमताको ध्यान केन्द्र स्तरोन्नति आयोजना
- ५ तामाङ राई शोर्पा लगायत अन्य जातिहरूको संस्कृति झल्कने म्युजिएम निर्माण
- ६ सुर्केमा पासाङल्हामु पर्वतारोहण म्युजिएम निर्माण आयोजना

#### ख भवन, आवास, सडक तथा यातायात

- १ सघन शहरी विकास कार्यालय तथा प्रदेश सरकार कन्फरेन्स सेन्टर निर्माण आयोजना र सभाहल निर्माण
- २ सुर्के खानेपानी तथा अग्नी नियन्त्रण प्रणाली जडान
- ३ वडासम्म सडक सञ्जाल विस्तार आयोजना
- ४ ६० वटा सडक बत्ती तथा सिमितिभि क्यामेरा जडान
- ५ लुक्ला बजार वरिपरिको बाटो निर्माण, स्तरोन्नति तथा शव दाहसम्म जाने पदमार्ग स्तरीकरण
- ६ पर्यटकिय पदमार्गमा पिउन योग्य पानी (फिल्टर वाटर) जडान
- ७ वडा कार्यालयमा भरियाको लागि आवश्यक पर्ने लत्ताकपडा निःशुल्क हायर गर्ने ठाउँ निर्माण
- ८ फाईभर प्रणालीमा आधारित इन्टरनेट जडान

#### ग शिक्षा, युवा तथा खेलकुद

- १ लुक्लामा वाल उद्यान निर्माण
- २ जेष्ठ नागरिक तथा युवाका लागि खुल्ला व्यायाम केन्द्र निर्माण आयोजना

#### घ वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

- १ लुक्लामा आधुनिक फोहोरमैला संकलन केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन

#### ङ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

- १ कृषिलाई व्यावसायीकरण तथा आधुनिकीकरण गर्न थप तालिम तथा मेसिनरी औजार वितरण
- २ च्योडमा, मुसे, सुर्के, नाक्चुड क्षेत्रमा सिचाईको व्यवस्था
- ३ कोल्डस्टोर स्तरोन्नति तथा हाट बजार व्यवस्थापन
- ४ लुक्ला वडा कार्यालयमा खाद्यान्न डिपो स्थापना

## २.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना

### १ .सुर्के टोल

#### क. संभावना तथा अवसर

राष्ट्रिय विभूति पासाडल्हामुको घरवास रहेको यस सुर्के बस्तीमा धार्मिक धरोहरको रूपमा मिन्जेलिङ गुम्बा रहेको छ । यस बस्तीमा शैक्षिक केन्द्रको रूपमा कक्षा ३ सम्मको सामुदायिक विद्यालय रहेको छ । बस्तीमा आधा भन्दा बढी पदमार्ग निर्माण भई सकेको छ भने सडकका दुवैछेउमा ग्याभिन निर्माण गरिएको छ । कृषि अनुदान मार्फत ट्याक्टर मकै रोप्ने मसिन उपलब्ध गराइएको छ । सुर्के र गाउँपालिका तथा वडा सदरमुकाम जोड्न दुधकोशीमा ट्रष्ट ब्रिज निर्माण गरीएको छ । गाउँपालिकाको सहयोगमा फोहोरमैला श्रोतमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन हुँदै आएको तथा बस्ती क्षेत्रमा शौचालय, बाटो, खानेपानी तथा विद्युत सुविधा पुगेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

सुर्के बस्तीबाट नागथान वोम, मिनि हाईड्रो पानी ट्याङ्की र रातामाटे सम्म पदमार्ग निर्माण पुरा हुन सकेको छैन । बस्तीमा स्वास्थ्य सेवा, खानेपानी, अग्नि नियन्त्रण तथा सिचाई पूर्वाधारको कमी रहेको छ । आलु पकेट क्षेत्र, जर्सीगाई पालन, मौरीपालन, च्याउ खेतिको प्रचुर सम्भावना भएपनि यो अवसरलाई उपयोग गर्न सकिएको छैन । नदि तथा खोलामा पहिरो नियन्त्रण हुन सकेको छैन । बस्तीको एकमा खेलमैदानमा स्टेज निर्माण हुन सकेको छैन । सडक किनारमा सडक बत्ति जडान हुन सकेको छैन ।

#### ग. सोच

सुर्केको सम्बृद्धि: पासाडल्हामु हाम्रो विभूति

#### घ. लक्ष्य

सुर्केमा सहज सेवा प्रवाह, उत्पादन, रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्ने

#### ङ. उद्देश्य

पर्यटक र पर्वतारोही आकर्षित गर्ने

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. पासाडल्हामु पर्यटकीय संग्रहालय निर्माण
२. शेर्पा संग्रहालय निर्माण
३. मिन्जेलिङ गुम्बा व्यवस्थापन
४. नागथान वोम मिनि हाईड्रो
५. पानी ट्याङ्की र रातामाटे सम्म पदमार्ग
६. आलु पकेट क्षेत्र विस्तार
७. जर्सी गाईपालन, मौरीपालन र च्याउ खेति विस्तार
८. सुर्केवासीको क्षमता विकास
९. नदी खोलामा पहिरो नियन्त्रणका लागि जैविक तटबन्धन
१०. खेलमैदानमा स्टेज निर्माण
११. बस्ती क्षेत्रमा सडक बत्ति जडान
१२. कृषि क्षेत्रमा जंगली जनावरको क्षतिबाट जोगाउन तारबारको व्यवस्था

#### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## २ (मुसे) दुधकोशी .

### क. संभावना तथा असर

गुम्बा, स्तुपा, चित्रगुप्त र मानेहरू रहेको मुसे बस्तीमा जंगली पशुपन्छीको अवलोकन सजिलै गर्न सकिने अवसरहरू छन् । यस क्षेत्रमा पुर्वाधार तथा संरचनाका लागि प्रयास सर्वजनिक जग्गा उपलब्ध रहेको छ । यस बस्तीमा शोर्पा, भाषा, संस्कृति र मौलिक परिकारहरू रहेको छ भने खेतियोग्य उर्वर जमिन प्रसस्त रहेको तथा खानेपानीका स्रोतहरू प्रशस्त उपलब्ध रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

यस क्षेत्रमा बस्तीलाई व्यवस्थित गर्न सकिएको छैन । बस्ती सम्म पुग्न यातायात सुविधा उपलब्ध छैन । हिमपात, जलउत्पन्न प्रकोप, मानव जंगली जनावर बढ्दका कारण विभिन्न समयमा कष्ट व्यहोर्नु परेको छ । सदरमुकामबाट टाढा रहेको हुनाले महामारी र हिमताल तथा हिमनदी विस्फोटको जोखिम रहेको छ । गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको कमी रहेको छ । दुवानीमूल्य अधिक भएका कारण अत्यावश्यक खाद्य वस्तुहरू समेत उच्च मूल्य हुने गरेको छ ।

### ग. सोच

समृद्ध बस्ती: सुखी बासिन्दा

### घ. लक्ष्य

आधारभूत सेवा तथा सविधामा सहज पहुँच कायम गर्ने ।

### ङ. उद्देश्य

१. दुधकोशी टोल विकास क्षेत्रमा बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री र महिलामैत्री गाउँका रूपमा विकास गर्नु ।
२. आवधिक रूपमा विकासको समीक्षा गरी विकासलाई प्रभावकारी गराउनु ।
३. टोलवासीको आयमा उच्चस्तरको वृद्धि गराउनु

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ मोटरबाटो निर्माण
- २ तीर्थ पर्यटनको विस्तार
- ३ अर्गानिक उत्पादन तथा परिकारको उपयोग प्रोत्साहन
- ४ हेलीप्याड तथा पोखरी निर्माण
- ५ कोशेली घर निर्माण

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ३ लुक्ला .

### क. सम्भावना तथा अवसर

सगरमाथा पर्वतारोहण लगायत पर्यटकको एकमात्र हवाई आगमन स्थलको रूपमा रहेको यस लुक्ला बस्तीमा स्तरीय होटल रेष्टुरेन्ट तथा मनोरञ्जन स्थलहरू रहेका छन् । समग्र गाउँपालिका क्षेत्रको धार्मिक, आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रका रूपमा रहेको छ । यस क्षेत्रमा लुक्ला केम्पुन गुम्बा रहेको छ भने यस क्षेत्रमा मनोरम वातावरण तथा प्राङ्गारिक जैविक कृषिको अभ्यास रहेको छ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

धार्मिक, सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षणमा कमी हुनु, गुम्बामा अंग्रेजी भाषामा अनुवादको व्यवस्था नहुनु, थाङ्का पेन्टिङ बजार व्यवस्थापनमा कमी हुनु, धम्पसगर दानको दिगो व्यवस्थापनमा कमी हुनु यस क्षेत्रका समस्या रहेका छन्। साथै रक क्लाविङका लागि आवश्यक प्रशिक्षणको व्यवस्थामा कमी हुनु, कवर्डहल निर्माण पुरा हुन नसक्नु, ढल निकास तथा व्यवस्थापन व्यवस्थित नहुनु, प्याराग्लाइडिङ सम्भाव्यता अध्ययन नहुनु तथा प्राङ्गारीक कृषि र जैविक कृषिको लागि जैविक मल तथा व्यावसायिक ग्रीन हाउसको विस्तारमा कमी हुनु आदि चुनौती रहेका छन्।

## ग. सोच

सम्बृद्ध लुक्लाको शान: पर्यटनको मान

## घ. लक्ष्य

लुक्लाबासीको उत्पादन, रोजगारी र आयमा वृद्धि गर्ने,

## ङ. उद्देश्य

१. आधारभूत सेवा तथा सुविधामा पहुँच वृद्धि गर्नु,
३. पूर्वाधार तथा संरचनाक विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्नु,

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. १ विमानस्थलको टर्मिनल भवनको व्यवस्थापन सुधार
२. सार्वजनिक शौचालयको स्तरोन्नति
३. आवागमन हल स्तरोन्नत तथा व्यवस्थापन
४. कार्गो व्यवस्थापन पूर्वाधार विकास
५. गुम्बामा प्रवेश शुल्क व्यवस्थापन
६. गुम्बामा साहासिक पर्यटन प्रवर्द्धन पुजा गर्ने र दियो बाल्ने परम्परा विस्तार
७. थाङ्काको पेन्टिङ र विक्रि आउटलेट निर्माण
८. धम्पसार विपासना केन्द्रको स्तरान्ति तथा पर्यटन प्रवर्द्धन
९. जातजातिगत खानाको परिकार, नाचगान र भेषभुषाको प्रदर्शन
१०. छत्र ढाँडाबाट बोम चउरमा प्याराग्लाइडिङ आयोजना
११. रक क्लाविङ तथा साइकिलिङको पूर्वाधार तयार र विस्तार
१२. जैविक खेतिको विस्तार
१३. चिस्यान केन्द्रको निर्माण
१४. फोहोर जलाउने इन्सिनिरेटर स्थानान्तर आयोजना
१५. विद्युत तार भूमिगत आयोजना
१६. ढल निकास व्यवस्थापन आयोजन
१७. फायस स्टेसनको स्थापना
१८. पैदल मार्गमा ढुंगा विच्छाउने कार्य व्यवस्थापन

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्त्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ।

## ४. च्योङमा

### क. सम्भावना र अवसर

यस बस्तीमा अर्गानिक कृषि उत्पादन तथा कृषि पर्यटनको प्रचुर सम्भावना रहेको छ । बस्तीमा भएका होमस्टेमा पर्यटकहरू आगमन तथा वसोवास गर्ने गरेका छन् । बस्तीका वासिन्दाहरूको मुख्य आयको रूपमा पशुपालन, व्यावसायिक आलु तथा तरकारी उत्पादन रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

बस्ती सम्म पुग्ने बाटोघाटोको राम्रो सुविधा छैन । घरेलु तथा व्यावसायिक रूपमा उत्पादन हुने फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्न कठिनाई हुने गरेको छ । वन्यजन्तुबाट बालीनालीमा नियमित रूपमा क्षति हुने गरेको छ ।

### ग. सोच

कृषि पर्यटनको विकास: च्योडमा समृद्धिको आभास

### घ. लक्ष्य

गाउँ विकासमा टेवा पुर्याउने

### ङ. उद्देश्य

- १ कृषि पर्यटन प्रवर्द्धन गर्नु,
- २ कृषि उत्पादनको व्यावसायीकरण र विविधिकरण गर्नु,

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ कृषि पर्यटन प्रवर्द्धन,
- २ सिंचाइ सुविधा विकास र विस्तार,
- ३ फोहोरमैला व्यवस्थापन,
- ४ च्योडमा पदमार्ग निर्माण,
- ५ लुक्ला च्योडमा मुसे, चौरीखर्क लुक्ला साइकल मार्ग निर्माण,
- ६ वन्यजन्तुबाट बालीनाली बचाउन फेन्सिङ (तारबार) को निर्माण,
- ७ अर्गानिक कृषि फर्म स्थापना तथा सञ्चालन

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ५ताते ., स्याङमा

### क. सम्भावना र अवसर

यस बस्तीमा होटेल तथा होमस्टेहरू रहेको हुनाले आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकलाई उपयुक्त वासस्थानको सेवा दिने गरिएको छ । बस्तीमा हिमश्रृंखलाहरू अवलोकनका लागि भ्यूप्वाइन्ट रहेको छ । व्यावसायिक कृषि तथा पशुपालनको प्रचुर सम्भावना रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

बस्तीसम्म पुग्ने बाटोघाटो निर्माण हुन सकेको छैन । व्यावसायिक पसलहरू नभएकोले किनमेल गर्न बजारको असुविधा भएको तथा वनक्षेत्रसँग जोडिएकोले वन्यजन्तुबाट बालीनालीमा अनियन्त्रित क्षति हुने गरेको छ । कृषि उत्पादनका लागि आवश्यक सिंचाइको पूर्वाधार तथा सुविधा हुन सकेको छैन ।

### ग. सोच

कृषि पर्यटनको विकास: च्योडमा समृद्धिको आभास

## घ. लक्ष्य

गाउँबासीको जीवनस्तर सुधार गर्ने

## ङ. उद्देश्य

ताते स्याङमालाई शेर्पा सांस्कृतिक बस्तीको रूपमा विकास गर्नु

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. गाउँ पुग्ने पदमार्ग निर्माण,
२. शेर्पा सांस्कृति बस्ती निर्माण,
३. रोपवे निर्माण,
४. बजार पूर्वाधार निर्माण र व्यवस्थापन,
५. खानेपानी तथा विद्युत विस्तार कार्यक्रम ।

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ३. वडा नम्बर तीन (३)

### ३.१ पृष्ठभूमि

वडा नं. ३ को कुल क्षेत्रफल २८०.४२ वर्ग कि.मी. रहेको छ । कुल क्षेत्रफलको २६.६८ प्रतिशत क्षेत्रमा झाडी तथा बुट्ट्यान, ३८.६६ प्रतिशत क्षेत्रमा हिउँले ढाकेको, १६.९ प्रतिशत क्षेत्र खाली जमिन, १६.०९ प्रतिशत घाँसे क्षेत्र र ०.१५ प्रतिशत कृषि क्षेत्र रहेको छ । यस क्षेत्रमा घाट, गुमेला, बैकर, मन्जो तथा फाकिदड क्षेत्र तरकारी उत्पादनका हिसाबले मुख्य क्षेत्रहरू हुन् । यस वडाभित्र रहेका टोलहरूमा चौरखर्क, क्याङ्गा, छेप्लुङ, नाचिपाङ, ठाडोकोशी (वारी), ठाडोकोशी (पारी), घाट, ल्वाहा, तेका, चेन्तेका, छुठावा, छेर्मादिङ, छुसेमा, सानोगुमेला, ठुलोगुमेला, फाकिदड, राङदिङ, जम्फुटे, टोकटोक, डम्बोतेङ, वेङकर, गेरिङ्गा, छुमोवा, मोञ्जु, तावा र जोरसल्ले गरी २६ वटा रहेका छन् । जलसम्पदा अन्तरगत यस क्षेत्रमा रहेका खोला तथा नदीहरूमा दुधकोशी, लुम्दिङ, ठाडो कोशी, छुसेमा खोला, घट्टेखोला र मञ्जो खोला रहेका छन् भने झरनाहरूमा टोकटोक झरना र बेङकर झरना पनि रहेका छन् । शैक्षिक संस्था अन्तरगत महेन्द्र ज्योति मा.वि., मञ्जुश्री बौद्ध आ.वि. र पेमा छोलिङ आधारभूत विद्यालय गरी कुल ३ वटा विद्यालय सञ्चालनमा रहेका छन् । विद्यालयमा कुल २८ जना शिक्षक र ४२८ विद्यार्थी रहेको देखिन्छ ।

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनुसार यस वडाको घरधुरी संख्या ४८० र जनसंख्या १७५२ रहेकोमा राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार घरधुरी संख्या ५०८ घरधुरी र जनसंख्या १६१० रहेका छन् । कृषिजन्य उत्पादनमा ३२३ मे.ट. आलु, ३६ मे.ट. मकै, ५४ मे.ट. फापर, १९८ मे.ट. गहुँ र १७२ मे.ट. ऊवा हुने गरेको देखिन्छ । यस वडामा जाडो याम बाहेक अन्य समयमा गोलभेंडा, काउली, बन्दा, गाँजर, मुला, सिमी, घिउ सिमी, लसुन, प्याज, खुर्सानी, काँक्रा, क्याप्सिकम जस्ता तरकारीहरू उत्पादन हुने गरेको छ । व्यावसायिक रूपमा उत्पादन भएको यस क्षेत्रको तरकारीलाई लुक्ला तथा नाम्चे क्षेत्रमा निर्यात समेत गरिने गरिन्छ । तथापि, होटेल संचालकहरूले काठमाडौँबाट समेत तरकारी आयात गर्ने अभ्यास रहेको छ । पेशागत रूपमा हेर्दा पर्यटन पेशामा आवद्ध जनसंख्या ३३ प्रतिशत, कृषि तथा पशुपालनमा संलग्न ३० प्रतिशत, व्यापार व्यवसायमा संलग्न २० प्रतिशत र वैदेशिक रोजगारीमा संलग्न ८ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

कुल जनसंख्याको ५३ प्रतिशत बौद्ध धर्मालम्बी र ४३ प्रतिशत हिन्दु धर्मालम्बी बसोवास गरेको देखिन्छ । जातजातिगत रूपमा हेर्दा कुल जनसंख्याको ६४ प्रतिशत शेर्पा, १२ प्रतिशत तामाङ र १४ प्रतिशत राई रहेको छ । यस क्षेत्रमा रहेका प्रमुख गुम्बाहरूमा पेमाछोलिङ गुम्बा, ठाक्तो दोर्जा फोटाङ गुम्बा, उच्चेछोलिङ गुम्बा, क्याङमा गुम्बा, साडा छोलिङ गुम्बा र राङडोक गुम्बा रहेका छन् ।

### ३.२ विकासका कार्यक्रमका उपलब्धिको समीक्षा

वडा नं ३ मा विगत वर्षमा भएका कार्यक्रम र उपलब्धिको अवस्था हेर्दा कृषि, खानेपानी, पर्यटन, पूर्वाधार, वातावरण संरक्षण र सुशासन क्षेत्रमा विभिन्न कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन भएका छन्। कृषि विकास क्षेत्र अन्तर्गत आलु पकेट क्षेत्र विकास र टनेल खेति विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन भएको देखिन्छ। पर्यटन विकासका लागि निजी क्षेत्रबाट होटल व्यावसायको विस्तार तथा स्तरोन्नति भएको छ। पदमार्ग स्तरोन्नतिका साथै चौपायाको लागि फरक मार्ग निर्माणको थालनी भएको छ। यस अवधिमा कुल ६०० घरधुरीमा एक घर एक धारा खानेपानी सुविधा विस्तार भएको छ। वडा कार्यालय भवन निर्माण भइ सेवा सञ्चालन भइसकेको छ। घाटमा मद्यवर्ती सामुदायिक वनसँगको सहकार्यमा समुदायिक भवन तथा सभाहल निर्माण भएको छ। जम्फुटेमा हिमालयन शेर्पा अस्पताल सञ्चालनमा रहेको छ। यस अवधिमा विद्यालयका ५ वटा भवन निर्माण भएका छन्। महेन्द्र ज्योति मा.वि. मा किचन डाइनिङ भवनको निर्माण करिव सम्पन्न हुन अवस्थामा रहेको छ। सगरमाथा आधार शिविर जाने मुख्य पदमार्ग लगायतका मार्गहरू स्तरोन्नति भएको छ।

घाट, फाकिदड, टोकटोक र गुमेला लगायतका क्षेत्रमा व्यवसायिक तरकारी खेतको विस्तार गरिएको छ। पूर्वाधार विकास तर्फ सार्वजनिक भवन तथा सामुदायिक भवन र गुम्बा मर्मतका कार्यहरू सञ्चालन भएका छन्। लक्षित वर्गको सीप तथा क्षमता विकास र खानेपानी तथा सरसफाई सबिधा विस्तार भएको छ। वातावरणीय स्वच्छता तथा ढल निर्माण, विपद् जोखिम कम गर्न नदि तटिय क्षेत्रमा तटबन्ध निर्माण र पहिरो रोकथामको पहल रहेका जस्ता कार्य छन्। सुशासनको नागरिकको सहभागिता, प्रतिनिधित्व र पहुँच स्थापित गर्ने कार्य रहेका छन्।

### ३.३ सम्भावना तथा अवसर

सगरमाथा वेसक्याम्प जाने पदमार्ग यस वडा भएर जाने गरेको छ। पदमार्ग आसपासमा होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू रहेका छन्। पदमार्ग होटल तथा आथित्य सेवा र पथप्रदर्शन यस क्षेत्रको मुख्य पेशाका रूपमा रहेको छ। अन्य पेशाका रूपमा पशुपालन, तरकारी खेति र आलु खेति प्रचलनमा रहेको छ। माध्यमिक तहसम्मको शिक्षाका अवसर स्थानीय स्तरमा रहेको छ। विद्यालयका भवनहरू आधुनिक र सुविधा सम्पन्न हुँदै गएका छन्। आधारभूत तहको स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच रहेको छ। अस्पतालबाट उपलब्ध हुने स्वास्थ्य सुविधा पनि वडाभित्रै रहेको छ। सुन्दर प्राकृतिक परिवेश निकुञ्ज क्षेत्रसँगको आवद्धता उच्च हिमाली पर्यावरण र कञ्चन पर्यावरणले यस वडालाई आकर्षक तुल्याएको छ।

### ३.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना

वडा नम्बर ३ को प्रमुख सरोकारको क्षेत्र केवलकार सञ्चालन रकक्लाइम्बिङ, रमणीय पदयात्रा तथा पर्यटनको वसाइ अवधि विस्तार हो। चौरीखर्क लार्चे दोभान साइकल मार्ग निर्माण, सगरमाथा पदमार्ग स्तरोन्नति, एकीकृत बस्ती विकास, मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व व्यवस्थापन र बहुउद्देशीय कवर्डहल निर्माण मुख्य आवश्यकताका रूपमा रहेको देखिन्छ। यस अतिरिक्त संभाव्यताका आधारमा आवधिक योजनामा समावेश गनुपर्ने आयोजना तथा कार्यक्रम देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छः

#### क. पर्यटन तथा संस्कृति

- १ चौरीखर्क लार्चे दोभान साइकल मार्ग निर्माण
- २ चौरीखर्क-मञ्जो केवलकार सम्भाव्यता अध्ययन
- ३ दुधकोशी राफटिङ सम्भाव्यता अध्ययन
- ४ पर्यटकीय सेवाको विविधिकरण तथा विशिष्टीकरण
- ५ सगरमाथा पदमार्ग स्तरोन्नति आयोजना
- ६ रकक्लाइम्बिङको विस्तार तथा व्यवस्थापन
- ७ ठाक्तो दोर्जे कोटाड तेखोडमा गोन्पा पुनर्निर्माण

#### ख. शिक्षा तथा खेलकुद

- १ विद्यालयमा विद्यार्थीमैत्री फर्निचर तथा संरचना
- २ सूचना प्रविधिमा आधारित शिक्षण सीकाइ पद्धतिको विकास
- ३ बहुउद्देशीय कवर्डहल निर्माण
- ४ विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर सुधार
- ५ प्राविधिक विषय अन्तर्गत पर्वतारोहण विषयको कक्षा सञ्चालन

- ६ उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति
- ७ खेल प्रशिक्षणको व्यवस्था

### ग स्वास्थ्य तथा पोषण

- १ अस्पतालका लागि भ्याक्सिन फ्रीज
- २ नियमित विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर
- ३ शुन्य प्लास्टिक अभियान
- ४ जनस्वास्थ्य सचेतना
- ५ स्थास्थ्य सेवा विस्तार
- ६ विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवा शिविर
- ७ पोषण सचेतना
- ८ घरदैलो स्वास्थ्य सेवा विस्तार

### घ भवन, आवास, यातायात तथा उर्जा

- १ एकीकृत बस्ती विकास
- २ सघन बस्ती ढल सुधार
- ३ विद्युत तथा इन्टरनेटको भरपर्दो सुविधा
- ४ पदमार्ग र चौपाया मार्ग फरक निर्माण
- ५ प्रहरी चौकीको पूर्वाधार स्तरोन्नति तथा सक्षमता विकास
- ६ बस्ती क्षेत्रमा सेन्सर सडक बत्ती तथा सिसिटिभि क्यामेरा जडान
- ७ पदमार्ग स्तरोन्नति
- ८ फोहोर व्यवस्थापन
- ९ टोलस्तरमा हेलिप्याड निर्माण
- १० वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन
- ११ ठाडो कोशी तथा दूधकोशी नदी किनारा सुरक्षा
- १२ वन्यजन्तु तथा मानव द्वन्द्व व्यवस्थापन
- १३ वृक्षारोपण विस्तार
- १४ शुन्य फोहोर (घरमै फोहोर व्यवस्थापन अभियान)

### ङ कृषि तथा पशुपालन

- १ आलु तथा तरकारी खेति पकेट क्षेत्र विस्तार
- २ खेतियोग्य जमिनमा सिचाई सुविधा विस्तार
- ३ स्थानीय उत्पादनको ब्राण्डिङ
- ४ तरकारी पकेट क्षेत्र प्रवर्द्धन

### ३.५ बस्ती तहको योजना

#### १. दोडबु छुक्पु टोल (चौँरीखर्क, क्याङ्गामा र बोसुम)

#### क. सम्भावना तथा अवसर

गाउँपालिकाको केन्द्र रहेको प्रशासकीय भवन यसै क्षेत्रको चौँरीखर्कमा रहेको छ भने नवनिर्मित भवन पनि यसै क्षेत्रमा रहेको छ । खरीखोला देखि चौँरीखर्क सम्म मोटर बाटो विस्तारको थालनी भएको छ । माध्यमिक तहसम्म अध्ययन हुने महेन्द्र ज्योति मा.वि. यसै क्षेत्रमा रहेको छ । तरकारी उत्पादनको व्यावसायिक अभ्यास रहेको यस क्षेत्रमा एउटा व्यावसायिक गाईपालन फर्म रहेको छ । साँडा छोलिङ गुम्बा यसै क्षेत्रमा रहेको छ । चौँरीखर्कमा खानेपानी मुहान रहेको छ । यस क्षेत्रमा पुजा गर्ने स्थलका रूपमा ल्ह्यासा चोर्तेन र छुङगुर रहेको रहेको छ । बौद्ध आमा समूह चौँरीखर्क, फरी युवा क्लव चौँरीखर्क र लाली गुराँस आमा समूह चौँरीखर्क क्रियाशिल रहेको छ । सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्ग यसै स्थान भएर जाने गर्दछ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

विद्यालय, गुम्बा, गाउँपालिका केन्द्र तथा बस्ती भित्रको पदमार्गको गुणस्तर कमजोर रहेको छ। गुम्बामा पुजा प्रयोजनका लागि हल तथा शौचालय लगायतका सुविधाको कमी रहेको छ। खानेपानीको मुहानको संरक्षणमा कमी रहेको छ। छाडा कुकुरको कारण वातावरणीय स्वच्छता र जनस्वास्थ्य जोखिममा वृद्धि भएको छ। कृषि तथा पशुपालनमा आधुनिकीकरणको कमी रहेको छ। आयातित वस्तुको ढुवानी लागतमा कमी रहेको छ। मौलिक कला भाषा संस्कृतिको संरक्षणमा कमी रहेको छ। सडक यातायातको सुविधामा कमी रहेको छ। यस क्षेत्रमा व्यवस्थित फोहोर व्यवस्थापन प्रभावकारी हुन सकेको छैन। पर्यटकीय पदमार्गको गुणस्तर कमजोर रहेको र खच्चर लगायतका चौपायाको आवतजावत एउटै मार्गबाट हुने हुनाले पदमार्गमा प्रदुसन र जोखिम उच्च रहेको छ। उच्च शिक्षाका अवसरमा कमी रहेको छ। स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी जनचेतनामा कमी रहेको छ। नसर्ने रोगको प्रकोप उच्च हुँदै गएको छ। इन्टरनेट तथा विद्युत सुविधाको गुणस्तरमा कमी रहेको छ। जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु, फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापन गर्नु, न्यून जनघनत्व तथा उच्च जनसांख्यिक गतिशिलतामा सबैलाई सहज सेवा सुविधा उपलब्ध गराउनु, प्रतिकूल मौसमी गतिविधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिविधि सुचारु गराउनु र आधारभूत सुविधाको गुणस्तर कायम गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेको छ।

## ग. सोच

सभ्य समाज: स्वस्थ जीवन

## घ. लक्ष्य

धार्मिक तथा सांस्कृतिक तथा वातावरणीय सम्पदाको संरक्षण मार्फत दिगो आर्थिक उपलब्धि हासिल गर्ने।

## ङ. उद्देश्य

- १ दिगो आर्थिक विकासको आधार तयार गर्नु।
- २ स्थानीय सम्पदाको संरक्षण गर्नु।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि
- २ बस्ती भित्रको पदमार्ग निर्माण
- ३ गुम्बाको देवाड किचेन चर्पी तथा किन्दुगको भवन निर्माण
- ४ खानेपानी मुहान संरक्षण
- ५ अनाथ कुकुर व्यवस्थापन सेल्टर निर्माण
- ६ कृषि तथा पशुपालनको विविधिकरण तथा विशिष्टीकरण
- ७ तरकारी उत्पादन व्यावसायीकरण
- ८ दिगो फोहोरमैला व्यवस्थापन
- ९ पर्यटकीय मार्गको स्तरोन्नति
- १० उच्च शिक्षा प्रोत्साहन
- ११ प्राविधिक शिक्षा अन्तरगत पर्वतारोहण धारमा कक्षा सञ्चालन

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ।

## २. जम्बाला टोल (छेप्लुड)

### क. सम्भावना तथा अवसर

मध्यवर्ती क्षेत्रको जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ। आधारभूत तहको विद्यालय र स्वास्थ्य संस्था स्थानीयस्तरमा रहेको छ। लुक्ला देखि नाम्चेहुँदै रेन्चोलापास तथा सगरमाथा आधार शिविरसम्म जाने पदमार्ग यहि क्षेत्र भएर गएको छ। तरकारी तथा आलु

खेतिका लागि उर्वरशील जमिन रहेको छ । स्वच्छ, प्राकृतिक तथा सुन्दर वातावरण रहेको यस क्षेत्रमा गुम्बा तथा मने लगायतका परम्परागत सांस्कृतिक सम्पदा र शेर्पा जातिको मौलिक सांस्कृतिक अभ्यास कायम रहेको छ । महिला समूह तथा मद्यवर्ती सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति क्रियाशिल रहेका छन् । होटल तथा रेष्टुरेण्ट व्यवसाय विस्तार हुँदै गएको यस क्षेत्रमा विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध रहेको छ । सार्वजनिक सभा हलको व्यवस्था रहेको छ । दुध कोशी तथा ठाडो कोशी लगायतका नदी तथा खोलाहरू रहेका छन् । पर्यटन तथा पर्वतारोहणलाई संस्कृतिका रूपमा विकास गरिएको छ । विपद् व्यवस्थापन तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनको नविनतम अभ्यासहरू अवलम्बन हुँदै गएका छन् । बस्ती तहबाट आयोजना छनौटको अभ्यासको थालनी भएको छ । सामाजिक सुरक्षा भत्ताको उपलब्धतालाई सहज तुल्याउन असक्त तथा अपाङ्गहरूका लागि घरमै उपलब्ध हुने अभ्यास सुरु गरिएको छ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

जंगली जनावरले बस्ती प्रवेश गरी कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा क्षति पुर्याउने गरेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । खेतियोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधाको अभाव रहेको छ । जंकफुडको उपयोगमा वृद्धि हुँदै गएको छ । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । ढलको निकास उपयुक्त रूपमा नहुँदा पैदलमार्गमा फोहोर हुने गरेको छ । सवदहन स्थलको उचित व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । भुकम्पका कारण चर्केको गुम्बाको पुनर्निर्माण हुन सकेको छैन । अस्पताल विद्यालयसम्मको दुरी टाडा भएकोले माथिल्लो कक्षामा अध्ययन गर्न कठिनाई रहेको छ । पर्यटकीय पदमार्गको गुणस्तर कमजोर रहेको छ । इन्टरनेट तथा जलविद्युतको गुणस्तरमा कमी रहेको छ । खाद्य सुरक्षामा बढ्दो परनिर्भरता कम गर्नु, मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, छरिएको बस्ती सेवा सुविधा उपलब्ध गराउनु, प्रतिकुल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु र आधारभूत सुविधाको गुणस्तर कायम गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

## ग. सोच

समुन्नत जीवनशैली: सुखी जीवन

## घ. लक्ष्य

आर्थिक सामाजिक अवसर सृजना गरी समृद्धि हासिल गर्ने ।

## ड. उद्देश्य

- १ कृषि तथा पर्यटकीय आकर्षणको विविधीकरण, विशिष्टीकरण र व्यवसायिकरण गर्नु ।
- २ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सरसफाई क्षेत्रको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्नु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ फोहोरमैला संकलन पुन प्रयोग केन्द्र स्थापना
- २ कृषि तथा पशु बीमा र मद्यवर्ती वन क्षेत्र तारवार
- ३ छेप्लुड र नाचिपाडमा सिंचाई सुविधा विस्तार
- ४ ढल व्यवस्थापन (ठाडो कोशी, नाचिपाड र छेप्लुडमा)
- ५ व्यवस्थित दाहसंस्कार स्थल निर्माण
- ६ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम
- ७ पदमार्ग स्तरोन्नति (ठाडो कोशी देखि छेप्लुड र छेप्लुड देखि गुम्बा )
- ८ बहुउद्देशीय कवर्ड हल निर्माण
- ९ सभाहल निर्माण
- १० राडडोक गुम्बा पुन निर्माण
- ११ ठाडो कोशी देखि छेप्लुड सम्मको मानी जिर्णोद्धार
- १२ ठाडो कोशी पहिरो पुल निर्माण

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ३. युल्डिङ टोल (युल्डिङ)

#### क. सम्भावना तथा अवसर

लुक्ला देखि नाम्चेहुँदै रेन्चोलापास तथा सगरमाथा आधार शिविरसम्म जाने पदमार्ग यहि क्षेत्र भएर गएको छ । पर्यटकीय पदमार्ग विद्युत, इन्टरनेट र खानेपानीको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । यस क्षेत्रमा कक्षा ५ सम्म पठनपाठन हुने विद्यालय सञ्चालनमा रहेको छ । मद्यवर्ती क्षेत्रमा जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । मध्यवर्ती सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति क्रियाशिल रहेको छ भने आफ्नै भवन समेत रहेको छ । क्रियाशिल रहेको महिला समूहको आफ्नै भवन समेत रहेको छ । पुरातात्विक महत्वको माने चोर्तेन रहेको छ । कृषि प्रयोजनका लागि वेसी क्षेत्रमा उर्वर भूमि रहेको छ । अग्नी नियन्त्रण यन्त्र जडान भएको छ । विद्यार्थीका लागि छात्रवासको व्यवस्था रहेको छ । जल सम्पदाका रूपमा दुध कोशी नदी तथा कामीगाटेमा तातोपानीको मुल रहेको छ । रक क्लाइम्बिङका लागि उपयुक्त चट्टानहरू रहेका छन् । स्वच्छ हरियाली वातावरण रहेको छ । आधारभूत स्वास्थ्य संस्थासंगको सहज पहुँच रहेको छ भने नजिकै स्थान जम्फुटे र लुक्लामा विशेषज्ञ सेवा पनि उपलब्ध रहेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

पदमार्गको गुणस्तर सुधारमा कमी रहेको छ । जंगली जनावरबाट बालीनालीमा क्षति हुने गरेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । खेतियोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधाको अभाव रहेको छ । जंकफुडको उपयोगमा वृद्धि हुँदै गएको छ । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । आपतकालीन उद्धारका लागि कठिनाई हुने गरेको छ । ढलको निकास उपयुक्त व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । धार्मिक महत्वको माने चोर्तेन व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । तातोपानीको मुल रहेपनि व्यावसायिक उपयोग हुन सकेको छैन । मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, छरिएको बस्ती सेवा सुविधा उपलब्ध गराउनु, प्रतिकुल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु र आधारभूत सुविधाको गुणस्तर कायम गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

#### ग. सोच

समृद्ध युल्डिङ: सुखी युल्डिङबासी

#### घ. लक्ष्य

पर्यटन तथा कृषि क्षेत्रको प्रवर्द्धन गर्ने ।

#### ङ. उद्देश्य

- १ पर्यटन क्षेत्रको विविधीकरण र विशिष्टीकरण गर्नु ।
- २ व्यवसायिक कृषिको क्षेत्रको प्रवर्द्धन गर्नु ।

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ घाट बस्ती ढल निर्माण
- २ ठाडोकोशी देखि छुठावा सम्मको पर्यटन पदमार्ग निर्माण
- ३ घाट क्षेत्रमा हेलीप्याड निर्माण
- ४ छुठावा र ल्हावा क्षेत्रको मद्यवर्ती वनमा तारवार
- ५ फोहोरमैला संकलन पुन प्रयोग केन्द्र स्थापना
- ६ कामीगाटेमा तातोपानीको पौडी पोखरी निर्माण
- ७ घाट सभा हलको स्तरोन्नति
- ८ घाट शिरमा रक क्लाइम्बिङ संरचना निर्माण
- ९ घाट देखि चेदिङ केबलकार निर्माण

- १० घाट तेका पदमार्ग निर्माण
- ११ बहुउद्देशीय नर्सरी निर्माण
- १२ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ४. बेयुल टोल (सानो गुमेला)

#### क. सम्भावना तथा अवसर

यस क्षेत्रमा खाद्यबाली र तरकारी खेतिको उच्च उत्पादकत्व रहेको छ । विद्यालयको खाली भवन समेत सार्वजनिक उपयोगका लागि उपयुक्त रहेको छ । होम स्टे सञ्चालनमा रहेको यस क्षेत्रमा दृष्यावलोकनका लागि भ्युप्वाइन्ट रहेको छ । यस टोल भित्र एउटा खेल मैदान समेत रहेको छ । चिराइतो, सर्पगुरु, लौठ सल्लो र कुडकी जस्ता जडिबुटी यस क्षेत्रमा पाइन्छ । श्रृजनशिल तथा स्वरोजगार युवा तथा महिला व्यवसायीहरू रहेका छन् भने महिला समूह क्रियाशिल रहेको छ । पर्यटकीय होटल तथा रेष्टुरेण्टहरूको संख्यामा विस्तार हुँदै गएको छ । रक क्लाइम्बिङ तथा आइस क्लाइम्बिङका लागि उपयुक्त स्थानहरू रहेका छन् । एकतृत खालको सानो गुमेला बस्ती रहेको छ । आधारभूत विद्यालय तथा आधारभूत तहको स्वास्थ्य सुविधामा सहज पहुँच रहेको छ । रेन्चोलापास तथा सगरमाथा आधार शिविरसम्म जाने पदमार्ग यहि क्षेत्र भएर गएको छ । विद्युत, इन्टरनेट र खानेपानीको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । मध्यवर्ती क्षेत्रको जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । जल सम्पदाका रूपमा दुध कोशी नदी लगायत पानी मुहान तथा साना खोलाहरू रहेको छन् ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

उच्च ढुवानी लागत तथा बजार मूल्य र बढ्दो खाद्यान्न परिभरतताले दीर्घकालीन रूपमा चुनौती खडा गरेको छ । पदमार्ग सहज र गुणस्तरीय हुन सकेको छैन । पर्यटकीय गतिविधि मौसमी हुने गरेका छन् । स्थानीयस्तरमा उत्पादन भएको तरकारी पर्यटकको आवागमन कम हुने समयमा विक्री गर्न कठिन हुने गरेको छ । स्थानीयस्तरमा रहेको एउटा आधारभुत विद्यालय बन्द भइसकेको छ । इन्टरनेटको पहुँच सबैमा रहेको छैन । स्थानीय उत्पादनको ब्राण्डिङ तथा प्याकेजिङको अभ्यासमा कमी रहेको छ । जंगली जनावर तथा रोग कीराबाट बालीनालीमा क्षति हुने गरेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । खेति योग्यजमिनमा सिंचाई सुविधाको अभाव रहेको छ । जंकफुडको उपयोगमा वृद्धि हुँदै गएको छ । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । मौलिक कला तथा संस्कृतिको संरक्षणमा कमी रहेको छ । रक क्लाइम्बिङ तथा आइस क्लाइम्बिङका लागि उपयुक्त स्थानहरू रहेता पनि सम्भाव्यता अध्ययनको कमी रहेको छ । मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, प्रतिकुल मौसमी गतिविधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिविधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु र दिगो पर्यटन कायम गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

#### ग. सोच

शिक्षा, स्वास्थ्य, सीप र रोजगार: टोल विकासमा निरन्तर

#### घ. लक्ष्य

दक्षता विकास तथा रोजगारीको अभिवृद्धि गर्ने ।

#### ङ. उद्देश्य

- १ विद्यालय पहुँचबाट बञ्चित बालबालिकालाई विद्यालय शिक्षाको सुनिश्चित गर्नु ।
- २ स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतना वृद्धि गर्नु ।
- ३ सीप विकास र रोजगारीको अभिवृद्धि गर्नु ।

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ चिस्यान केन्द्र स्थापना
- २ बजारमागमा आधारित सीपमूलक तालिम
- ३ विद्यालयको खाली भवनलाई म्युजियममा रूपान्तरण
- ४ पर्यटन पदमार्ग स्तरोन्नति तथा विस्तार
- ५ जडिबुटी खेति तथा प्रसोधन केन्द्र स्थापना
- ६ मध्यवर्ती वन क्षेत्रमा तारवार निर्माण
- ७ रक क्लाइम्बिङ तथा आइस क्लाइम्बिक स्पट निर्माण
- ८ सानोगुमेला साँघु निर्माण
- ९ खेलमैदान स्तरोन्नति
- १० जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम
- ११ शुन्य फोहोर अभियान

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ५. फाक्दिङ टोल (फाक्दिङ)

#### क. सम्भावना तथा अवसर

खरीखोला-लुक्ला हुँदै सगरमाथा आधार शिविर, रेञ्जोलापास तथा दोलखा जाने पदमार्ग यहि क्षेत्र भएर गएको छ । फाक्दिङ क्षेत्रमा उवा, गहुँ, आलु तथा तरकारी खेतिको लागि उर्वर भूमि रहेको छ । यस क्षेत्रमा पर्यटकहरूका लागि लक्षित गरी निर्माण गरिएका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू व्यापक रूपमा रहेका छन् । सबै घरपरिवारमा आधारभूत तहको खानेपानी सुविधा उपलब्ध रहेको छ । विद्युत, इन्टरनेट र मोबाइल फोनको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । शान्ति सुरक्षा कायम गर्न प्रहरी चौकी स्थापना भएको छ । यातायात तथा आपतकालीन उद्धारका लागि हेलिप्याड रहेको छ । अस्थायी प्रकृतिको भलिवल खेल मैदान रहेको यस क्षेत्रमा भलिवल खेल प्रति आकर्षण रहेको छ । रक क्लाइम्बिङ खेलका लागि उपयुक्त स्थानहरू रहेको छ । मध्यवर्ती क्षेत्रको जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । जल सम्पदाका रूपमा दुध कोशी नदी लगायत पानी मुहानहरू र साना खोलाहरू रहेको छन् । डाँफे महिला समूह तथा फाक्दिङ कृषि समूह क्रियाशिल रहेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

खेतियोग्य जमिनको कमी रहेको यस क्षेत्रमा एकबाली मात्र उत्पादन हुने हुनाले खाद्य सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता को अवस्था कमजोर रहेको छ । पदमार्गको अवस्थामा नियमित सुधार र मर्मतमा कमीका साथै खच्चर तथा मानव मार्ग एउटै हुँदा पदमार्ग फोहोर हुने र यात्रामा कठिनाइ समेत हुने गरेको छ । सामुदायिक भवनको कमीका कारण सभा तथा कार्यक्रम सञ्चालनका लागि कठिनाइ हुने गरेको छ । बैकिङ सुविधाका लागि टाढा जानुपर्ने बाध्यता रहेको छ । खेल मैदानको गुणस्तर कमजोर रहेको छ । विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधाको गुणस्तरमा कमी रहेको छ । फाक्दिङ क्षेत्रमा ढलको प्रभावकारी व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । तरकारीको भण्डारणका लागि कोल्डस्टोरको व्यवस्थामा कमी रहेको छ । बजार तथा पदमार्ग क्षेत्रमा सडक वती तथा सुरक्षा प्रयोजनका लागि सीसी क्यामराको कमी रहेको छ । महिला तथा युवाका लागि सीपमूलक तालिमको कमी रहेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । खेति योग्यजमिनमा सिंचाई सुविधाको अभाव रहेको छ । जंकफुडको उपयोगमा वृद्धि हुँदै गएको छ । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । मौलिक कला तथा संस्कृतिको संरक्षणमा कमी रहेको छ । मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, प्रतिकुल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु र दिगो पर्यटन कायम गर्नु प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

#### ३. सोच

पर्यटकीय सेवा तथा पूर्वाधार: टोल विकासको आधार

#### ४. लक्ष्य

पर्यटन मार्फत रोजगारी र आयमा वृद्धि गर्ने ।

#### ५. उद्देश्य

- १ पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
- २ पर्यटकीय सेवाको विस्तार गर्नु ।
- ३ युवा तथा महिलाको सीप तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्नु ।

#### ६. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ रक क्लाइम्बिङ सेण्टर स्थापना
- २ फाक्दिडमा व्यवस्थित ढल स्तरोन्नति
- ३ चिस्यान केन्द्र स्थापना
- ४ बजारमागमा आधारित सीपमूलक तालिम
- ५ पर्यटन पदमार्ग स्तरोन्नति तथा विस्तार
- ६ मद्यवर्ती वन क्षेत्रमा तारवार निर्माण
- ७ खेलमैदान स्तरोन्नति
- ८ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम
- ९ फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापन

#### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

#### ६. रिम्पेजुड टोल (रिम्पेजुड)

##### क. सम्भावना तथा अवसर

रिम्पेजुड क्षेत्रमा आलु तथा तरकारी खेतिको लागि उर्वर भूमि रहेको छ । सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्ग यहि टोल भएर गएको छ । यस क्षेत्रमा पर्यटकहरूका लागि लक्षित गरी निर्माण गरिएका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू विस्तार हुँदै गएका छन् । रिम्पेजु गुम्बा र पुरातात्विक मनेहरू रहेका छन । विद्युत, इन्टरनेट र मोवाइल फोनको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । मद्यवर्ती क्षेत्रको सुन्दर तथा हरियाली जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । जल सम्पदाका रुपमा दुध कोशी नदी लगायत पानी मुहानहरू र साना खोलाहरू रहेको छन् । रिम्पेजुड इबोतेड क्षेत्रमा बन्जी जम्पिङको लागि उपयुक्त स्थलहरू रहेका छन् ।

##### ख. समस्या तथा चुनौती

होमस्टेको समुचित व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । विद्युत तथा इन्टरनेटको भरपर्दो सुविधामा कमी रहेको छ । आपतकालीन उद्धारका लागि मौसमी अनुकूलतामा निर्भर हुनुपर्ने अवस्था रहेको छ । दृष्यावलोकनका लागि उपयुक्त स्थानहरू रहेको भएता पनि आवश्यक पूर्वाधार र उपयोगको कमी रहेको छ । विपासना ध्यान प्रति स्थानीयबासीको आकर्षण रहेको भएता पनि व्यवस्थित केन्द्र सञ्चालन हुन सकेको छैन । रिम्पेजुड इबोतेड बन्जी जम्पिङ पूर्वाधारको कमी रहेको छ । सामाजिक कार्य र सार्वजनिक प्रयोजनका लागि सामुदायिक भवनको कमी रहेको छ । पाङजुड भ्यु प्वाइन्ट जाने पदमार्गको कमी रहेको छ । रिम्पेजुडमा खानेपानीमा पर्याप्त खानेपानीको कमी रहेको छ । कृषि उपजहरूको भण्डारणका लागि कृषकहरूलाई कोल्ड स्टोरको कमी रहेको छ । महिला तथा युवाका लागि सीपमूलक तालिमको कमी रहेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । खेतियोग्य जमिनमा सिंचाई सुविधाको कमी रहेको छ । जंकफुडको उपयोगमा वृद्धि हुँदै गएको छ भने स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । मौलिक कला तथा संस्कृतिको संरक्षणमा कमी रहेको छ । मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, प्रतिकुल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु र दिगो पर्यटन कायम गर्नु चुनौतीका रुपमा रहेको छ ।

## ग. सोच

समृद्ध गाउँ: सुखी गाउँवासी

## घ. लक्ष्य

पर्यटनको आगमान तथा आयस्तरमा वृद्धि गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

- १ कृषि तथा पर्यटन मार्फत आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु ।
- २ पर्यटकलाई गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध गराउनु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ रिम्पेजुड बस्ती भित्र साइकल ट्रेल निर्माण (ठूलो गुमेलबाट टोक –टोक रडदिड सम्म)
- २ विवाह तथा वनभोज एवम् बैठक र पार्टीका लागि सामुदायिक भवन निर्माण
- ३ रिम्पेजुड बस्तीभित्र पदमार्ग सुधार
- ४ चिस्यान केन्द्र स्थापना
- ५ बजारमागमा आधारित सीपमूलक तालिम
- ६ विपासना ध्यान केन्द्र सञ्चालन
- ७ रिम्पेजुड इबोतेड बन्जी जम्पिङ पूर्वाधार निर्माण
- ८ पाडजुड भ्यु प्वाइन्ट जाने पदमार्ग निर्माण
- ९ एक घर एक धारा
- १० कोल्ड स्टोर निर्माण
- ११ वनक्षेत्र तारवार तथा बाली बीमा
- १२ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम
- १३ फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापन

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्त्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ७ फरी टोल .(टोक टोक, जम्फुटे र डोमानेड)

## क. सम्भावना तथा अवसर

हिमालयन शेर्पा हस्पिटलमा विशेषज्ञ चिकित्सक सहितको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । टोक टोक क्षेत्रमा आधारभुत खानेपानी सुविधा विस्तार हुँदै गएको छ । यस क्षेत्रको घट्टेखोलामा लघु जलविद्युत आयोजना सञ्चालनमा रहेको छ । घट्टेखोलामा आरसिसि पुल निर्माण भएको छ । टोक टोकमा भलिवल तथा ब्याटमिण्टन खेल मिल्ने खेल मैदान रहेको छ । प्राचिन मनेहरू रहेको यस क्षेत्रमा खड्ग्री मण्डली चर्च समेत रहेको छ । सामाजिक तथा सार्वजनिक प्रयोजनका लागि सामुदायिक भवन रहेको छ । खोप केन्द्र यसै क्षेत्रमा पनि रहेको छ । अग्नि नियन्त्रणका लागि फायर हाइड्रेण्ट समेत स्थापना गरिएको छ । पर्यटकहरूका लागि लक्षित गरी निर्माण गरिएका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू विस्तार हुँदै गएका छन् । आलु तथा तरकारी खेतको लागि उर्वर भूमि रहेको छ । सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्ग यहि टोल भएर गएको छ । विद्युत, इन्टरनेट र मोवाइल फोनको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । मध्यवर्ती क्षेत्रको हरियाली तथा जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । जल सम्पदाका रूपमा दुध कोशी तथा घट्टे खोला लगायत टोक टोक झरना समेत यस क्षेत्रमा रहेको छ । ठूलो गुमेल–डोमानेड बन्जी जम्पिङका लागि उपयुक्त क्षेत्रका रूपमा रहेको छ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

पर्यटकीय आकर्षणका रूपमा बन्जी जम्पिङ, केबलकार तथा दृष्यावलोकन लगायतका स्थलहरूको निर्माणमा कमी रहेको छ । सार्वजनिक प्रयोजनका लागि टोक टोकमा सामुदायिक भवन निर्माणको कमी रहेको छ । टोल भित्रको क्षेत्रमा व्यवस्थित ढल निर्माणको कमी रहेको छ । टोलभित्र सफा तथा स्तरीय पदमार्गको कमी रहेको छ । पर्यटकीय सेवा सुविधाको विविधीकरण र विशिष्टीकरणमा कमी रहेको छ । व्यवस्थित सार्वजनिक खेल मैदान निर्माण तथा खेल प्रसिक्षणको कमी रहेको छ । कृषि क्षेत्रमा कृषकहरूका लागि प्रविधि, सीप विकास, जानकारी र कोल्ड स्टोर तथा सहज बैंकिङ सुविधामा कमी रहेको छ । विद्युत तथा इन्टरनेटको भरपर्दो सुविधामा कमी रहेको छ । आपतकालीन उद्धारका लागि मौसमी अनुकूलतामा निर्भर हुनुपर्ने अवस्था रहेको छ । स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी सचेतनामा कमी रहेको छ । महिला तथा युवाका लागि स्वरोजगारीका अवसरमा कमी रहेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्नु, जंकफुडको उपयोगलाई दुरुत्साहन गर्नु, मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, प्रतिकूल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु मुख्य चुनौतीका रूपमा रहेको छन् ।

## ग. सोच

पर्यटकीय सुविधा र पूर्वाधार: फरी टोल विकासको आधार

## घ. लक्ष्य

पर्यटकीय पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधा मार्फत रोजगारी र आयमा वृद्धि गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

- १ पर्यटकीय आकर्षणमा गुणात्मक सुधार गर्नु ।
- २ रोजगारी तथा आयका अवसरमा वृद्धि गर्नु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ पर्यटकीय पूर्वाधार विस्तार
- २ महिला तथा युवा स्वरोजगारी कार्यक्रम
- ३ डोमातेड ठूलोगुमेला बन्जी जम्पिङ संरचना निर्माण
- ४ सामुदायिक भवन निर्माण
- ५ टोक टोक ढल निर्माण
- ६ पर्यटकीय पदमार्ग स्तरोन्नति
- ७ टोक टोक झरना सौन्दर्यकरण
- ८ कोङ्दे डाँडाँ केवुलकार सम्भाव्यता अध्ययन
- ९ चौपायाका लागि बैकल्पिक मार्ग निर्माण
- १० एक घर एक धारा
- ११ वनक्षेत्र तारवार तथा बाली बीमा
- १२ जनस्वास्थ्य तथा पोषणसँग सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम
- १३ फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ८ छमुवा बेडकर टोल (छमुला र बेडकर )

### क. सम्भावना तथा अवसर

बेडकर क्षेत्रमा साहसीक पर्यटनका लागि रक क्लाइम्बिङको पूर्वाधार निर्माणका लागि उपयुक्त स्थल रहेको छ । छुमवामा प्राकृतिक रूपमा बनेको ठूलो ओडार रहेको छ । बेडकार बाट सगरमाथा देख्ने सम्मको बाटो निर्माण गरेमा अतिरिक्त घुम्ने ठाँउहरू रहेको छ ।

बेङ्कार शिरमा रहेको चम्खाड जाने मार्ग समेत रहेको छ । प्रमुख जलसम्पदाका रूपमा दुध कोशी तथा घट्टे खोला लगायत पर्यटकीय आकर्षणको बेङ्कर झरना रहेको छ । उच्च उर्वरशीलता रहेको खेतियोग्य जमिन रहेको छ । लेकाली विशेषता बोकेको जैविक विविधताले सम्पन्न वन रहेको छ । आधारभूतस्तरको खानेपानी सुविधा विस्तार हुँदै गएको छ । पर्यटकहरूका लागि लक्षित गरी निर्माण गरिएका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू विस्तार हुँदै गएका छन् । सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्ग यहि टोल भएर गएको छ । विद्युत, इन्टरनेट र मोवाइल फोनको सुविधा उपलब्ध रहेको छ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

बस्ती क्षेत्रमा ढल व्यवस्थापनका कमी रहेको छ । आपतकालीन उद्धारका लागि हेलीप्याडको कमी रहेको छ । घट्टेखोला पार गरेर आवतजावत गर्नका लागि कठिनाइ रहेको छ । छुमवा तथा बेङ्कार दुवै टोलको लागि इन्टरनेटको गुणस्तरीय सुविधामा कमी रहेको छ । युवा स्वरोजगारीका लागि सीप तथा क्षमता विकास र अवसरहरूमा कमी रहेको छ । मद्यवर्ती क्षेत्रको जंगलबाट जनावर बस्ती क्षेत्रमा प्रवेश गरी बालीनालीमा क्षति हुने गरेको छ । सगरमाथा आधार शिविरसम्मको पदमार्गको निरन्तर स्तरोन्नतिमा कमी रहेको छ । पर्यटकीय सेवा सुविधाको विविधीकरण र विशिष्टीकरणमा कमी रहेको छ । व्यवस्थित सार्वजनिक खेलमैदान निर्माण तथा खेल प्रशिक्षणको कमी रहेको छ । महिला तथा युवाका लागि स्वरोजगारीका अवसरमा कमी रहेको छ । फोहोरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्नु, जंकफुडको उपयोगलाई दुरुस्त्याहन गर्नु, मानव तथा जंगली जनावरको बृद्ध निराकरण गर्नु, प्रतिकूल मौसमी गतिबिधिबाट हुने आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक गतिबिधि सुचारु गराउनु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु मुख्य चुनौतीका रूपमा रहेको छन् ।

## ग. सोच

सभ्य, स्वस्थ तथा समृद्ध टोल

## घ. लक्ष्य

रोजगारी तथा आय वृद्धिका अवसर सिर्जना गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

- १ पर्यटकीय क्षेत्रको विविधीकरण तथा विशिष्टीकरण गर्नु ।
- २ सीप, दक्षता र आत्मनिर्भरता अभिवृद्धि गर्नु ।
- ३ स्वस्थ र सभ्य समाजको आधार तयार गर्नु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ बेङ्कार खानेपानी तथा अग्नि नियन्त्रण आयोजना (निरन्तरता)
- २ छुमवा र गोरिङमा बालीनाली संरक्षण बार बन्देज
- ३ बेङ्कार सामुदायिक भवन निर्माण
- ४ छुमवा बस्ती भित्रको बाटो निर्माण
- ५ मन्जु र छुमवा बिचको घटेखोलको बाटो निर्माण
- ६ छुमवामा हेलीप्याड निर्माण
- ७ पर्यटकीय पूर्वाधार विस्तार
- ८ महिला तथा युवा स्वरोजगारी कार्यक्रम
- ९ पर्यटकीय पदमार्ग स्तरोन्नति

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ९ गेलु छयावा टोल (मोज्जु र जोरसल्ले)

## क. सम्भावना तथा अवसर

मोन्जुमा धार्मिक महत्वको उच्चछोलिङ गुम्बा रहेको छ । आकर्षक तथा हरियाली उच्च पर्वतीय विशेषता बोकेको वन र स्वच्छ पानीका प्रसस्त मुहानहरू रहेका छन् । दूधकोशी र भोटे कोशीको संगम स्थल लार्चे दोभान पनि यसै क्षेत्रमा रहेको छ । प्राकृतिक मनोरम वातावरणमा पर्यटकीय पदमार्ग रहेको छ । आधारभूत तहको खानेपानी सुविधा उपलब्ध रहेको छ । जोरसल्लेमा करिब १०० वर्ष पुरानो चम्पाङ रहेको छ । आधारभूत तहको शिक्षाका लागि मोन्जु युवा वर्ष आ. वि. यसै क्षेत्रमा रहेको छ । केडदे हिमाल र थामेसेर्कु हिमालको मनोरम दृष्यावलोकनको यस क्षेत्रबाट गर्न सकिन्छ । यस क्षेत्रको तावा भन्ने स्थानमा रक क्लाइम्बिङको संरचना रहेको छ । पर्यटकहरूका लागि लक्षित गरी निर्माण गरिएका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरू विस्तार हुँदै गएका छन् । सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्ग यहि टोल भएर गएको छ । विद्युत, इन्टरनेट र मोवाइल फोनको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । पाँच औँले, कुर्की, यासांगुम्वा, जटामसी, टिम्मुर जस्ता जडिबुटीका अतिरिक्त कोमा, हाडजुरा, हिडर् सल्ला, गोब्रे सल्ला, धुपी सल्ला, गुराँस प्रजाती जस्ता वनस्पति पाइने गर्दछ ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

जोरसल्ले क्षेत्रमा व्यवस्थित खानेपानी सुविधाको कमी रहेको छ । गुम्बामा (देवाङ)प्राङगणको कमी रहेको छ । जोरसल्ले तथा मोन्जुको बस्तीभित्र ढल तथा व्यवस्थित बाटोको कमी रहेको छ । चाम्पाङ जानको लागि व्यवस्थित बाटोको कमी रहेको छ । युवा वर्ष आधारभुत विद्यालयमा कवर्ड हल, खेलमैदान र ECD कक्षा व्यवस्थापनमा कमी रहेको छ । मोन्जुतेडमा होमस्टे सञ्चालनको लागि उपयुक्त देखिएता पनि हालसम्म सञ्चालन हुन सकेको छैन । वर्षातको समयमा खोला बहाव बढ्ने भएकाले यातायातको समस्या रहेको छ । नर्सरीमा विभिन्न प्रजातीका बोट विरुवा उत्पादन गर्न आवश्यक स्रोत र साधनको कमी रहेको छ भने उत्पादन भएको बोट विरुवा संरक्षणमा कमी रहेको छ । गुणस्तरीय इन्टरनेटको सुविधाको कमी रहेको छ । सगरमाथा आधार शिविरसम्मको पदमार्गको निरन्तर स्तरोन्नतिमा कमी रहेको छ । व्यवस्थित सार्वजनिक खेलमैदान निर्माण तथा खेल प्रसिक्षणको कमी रहेको छ । पर्यावरणीय स्वच्छता कायम राख्नु, दिगो रूपमा पर्यटकीय गतिविधिलाई सञ्चालन गर्नु, मानव तथा जंगली जनावरको द्वन्द्व निराकरण गर्नु, जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु मुख्य चुनौतीका रूपमा रहेको छन् ।

## ग. सोच

आकर्षक र समृद्ध मोन्जु जोरसल्ले

## घ. लक्ष्य

आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकका गतिविधिमा वृद्धि गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

- १ आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरूलाई उपलब्ध गराउने सेवा सुविधामा विस्तार गर्नु ।
- २ पर्यटकीय पूर्वाधारको विस्तार र स्तरोन्नति गर्नु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ उच्च छोलिङ गुम्बा पूर्वाधार सुधार
- २ गुरु रिम्पोछे तथा गुरु पद्मसम्भव पार्क निर्माण
- ३ देवाङ निर्माण
- ४ नर्सरी व्यवस्थापन
- ५ जोरसल्ले मोन्जु बस्ती ढल निर्माण
- ६ पदमार्ग स्तरोन्नति
- ७ जोरसल्ले खानेपानी तथा अग्नि नियन्त्रण आयोजना
- ८ चाम्पाङको मर्मत सम्भार
- ९ युवा वर्ष आ.वि. कवर्ड हल निर्माण
- १० प्रारम्भिक बाल विकास कक्षालाई स्तरोन्नति
- ११ मोन्जुतेड होमस्टे सञ्चालन
- १२ दुधकोशी नदीको किनारमामा तटवन्ध निर्माण
- १३ जोरसल्ले देखि कोड्दे र मोन्जु देखि थामेसेर्कु हिमाल जाने पदमार्ग निर्माण
- १४ रक क्लायम्बिङ सञ्चालन तथा व्यवस्थापन

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ४. वडा नम्बर चार (४)

#### ४.१ पृष्ठभूमि

विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत त्याङवोचे गुम्बा र सगरमाथा आधार शिविर प्रवेश क्षेत्रको रूपमा वडा नम्बर २ अवस्थित रहेको छ । गाउँपालिकाको यस वडा क्षेत्रफलको हिसाबले सबभन्दा ठूलो छ । राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार यस वडामा बसोबास गर्ने जनसंख्या २०१२ तथा ५८३ घरपरिवार रहेको छ भने २०६८ सालको जनगणना अनुसार जनसंख्या १९१२ र घरपरिवार संख्या ५५१ रहेको छ ।

#### ४.२ विगतमा प्रमुख कार्यक्रम तथा उपलब्धिको समीक्षा

गाउँपालिका स्थापना पश्चात यस वडामा फोर्से गुम्बा पुनःनिर्माण, खुम्जुङ माध्यमिक विद्यालय भवन तथा संरचना निर्माण र स्तरोन्नति तथा ३ वटा विद्यालय भवन पुनःनिर्माण, विभिन्न स्थानमा गरी करिब १२ कि.मि. पदमार्ग निर्माण, पहिरो नियन्त्रण गरी फेरिचे बस्ती संरक्षण र जसबाट ४० घरपरिवार लाभान्वित तथा इम्जामा पोर्टर सेन्टर निर्माण जस्ता विकास कार्य सञ्चालन भएका छन् । यसका साथै खानेपानी आयोजना सञ्चालन गरी खुण्डेमा ११० घर र फोर्चेमा ९५ घरमा एक घर एक धारा जडान, करिब ६ कि.मि. पाइपलाईन समेत त्याङवोचेमा खानेपानी आयोजना सञ्चालन भइ ४० लामा र पर्यटक तथा हल्टेज स्टपमा सुविधा पुगेको छ । मद्यवर्ती क्षेत्र व्यवस्थापन समितिको साझेदारीमा खुम्जुङ युवा क्लबको भवन निर्माण र फोर्चेमा फायर हाइड्रेण्ट जडान तथा सडक बत्ती व्यवस्थापन सम्पन्न भएको छ । नागरिक उड्ययन प्राधिकरणका जारी हेलीप्याड व्यवस्थापन मापदण्ड, २०७५ बमोजिम ५ स्थानमा हेलीप्याड निर्माण, डिभिजन भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन कार्यालय र राष्ट्रिय पुनःनिर्माणको साझेदारीमा खुण्डे, पाङवोचे र मिलिङ्गे पहिरो नियन्त्रण गरिएको छ । यसका अतिरिक्त खुम्जुङ माध्यमिक विद्यालयमा फोहोर दोहन गर्ने इन्सिनेटर, खुम्जुङ प्रवेदद्वार निर्माण, विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम र सघन शहरी विकास आयोजना र राष्ट्रिय पुनःनिर्माण प्राधिकरणको सहयोगमा पाङवोचे स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण गरिएको छ । खुम्जुङ खानेपानी आयोजना, खुम्जुङ हाइअल्टिट्युड स्पोर्ट्स तथा माउण्टेनियरिङ्ग कन्फरेन्स सेन्टर निर्माण, दिङवोचे तथा फोर्चे खानेपानी आयोजना, त्याङवोचे गुम्बा पुनःनिर्माण र स्तरोन्नति आयोजनाको डिपिआर तयार भएको छ ।

#### ४.३ प्रमुख संभावना तथा अवसर

यस वडाको अवसरको रूपमा विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत त्याङवोचे गुम्बा, स्याङवोचे एयरपोर्ट, याक आनुवांशिक स्रोत केन्द्र, उच्च स्थानमा रहेको ३ स्टार एभरेष्ट भ्यू होटेल, सगरमाथा समिट तथा वेशक्याम जाने पदमार्ग रहेका छन् । यसैगरी खुण्डे गुम्बा तथा हस्पिटल खुम्जुङ गुम्बा लगायतका गुम्बाहरू तथा माध्यमिक विद्यालय, गोक्यो तथा चोयु हिमाल जाने पदमार्ग, खुण्डे र खुम्जुङ भ्याली, इम्जा भ्याली, फोर्चे, त्याङवोचे, दिङवोचे, सानसा जस्ता सुन्दर पर्यटकीय गाउँ तथा बस्तीहरू यस वडाका प्रमुख स्रोत तथा संभावनाका रूपमा रहेका छन् । उब्जाउ तथा खेतियोग्य जमीन, दृश्यावलोकन क्षेत्र, वन, चरण क्षेत्र यस वडाका अन्य स्रोत तथा संभावनाहरू हुन् ।

#### ४.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना

स्याङवोचे एयरपोर्ट पुनःनिर्मा तथा स्तरोन्नति, त्याङवोचे एवम् खुण्डे गुम्बा पुनःनिर्माण र स्तरोन्नति, खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन, पर्यटन पदमार्ग पुनःनिर्माण, दिङवोचे र इम्जाभ्याली लगायतका बस्तीमा विद्युत तथा टेलीकम र इन्टरनेट इमेल विस्तार यस वडाका प्रमुख आवश्यकताहरू हुन् । यस वडाका प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना देहायअनुसार रहेका छन् ।

१. स्याङवोचे एयरपोर्ट स्तरोन्नति तथा पुनःनिर्माण
२. त्याङवोचे तथा खुण्डे गुम्बा स्तरोन्नति तथा पुनःनिर्माण
३. खुम्जुङ हाइअल्टिट्युड स्पोर्ट्स तथा माउण्टेनियरिङ्ग कन्फरेन्स सेन्टर
४. मेमोरियल पार्क निर्माण, खुम्जुङ
५. पाङवोचे, फोर्चे, खुम्जुङ खानेपानी आयोजना
६. फोर्चे फायर हाइड्रेण्ट जडान तथा सडक बत्ती व्यवस्थापन
७. फोर्चे पाङवोचे पदमार्ग निर्माण

८. खुम्जुङ सानसा गोक्योलेक पर्यटन पदमार्ग निर्माण
९. दिङवोचेमा १ मेगावाटको आमादब्लम हाइड्रोवापर निर्माण आयोजना
१०. खुण्डे, खुम्जुङ, फोर्चे, पाङवोचे लगायत सगरमाथा भ्यालीमा फाइवर प्रणालीमा आधारित इन्टरनेट जडान
११. ग्लाइकोल अल्कोहल प्रविधिमा आधारित सेन्ट्रल रूप हिटिङ प्रणाली जडान
१२. पर्यटकको बसाइ दिन लम्बाउने नीति तथा कार्यविधि तर्जमा, सेवा तथा सुविधा विस्तार तथा स्तरोन्नति कार्यक्रम (एक घर एक धारा, एक घर एक इन्टरनेट प्रणाली, टेलीमेडिसिन इक्युमेण्ट व्यवस्थापन र पदमार्ग स्तरोन्नति आदि)
१३. याक संरक्षण प्रोत्साहन कार्यक्रम
१४. संरक्षित कृषी कार्यक्रम र उत्पादनमा आधारित प्रोत्साहन कार्यक्रम ।

#### ४.५ गाउँ/टोल/बस्ती तहको योजना

##### १.फोर्चे

##### क. संभावना तथा अवसर

यस बस्तीको केन्द्रमा प्रसिद्ध फोर्चे गुम्बा रहेको छ । सार्वजनिक स्थलको रूपमा युवा समूहको भवन तथा केहि होटेल तथा लजहरू रहेका छन् । स्थानीय धर्मावलम्बीहरूको आस्था मनि तथा च्योर्तेन रहेका छन् । बस्तीका विभिन्न स्थानमा सुरक्षा सतर्कताका लागि अग्नि नियन्त्रणका लागि फायर हाइड्रेण्ट जडान गरिएका छन् । महिला तथा युवाहरूलाई आत्मनिर्भर र आयवृद्धिका लागि कुक तालिम, अग्रेजी भाषा तालिम तथा उदघोषक तालिम सञ्चालन गरिएका छन् । फोर्चे टशिङ्गा हुदै नाम्चे जाने वैकल्पिक पदमार्ग यहि बस्ती भएर गएको छ । बस्तीमा गुणस्तरीय खानेपानी तथा विद्युत सेवाको सहज उपलब्धता रहेको छ । परम्परागत कृषि पेशामा निर्भर स्थानीयवासीका लागि कृषियोग्य जमीन प्रयाप्त रहेको छ ।

##### ख. समस्या तथा चुनौती

बस्ती क्षेत्रमा ढलको व्यवस्थापन हुन सकेको छैन । गाउँ देखि गुम्बा जाने पदमार्ग सहज नहुनु, गुम्बामा दियो बाल्ने कोठा नहुनु तथा एभरेष्ट आधार शिविर जाने सडक फराकिलो र सुरक्षित नहुनु यस बस्तीको साझा समस्या हुन् । त्यस्तै फोर्चे देखि ठारे र ठारे नाला हुँदै गोक्यो जाने पर्यटन पदमार्ग र पुल सहज नहुनु, गोक्यो देखि रेञ्जोपास जाने गोक्यो ताल नजिक पदमार्ग साँधुरो हुनु, युवा क्लबको भवन तथा खेलकुद सामाग्रीको व्यवस्था नहुनु, विद्यालयमा गेट, पानीधारा व्यवस्थित नहुनु, डोले देखि गोक्यामा विद्युत सेवा उपलब्ध नहुनु, फोहोर व्यवस्थापनको लागि इन्सिनेटरको व्यवस्था नहुनु र नजल्ने फोहोर व्यवस्थापन हुन नसक्नु पनि यस बस्तीका समस्या चुनौतीको रूपमा रहेका छन् ।

##### ग. सोच

सुन्दरता र समृद्धता फोर्चेको शान: पर्यटकलाई उच्च सम्मान

##### घ. लक्ष्य

स्वच्छ, सांस्कृतिक र पर्यटकीय गाउँको रूपमा विकास गर्ने,

##### ङ. उद्देश्य

- १ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खानेपानी सेवा तथा सुविधाको विस्तार र गुणस्तर वृद्धि गर्नु,
- २ पर्यटकीय नमूना गाउँ बनाउनु
- ३ भाषा, काल तथा संस्कृति संरक्षण गर्नु

##### प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ पदमार्ग निर्माण, पुनःनिर्माण र स्तरोन्नति
- २ फोहोरपानी तथा ओभरफ्लो पानी व्यवस्थापन
- ३ इन्सिनेटर निर्माण र नजल्ने फोहोर व्यवस्थापन
- ४ ढल व्यवस्थापन, गाउँ देखि गुम्बा जाने पदमार्ग निर्माण, गुम्बामा दियो बाल्ने कोठा व्यवस्थापन,
- ५ एभरेष्ट आधार शिविर जाने सडक विस्तार

- ६ फोर्चे देखि, ठारे र ठोरे नाला हुँदै गोक्यो जाने पर्यटन पदमार्ग र पुल निर्माण
- ७ गोक्यो देखि रेञ्जोपास जाने गोक्यो ताल नजिक पदमार्ग स्तरोन्नति
- ८ युवा क्लबको भवन तथा खेलकुद सामाग्री व्यवस्थापन
- ९ विद्यालयमा गेट, पानीधारा व्यवस्थापन
- १० डोले देखी गोक्योमा विद्युत सेवा विस्तार

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### २ त्याङ्बोचे

#### क. संभावना तथा अवसर

यस बस्तीमा त्याङ्बोचे गुम्बा लगायत रमणीय स्थानहरू रहेका छन् । त्याङ्बोचे गाउँ आफैमा सुन्दर र रमणीय भएकोले पर्यटकको आकर्षण वन्न सक्ने सम्भावना रहेको छ । यस बस्तीलाई धार्मिक तथा सांस्कृतिक पर्यकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । बस्तीमा विद्यालय तथा स्वास्थ्य सेवामा पहुँच रहेको छ र यसको गुणस्तर सुधार गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । बस्तीका मुख्य क्षेत्रमा विद्युत तथा खानेपानीको स्रोतको उपलब्धता रहेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

बस्तीमा विद्युत, खानेपानी तथा ढल गुणस्तर राम्रो नभएको, गुम्बामा शिक्षक अभाव भएकोले गुणस्तरीय शिक्षा पाउन नसकिएको तथा स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर र सहज पहुँच हुन सकेको छैन । खुम्बुमा सांस्कृतिक तथा धार्मिक लामा ढावाको व्यवस्था गर्न सकिनेकव छैन । त्याङ्बोचे जस्तो सांस्कृतिक क्षेत्रमा सञ्चार तथा सि.सि.टि.भि. जस्ता सुविधाको व्यवस्था गर्न सकिएको छैन । बस्तीका सबै क्षेत्रमा फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा प्रदूषणमा वृद्धि हुनु समस्या तथा चुनौतीको रूपमा देखिएका छन् ।

#### ग. सोच

स्वच्छ, सुविधा सम्पन्न पर्यटकीय गाउँ

#### घ. लक्ष्य

सांस्कृतिक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने,

#### ङ. उद्देश्य

१. बसोबास र सेवा सुविधा व्यवस्थित बनाउनु,
२. जैविक विविधता तथा वातावरण संरक्षण गर्नु,

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ विद्यालय र स्वास्थ्य सुविधा सहित त्याङ्बोचे गुम्बाको स्तरोन्नति तथा पुनःनिर्माण,
- २ बत्ती, सिसिटिभि क्यामेरा तथा इन्टर जडान
- ३ त्याङ्बोचेमा खानेपानी सुविधा तथा ढल व्यवस्थापन
- ४ पदमार्ग स्तरोन्नति तथा पुनःनिर्माण

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ३ खुन्दे

### क. संभावना तथा अवसर

वडा नं ४ स्थित खुन्दे बस्ती रमणीय पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा रहेको छ । यस बस्तीमा खेतियोग्य जमीन उर्वर रहेका छन् । यस बस्तीमा खुन्दे अस्पताल रहेको छ । बस्ती क्षेत्रमा इन्टरनेट तथा टेलिफोन सेवाको उपलब्धता रहेको छ । खानेपानी तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि वडा कार्यालय तथा गाउँपालिकाबाट विभिन्न पहलहरू भएका छन् । शोर्पाहरूको धार्मिक केन्द्र खुन्दे गुम्बा यस बस्तीको पहिचानको रूपमा रहेको छ ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

खुन्दे बस्ती सगरमाथा वेशक्याम जाने रूट भन्दा बाहिर गाउँको अवस्थितिको कारण पर्यटकीय आगमन कम हुने गरेको छ । खेतियोग्य जमीनका गुणस्तर घट्टै गएर उत्पादनमा हास आउन थालेको छ । उत्पादित कृषि उत्पादन तथा तरकारीले बजार तथा उचित मुल्य पाउन सकेको छैन । बस्तीमा अस्पताल भएता पनि डाक्टरको दरबन्दी नहुँदा सामान्य सर्जरी सेवा समेत उपलब्ध हुन सकेको छैन । खानेपानी, इन्टरनेट तथा टेलिफोन सुविधा भएता पनि गुणस्तरीय सेवा उपयोग गर्न सकिएको छैन । फोहोरमैला व्यवस्थापन विधि वैज्ञानिक र वातावरणमैत्री हुन नसक्नु तथा भूकम्पबाट क्षति भएका संरचना पुनःनिर्माण र कोभिड १९ महामारीबाट प्रभावित व्यापार व्यावसायहरू पुनरूत्थान गर्न नसक्नु यस बस्तीका मुख्य समस्या तथा चुनौतीका रूपमा रहेका छन् ।

### ग. सोच

समृद्ध खुन्दे, सुखी खुन्देली

### घ. लक्ष्य

खुन्देलाई नमूना पर्यटकीय गाउँ बनाउने

### ङ. उद्देश्य

१. गाउँमा सामाजिक, आर्थिक सेवा सुविधा तथा पूर्वाधारको विकास र विस्तार गर्नु,
२. गाउँमा पर्यटकीय सेवा, सुविधा र गतिविधिमा तिब्रता ल्याउनु,
३. संस्कृति तथा प्रकृती संरक्षणमा अभिवृद्धि गर्नु,

### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

- १ खुन्दे गुम्बा पुनःनिर्माण र ध्यान केन्द्रको रूपमा स्तरोन्नति
- २ सुविधा सम्पन्न सार्वजनिक शौचालय
- ३ खुन्दे चोर्तेनजुड पार्क निर्माण
- ४ सडक बत्ती र फाइबर केबल जडान
- ५ संरक्षित कृषि कार्यक्रम सञ्चालन
- ६ फोहोरमैलालाई चिनो उपहारमा रूपान्तरण
- ७ खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ४ दिङ्वाचे

### क. संभावना तथा अवसर

सगरमाथा, ल्होत्से, आमादब्लम लगायत विश्व प्रख्यात हिमश्रृङ्खलाको प्रवेश द्वारको रूपमा रहेको यो बस्ती महत्वपूर्ण पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा रहेको छ। व्यवसायिक सेवा प्रदान गर्न सक्षम यस बस्तीमा खानेपानी सुविधाको उपलब्धता प्रयाप्त रहेको छ। बस्तीको जोखिमको रूपमा रहेको छुकुम पहिरोलाई नियन्त्रणका लागि प्रयास गरिएको छ। यस बस्तीमा शेर्पाहरूको गौरव नम्बाजोड गुम्बा रहेको छ। यस क्षेत्रमा आलु, फापर र उवाको उत्पादन अत्याधिक हुने गरेको छ। कृषि तथा पशुपालनका लागि यो क्षेत्र अत नै उपयुक्त मानिन्छ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

यस बस्ती सम्म सडक सञ्जाल पुग्न सकेको छैन। जसका कारण ढुवानी लागत बढी हुने समस्या व्यहोर्नु परेको छ। बस्तीबाट विद्यालय टाढा रहेको तथा विषयगत शिक्षकहरू उपलब्ध हुन सकेको छैन। स्वास्थ्य संस्था बस्तीबाट टाढा रहेको छ। टेलीफोन र इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन। बस्तीमा ढल व्यवस्थापन गर्न नसकिएको तथा हाइपास र नाकाहरूमा साइनपोष्ट तथा आपतकालीन उद्धार कार्यदलको व्यवस्था हुन सकेको छैन। पर्यटकीय गाउँहरू लबुचे, आइल्याण्ड पिक क्षेत्रहरूमा भरिया आवासको सुविधा नहुनु, पर्वतारोहण रोयल्टीबाट प्राप्त रकम यस क्षेत्रको विकासमा लगानी हुन नसक्नु र सामुदायिक भवन लगायतका पूर्वाधारकाको कमी हुनु यस क्षेत्रको समस्या चुनौती रहेका छन्।

## ग. सोच

विजुली र सञ्चारको विस्तार: उज्यालो समाजको आधार

## घ. लक्ष्य

स्वच्छ, व्यवस्थित पर्यापर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास गर्ने,

## ङ. उद्देश्य

१. सामाजिक तथा पर्यटकीय सेवा, सुविधा विकास र विस्तार गर्नु,
२. विद्युत तथा सूचना सञ्चार प्रविधि पूर्वाधारको विकास र विस्तार गर्नु,

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. फाइबर केबलको विकास र विस्तार (छुखुड)
२. खानेपानी (छुजुड गाउँ) तथा ढल व्यवस्थापन (दिडवोचे र फेरिचे)
३. सिसिटिभि जडान (दिडवोचे, छुखुड, फेरिचे, जोडल्य, लुक्चे र गोरसेप)
४. लुक्चेमा भरिया आवास घर निर्माण
५. आपतकालीन उद्धार कार्यदल गठन तथा क्षमता विकास
६. हाइपास र नाकाहरूमा साइनपोष्ट र इमरजेन्सी लाईटको जडान
७. पहिरो नियन्त्रणको लागि संरचना निर्माण (दोलिम सावा देखि दिडवोचे जाने पदमार्गमा)
८. सडक बत्तीको व्यवस्थापन
९. दिडवोचे छुजुड पदमार्ग निर्माण
१०. अम्फुलप्स पासमा रोपवे निर्माण
११. दिडवोचेमा स्वास्थ्य चौकी स्थापना
१२. सामुदायिक भवन निर्माण
१३. पर्वतारोहण रोयल्टी परिचालन

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ।

## ५ खुम्जुड

## क. संभावना तथा अवसर

सगरमाथाको प्रवेशद्वारको रूपमा रहेको व्यवस्थित बजार क्षेत्र खुम्जुङ बस्ती ऐतिहासिक शेर्पा संस्कृति र सभ्यता बोकेको बस्ती हो । सगरमाथा आरोगिको गन्तव्य मार्गको मुख्य नाका यस बस्तीका चोकचोकमा खानेपानीको धारा जडान गरिएका छन् । टेलीफोन तथा इन्टरनेटको वैकल्पिक व्यवस्था गरिएका छन् । पर्यटन विकासको लागि प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक (शेर्पा) स्रोतको उपलब्धता रहेको स्थान तथा प्रख्यात पर्वतारोहीको गाउँको रूपमा परिचित रहेको छ । यस बस्ती सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्ज सँग जोडिएको तथा मध्यवर्ती व्यवस्थापन समूहमा यस बस्तीको क्रियाशिल रूपमा योगदान रहेको छ । यो बस्ती प्रख्यात पर्यटकीय गाउँ र पदमार्गमा पर्नु यसको विशेषता रहेको छ भने यस क्षेत्रको प्रसिद्ध खुम्जुङ गुम्बा र यती SKULL यसै बस्तीमा रहेका छन् ।

## ख. समस्या तथा चुनौती

यो क्षेत्र सडक सञ्जाल सँग नजोडिएको कारण अत्यावश्यक वस्तु सेवाको ढुवानी तथा यातायातका कारण आर्थिक र सामाजिक सेवा सुविधा तथा पूर्वाधारको कमी रहेको छ । भौगोलिक वनोट र सिमित पूर्वाधारका कारण फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा वातावरणमैत्री पूर्वाधार निर्माण गर्न कठिनाई रहेको छ । अनुपम र अलौकिक भएपनि दुर्गम र यातायात सुविधाबाट विच्छेद भएको कारण पर्यटकीय सेवा तथा सुविधा विस्तार गर्न र पर्यटक आगमनको संख्यामा कमी हुनु साथै उच्च हिमाली क्षेत्र भएका कारण कृषी उत्पादन कम हुनु र ढुवानी लागत बढी हुनु यस क्षेत्रका मुख्य समस्या हुन् । धरातलिय यातायात सेवा र स्याङबोचे विमानस्थल स्तरोन्नति तथा पुनःनिर्माण भई सञ्चालन नआउनु यस क्षेत्रको चुनौती रहेका छन् ।

## ग. सोच

सुन्दर हरियाली ठाउँ : समृद्ध खुम्जुङ गाउँ

## घ. लक्ष्य

सुसंस्कृत, उन्नत र क्लाइमेट स्मार्ट नमूना गाउँको रूपमा विकास गर्ने,

## ङ. उद्देश्य

गाउँमा पर्यटक आगमन वृद्धि गर्नु,

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. एक घर एक धारा कार्यक्रम तथा खानेपानी सुद्वीकरण
२. अग्नी नियन्त्रण प्रणाली जडान
३. गोक्यो क्षेत्र पर्यटकीय पदमार्ग निर्माण तथा सुधार
४. खुम्जुङ सांस्कृतिक पार्क निर्माण
५. खुम्जुङका पदमार्ग स्तरोन्नति
६. सडक वत्ती तथा सिमिटिभि जडान
७. महिला समूहको भवन निर्माण
८. खुम्जुङ युवा क्लबको स्टेज व्यवस्थापन
९. विद्युत केबल स्तरोन्नति
१०. साइनपोष्ट तथा विश्रामस्थल निर्माण
११. खाद्य डिपो स्थापना

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्त्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## ५ वडा नम्बर पाँच (५)

### ५.१ पृष्ठभूमि

वडा नं. ५ को कुल क्षेत्रफल ४३१.३१ वर्ग किलोमिटर रहेको छ । यसले गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफलको २८ प्रतिशत क्षेत्र ओगटेको छ । नाम्चे, फूर्ते, साम्सिङ, ठेसो, ठुमो, ठमोतेङ, मेन्दे, सम्दे, छयारोक, थामे, थामेतेङ, इलाजुङ, च्यान्साक्या, तारङगा, मार्लुङ, लुङदेन र आर्या गरी १७ वटा टोल तथा बस्तीहरू रहेका छन् ।

वडाको कुल क्षेत्रफल मध्ये हिउँले ढाकेको क्षेत्र ४६.८७ प्रतिशत, नांगो क्षेत्र २४.४३ प्रतिशत, वन तथा बुट्यान १४.१८ प्रतिशत, घाँसे खर्क १४.१५ प्रतिशत र कृषि जमिन ०.६२ प्रतिशत रहेको छ । नेपालको महत्वपूर्ण पर्यटकीय स्थल मध्ये नाम्चे बजार पनि यसै वडामा पर्दछ । विश्व प्रशिद्ध सगरमाथाको प्रवेशद्वारका रूपमा रहेको यस स्थल प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक रूपमा विशिष्ट रहेको छ । उच्च हिमाली विशेषता बोकेको यस क्षेत्रमा समुद्र सतहको करिब ३८ मिटर देखि बाह्र महिना हिउँले ढाकेको क्षेत्र समेत रहेको छ । मिसिलुङ र ग्याजोमा खानेपानीको मुख्य मुहान रहेको छ । यस क्षेत्रमा रहेका नदी तथा खोलाहरूमा दुधकोशी, भोटेकोशी, थामे खोला, ठेसो खोला, लाङमुजे खेला र मारलुङ खोला रहेका छन् । ताल र पोखरीहरूमा लाङमुजे पोखरी, थ्याङवो पोखरी, रेलमो ताल र मोलडेडेवा ताल रहेका छन् ।

वन्यजन्तुमा कस्तुरी मृग, हिम चितुवा, हिमाली कालो भालु, हिमाली थार, हिमाली घोरल, लंगुर, नेवला, हिमाली चौर्री, जंगली चौर्री, रातो हाब्रे, हिमाली व्वाँसो आदि यस क्षेत्रमा ३२ प्रजातीका २१९ प्रकारकाका चराचुरुङ्गीहरू, ८ प्रजातिका घमेर हिड्ने जीवहरू, ७ प्रजातिका उभयचर र ३० प्रजातिका पुतलीहरू पनि पाइन्छन् ।

यस वडाको जनसंख्या राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ अनुसार ८९८९ रहेकोमा राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ अनुसार ८७२० रहेको छ । यस क्षेत्रको मुख्य पेशा पर्यटन रहेको छ । कृषिजन्य उत्पादनमा आलु खेति नै प्रमुख रहेको यस क्षेत्रमा वार्षिक रूपमा करिब १७३ मेट्रिक टन उत्पादन हुने गरेको देखिन्छ । खाद्यान्न उत्पादनमा स्थानीय उत्पादनको अवस्था कमजोर रहेको यस क्षेत्रमा खाद्यान्न तथा पशुजन्य वस्तुमा आयातमा नै निर्भर रहेको छ । यस क्षेत्रमा होटल तथा पर्वतारोहणसँग सम्बन्धित क्षेत्र नै मुख्य व्यवसायका रूपमा रहेको छ । पशुपालनमा याकपालन मुख्य रहेको छ । यहाँको याक फार्मबाट याकबाट दुध, छुर्पी, चिज जस्ता खाद्यपदार्थ उत्पादन हुने गरेको छ । नाम्चेमा २ दिन शुक्रवार र शनिवार हाट बजार लाग्ने अभ्यास रहेको छ । मुख्य पेशाका रूपमा कृषि पेशामा संलग्न घरधुरी संख्या ३०.३८ प्रतिशत, पर्यटनमा संलग्न घरधुरी संख्या ३७.५६ प्रतिशत, नोकरीमा संलग्न घरधुरी संख्या ८.८५ प्रतिशत र वैदेशिक रोजगारीमा संलग्न घरधुरी संख्या १४.८३ प्रतिशत रहेको छ ।

शोर्पा समुदायको बसोवास व्यापक रहेको यस वडामा ८ घर दलित बाहेक अन्य सबै शोर्पा रहेको देखिन्छ । नाग मन्दिर, शिव मन्दिर, साडा देक्षेन छोलिङ गुम्बा, थामे गुम्बा, छयारोक गुम्बा, क्यारोक गुम्बा, लौदो गुम्बा, ग्यान्दुकपा गुम्बा र खरे गुम्बा रहेका छन् ।

### ५.२ विकासका कार्यक्रमका उपलब्धिको समीक्षा

यस वडामा गत ५ वर्षको अवधिमा आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार, वातावरण संरक्षण, विपद् व्यवस्थापन र संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्रमा विभिन्न कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन भएका छन् । कृषि विकास क्षेत्र अन्तर्गत आलु पकेट क्षेत्र विकास र टनेल खेति विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन भएको देखिन्छ । पर्यटन विकासका लागि निजी क्षेत्रबाट होटल व्यावसायको विस्तार तथा स्तरोन्नति भएको छ भने पदमार्ग स्तरोन्नतिका साथै चौपायाको लागि फरक मार्ग निर्माणको थालनी भएको छ । केनल सेल्टर सञ्चालनमा आएको छ । पूर्वाधार विकास तर्फ सार्वजनिक भवन तथा सामुदायिक भवन, गुम्बा र मन्दिरको निर्माण तथा मर्मतका कार्यहरू सञ्चालन भएका छन् । सामाजिक विकास तर्फ स्वास्थ्य संस्थाको क्षमता तथा पूर्वाधार स्तरोन्नति, विद्यालयको पूर्वाधार विकास तथा प्रहरी कार्यालयको पूर्वाधार सुधार, लक्षित वर्गको सीप तथा क्षमता विकास र खानेपानी तथा सरसफाई सबिधा विस्तार भएको देखिन्छ । वातावरणीय स्वच्छता तथा ढल निर्माण, वृक्षारोपण, वेवारिसे कुकुर व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालन र विपद् जोखिम कम गर्न नदि तटिय क्षेत्रमा तटवन्ध निर्माण र पहिरो रोकथामको पहल रहेका जस्ता कार्य छन् । सुशासनको नागरिकको सहभागिता, प्रतिनिधित्व र पहुँच स्थापित गर्ने कार्य रहेका छन् ।

विगतका पाँच वर्षका उपलब्धिलाई हेर्दा नाम्चे, ठुमो, थाङबुचे र थामे लगायतका क्षेत्रमा खानेपानी सुविधा विस्तार भएको छ । नाम्चे क्षेत्रमा पदमार्ग स्तरोन्नति भएको छ भने नाम्चे बजार क्षेत्रमा ढुङ्गा छपाइ स्तरीय मार्ग निर्माण भएको छ । नाम्चेमा अनाथ कुकुरको व्यवस्थापनका लागि सेल्टर निर्माण गरिएको छ । खानेपानी तर्फ थामे क्षेत्र खानेपानी सुविधा विस्तार, नाम्चे खानेपानी ट्यांकी निर्माण, थाङबुचे खानेपानी सुविधा, सम्दे खानेपानी ट्यांकी निर्माण, ठमो खानेपानी आयोजना सम्पन्न भइ उक्त क्षेत्रमा गुणस्तरीय र सहज खानेपानी सुविधाको विस्तार भएको छ । नाम्चे क्षेत्रमा विद्युत स्तरोन्नति र ठमेतुङ पारे तथा थोम्डे गाउँ विद्युत सुविधा विस्तार सम्पन्न

भएको छ । इलाका प्रहरी कार्यालयको गेट निर्माण तथा कम्प्युटर खरिदमा सहयोग उपलब्ध भएको छ । युवा तथा महिला वर्गको सीप तथा क्षमता अभिवृद्धिको कार्य भएको छ । भवन तथा आवास तर्फ वडा कार्यालयको भवन मर्मत तथा व्यवस्थापनलाई चुस्त तुल्याइएको छ भने थाङ्बुचेमा सार्वजनिक भवन निर्माण सम्पन्न भएको छ । स्वास्थ्य तर्फ नाम्चेमा डेण्टल क्लिनिक सञ्चालन, स्वास्थ्य संस्थाको सेवा प्रबाहमा प्रभावकारीता वृद्धि र नाम्चे स्वास्थ्य चौकी मर्मतका कार्य सम्पन्न भएको छ । धार्मिक सम्पदाको प्रवर्द्धन तर्फ सामसिङ मने व्यवस्थापन, क्यारोक गुम्बा मर्मत, थामे गुम्बा प्राङ्गण निर्माण र थामे गुम्बा खानेपानी सुविधा विस्तार भएको छ । नाम्चेमा नाग मन्दिर र थामे २१ तारा मन्दिर निर्माण कार्य सम्पन्न भएको छ । विद्यालय शिक्षातर्फ गुणस्तर र पहुँच वृद्धिमा निरन्तर सहयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रमका लागि सामान खरिद, हिमालय आधारभूत विद्यालय तथा थामे आधारभूत विद्यालयको छात्रवास व्यवस्थापनलाई सहज तुल्याइएको छ । नाम्चे भेल व्यवस्थापन तथा नाम्चे हेलिप्याड स्तरोन्नतिको कार्य पनि सम्पन्न भएको छ ।

### ५.३ सम्भावना तथा अवसर

सगरमाथाको प्रवेशद्वारका रूपमा सुपरिचित नाम्चे बजार यसै वडाको केन्द्रमा रहेको छ । स्याङबोचे विमानस्थल, सीमा प्रशासन कार्यालय, सेनाको गुल्म तथा राष्ट्रिय निकुञ्जको कार्यालय यस क्षेत्रमा रहेका छन् । सगरमाथा संग्राहलय र सगरमाथा सम्म पुग्नको लागि पदमार्ग यहि वडा भएर जाने भएकोले होटल तथा आथित्य सेवा यस क्षेत्रको भरपर्दो र प्रमुख व्यवसाय रहेको छ । यस वडामा विभिन्नस्तरका करिव १५० भन्दा बढी होटलहरू रहेका छन् । शेर्पा संस्कृति तथा सगरमाथा पथप्रदर्शनको बैभवशाली पहिचान यस क्षेत्रले बनाएको छ । चौरी अनुवांशिक केन्द्र रहेको यस क्षेत्रमा आलु खेति तथा पशुपालन पनि परम्परागत व्यवसायका रूपमा रहेको छ । माध्यमिक तहसम्मको शिक्षा र आधारभूत तहको स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच कायम हुँदै गएको छ । स्वच्छ हावापानी र जैविक विविधताले सुसोभित सगरमाथा राष्ट्रिय निकुञ्जसँगको आवद्धता यस क्षेत्रको विशेष आकर्षणका रूपमा रहेको छ ।

### ५.४ प्रमुख आवश्यकता, कार्यक्रम तथा आयोजना

चौरी खर्क नाम्चे रोप वे निर्माण, लुक्ला-नाम्चे केवलकार निर्माण तथा सञ्चालन, सगरमाथा पदमार्ग स्तरोन्नति आयोजना, नाम्चे साइकिलिङ तथा जिपलाईन निर्माण, बहुउद्देशीय कवर्डहल निर्माण, हाइ अल्टिच्युड खेल आयोजना, एकीकृत बस्ती विकास र वन्यजन्तु तथा मानव द्वन्द्व व्यवस्थापन प्रमुख आवश्यकताका रूपमा रहेको छ । यस अतिरिक्त संभाव्यताका आधारमा आवधिक योजनामा समावेश गर्नुपर्ने आयोजना तथा कार्यक्रम देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ:

#### क. पर्यटन तथा संस्कृति

१. चौरी खर्क नाम्चे रोप वे निर्माण
२. लुक्ला-नाम्चे केवलकार निर्माण तथा सञ्चालन
३. सगरमाथा पदमार्ग स्तरोन्नति आयोजना
४. पर्यटकीय सेवाको विविधिकरण तथा विशिष्टीकरण
५. नाम्चे साइकिलिङ तथा जिपलाईन निर्माण

#### ख. शिक्षा तथा खेलकुद

१. विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर सुधार
२. प्राविधिक विषय अन्तरगत पर्वतारोहण विषयको कक्षा सञ्चालन
३. उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति
४. बहुउद्देशीय कवर्डहल निर्माण
५. खेल प्रशिक्षणको व्यवस्था
६. हाइ अल्टिच्युड खेल आयोजना

#### ग. भवन, आवास, सडक तथा यातायात

१. विशिष्टकृत स्वास्थ्य सेवा शिविर
२. पोषण सचेतना
३. घरदैलो स्वास्थ्य सेवा विस्तार

#### घ. पूर्वाधार तथा उर्जा

- १ एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम
- २ पदमार्ग र चौपाया मार्ग फरक निर्माण
- ३ सघन बस्ती ढल सुधार
- ४ बस्ती क्षेत्रमा सेन्सर सडक बत्ती तथा सिसिटिभि क्यामेरा जडान
- ५ पदमार्ग स्तरोन्नति
- ६ विद्युत तथा इन्टरनेटको गुणस्तरीय सेवा विस्तार

#### ड. वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

१. थामे खोला पहिरो व्यवस्थापन
२. वन्यजन्तु तथा मानव द्वन्द्व व्यवस्थापनका लागि घरपालुवा जनावर बीमा
३. वृक्षारोपण विस्तार

#### च. कृषि तथा पशुपालन

- १ आलु तथा चौरीपालन पकेट क्षेत्र विस्तार
- २ खेतियोग्य जमिनमा सिचाई सुविधा विस्तार
- ३ स्थानीय उत्पादनको ब्राण्डिङ
- ४ उच्च हिमाली कृषि तथा पशुपालन प्रवर्द्धन

#### छ. स्वस्थ, खानेपानी तथा सरसफाइ

- १ फोहोर व्यवस्थापन
- २ स्थास्थ्य सेवा विस्तार
- ३ गुणस्तरीय खानेपानी तथा सरसफाइ सुविधा विस्तार

#### ५.५ बस्ती तहको योजना

##### १. थामे फाक्षामो टोल

#### क. सम्भावना तथा अवसर

थामे फाक्षामो क्षेत्रमा पर्वतारोहणमा सफल पर्वतारोही र व्यावसायिक पथप्र दर्शकहरू रहेका छन्। यस क्षेत्रमा आधारभूत तहको विद्यालय सञ्चालनमा रहेको छ। करिब ४० मिनेटको दुरीमा स्वास्थ्य संस्था रहेको छ। बस्तीहरूमा विद्युत तथा सञ्चारको सुविधा विस्तार भएको छ। प्रसिद्ध थामे देखेन छोर्खोड गुम्बा यसै क्षेत्रमा अवस्थित रहेको छ। खोला तथा मुलले जलश्रोतको उपलब्धतालाई सहज तुल्याएको छ। स्वच्छ वातावरण तथा प्राकृतिक जीवनशैलीको अभ्यास कायम रहेको छ। जल जंगल जमिनको उपयोग तथा संरक्षणको मौलिक तथा परम्परागत ज्ञान रहेको छ। आलु खेति तथा चौरीपालनको अभ्यास परम्परागत तथा आधुनिक ढंगले हुने गरेको छ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

थामे खोलामा पहिरोको उच्च जोखिम रहेको छ। भौगोलिक दुरीका कारण विद्यालय शिक्षा तथा आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा केही बस्तीको पहुँच असहज हुन पुगेको छ। बढ्दो प्लास्टिक जन्य फोहोरको दिगो व्यवस्थापन पहिल्याउन सकिएको छैन। मौसमी बसाइ सराइको कारण सेवा सुविधाको व्यवस्थापनमा कठिनाई हुने गरेको छ। प्रसिद्ध थामे देखेन छोर्खोड गुम्बाको पूर्वाधार सुधारमा कमी रहेको छ। घना बस्ती भएको स्थानमा ढलको समस्या रहेको छ। पदमार्गको कमजोर अवस्था हुनु, स्वच्छ खानेपानीको सुविधामा कमी हुनु र सरसफाइको चेतनामा कमी रहनु यस क्षेत्रका समस्याका रूपमा रहेका छन्। नाँगो पाखाहरू कायम रहनु जंगली जनावर र मानव द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्नु उच्च ढुवानी लागत तथा वस्तु मूल्य र दिगो पर्यटकीय गतिबिधि कायम गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन्।

#### ग. सोच

सुखी र समृद्ध थामे फाक्षामो

## घ. लक्ष्य

पर्यटकीय पुर्वाधार विकास, गुणस्तरीय स्वास्थ्य तथा शिक्षाको अवसर उपलब्धता र मौलिक संस्कृतिको संरक्षण गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

१. पर्यटकीय क्षेत्रको प्रवर्द्धन गर्नु ।
२. स्वास्थ्य तथा शिक्षा क्षेत्रमा गुणस्तर कायम गर्नु ।
३. स्थानीय मौलिकताको संरक्षण र संवर्द्धन गर्नु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. फोहोर व्यवस्थापन सम्बन्धमा
२. थामे खोला पहिरो रोकथाम सम्बन्धमा
३. थामे देक्षेन छोर्खोड गुम्बा ढल निर्माण
४. बस्ती एकीकरण
५. विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर सुधार
६. स्वास्थ्य संस्थाको क्षमता विकास
७. डाँडाहरूमा भ्यू पोइन्ट निर्माण
८. मौलिक कला तथा संस्कृति संरक्षण
९. पदमार्ग स्तरोन्नति
१०. थामे पहिरो रोकथाम
११. नांगो पाखा बृक्षारोपण कार्यक्रम
१२. दिगो फोहर व्यवस्थापन
१३. एक घर एक धारा
१४. बाटो वत्तीको व्यवस्थापन
१५. टासी लाप्चापास बाटो निर्माण

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

## २. क्याजोरी टोल

### क. सम्भावना तथा अवसर

विश्वमै सगरमाथाको प्रथम सफल आरोहण गर्ने तेन्जिङ नोर्गे शेर्पाको गाउँ समेत रहेको यस क्षेत्र पर्वतारोहणमा सफल पर्वतारोही र व्यावसायिक पथप्रदर्शकहरू रहेका छन् । सांस्कृतिक रूपमा उत्कृष्ट मानिएको ठमो समेत यसै क्षेत्रमा पर्दछ । आइस रक क्लाइबिड स्पोर्टका लागि उपयुक्त मानिएका स्थलहरू समेत यस क्षेत्रमा रहेका छन् । सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक रूपमा सुन्दर ठेस्यो तथा ठमो क्षेत्र रहेको छ । शेर्पा मौलिक कला परम्परा तथा संस्कृतिको बैभवशाली अस्थित्व यस क्षेत्रमा देख्न सकिन्छ । शैक्षिक संस्थाका रूपमा विद्यालयहरू र आधारभूत तहको स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराउने गरी स्वास्थ्य संस्थाहरू रहेका छन् ।

यस क्षेत्रमा विद्युत तथा सञ्चारको सुविधा उपलब्ध रहेको छ । मौलिक तथा परम्परागत बस्ती रहेको यस क्षेत्रमा स्वच्छ वातावरण तथा प्राकृतिक जीवनशैलीको अभ्यास कायम रहेको छ । जल, जंगल र जमिनको उपयोग तथा संरक्षणको मौलिक तथा परम्परागत ज्ञान रहेको छ । जलश्रोतका रूपमा स्वच्छ पानी भएको खोला तथा मुल र जैविक विविधतायुक्त जंगल रहेको छ । यस क्षेत्रमा आलु खेति तथा चौरीपालनको अभ्यास रहेको छ । विगत देखि नै पर्यटकीय क्षेत्रका रूपमा स्थापित रहेको यस क्षेत्रमा पर्वतारोहणमा सफल पथप्रदर्शकहरू व्यावसायिक रूपमा रहेका छन् ।

### ख. समस्या तथा चुनौती

फुर्ते ठोसो सामसिड क्षेत्रमा खानेपानीको सुविधाको कमी रहेको छ । युवा तथा महिलामा सीप विकास तथा सक्षमताको कमी रहेको छ । खोला तथा नदिका कारण पहिरो तथा भुक्षयको जोखिम उच्च रहेको छ । पदमार्गको गुणस्तर कमजोर रहेको छ । लुङडेन, तारङ्ग, आर्य र थोडबो क्षेत्रमा विद्युत सुविधाको कमी रहेको छ भने मोवाइल तथा इन्टरनेट सुविधाको कमजोर गुणस्तरमा कमी रहेको देखिन्छ । कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको व्यावसायीकरणको कमी रहेको छ । गुणस्तरीय स्वास्थ्य तथा शिक्षा अवसरमा कमी रहेको छ ।

विद्यालय शिक्षा तथा आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा केही बस्तीको पहुँच असहज हुन पुगेको छ । फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापनमा कमी, पदमार्गको स्तरोन्नतिमा कमी, स्वच्छ खानेपानीको सुविधामा कमी र सरसफाइको चेतनामा कमी समस्याका रूपमा रहेका छन् । मौसमी पर्यटनलाई सर्वकालीन तुल्याउनु, नाडपाला नाका खुलाउनु, नाँगो पाखाहरू हरियाली कायम गर्नु, जंगली जनावर र मानव द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु, जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्नु, उच्च ढुवानी लागत तथा वस्तु मूल्य र दिगो पर्यटकीय गतिविधि कायम गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

## ग. सोच

हाम्रो टोल: समृद्धि र एकताको टोल

## घ. लक्ष्य

सम्पूर्ण टोलमा हरेक नागरिकको आधारभूत आवश्यकता परिपूर्ति गर्ने ।

## ङ. उद्देश्य

१. समृद्ध टोलको आधार निर्माण गर्नु ।
२. हरेक नागरिकको आधारभूत आवश्यकतालाई सहज रूपमा परिपूर्ति गराउनु ।

## च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. फुर्ते ठोसो सामसिड नाम्चे खानेपानीको सुविधा विस्तार
२. फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि इन्सिनेटर निर्माण
३. लाउदो गोम्पा पुननिर्माण
४. युवा तथा महिला सीप तथा क्षमता विकास र स्वरोजगार प्रवर्द्धन
५. पहिरो तथा भुक्षय रोकथाम
६. नाम्चे- थामे- टासिलाप्चा र रेन्जो सम्म पदमार्ग निर्माण
७. लुङडेन, तारङ्ग, आर्य र थोडबो क्षेत्र विद्युतीकरण
८. टासीलाप्चा टुरिष्ट ट्रेल निर्माण
९. क्याजो री पिक पदमार्ग निर्माण
१०. गुणस्तरीय संचार सुविधाको विस्तार
११. स्थायी प्रहरी चौकीको स्थापनाका पहल
१२. कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको व्यावसायीकरण
१३. नाडपाला नाका खुल्ला गराउन पहल
१४. स्वास्थ्य चौकी र विद्यालयको स्तरोन्नति
१५. ठेस्यो क्षेत्रमा पिकनिक स्थलहरू निर्माण
१६. ठमोलाई सांस्कृतिक क्षेत्र घोषणा
१७. गाडल्हा देखि साम्दे सम्मको पर्यटकिय पदमार्ग स्तरउन्नति
१८. क्याजो री बेस क्याम्प खोलाबाट मेन्दे, ठमोतेड, पारे, ठेसो, साम्सीड, फुर्ते, र किसान खानेपानी स्तरउन्नति
१९. फायर हाइड्रेन्ट सिस्टम क्याजो री टोल क्षेत्रभित्र स्थापना गर्ने
२०. ठेसो देखि मेन्देबाट लउदो गुम्बा हुदै क्याजो री बेस क्याम्प जाने गोरेटो जोखिम बाटो स्तरउन्नति
२१. ठमो देखि ठमोतेड, मेन्दे, गेनुक्या हुदै छरोक गुम्बा जाने बाटो निर्माण
२२. बालि संरक्षणको लागि फेन्सिड तथा पशु बीमा

## छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ३ नाम्चे टोल .

#### क. सम्भावना तथा अवसर

सगरमाथा प्रवेशद्वारको रूपमा राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय रूपमा विश्वमै प्रसिद्ध पर्यटकीय क्षेत्रका रूपमा नाम्चे बजार रहेको छ । यस क्षेत्र रेञ्जोलापास जाने पदमार्ग र सगरमाथा आधार शिविर जाने पदमार्गसँग आवद्ध रहेको छ । नाम्चे बजार क्षेत्रम व्यवस्थित रूपमा सञ्चालित होटलको संख्या १०० भन्दा बढी रहेको छ । स्थानीयस्तरमा अस्पताल, स्वास्थ्य चौकी तथा दन्त उपचार केन्द्र समेत सञ्चालनमा रहेका छन् । खानेपानी सुविधा एक घर एक धारा रहेको यस क्षेत्रमा विद्युत, मोबाइल तथा इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध रहेको छ । पर्वतारोहणमा सफल पर्वतारोही र व्यावसायिक पथप्रदर्शकहरू रहेका छन् । यस क्षेत्रमा आधारभूत तहसम्मको विद्यालय सञ्चालनमा रहेको छ । अनाथ कुकुर व्यवस्थापनका लागि केनल सेण्टर सञ्चालनमा रहेको छ । आलु खेतोका लागि उर्वर भूमि रहेको यस क्षेत्रमा हिमाली मनोरम दृष्यको अवलोकनका लागि उपयुक्त स्थलका रूपमा रहेको छ । हेलीप्याड, इलाका प्रहरी कार्यालय, निकुञ्ज कार्यालय र नेपाली सेनाको गुल्म समेत यस क्षेत्रमा रहेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

नाम्चे क्षेत्रमा सडक तथा हवाइ यातायातको सुविधामा कमी रहेको छ । सगरमाथा वेस क्याम्प र रेन्चोलापास लगायतका क्षेत्रमा पदयात्रा गर्नेहरूका लागि व्यवस्थित पर्यटकीय पदमार्गको कमी रहेको छ । टाढाबाट अध्ययन गर्न आउने विद्यार्थीहरूका लागि विद्यालयमा छात्रवासको कमी रहेको छ । व्यवस्थित बस्ती विकास तथा बजार व्यवस्थापनको समेत कमी रहेको छ । लार्चे दोभान देखिको पर्यटकीय मार्गको स्तरोन्नति र चौपायाको वैकल्पिक बाटोको कमी रहेको छ । जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक प्रभाव कम गर्नु, गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको कमी, नाँगो पाखाहरू कायम रहनु, जंगली जनावर र मानव द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु, जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यून गर्नु, सहज तथा सुलभ ढुवानी एबम् यातायात सुविधा उपलब्ध गराउनु र दिगो पर्यटकीय गतिविधि कायम गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

#### ग. सोच

दिगो विकास र पर्यटनको आधार: जलवायु परिवर्तनमैत्री पूर्वाधार

#### घ. लक्ष्य

जलवायु परिवर्तनबाट हुने असरलाई न्यूनीकरण गर्ने ।

#### ङ. उद्देश्य

१. जलवायु परिवर्तनको असर न्यून गर्नु ।
२. पर्यटन व्यवसायको विस्तार गर्नु ।

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. पर्यटकीय पदमार्ग सुधार
२. पर्यटकीय सुविधाको विविधिकरण तथा स्तरीकरण
३. वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन
४. सूचना तथा संचार सुविधाको उचित व्यवस्थापन
५. सार्वजनिक स्थलमा सिसिटिभि तथा सडक वक्तीको व्यवस्थापन
६. स्पोर्ट कृषि कार्यक्रम
७. सीप तथा क्षमता विकास
८. केनल सेण्टरको दीर्घकालीन व्यवस्थापन
९. वुद्ध पार्क निर्माण
१०. लार्चे दोवान नाम्चे सडक निर्माण

११. नाम्चे बस्ती भित्रको बाटो स्तरोन्नति
१२. लार्चे दोभान देखि नाम्चे सम्मको लागि खच्चरको बैकल्पिक बाटो निर्माण
१३. छात्रावास निर्माण तथा व्यवस्थापन
१४. उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवा विस्तार

### छ. स्रोत आवश्यकता

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

### ४रेन्जोला टोल .

#### क. सम्भावना तथा अवसर

रेन्जोला क्षेत्रमा समथर भूमि र उच्च हिमाली परिवेशको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक अनुपम सम्पदा विद्यमान रहेको छ । इन्टरनेट विद्युत मोवाइल सुविधा विस्तार हुँदै गएको यस क्षेत्रका ३ वटा बस्तीमा विद्युत सुविधा उपलब्ध रहेको छ भने अन्य क्षेत्रमा विद्युत सुविधाको विस्तारका क्रममा रहेको छ । विगत देखिकै प्रख्यात रेन्जोला पास तर्फको पर्यटकीय पदमार्ग रहेको छ । पर्यटकीय क्षेत्रमा रोजगारी तथा आयका अवसरहरू उपलब्ध रहेको छ । खानेपानीको स्रोतको उपलब्धता सहज हुँदै गएको छ । वन, जल तथा जमिनको उपयोग मौलिक तथा दिगो रूपमा हुने गरेको छ । स्वास्थ्य चौकी मार्फत आधारभूत सेवा प्रवाह हुने गरेको यस क्षेत्रमा आधारभूत विद्यालय शिक्षामा सहज पहुँच रहेको छ । कुल घरधुरी मध्ये ४० प्रतिशत घरधुरीमा सहज खानेपानी सुबिधको कमी रहेको छ ।

#### ख. समस्या तथा चुनौती

मोवाइल टेलिफोन तथा इन्टरनेट सुविधाको गुणस्तरमा कमी रहेको यस क्षेत्रमा सडक तथा हवाइ यातायातको सुविधामा कमी रहेको छ । गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा तथा विद्यालय सुविधामा कमी रहेको छ । पदयात्रीहरूका लागि सहज र गुणस्तरीय पर्यटकीय पदमार्गको कमी रहेको छ । यस क्षेत्रका करिव ६० प्रतिशत घरधुरीमा खानेपानी सुविधाको कमी रहेको छ । तरङगा, मरलुङ, आर्य र लुङदेनमा विद्युत सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन । बढ्दो बाँझो जमिन, सिंचाई सुविधाको कमी र करिव ५० प्रतिशत घरधुरीमा विद्युतको कमी पनि यस क्षेत्रका समस्याहरू हुन् । न्यून जनघनत्व, मौसमी बसाइसराई र छरिएको बस्ती भएका स्थानहरूमा सुविधा विस्तार गर्नु, जंगली जनावर र स्थानीय नागरिकबीचको द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु, नदिकटान, पहिरो तथा भूक्षयको उच्च जोखिम कम गर्नु र जलवायु परिवर्तनको प्रभाव कम गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेका छन् ।

#### ग. सोच

सुविधा सम्पन्न हाम्रो टोल

#### घ. लक्ष्य

आधारभूत आवश्यकताको पुरा गर्ने गरी पूर्वाधारको विकास गर्ने ।

#### ङ. उद्देश्य

१. आधारभूत सुविधा विस्तार गर्नु ।

#### च. प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना

१. तरङगा, मरलुङ, आर्य र लुङदेनमा विद्युत सुविधा विस्तार
२. एकीकृत बस्ती विकास
३. भूक्षय तथा नदिकटान नियन्त्रण
४. नाम्चे रेञ्जोपास, टासीलाप्चा, छोयाव बेसक्याम्प पदमार्ग निर्माण
५. जंगली जनावर तथा समुदाय द्वन्द्व व्यवस्थापन तथा पशु बीमा
६. नासा ग्योलोक्च पैदल मार्ग निर्माण
७. थामेतेङ हिलाजुङ क्षेत्र पहिरो व्यवस्थापन

८. थामेतेड, हिलाजुड र च्यान्यवचामा ढल व्यवस्थापन ।

### **छ. स्रोत आवश्यकता**

यस बस्तीको समग्र विकासमा योगदान गर्ने रणनीतिक महत्वका मध्यम अवधिका प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनालाई कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको सहजताको लागि आवधिक योजनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रमा समावेश गरी स्रोत आवश्यकता तथा लगानीको स्रोत प्रस्ताव गरिएको छ ।

खुम्बु पासाङल्हामु गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

चौरीखर्क, सोलुखुम्बु, कोशी प्रदेश, नेपाल

इमेल : [ito.khumbupasanglhamumun@gmail.com](mailto:ito.khumbupasanglhamumun@gmail.com)